THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-27 अंक : 242 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) मार्गशीर्ष कृ.8, 2079 बुधवार, 16 नवंबर 2022

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

केरल सरकार पर एक बार फिर भड़के राज्यपाल

नई दिल्ली, 15 नवंबर (एजेंसियां)। केरल के विश्वविद्यालयों में कुलपतियों की नियुक्ति को लेकर राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान आज एक बार फिर से नाराज नजर आए। दिल्ली में मीडिया को संबोधित करते हुए खान ने केरल सरकार पर कई गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालयों को चलाने का काम चांसलर के पास है, सरकार चलाना सरकार के पास है।

मुझे एक उदाहरण दें जहां मैंने सरकार के कारोबार में हस्तक्षेप करने की कोशिश की, मैं उसी क्षण इस्तीफा दे दूंगा। मैं आपको 1001 उदाहरण दे सकता हूं जहां उन्होंने प्रतिदिन विश्वविद्यालयों के कामकाज में हस्तक्षेप किया गया है।

युद्ध को रोकने का रास्ता निकालना होगा : पीएम

नई दिल्ली, 15 नवंबर (एजेंसियां)। इंडोनेशिया में मंगलवार (15 नवंबर, 2022) से शुरू हुए जी-20 शिखर सम्मेलन के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने फूड एंड एनर्जी सिक्योरिटी सत्र में भाग लिया। उन्होंने कहा कि कोरोना और यूक्रेन युद्ध की वजह से दुनिया की सप्लाई चेन प्रभावित हुई है, जिसकी वजह से दुनिया में तबाही फैल गई है। उन्होंने कहा कि यूएन जैसी संस्थाएं इन मुद्दों पर विफल रही हैं इसलिए सभी को मिलकर यूक्रेन युद्ध को रोकने का रास्ता निकालना होगा। इसके अलावा, पीएम मोदी ने जलवायु परिवर्तन और विभिन्न देशों में गरीबी जैसे गंभीर मुद्दों पर भी चर्चा की और जी-20 देशों से इस ओर ध्यान देने की भी अपील की। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक बार फिर यूक्रेन में बातचीत और कूटनीति की बात दोहराई और कहा कि कीव में सीजफायर के रास्ते पर लौटना होगा। उन्होंने कहा, मैंने बार-बार कहा है कि हमें यूक्रेन में युद्धविराम और कूटनीति के रास्ते पर लौटने का रास्ता खोजना होगा। उन्होंने कहा कि पिछली सदी में द्वितीय विश्व युद्ध ने दुनिया में कहर बरपाया। उस समय के नेताओं ने शांति की राह पर चलने का गंभीर प्रयास किया था और अब यह हमारी बारी है।

पीएम मोदी ने कहा कि कोरोना काल के कारण दुनियाभर में मची तबाही के बाद एक नई विश्व व्यवस्था बनाने का दायित्व हमारे कंधों पर है। दुनिया में शांति, सद्भाव और सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए ठोस और सामूहिक संकल्प दिखाना समय की मांग है। उन्होंने इस दौरान भारत को बुद्ध और गांधी की पवित्र भूमि बताते हुए कहा कि उन्हें विश्वास है कि अगले साल जब जी-20 की बैठक होगी तो सभी दुनिया को शांति का एक मजबूत संदेश देने के लिए सहमत होंगे। पीएम मोदी ने आगे कहा कि जलवायु परिवर्तन, कोविड महामारी, यूक्रेन के घटनाक्रम और इससे जुड़ी वैश्विक समस्याओं ने दुनिया में कहर बरपाया हुआ है। उन्होंने कहा कि वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाएं चरमरा गई हैं और पूरी दुनिया में आवश्यक वस्तुओं का संकट है। ऐसे समय में हर देश के गरीब नागरिकों के लिए चुनौती और ज्यादा गंभीर हो गई है। उनका दैनिक जीवन और ज्यादा संघर्ष भरा हो गया है। इस दोहरी मार से निपटने के लिए उनके पास वित्तीय क्षमता की कमी है।

पीएम मोदी ने कहा कि यह स्वीकार करने में भी संकोच नहीं होना चाहिए कि संयुक्त राष्ट्र जैसे संस्थान भी इन मुद्दों पर असफल रहे हैं और हमें उसके लिए उपयुक्त सुधार करने चाहिए। आज दुनिया को जी-20 से बड़ी उम्मीदें हैं और ऐसे में हमारे समूह की योग्यता और अधिक महत्वपूर्ण हो गई है।

पीएम मोदी ने महामारी के दौरान भारत की ओर से लोगों को दी गई मदद का भी जिक्र किया। उन्होंने बैठक में बताया कि भारत ने अपने 1.3 बिलियन नागरिकों की खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित की है। वहीं, कई जरूरतमंद देशों को खाद्यान्न की आपूर्ति भी की गई।

पीएम मोदी ने कहा कि खाद्य सुरक्षा के लिहाज से उर्वरकों की मौजूदा कमी भी एक बहुत बड़ा संकट है। उन्होंने आगे कहा कि उर्वरक की कमी कल एक खाद्य संकट पैदा करेगा, जिसका दुनिया के पास कोई समाधान नहीं होगा। पीएम मोदी ने कहा कि खाद और खाद्यान्न दोनों की आपूर्ति श्रृंखला को स्थिर और सुनिश्चित बनाए रखने के लिए सभी जी-20 देशों को आपसी सहमति बनानी होगी।

उन्होंने कहा कि भारत में स्थायी खाद्य सुरक्षा के लिए, हम प्राकृतिक खेती को बढ़ावा दे रहे हैं और बाजरा जैसे पौष्टिक और पारंपरिक खाद्यान्नों को फिर से लोकप्रिय बना रहे हैं। बाजरा वैश्विक कुपोषण और भूख को भी हल कर सकता है। हम सभी को अगले साल बड़े उत्साह के साथ अंतर्राष्ट्रीय बाजरा वर्ष मनाना चाहिए।

बाली में भारतीयों के बीच मोदी ने कहा भारत स्वार्थी नहीं है

बाली (इंडोनेशिया), 15 नवंबर (एजेंसियां)। इंडोनेशिया के बाली में मंगलवार को जी-20 समिट शुरू हुई। फर्स्ट सेशन में फूड एंड एनर्जी सिक्योरिटी पर चर्चा हुई। इसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने यूक्रेन-रूस जंग रोकने पर जोर दिया। इसके बाद मोदी भारतीय समुदाय के लोगों से मिलने पहुंचे।

यहां मोदी ने कहा, इंडोनेशिया और बाली आने के बाद हर हिंदुस्तानी को एक अलग अहसास होता है। मैं भी वही वाइब्रेशन्स फील कर रहा हूं। हमारा हजारों साल पुराना रिश्ता है। हम हजारों साल से इस परंपरा को निभा रहे हैं। हम बाली में हैं और यहां से डेढ़ हजार किलोमीटर दूर कटक में बाली जात्रा (यात्रा) चल रही है। हम लोग अकसर बातचीत में कहते हैं, इट्स ए स्मॉल वर्ल्ड। समंदर की लहरों ने दोनों देशों के नातों को जीवंत बना रखा है। भारतीय यहां के विकास में सहयात्री बने हुए हैं। दोनों देश सुख-दुख के साथी हैं। 2018 में जब यहां भूकंप आया तो हमने ऑपरेशन समुद्र मैत्रीयी चलाया था। हम 99 नॉटिकल मील दूर नहीं, 99 नॉटिकल पास हैं। 2014 के पहले और 2014 के बाद के भारत में बहुत फर्क है। वो जो बहुत बड़ा फर्क वो मोदी नहीं है, वो स्किल और स्पीड है। अमेरिका की जो कुल आबादी है, उतने तो हमने बैंक अकाउंट खोले हैं। 55 हजार किलोमीटर नेशनल हाईवे बनाए हैं। यह पूरी धरती के करीब-करीब डेढ़ चक्कर लगाने के बराबर है।

कोरोना काल में भारत ने अपने नागरिकों को जितनी वैक्सीन डोज मुफ्त में लगाईं वो अमेरिका और यूरोपीय यूनियन की आबादी के ढाई गुना ज्यादा है। इसलिए मैं कहता हूं कि भारत बदला है। हम स्वार्थी नहीं हैं। दुनिया को हमसे अपेक्षा है। हम जिम्मेदारी से इसे पूरा कर रहे हैं। अगला प्रवासी भारतीय सम्मेलन अगले साल जनवरी में इंदौर में होगा। यह भारत का सबसे स्वच्छ शहर है। इंदौर आएं तो अहमदाबाद के काइट फेस्टिवल में भी आइए। अपने साथ इंडोनेशिया के कुछ परिवारों को भी लाइए। समिट के फर्स्ट सेशन में जी-20 नेताओं के बीच फूड एंड एनर्जी सिक्योरिटी पर चर्चा हुई। इसमें पीएम मोदी ने कहा, कोरोना और इसके बाद यूक्रेन संकट ने दुनिया में तबाही मचाई है। यूएन भी इन मुद्दों पर कुछ नहीं कर पाया। हमें यूक्रेन-रूस जंग को रोकने का रास्ता खोजना होगा। इसकी वजह से ग्लोबल सप्लाई चेन पर बुरा असर पड़ा है। समिट के दौरान, अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन खुद मोदी से मिलने पहुंचे। दरअसल, मोदी बाइडेन को देख नहीं पाए थे। वो दूसरी तरफ जा रहे थे। इसी दौरान बाइडेन ने उन्हें पुकारा और फिर दोनों ठहाके लगाते नजर आए। कुछ मिनट बाद प्रधानमंत्री ने फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों को बुलाया और उनसे बातचीत की।

अमेरिकी विदेश विभाग में हिंदी बोलने वाले प्रवक्ता जेड तरार चर्चा में रहे। तरार पाकिस्तानी मूल के हैं, लेकिन हिंदी के कठिन शब्दों पर भी उनकी अच्छी पकड़ है। वो अकसर टीवी चैनल्स पर भी नजर आते हैं। जी-20 के दौरान स्टेट डिपार्टमेंट ने उन्हें अहम जिम्मेदारी सौंपी है। उन्होंने कुछ भारतीय टीवी चैनल्स को इंटरव्यू भी दिए। तरार ने कहा, भारत और अमेरिका के रास्ते अब अलग नहीं हो सकते।

ऋषि सुनक के साथ नरेंद्र मोदी

ब्रिटेन पीएम ऋषि सुनक के साथ इस अंदाज में नजर आए पीएम नरेंद्र मोदी

नई दिल्ली, 15 नवंबर (एजेंसियां)। इंडोनेशिया में हो रहे जी-20 शिखर सम्मेलन का आज पहला दिन है। ऐसे में पीएम नरेंद्र मोदी ने दुनिया भर के कई बड़े नेताओं से अनौपचारिक रूप से मुलाकात की है। इसी क्रम में उन्होंने ब्रिटिश पीएम ऋषि सुनक से भी मुलाकात की। पीएमओ इंडिया की ओर से तस्वीर साझा कर बताया गया कि पीएम मोदी और ऋषि सुनक में मुलाकात की है। सुशील नाम के ट्विटर यूजर ने चुटकी लेते हुए लिखा कि, मोदी जी ऋषि सुनक से सेटिंग करके कोहिनूर वापस मांग लो ना। माधुरी नाम की एक यूजर ने सवाल किया, कृपया मुझे बताइए कि आप लोगों ने हिंदी में बात की थी? रविंद्र शुक्ला नाम के ट्विटर यूजर द्वारा कमेंट किया गया कि, आप लोगों ने अगर हिंदी में बात की हो तो उसका ऑडियो जरूर शेयर कीजिएगा। हेमंत नाम के यूजर ने लिखा, मैं सोच रहा हूं कि आप लोग बातचीत के लिए कौन सी लैंग्वेज का इस्तेमाल कर रहे होंगे?

मनी लॉन्ड्रिंग मामला : जैकलीन फर्नांडिस को मिली जमानत

नई दिल्ली, 15 नवंबर (एजेंसियां)। बॉलीवुड अभिनेत्री जैकलीन फर्नांडिस को मनी लॉन्ड्रिंग मामले में बड़ी राहत मिली है। पटियाला हाउस कोर्ट ने दो लाख रुपये के निजी मुचलके पर उन्हें जमानत दे दी है। हालांकि बिना कोर्ट की इजाजत के जैकलीन देश छोड़कर बाहर नहीं जा सकती हैं। इससे पहले कोर्ट ने 10 नवंबर को सभी पक्षों को सुनने के बाद जमानत पर फैसला सुरक्षित रख लिया था। महाठग सुकेश चंद्रशेखर से जुड़े 200 करोड़ के मनी लॉन्ड्रिंग मामले में जैकलीन फर्नांडिस आरोपी हैं।

सुनवाई के दौरान प्रवर्तन निदेशालय ने पटियाला हाउस कोर्ट में तर्क रखा कि जब मनी लॉन्ड्रिंग से जुड़े सभी आरोपित जेल में बंद हैं तो जैकलीन फर्नांडिस को जमानत क्यों दी जाए। ईडी ने अभिनेत्री की जमानत याचिका का विरोध करते हुए कहा कि उन्होंने देश से भागने की कोशिश की। इस

दौरान उन्होंने जांच में सहयोग भी नहीं किया। ऐसे में अभिनेत्री को जमानत नहीं मिलनी चाहिए। उन पर महाठग सुकेश चंद्रशेखर से करोड़ों के गिफ्ट्स लेने का आरोप है। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने कोर्ट को बताया कि अभिनेत्री ने इस बात को स्वीकारा है और उन्होंने सबूतों से छेड़छाड़ करने, सबूत मिटाने के लिए अन्य लोगों से कहा था। बता दें कि सुकेश चंद्रशेखर मनी लॉन्ड्रिंग मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने जैकलीन फर्नांडिस के खिलाफ चार्जशीट पेश की थी। ईडी ने अपनी चार्जशीट में उन्हें आरोपी बताया है। सुकेश चंद्रशेखर के 200 करोड़ रुपये की ठगी केस में अभिनेत्री नोरा फ़तेही से भी दिल्ली पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा पूछताछ कर चुकी है।

पुलिस के मुताबिक, पिंकी ईरानी ने ही सुकेश चंद्रशेखर से जैकलीन की मुलाकात कराई थी। पिंकी ईरानी का कहना था कि जैकलीन को पता था कि सुकेश चंद्रशेखर 200 करोड़ रुपये की ठगी केस में दिल्ली के तिहाड़ जेल में बंद है। इसके बाद भी जैकलीन ने उससे गिफ़्ट लिए। हालांकि, जैकलीन ने कहा है कि पिंकी झूठ बोल रही है और उसे कोई जानकारी नहीं थी।

इससे पहले ईओडब्ल्यू ने जैकलीन फर्नांडिस के मैनेजर प्रशांत के पास से एक डुकाटी बाइक रिकवर की थी। इस बाइक की कीमत आठ लाख रुपये है। यह बाइक सुकेश चंद्रशेखर ने ठगी के पैसों से प्रशांत को दिलाई थी। फरवरी 2021 में यह बाइक सुकेश ने जैकलीन के मैनेजर को दी थी।

51 सांसद और 71 विधायकों पर मनी लॉन्ड्रिंग के मामले

ईडी ने सुप्रीम कोर्ट को सौंपी रिपोर्ट, दिल्ली उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया भी शामिल

नई दिल्ली, 15 नवंबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट में ईडी की ओर से दाखिल रिपोर्ट में खुलासा हुआ है कि 51 सांसदों और 71 विधायकों के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग रोकथाम अधिनियम के तहत केस दर्ज हैं। रिपोर्ट में यह साफ नहीं किया गया है कि इनमें से कितने मौजूदा सांसद या विधायक हैं और कितने पूर्व। इस मामले में उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया और व्यापारी विजय नायर भी आरोपी हैं।

सीबीआई की कोर्ट में पेश एक ऐसी ही रिपोर्ट में बताया गया है कि मौजूदा और पूर्व सांसदों और विधायकों के खिलाफ कुल 121 केस लंबित हैं। इनमें से 51 सांसद हैं। जिनमें 14 मौजूदा और 37 पूर्व संसद सदस्य हैं। 5 का निधन हो चुका है।

इसके साथ ही सीबीआई के समक्ष 112 विधानसभा सदस्यों के खिलाफ केस है। इनमें 34 मौजूदा और 78 पूर्व विधायक हैं, जबकि 9 का निधन हो चुका है। इस रिपोर्ट में कहा गया है कि 37 सांसदों के खिलाफ सीबीआई जांच लंबित है। सुप्रीम कोर्ट में दोनों जांच एजेंसियों की दाखिल रिपोर्ट जैसे तथ्य कोर्ट में वरिष्ठ वकील विजय हंसरिया द्वारा दायर रिपोर्ट में भी हैं। हंसारिया को सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में न्यायमित्र नियुक्त किया है। दरअसल, कोर्ट में भाजपा नेता और वकील अश्विनी उपाध्याय ने याचिका दायर की है। इसमें सांसदों-विधायकों के खिलाफ मामलों में तेजी से सुनवाई की मांग की है। हंसारिया ने अपनी रिपोर्ट में सांसदों के खिलाफ मामलों की सुनवाई में अत्यधिक देरी का उल्लेख किया है। कई तो 5 साल से ज्यादा समय से लंबित हैं। मामले में मंगलवार को सुनवाई हो सकती है।

जस्टिस यशवंत वर्मा ने अर्जी पर आदेश जारी किया है। मामले की अगली सुनवाई 21 नवंबर को होगी। उधर, ईडी ने मनी लॉन्ड्रिंग के एक मामले में आप के मीडिया विभाग के प्रमुख विजय नायर और कारोबारी अभिषेक बोइनपल्ली को गिरफ्तार किया है।

ममता बनर्जी की केंद्र को चुनौती

अगर राज्य का बकाया नहीं चुकाया तो जीएसटी देना बंद कर देंगे

कोलकाता, 15 नवंबर (एजेंसियां)। भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा कि यदि केंद्र, राज्य सरकार के बकाया को नहीं चुकाता है, तो वह वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) देना बंद कर सकते हैं। आदिवासी बहुल जिला झारग्राम में एक रैली को संबोधित करते हुए बनर्जी ने कहा कि केंद्र को राज्य का बकाया चुकाना चाहिए या सत्ता छोड़ देनी चाहिए। बनर्जी ने आरोप लगाया कि केंद्र मनरेगा के तहत फंड को जारी नहीं कर रहा है। उन्होंने आदिवासियों से इसका विरोध करने के लिए सड़कों पर उतरने को कहा। मुख्यमंत्री ने आगे कहा, क्या हम बकाया चुकाने के लिए केंद्र के सामने भीख मांगेंगे? वे मनरेगा का फंड जारी नहीं कर रहे हैं। भाजपा सरकार को सत्ता छोड़ देनी चाहिए अगर वह बकाया नहीं चुका सकती है। बनर्जी ने झारग्राम में आदिवासियों के साथ ड्रम पर भी हाथ आजमाए और उनके साथ पारंपरिक नृत्य में भी शामिल हुईं।

आतंकी पन्नू और उसके संगठन की नए सिरे से कमर तोड़ने की तैयारी

नई दिल्ली, 15 नवंबर (एजेंसियां)। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने प्रतिबंधित संगठन सिख फॉर जस्टिस और उसके संस्थापक गुरपतवंत सिंह पन्नू की कमर तोड़ने की तैयारी शुरू कर दी है। सूत्रों के मुताबिक इंटरपोल द्वारा पन्नू के खिलाफ रेड कॉर्नर नोटिस जारी करने से इनकार के बाद अब नए सिरे से उसके अपराधों का कच्चा चिट्ठा तैयार किया जा रहा है।

इसके लिए एनआईए के साथ साथ देश की अन्य जांच एजेंसियों को समन्वय कर इसका जिम्मा सौंपा गया है। जानकारी के मुताबिक पिछले महीने खबर सामने आई थी कि इंटरपोल ने गुरपतवंत सिंह पन्नू के खिलाफ भारत की मांग पर रेड कॉर्नर नोटिस जारी करने से इनकार कर दिया। सूत्रों के अनुसार इसको लेकर गृह मंत्रालय में पिछले दिनों हुई एक बैठक में एनआईए को जिम्मेदारी सौंपी गई है कि वो सभी एजेंसियों से तालमेल बनाकर एक नया डोजियर तैयार करे। इसके लिए एनआईए को नए सिरे से एफआईआर दर्ज करने सहित सभी कानूनी पहलुओं को पुख्ता करने के निर्देश दिए गए हैं। सूत्रों ने बताया कि एनआईए को आईबी, ईडी, रॉ व दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल सहित संबंधित राज्यों की पुलिस के साथ मिलकर काम करने को कहा गया है। गृह मंत्रालय की तरफ से विभिन्न एजेंसियों से कहा गया है कि वे खालिस्तान मूवमेंट और पन्नू से जुड़ी हर छोटी बड़ी बात को साझा करें। केंद्रीय एजेंसियों के पास जानकारी है कि गुरपतवंत सिंह पन्नू और उसका संगठन अब पंजाब के अलावा दिल्ली, हरियाणा, यूपी, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में भी पांव पसार रहा है। यही वजह है कि पिछले दिनों राज्यों की पुलिस से भी जानकारी साझा करने की बात कही गई है।

वहीं दूसरी तरफ जानकारी के मुताबिक जांच एजेंसियों द्वारा पन्नू की गतिविधियों जिनमें खालिस्तान के लिए जनमत संग्रह, पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई की मदद से भारत में तोड़फोड़ की गतिविधियां, किसान व युवाओं को बरगलाना और अपने गुर्गों तक हथियार एवं आईईडी आदि विस्फोटक सामग्री पहुंचाना शामिल हैं, को विशेष ऑपरेशन के तहत काउंटर किया जा रहा है। खालिस्तानी संगठन की मदद से पंजाब व दूसरे सीमावर्ती राज्यों में जो राष्ट्र विरोधी गतिविधियां शुरू की गई हैं, उनकी जड़ों पर भी प्रहार करने की रणनीति तैयार की जा रही है।

टीआरएस विधायकों के खरीद का मामला

एचसी ने सीबीआई जांच की मांग वाली याचिका खारिज की

हैदराबाद, 15 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना उच्च न्यायालय ने मंगलवार को टीआरएस विधायकों के खरीद के मामला सीबीआई को सौंपने की भाजपा की याचिका खारिज कर दी, लेकिन मामले की जांच कर रहे विशेष जांच दल (एसआईटी) को स्वतंत्र कर दिया। अदालत ने यह भी फैसला सुनाया कि एक एकल न्यायाधीश सत्तारूढ़ तेलंगाना राष्ट्र समिति (टीआरएस) के चार विधायकों को भाजपा में शामिल करने के लिए भाजपा के तीन कथित एजेंटों की गिरफ्तारी से संबंधित मामले की जांच की निगरानी करेगा। प्रधान न्यायाधीश न्यायमूर्ति उज्ज्वल भुइयां की अध्यक्षता वाली खंडपीठ ने हैदराबाद के पुलिस आयुक्त सी.वी. आनंद की अध्यक्षता वाली एसआईटी को निर्देश दिया कि वे जांच की प्रगति के बारे में जानकारी किसी को न दें। एसआईटी को अदालत में रिपोर्ट करने के लिए कहा गया है और किसी को नहीं। टीम को यह भी निर्देश दिया गया है कि वह मीडिया को जानकारी लीक न करे। अदालत ने सीबीआई से जांच कराने की भाजपा की याचिका का निपटारा करते हुए यह आदेश दिया। इसने एसआईटी को जांच की प्रगति पर 29 नवंबर को अदालत में एक रिपोर्ट पेश करने को कहा है। गौरतलब है कि रामचंद्र भारती उर्फ सतीश शर्मा, सिम्हायाजी और नंदकुमार को साइबराबाद पुलिस ने 26 अक्टूबर की रात हैदराबाद के पास मोइनाबाद के एक फार्महाउस से गिरफ्तार किया था, जब वे कथित तौर पर टीआरएस के चार विधायकों को मोटी रकम के

लालच में फंसाने की कोशिश कर रहे थे। साइबराबाद पुलिस ने तेरास विधायक पायलट रोहित रेड्डी की गुप्त सूचना पर छापेमारी की। उन्होंने आरोप लगाया कि आरोपियों ने उन्हें 100 करोड़ रुपये और तीन अन्य को 50-50 करोड़ रुपये की पेशकश की। आरोपियों पर भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) और भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया था। उच्च न्यायालय ने 29 अक्टूबर को मामले की चल रही जांच पर रोक लगा दी थी और राज्य सरकार और अन्य प्रतिवादियों से भाजपा की याचिका पर जवाबी दाखिल करने को कहा था। अदालत ने आठ नवंबर को रोक हटा ली। राज्य सरकार ने नौ नवंबर को मामले की जांच के लिए एसआईटी का गठन किया था। हैदराबाद पुलिस आयुक्त के नेतृत्व में, इसमें छह अन्य पुलिस अधिकारी शामिल हैं। >14

गौतम नवलखा को स्पेशल कोर्ट में किया गया पेश हाउस अरेस्ट की औपचारिकताओं पर सुनवाई

मुंबई, 15 नवंबर (एजेंसियां)। एल्गार परिषद-माओवादी संबंध मामले के आरोपी गौतम नवलखा को जेल से बाहर घर में नजरबंद रखने संबंधी औपचारिकताओं को लेकर मंगलवार कार्यवाही हुई। इस संबंध में उसे मुंबई की एक विशेष एनआईए अदालत में पेश किया गया।

इतना ही नहीं, इस मामले के अन्य आरोपियों को भी आज अदालत के सामने नियमित सुनवाई के लिए लाया गया था। गौरतलब है कि गौतम नवलखा, सर्वोच्च न्यायालय से बड़ी राहत मिलने के बाद भी अब तक जेल में ही है। सुप्रीम कोर्ट ने उन्हें कई शर्तों के तहत जेल से बाहर घर में नजरबंद रखने के लिए आदेश दिया था। उन्हें अब तक जेल में रखने के पीछे का कारण रिहाई की औपचारिकताओं का प्रक्रियाधीन होना है। इस बीच यह भी सामने आया था कि सत्र अदालत के रजिस्ट्री विभाग ने नवलखा के वकील द्वारा एससी-सेट शर्तों के तहत जमा किए गए ज़मानत पत्रों पर कुछ आपत्तियां भी उठाई थीं।

दरअसल, पांच दिन पहले यानी गुरुवार को सुप्रीम कोर्ट ने आदेश दिया था कि नवलखा को तलोजा जेल से रिहा करके नजरबंद रखा जाए। अदालत ने नवलखा के स्वास्थ्य कारणों के चलते ये राहत दी थी। हालांकि सर्वोच्च न्यायालय ने कई शर्तें भी तय की हैं। नवलखा के वकील ने जानकारी दी कि नवलखा की जेल से रिहाई की औपचारिकताएं सोमवार को मुंबई में एक विशेष एनआईए (राष्ट्रीय जांच एजेंसी) अदालत के समक्ष शुरू की गईं। ये अदालत ही उनके खिलाफ मामले की सुनवाई कर रही है।

'सरकार कर क्या रही है? जबरन धर्म बदलवाने वालों पर सख्त कार्रवाई क्यों नहीं करती?'

नई दिल्ली, 15 नवंबर (एजेंसियां)। जबरन धर्म परिवर्तन पर सुप्रीम कोर्ट ने सख्ती बरतने को कहा है। जहां तक संविधान की बात है, उसमें धर्म परिवर्तन तो जायज है। कोई भी अपना धर्म बदलने को स्वतंत्र है, लेकिन जबरन धर्म परिवर्तन जायज नहीं है। सुप्रीम कोर्ट ने इसे गंभीर मसला बताते हुए जबरन धर्म परिवर्तन कराने वालों पर सख्त कार्रवाई करने को कहा है। याचिका में मांग की गई थी कि जबरन धर्म बदलवाने वालों को दंडित करने के लिए अलग से कानून बनाया जाना चाहिए। इस पर कोर्ट बाद में विचार करेगा।

कोर्ट में बताया गया कि धर्म परिवर्तन के ये मामले आदिवासी इलाकों में ज्यादा होते हैं। इसके बारे कोर्ट ने सरकार से ही सवाल किया है कि वह क्या कर रही है? सरकार के पास इसका कोई जवाब नहीं था। >14

दुनिया में 800 करोड़वें बच्चे का जन्म

ईसा के समय धरती पर 20 करोड़ लोग थे, पिछले 24 साल में 200 करोड़ बढ़ी आबादी

टॉप 10 ज्यादा आबादी वाले देश

देश	आबादी
चीन	1,452,575,392
भारत	1,412,836,392
अमेरिका	335,653,422
इंडोनेशिया	280,535,707
पाकिस्तान	231,525,188
नाइजीरिया	218,981,075
ब्राजील	216,191,028
बांग्लादेश	168,661,113
रूस	146,082,396
मेक्सिको	132,216,295

न्यूयॉर्क/नई दिल्ली, 15 नवंबर (एजेंसियां)। दुनिया में 800 करोड़वें बच्चे ने जन्म ले लिया है। जनसंख्या को रियल टाइम ट्रैक करने वाली साइट https://www.worldometers.info/ के मुताबिक, मंगलवार दोपहर करीब 1 बजकर 30 मिनट पर इस बच्चे ने जन्म लिया। इसके साथ ही दुनिया की आबादी भी 8 अरब (800 करोड़) हो गई है।

जनसंख्या पर संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट यानी यूएन रिपोर्ट में भी अनुमान लगाया गया था कि 15 नवंबर 2022 को दुनिया की आबादी 800 करोड़ हो जाएगी। आबादी में बढ़ोतरी के इस आंकड़े में जो खास बात है, वो ये कि दुनिया की आबादी में 200 करोड़ की बढ़ोतरी पिछले 24 साल में ही हो गई है। 1998 में दुनिया की आबादी 600 करोड़ थी, जो 2010 में बढ़कर 700 करोड़ हो गई। अगले 12 साल यानी 2022 में आबादी में फिर 100 करोड़ का इजाफा हुआ और 15 नवंबर 2022 को दुनिया में 800 करोड़वें बच्चे का जन्म हुआ। दुनिया की आबादी को लेकर ईसा के जन्म के समय के बाद से डेटा उपलब्ध है। यानी दो हजार साल से ज्यादा के समय में आबादी की बढ़ोतरी को हम देख सकते हैं।

› आबादी को 100 करोड़ तक पहुंचने में 1800 साल लगे

ये आंकड़े साफ करते हैं कि ईसा के जन्म के समय दुनिया की आबादी 20 करोड़ के करीब थी। इसे 100 करोड़ तक पहुंचने में करीब 1800 साल लगे। इसके बाद यानी 100 करोड़ से 200 करोड़ तक पहुचने में दुनिया को 130 साल ही लगे।

› स्वास्थ्य सेवाएं सुधरीं तो 14 साल में 100 करोड़ लोग बढ़े

ओद्योगिक क्रांति के साथ स्वास्थ्य सेवाओं में तेजी से सुधार हुआ। नतीजे के तौर पर जन्म लेने वाले बच्चों और डिलीवरी के समय मरने वाली महिलाओं की संख्या में कमी आई। इसके साथ ही आबादी में बढ़ोतरी तेज होती गई। अगले 30 साल में दुनिया की आबादी 200 करोड़ से 300 करोड़ हो गई, तो वहीं केवल 14 साल में आबादी 300 करोड़ से 400 करोड़ पहुंच गई।

› धरती पर अगले 18 साल में 850 करोड़ इंसान होंगे

ताजा ट्रेंड देखें तो केवल 12 साल में धरती पर मौजूद इंसानों की संख्या 700 करोड़ से बढ़कर 800 करोड़ हो गई। यूएन के अनुमान के मुताबिक, 2030 तक दुनिया की आबादी बढ़कर 850 करोड़ तक पहुंच सकती है। हालांकि, यूएन ने यह भी कहा है कि 1950 के बाद से पहली बार 2020 में जनसंख्या बढ़ोतरी की दर में एक फीसदी की गिरावट दर्ज हुई है।

› 28 साल बाद दुनिया की आधी आबादी 8 देशों में होगी

आबादी पर यूएन की रिपोर्ट में कहा गया है कि 2050 तक आबादी में से आधे से ज्यादा हिस्सा केवल आठ देशों में होगा। इनमें भारत समेत पाकिस्तान, फिलीपींस, मिस्र, कांगो, नाइजीरिया, तंजानिया और इथियोपिया शामिल हैं। यूएन ने 61 ऐसे देशों का अनुमान भी लगाया है जिनकी आबादी 2022 से 2050 के बीच घट जाएगी। इनमें सबसे ज्यादा देश यूरोप के होंगे।

› भारत की आबादी चीन से ज्यादा हो सकती है

विश्व जनसंख्या दिवस पर यूएन ने 11 जुलाई 2022 को आबादी का जो अनुमान जारी किया था, उसमें कहा गया था कि कि 2023 तक भारत की जनसंख्या चीन की आबादी से ज्यादा हो सकती है।

इसके साथ ही भारत दुनिया में सबसे ज्यादा पॉपुलेशन वाला देश बन जाएगा। फिलहाल चीन की आबादी 1.426 अरब है और भारत की आबादी 1.412 अरब है। माना जा रहा है कि 2023 में भारत की जनसंख्या बढ़कर 1.429 अरब होने वाली है। साथ ही 2050 तक यह आंकड़ा 1.668 अरब तक पहुंच जाएगा। सदी के मध्य में चीन की आबादी घटकर 1.317 अरब होने का अनुमान है।

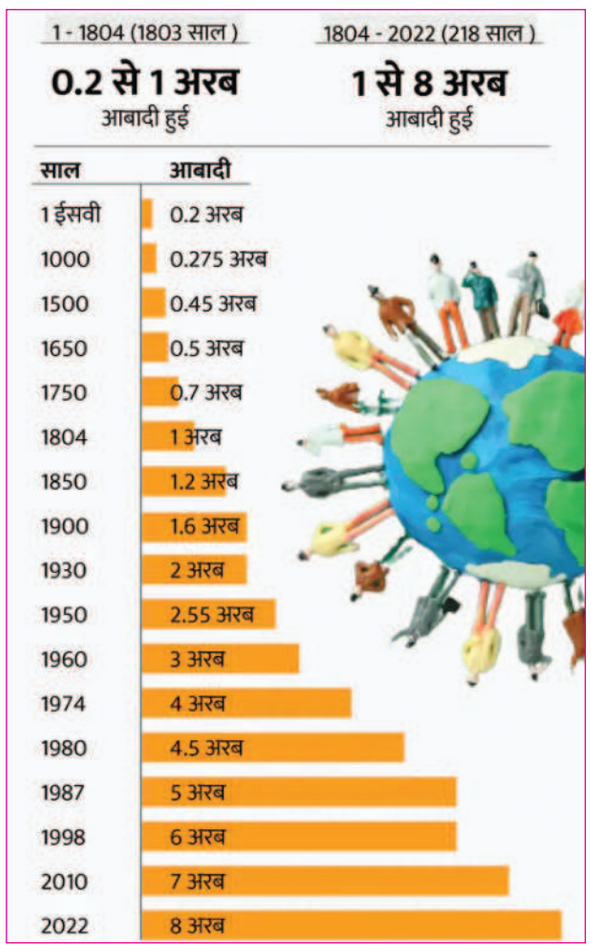

दुनिया में युवाओं के मुकाबले महिलाएं-बुजुर्ग बढ़ेंगे

यूएन की रिपोर्ट के मुताबिक फिलहाल दुनिया में 50.3% पुरुष और 49.7% महिलाएं हैं, लेकिन 2050 तक दोनों की ही संख्या बराबर हो जाएगी।

इसके अलावा, अभी वैश्विक जनसंख्या में 65 की उम्र या उससे ज्यादा के लोगों की हिस्सेदारी 10% है। यह 2022 से 2030 के बीच बढ़कर 12% और 2050 तक 16% हो जाएगी। इस दौरान यूरोप और नॉर्थ अमेरिका में हर 4 में से एक व्यक्ति की उम्र 65 साल से ज्यादा होगी।

रोचक खबरें

गणेश मंदिर पर हाथ जोड़कर खड़ा था शख्स अचानक पालतू कुत्ते ने जो किया वो बडा रोचक था

हिंदू देवता भगवान गणेश को बाधाओं के निवारण के रूप में पूजा जाता है. जब भी कोई मुसीबत आती है तो लोग विघ्ननिवारण के लिए भगवान गणेश को पूजते हैं. भारत और दुनिया में हजारों लोग भगवान गणपति की पूजा करते हैं और उनके आशीर्वाद के लिए उनकी दिव्य शक्ति में विश्वास करते हैं. मंदिरों में जाकर हाथ जोड़ते हैं और उनके आभार के लिए भगवान को धन्यवाद देते हैं. कुछ लोग ऐसे भी होते हैं तो दूसरों के कल्याण के लिए प्रार्थना करते हैं, ताकि उनके आस-पास का वातावरण शांतिप्रिय रहे. कई बार आप जानवरों को भी मंदिर के आसपास भटकते हुए देखते हैं, लेकिन एक वीडियो ने लोगों को हैरत में डाल दिया।

पालतू कुत्ते ने भगवान गणेश के सामने झुकाया सिर

सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसे देखकर लोग यह सोचने लगे कि क्या पालतू कुत्ते जैसे जानवर भी नियमित रूप से भगवान से प्रार्थना करने लगे हैं? चलिए हम आपको एक ऐसा वीडियो दिखलाते हैं, जिसे देखकर आपके होश उड़ जाएंगे. एक मनमोहक क्लिप वायरल हो रही है जहां एक पालतू कुत्ता अपने मालिक के साथ आया और मंदिर के सामने सिर झुकाकर बैठ गया. वीडियो में एक व्यक्ति हाथ जोड़कर मंदिर में भगवान गणेश की मूर्ति के सामने खड़ा है. जैसे ही आदमी प्रार्थना करता है, कुत्ते ने अपना सिर बप्पा के सामने झुका दिया है और वह भी प्रणाम कर रहा है.

वीडियो देखने के बाद लोगों ने दिए ऐसे रिएक्शन

जब आदमी भगवान गणेश को अपना सम्मान दे रहा होता है, तो कुत्ता उठ जाता है और उसके साथ चला जाता है. यूजर 'thrifts_grace' द्वारा इंस्टाग्राम पर साझा किए गए वीडियो को 1.5 मिलियन से अधिक बार देखा गया और 261k लाइक्स मिले. टिप्पणियों में लोगों के अनुसार, वीडियो महाराष्ट्र के पुणे में दगदूशेठ गणपति मंदिर का है. नेटिजन्स ने वीडियो को पूरी तरह से पसंद किया और टिप्पणियों की बाढ़ आ गई।

दोनों हाथ से एक साथ लिखते हैं ये 100 बच्चे

लोग 'थ्री ईडियट्स' के प्रोफेसर सहस्त्रबुद्धे कहते हैं मिलिए एमपी के इन बच्चों से

एमपी गजब है, तो यहां के बच्चे भी गजब हैं। उम्र छोटी है, लेकिन नॉलेज के मामले में बड़ों को मात दे दें। आज बाल दिवस पर हम आपके लिए ऐसे ही बच्चों की कहानी लेकर आए हैं, जिन्हें पढ़कर आप भी यही कहेंगे कि छोटा पैकेट, बड़ा धमाका। सिंगरौली के एक स्कूल में पढ़ने वाले 100 बच्चे एक साथ दोनों हाथों से लिखने में माहिर हैं। रीवा जिले के 'दो लिटिल गूगल बॉय' की देश-दुनिया में चर्चा हो रही है। सिर्फ 2 साल की उम्र में दोनों ने मेमोरी पावर से यह उपलब्धि हासिल की है। पहले बच्चे का नाम यशस्वी मिश्रा तो दूसरे का अविराज तिवारी है। यशस्वी मिश्रा विश्व के सभी 195 देशों के झंडे पहचान लेता है, तो अविराज तिवारी कई देशों के अलावा भारत के सभी राज्यों के नक्शे देखकर उनकी पहचान कर लेता है। इसी वजह से अविराज का नाम वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड में दर्ज हुआ है। बालाघाट की 11 साल की आस्था की मेमोरी पावर भी गजब की है। सिंगरौली जिले के छोटे से गांव बुधेला में रहने वाले 100 बच्चे दोनों हाथ से एक साथ लिखने में माहिर हैं। ये सभी बच्चे वीणा वादिनी पब्लिक स्कूल में पढ़ते हैं। ये दोनों हाथों से एक साथ कलम चलाते हैं, वो भी पूरी रफ्तार के साथ।

इन्हें क्लास में किसी भी होमवर्क को करने में सामान्य बच्चों के मुकाबले आधा समय लगता है। इन्हें हिंदी, संस्कृत, इंग्लिश, उर्दू और स्पैनिश भाषा का ज्ञान है। इन्हें कोई 'थ्री इडियट्स' फिल्म का 'प्रोफेसर वीरू सहस्त्रबुद्धे' तो कोई हैरी पॉटर वाला जादूगर 'वॉल्ट मोर' कहता है। बच्चों को यह हुनर उनके स्कूल में सिखाया जाता है। गांव के वीरेंगद शर्मा ने बताया कि जबलपुर में सेना का प्रशिक्षण ले रहे थे। सेना के लिए तैयारी के समय देश के पहले राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद के बारे में बताया गया कि वे दोनों हाथ से लिखते थे। इस पर उनकी जिज्ञासा बढ़ी, तो कुछ अलग करने के लिए गांव में 1999 में यह स्कूल शुरू किया।

ये हैं 2022 के सबसे पॉप्युलर और खतरनाक पासवर्ड, भूलकर भी ना करें इस्तेमाल

हमारी डिजिटल आइडेंटिटी को ऑनलाइन सेफ रखने में सबसे ज्यादा जरूरी होते हैं- मजबूत पासवर्ड। हालांकि, दुनियाभर के अधिकतर देशों में लोग आसान पासवर्ड ही रखते हैं और भारत में भी ऐसा ही है। ऑनलाइन यूजर्स अक्षर और नंबर के कॉम्बिनेशन वाले सिंपल पासवर्ड को ही अपने पासवर्ड के तौर पर इस्तेमाल करते हैं। नार्ड पास की एक नई रिपोर्ट के मुताबिक, भारत में 200 सबसे ज्यादा इस्तेमाल किए जाने वाले पासवर्ड का खुलासा हुआ है। इसके साथ ही इन पासवर्ड को क्रैक (पता लगाने) करने में लगने वाले समय की भी जानकारी दी गई है। इनमें 'googledummy' जैसा पासवर्ड भी है जो नंबर 10 पर है और इसे क्रैक करने में 23 मिनट लगते हैं। वहीं 123456 पासवर्ड नंबर 2 पर है और इसे क्रैक करने में एक सेकंड से भी कम समय लगता है।

रिपोर्ट में बताया गया है, '2021 के आंकड़ों से तुलना करें तो 2022 के 200 सबसे ज्यादा इस्तेमाल किए जाने वाले पासवर्ड में 73 प्रतिशत पिछले साल वाले ही हैं। इसके अलावा, इस साल की लिस्ट में शामिल 83 प्रतिशत पासवर्ड को एक सेकंड से भी कम में क्रैक किया जा सकता है।' 2017 में आई Statista की एक रिपोर्ट के अनुसार, साइबरक्राइम के जरिए जिन देशों के यूजर्स नुकसान झेल रहे हैं, उनमें भारत चौथे नंबर पर है। साइबरक्राइम को लेकर पिछले कुछ सालों में लोगों में जागरुकता बढ़ी है। लेकिन लोग मजबूत पासवर्ड बनाने के लिए पर्याप्त समय और कोशिश नहीं कर रहे हैं और डिजिटल पहचान (ऑनलाइन अकाउंट्स) के हैक होने की यह एक बड़ी वजह रही है।

रिवाबा ने चुनाव दिलचस्प बनाया

अहमदाबाद, 15 नवंबर (एजेंसियां)। जामनगर जिले की जामनगर उत्तर सीट इस चुनाव की सबसे चर्चित सीटों में से एक है। इस बार यहां से क्रिकेटर रवींद्र जडेजा की पत्नी रिवाबा जडेजा मैदान में हैं। 2008 में हुए परिसीमन के बाद यह सीट अस्तित्व में आई। 2012 में यहां पहली बार चुनाव हुए। रिवाबा की उम्मीदवारी से इस सीट का मुकाबला दिलचस्प हो गया है।

2012 के विधानसभा चुनाव में इस सीट से कांग्रेस के धर्मेंद्र सिंह जडेजा ने जीत दर्ज की थी। धर्मेंद्र ने भाजपा के मुलुभाई को 9 हजार से ज्यादा वोट के अंतर से हराया था। उस चुनाव में कुल 13 उम्मीदवार मैदान में थे। भाजपा और कांग्रेस के उम्मीदवारों को छोड़कर बाकी 11 उम्मीदवारों की जमानत जब्त हो गई थी।

2017 के विधानसभा चुनाव में इस सीट से भाजपा ने कांग्रेस छोड़कर आए धर्मेंद्र जडेजा को अपना उम्मीदवार बनाया था। जडेजा ने कांग्रेस के जीवनभाई कुम्भारवाड़िया को 40 हजार से ज्यादा वोटों से हराया। इन दोनों के अलावा बाकी 22 उम्मीदवारों की जमानत जब्त हो गई। 2017 के राज्यसभा चुनावों के दौरान भाजपा के लिए क्रॉस-वोटिंग के लिए कांग्रेस ने जडेजा को पार्टी से निष्कासित किया था। बाद में धर्मेंद्र जडेजा रुपाणी सरकार में मंत्री भी बने थे।

गुजरात चुनाव में कांग्रेस को राहुल गांधी का इंतजार

नेताओं ने कहा-भारत जोडो यात्रा से करते हैं निगरानी

नई दिल्ली, 15 नवंबर (एजेंसियां)। गुजरात में विधानसभा चुनाव होने वाले हैं और चुनाव प्रचार जारी है। हालांकि कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष और सांसद राहुल गांधी अभी तक गुजरात चुनाव प्रचार से दूर रहे हैं। वहीं कांग्रेस नेताओं का मानना है कि भारत जोड़ो यात्रा से ही राहुल गांधी गुजरात चुनाव की निगरानी कर रहे हैं।

हालांकि प्रदेश इकाई को इस बात का कोई स्पष्ट अंदाजा नहीं है कि राहुल के कितने दौरे होंगे। कुछ नेता राहुल के दो दौरे की बात कर रहे हैं। एक 22 नवंबर को और दूसरा दूसरे चरण के मतदान से पहले 5 दिसंबर को। कांग्रेस नेताओं का तर्क है कि यह सबसे अच्छा है कि राहुल भारत जोड़ो यात्रा से "विचलित" नहीं हो रहे हैं और वह याद दिलाते हैं कि उन्होंने हिमाचल प्रदेश में भी प्रचार नहीं किया था। हालांकि हिमाचल में प्रियंका गांधी वाड्रा ने पार्टी के प्रचार अभियान की कमान संभाली थी। गुजरात के प्रभारी और एआईसीसी महासचिव रघु शर्मा ने द इंडियन एक्सप्रेस को बताया, "भले ही राहुल गांधी राज्य में मौजूद न हों, लेकिन वह लगातार निगरानी कर रहे हैं कि पार्टी गुजरात में क्या कर रही है। हम उनकी जनसभाओं की योजना बना रहे हैं, लेकिन यह कहना गलत है कि वह अनुपस्थित हैं। उन्होंने हाल ही में सितंबर तक द्वारका, दाहोद और साबरमती रिवरफ्रंट पर बैठकें की थीं। गुजरात कांग्रेस के कोर कमेटी सदस्य और एआईसीसी प्रतिनिधि गौरव पंड्या कहते हैं कि इसे देखने का एक और तरीका है। उन्होंने कहा, "हर कोई मैदान में प्रचार कर रहा है। अगर राहुलजी आते तो जो नेता भी उम्मीदवार होते, उन्हें अपना प्रचार अभियान छोड़कर उनकी सभाओं में आना पड़ता, जो (उनके लिए) नुकसानदेह होता।" भारत जोड़ो यात्रा को लेकर गौरव पंड्या ने कहा, "उनकी (राहुल की) भारत जोड़ो यात्रा का हमारे अभियान पर अप्रत्यक्ष प्रभाव पड़ रहा है। इसने छोटे से छोटे गाँव में कांग्रेस के कार्यकर्ता को इसके बारे में बात करने के लिए मजबूर कर दिया है और उन्हें लगता है कि हमें इसका पूरक होना चाहिए। भारत जोड़ो यात्रा की योजना राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य में बनाई गई थी।" कांग्रेस प्रवक्ता मनीष दोशी ने कहा है कि दाहोद में राहुल द्वारा आदिवासी यात्रा की शुरुआत के बाद आदिवासी क्षेत्रों में घर-घर अभियान चलाया गया, जिसमें बताया गया कि पार्टी जल, जंगल, जमीन पर उनके अधिकारों की रक्षा के लिए क्या करेगी।

ममता बनर्जी को 92, अमित शाह को 93 नंबर

बंगाल टीईटी रिजल्ट के बाद शिक्षा विभाग में हड़कंप

कोलकाता, 15 नवंबर (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल प्राथमिक शिक्षा बोर्ड के द्वारा आयोजित टीईटी परीक्षा परिणाम देखने के बाद अभ्यर्थियों के साथ-साथ शिक्षा विभाग के कई अधिकारी भी हैरान रह गए। दरअसल, इस बार जो परिणाम आया है उसमें कई बड़े राजनेताओं के भी नाम शामिल हैं। इन सभी नेताओं के नंबर भी जारी किए गए हैं। मेरिट लिस्ट में ममता बनर्जी, अमित शाह, सुवेंदु अधिकारी जैसे नेताओं के नाम भी शामिल हैं। वहीं परिणाम सामने आने के बाद शिक्षा विभाग के अधिकारियों के हाथ-पांव फूल गए हैं। आनन-फानन में जांच के आदेश दिए गए हैं। बोर्ड के अध्यक्ष गौतम पॉल का नाम भी मेरिट लिस्ट में शामिल है। उन्होंने कहा कि जांच रिपोर्ट आने पर इसकी पूरी जानकारी दी जाएगी। आपको बता दें कि मेरिट लिस्ट में पार्थ चटर्जी के साथ-साथ पुष्पा का भी नाम शामिल है।

सभी नेताओं के नंबर भी हुए जारी

ममता बनर्जी ने 92 अंक हासिल किए जबकि सुवेंदु अधिकारी ने 100 अंक हासिल कर लिए। अमित शाह का रोल नंबर 075020639 अंकित है और उन्होंने 93 नंबर प्राप्त किए हैं। दिलीप घोष और सुजान चक्रवर्ती दोनों ने 92 अंक हासिल किए। राज्य में भर्ती घोटाले की जांच तेज होने के साथ ही सोमवार को पश्चिम बंगाल के प्रमुख नेताओं के नामों की एक मेरिट सूची से हड़कंप मच गया। सबसे हैरानी की बात यह कि इस लिस्ट में अमित शाह का नाम भी शामिल है।

हाईकोर्ट पहुंचा मामला

वहीं वकीलों के एक समूह ने कलकत्ता उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति अभिजीत गंगोपाध्याय के समक्ष असामान्य नामों का मुद्दा उठाया और अदालत से यह पता लगाने का आग्रह किया कि क्या ये नाम परीक्षा में बैठने वाले उम्मीदवारों से संबंधित हैं या नहीं। वकीलों के अनुसार, नाम पश्चिम बंगाल प्राथमिक शिक्षा बोर्ड (डब्ल्यूबीबीपीई) द्वारा आयोजित शिक्षक पात्रता परीक्षा (टीईटी) 2014 की मेरिट सूची का हिस्सा थे, जिसे हाल ही में जारी किया गया है।

शिक्षा विभाग ने दी सफाई

बंगाल प्राथमिक शिक्षा बोर्ड के अध्यक्ष गौतम पाल ने कहा कि सूची में तीन ऐसे उम्मीदवार हैं जिनका नाम गौतम पाल है और ये सभी असली उम्मीदवार हैं। बोर्ड के अध्यक्ष ने कहा कि यह विवाद राज्य को बदनाम करने के लिए एक राजनीतिक मकसद से खड़ा किया गया है। वहीं अभ्यर्थियों का कहना है 2014 टीईटी क्वालीफायर की सूची में कई भ्रमित करने वाली चीजें थीं। सोमवार को कुछ अभ्यर्थी भ्रम की स्थिति दूर करने के लिए बोर्ड ऑफिस भी पहुंचे।

शिंदे व ठाकरे समर्थकों में मारपीट

मुंबई, 15 नवंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के ठाणे में देर रात शिवसेना के शिंदे व उद्धव ठाकरे गुट के समर्थकों के बीच भिड़ंत हो गई। दोनों गुटों के समर्थकों ने एक-दूसरे पर गंभीर आरोप लगाए और मारपीट करने लगे। इस बीच मौके पर पहुंची पुलिस ने लाठीचार्ज कर लोगों को वहां से हटाया। अधिकारियों की ओर से दी गई जानकारी के मुताबिक, पुलसि ने दोनों गुटों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है।

भाजपा उम्मीदवार कनु पटेल ने साणंद सीट से किया नामांकन, अमित शाह भी रहे मौजूद

साणंद, 15 नवंबर (एजेंसियां)। भाजपा उम्मीदवार कनु पटेल ने गुजरात के साणंद सीट से नामांकन कर दिया है। पटेल के नामांकन के वक्त केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह भी मौजूद रहे। बता दें कि गुजरात में दो चरणों में वोट डाले जाएंगे।

पहले चरण की वोटिंग एक दिसंबर को होगी। इस दिन 89 सीटों पर वोटिंग होगी। वहीं, दूसरे चरण के लिए पांच दिसंबर को वोट डाले जाएंगे। वहीं मतों की गिनती आठ दिसंबर को होगी। इसके साथ ही पूरे राज्य में आचार संहिता की भी घोषणा हो गई।

जेल से रिहाई के बाद बोली नलिनी श्रीहरन

मुझे नहीं पता राजीव गांधी की हत्या किसने की

नई दिल्ली, 15 नवंबर (एजेंसियां)। राजीव गांधी की हत्या के दोष में सजायाफ्ता नलिनी श्रीहरन ने जेल से रिहाई के बाद बड़ा बयान दिया है। मंगवार को मीडिया से बात करते हुए नलिनी ने कहा, मैं इस बात को स्वीकार नहीं कर सकती कि राजीव गांधी की हत्या में मेरा नाम जोड़ा गया। हम कांग्रेस परिवार से हैं।

जब राजीव गांधी और इंदिरा गांधी की हत्या हुई, हम लोग दुखी थे और हमारे परिवार ने खाना तक नहीं खाया था। नलिनी ने कहा, मुझे इस दोष से मुक्ति चाहिए, मैं नहीं जानती कि राजीव गांधी को किसने मारा था। इस दौरान उन्होंने अपने पति समेत चार श्रीलंकाई नागरिकों को शिविर से रिहा करने की मांग

की। उन्होंने कहा, जेल से छूटने के बाद उन्हें एक विशेष शिविर में रखा गया है, यह फिर से कैद जैसा है। मैं राज्य व केंद्र सरकार से उनकी रिहाई की अपील करती हूं। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को इस मामले में जेल की सजा काट रहे छह आरोपियों को 31 साल तक जेल में रहने के बाद रिहा करने का आदेश दिया गया था। इससे पहले इसी साल मई में सुप्रीम कोर्ट ने एक अन्य दोषी एजी पेरारिवलन को आर्टिकल 142 का हवाला देते हुए रिहा किया था।

न्यायमूर्ति बी आर गवई और न्यायमूर्ति बी वी नागरत्ना की पीठ ने कहा था कि जिस नियम के तहत एजी पेरारिवलन को रिहाई दी गई थी, वो इस मामले में दोषी पाए गए अन्य पर भी लागू होती है। ये सभी आरोपी करीब 31 साल से जेल में बंद थे। बता दें कि राजीव गांधी की हत्या 21 मई 1991 को तमिलनाडु के श्रीपेरंबुदूर में आत्मघाती बम धमाके में हुई थी।

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

बुधवार, 16 नवंबर, 2022 3

सु वि चा र

क्षमा शोभती उस भुजग को, जिसके पास गरल हो। उसको क्या, जो दन्तहीन, विषरहित, विनीत सरह हो।।

सीएम केसीआर ने अभिनेता कृष्णा के निधन पर जताया शोक, दी श्रद्धांजलि

हैदराबाद, 15 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव ने प्रसिद्ध फिल्म अभिनेता और निर्माता घट्टामनेनी शिवराम कृष्णमूर्ति (79) के निधन पर शोक व्यक्त किया, जिन्हें उनके प्रशंसकों द्वारा प्यार से सुपरस्टार कृष्णा कहा जाता था। सीएम केसीआर ने एक अभिनेता, निर्माता, निर्देशक और एक प्रोडक्शन कंपनी के प्रमुख के रूप में पांच दशकों से अधिक समय तक तेलुगु फिल्म उद्योग के लिए कृष्णा की सेवाओं को याद किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि 350 से अधिक फिल्मों में अभिनय करने और फिल्म देखने वालों के दिलों में अमिट छाप छोड़ने वाले कृष्णा का निधन तेलुगु फिल्म उद्योग के लिए एक बहुत बड़ी क्षति है। सीएम केसीआर ने कहा कि विविध पारिवारिक ड्रामा फिल्मों के अलावा, कृष्णा सामाजिक फिल्मों के अभिनेता के रूप में लोकप्रिय हैं, जिसने लोगों में सामाजिक चेतना पैदा की। सीएम केसीआर ने याद किया कि उन दिनों के मजदूर वर्ग कृष्ण को अपना पसंदीदा नायक मानते थे और उन्हें सुपरस्टार मानते थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि कृष्णा को अपनी खुद की प्रोडक्शन कंपनी स्थापित करने का श्रेय जाता है और उन्होंने फिल्म निर्माण के क्षेत्र में नए ट्रेंड पेश किए। सीएम केसीआर ने कृष्णा के शोक संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त की। मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव ने दिवंगत फिल्म नायक कृष्णा का आधिकारिक सम्मान के साथ अंतिम संस्कार करने का फैसला किया।

उन्होंने मुख्य सचिव सोमेश कुमार को इस दिशा में सभी इतजाम करने के निर्देश दिए।

कृष्णा को अंतिम विदाई देने आज हैदराबाद आएंगे आंध्र सीएम जगन

अमरावती, 15 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री वाईएस जगन मोहन रेड्डी 'सुपर स्टार' कृष्णा के पार्थिव शरीर को श्रद्धांजलि देने के लिए बुधवार को हैदराबाद जाएंगे। जगन ने सुपर स्टार के निधन पर गहरा शोक और दुख व्यक्त किया, जिसे उन्होंने अपनी लंबी टॉलीवुड पारी में एक बड़ी संख्या के साथ आंध्र जेम्स बॉन्ड के रूप में वर्णित किया। अभिनेता ने फिल्म में 'क्रांतिकारी नेता' अल्लूरी सीताराम राजू को शीर्षक के रूप में बाद के नाम के साथ अमर कर दिया था और उनके शानदार करियर में कई हिट थे। उन्होंने अपने अभिनेता बेटे महेश बाबू और अन्य शोक संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त की।

सुपरस्टार कृष्णा को श्रद्धांजलि देने के लिए तेलुगु फिल्म उद्योग आज बंद रहेगा

हैदराबाद, 15 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। वयोवृद्ध तेलुगु अभिनेता और महेश बाबू के पिता कृष्ण का मंगलवार तड़के कॉन्टिनेंटल अस्पताल, गाचीबोवली में निधन हो गया। 'सुपरस्टार' कृष्णा के नाम से मशहूर 79 वर्षीय अभिनेता सोमवार को दिल का दौरा पड़ने के बाद अस्पताल में वेंटिलेटर सपोर्ट पर थे। प्रसिद्ध 'नटशेखर' के सम्मान में बुधवार को तेलुगु फिल्म उद्योग बंद रहेगा। तेलुगु फिल्म प्रोड्यूसर्स काउंसिल ने एक प्रेस विज्ञप्ति के साथ निर्णय की घोषणा की।

भाकपा ने सीएम से की पुलिस भर्ती में गलत उत्तरों के अंक शामिल करने का आग्रह

हैदराबाद, 15 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। भाकपा ने आज राज्य के मुख्यमंत्री केसीआर से पुलिस भर्ती प्रारंभिक परीक्षा में गलत उत्तर के लिए अंक शामिल करने और अंक जोड़ने के बाद परिणाम जारी करने का आग्रह किया। एक बयान में, पार्टी के राज्य सचिव कुनामनेनी संबाशिव राव ने सीएम को बताया कि लगभग 7 लाख उम्मीदवार परीक्षा में शामिल हुए और उन्होंने कहा कि परीक्षा में लगभग 22 गलत प्रश्न आए थे। उन्होंने कहा कि गलत प्रश्नों के कारण उम्मीदवारों को बहुत भ्रम का सामना करना पड़ा। उन्होंने कहा कि पुलिस भर्ती बोर्ड द्वारा प्रश्नों पर विचार नहीं करने के कारण पास प्रतिशत घटकर 31 प्रतिशत रह गया। उन्होंने कहा कि परिणाम घोषित होने को लेकर कई तरह की आशंकाएं जताई जा रही हैं। उन्होंने कहा कि कई उम्मीदवारों ने उन्हें बताया है कि भर्ती बोर्ड द्वारा उनकी उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन ठीक से नहीं किया गया है।

अवैध रूप से सिम कार्ड बेचने के आरोप में एक गिरफ्तार

हैदराबाद, 15 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। कमिश्नर की टास्क फोर्स (दक्षिण) टीम ने एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया, जिसने कथित तौर पर अवैध रूप से सिम कार्ड प्राप्त किए और इसे लोगों को बेच दिया।

गिरफ्तार व्यक्ति एम् ए बारी (25) फलकनुमा में जुबली मोबाइल स्टोर का मालिक है। उसने जाफर नाम के एक व्यक्ति को एक सिम कार्ड बेचा, और उसका आधार कार्ड एकत्र किया और ऑनलाइन जमा करने के लिए एक तस्वीर ली। फ़ोटो लेते समय बारी ने जाफ़र को बताया कि तकनीकी समस्याएँ थीं और उन्होंने मोबाइल फ़ोन का उपयोग करके कई तस्वीरें लीं। बाद में, उसने उसे यह कहते हुए छोड़ने के लिए कहा कि कुछ मुद्दों के कारण उसका फॉर्म जमा नहीं किया जा सका। जाफर को सिम कार्ड नहीं मिला, अगले दिन वह बीएसएनएल कार्यालय गया और उसे पता चला कि उसने हाल ही में तीन नए कार्ड प्राप्त किए हैं। टास्क फोर्स इंस्पेक्टर एस राघवेंद्र ने कहा कि जफर इसके बाद बारी की दुकान पर गया और इसके बारे में पूछताछ की, हालांकि, उसे कोई ठोस जवाब नहीं मिला। जाफर ने फलकनुमा पुलिस में शिकायत दर्ज कराई थी कि बारी ने कुछ लोगों को सिम कार्ड बेचे हैं और इसका इस्तेमाल असामाजिक गतिविधियों के लिए किया जा सकता है। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया। सूचना पर टास्क फोर्स की टीम ने बारी को गिरफ्तार कर मामले की जांच कर रही फलकनुमा पुलिस के हवाले कर दिया

सरदार शहर जैन परिषद का दीपावली स्नेह मिलन संपन्न

हैदराबाद, 15 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सरदार शहर जैन परिषद, हैदराबाद का दीपावली मिलन समारोह मोइनाबाद में धूमधाम से संपन्न हुआ। सरदारशहर प्रवासी परिवारजन व बहन बेटियों के परिवार ने आयोजन का भरपूर आनंद लिया। कार्यक्रम के अंतर्गत सुबह के नाश्ते के पश्चात विविध गेम्स में महिलाओं व बच्चों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। इस अवसर पर सरदारशहर के हैदराबाद प्रवासी जैन बंधुओं की दिगदर्शिका का विमोचन किया गया। इसके संयोजक जयसिंह दूगड़ ने इसकी जानकारी सदन के सामने रखी। लंच के बाद मेगा तंबोला में सभी की अच्छी भागीदारी रही। दिन भर विभिन्न प्रकार के गेम्स के आयोजन के साथ आए हुए सभी सदस्यों ने विविध इंडोर व आउटडोर खेलकूद व्यवस्था का भी सभी ने आनंद लिया। परिषद के अध्यक्ष अशोक नाहटा ने सभी का स्वागत अभिनंदन किया व सहयोग के लिए सभी का आभार व्यक्त किया।

परिषद के मंत्री पवन नाहटा ने कार्यकाल में विविध आयोजित कार्यक्रम की जानकारी दी व आयोजन को सफल बनाने के लिए सभी का आभार व्यक्त किया। दीपावली मिलन समारोह के संयोजक गण अनिल दुगड़, विमल बैद, संजय दुगड़, विजय कुंडलिया, मनोज धारेवा व आनंद नौलखा के साथ पूरी कार्यकारिणी सदस्यों ने शानदार आयोजन का दायित्व सम्भाला। बस व्यवस्था संयोजक राजेंद्र बोथरा, विमल नाहटा, आशीष दुगड, राजेश सेठिया, मंगलचंद सेठिया, पवन जम्मड, सुदीप नौलखा, राजकुमार दुगड ने सुनियोजित व्यवस्था की।

CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

I, SHAIK NANNAH, R/o.H.No.4-14-131, Hasan Nagar, Rajeddranagar-52,T.S, changed Name as SHAIK NANHE.

I, AMINAH, R/o.H.No.Plot No.14, Jamal Banda, Mumtaz Bagh, Barkas, Hyd, T.S. changed my Name as AMEENA HABEEB MAHSAN W/o. IMRAN.

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन के प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

भारत डायनामिक्स लिमिटेड
(भारत सरकार का उपक्रम)
रक्षा मंत्रालय, गच्चीबौली, हैदराबाद-500032

संदर्भ:बीडीएल/ सीसी/ ओटी/ जीटी/ 005/ 2022-23 दि.16/11/2022

स्वदेशी प्रतिस्पर्धी बोली आमंत्रित करने हेतु ई-प्रोक्योरमेंट संक्षिप्त निविदा सूचना

क्रम सं.	निविदा आईडी	कार्य विवरण	आकलन (रु.) में
1.	64556	बीडीएल- केबीयु पर कम्पाउंड वाल सहित मौजूदा जीपेबुल ट्रैक की मरम्मत एवं चौडीकरण कार्य ।	141.31 लाख
2.	64774	बीडीएल-केबीयु पर 4 एमएम मोटा एपीपी मेम्बरेन सहित वाटर प्रूफिंग कार्य ।	674.99 लाख

अधिक जानकारी के लिए कृपया वेबसाइट: https://bdltenders.abcprocure.com देखें। तत्संबंधित बोलियां केवल आनलाईन पर ही प्रस्तुत किए जाएं। शुध्दिपत्र यदि कोई हो तो उसे केवल हमारे ई-पोर्टल प्वारा ही जारी किया जावेगा तथा इसे दैनिक समाचार पत्रों में कदई प्रकाशित नहीं किया जावेगा।
* बोलीदाताओं (सिविल ठेकेदारों/सर्विस प्रोवाइडर्स/उप-ठेकेदारों/आपूर्तिकर्ताओं) से अनुरोध है कि,वे, आनलाईन वेंडर रजिस्ट्रेशन) के लिए, हस्ता./-
व्यापारिक संभावनाएं से संबंधित बीडीएल वेबसाइट :http://172.25.1.64/bdldesign/login.php पर ही आवेदन करें। उप महा प्रबंधक (कार्पो. वाणिज्यिक)

दमरे ने ट्रैफ़िक, पावर ब्लॉक के कारण कुछ ट्रेनों को रद्द किया

हैदराबाद, 15 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मध्य रेलवे के सीएसटी-मुंबई-कल्याण खंड पर सीएसटी मुंबई-मस्जिद स्टेशनों के बीच यातायात और बिजली ब्लॉकों के कारण, दक्षिण मध्य रेलवे (एससीआर) ने कुछ ट्रेनों को रद्द और कुछ को आंशिक रूप से रद्द कर दिया है। तदनुसार, रद्द की गई ट्रेनें एचएस नांदेड़-सीएसटी मुंबई और सीएसटी मुंबई-एचएस नांदेड़, सीएसटी मुंबई-जालना, जालना-सीएसटी मुंबई, सीएसटी-मुंबई-आदि8 इलाहाबाद, आदिलाबाद-सीएसटी मुंबई, एच.एस.नांदेड़-सीएसटी मुंबई, सीएसटी मुंबई-एच.एस. नांदेड़, सिकंदराबाद-सीएसटी मुंबई, सीएसटी मुंबई- सिकंदराबाद, हैदराबाद-सीएसटी मुंबई और सीएसटी मुंबई- हैदराबाद है। ये ट्रेने 19 से 21 नवंबर तक रद्द रहेगी। इसी तरह,आंशिक रूप से रद्द की गई ट्रेनें सीएसटी मुंबई-चेन्नई एग्मोर, सीएसटी मुंबई-चेन्नई सेंट्रल, सीएसटी मुंबई-भुवनेश्वर, सीएसटी मुंबई-हैदराबाद, सीएसटी मुंबई-केएसआर बेंगलुरु, सीएसटी मुंबई-तिरुवनंतपुरम, भुवनेश्वर-सीएसटी मुंबई, आदिलाबाद-सीएसटी मुंबई, चेन्नई एग्मोर-सीएसटी मुंबई, बीदर-सीएसटी मुंबई, चेन्नई सेंट्रल-सीएसटी मुंबई, हैदराबाद-सीएसटी मुंबई, तिरुवनंतपुरम-सीएसटी मुंबई और केएसआर बेंगलुरु-सीएसटी मुंबई है। ये ट्रेने 18 से 20 नवंबर तक आंशिक रूप से रद्द रहेगी। दक्षिण मध्य रेलवे ने नागरिकों से अनुरोध किया कि वे परिवर्तनों पर ध्यान दें और असुविधा से बचने के लिए अपनी यात्रा की योजना बनाएं।

कांग्रेस विधायक जग्गा रेड्डी ने मेडिकल कॉलेज खोलने के लिए केसीआर व हरीश को धन्यवाद दिया

हैदराबाद, 15 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। कांग्रेस विधायक टी. जग्गा रेड्डी ने आज संगारेड्डी जिले में एक सरकारी मेडिकल कॉलेज का उद्घाटन करने के लिए मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव और स्वास्थ्य मंत्री टी. हरीश राव को धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि वह संगारेड्डी जिले के लोगों की ओर से मुख्यमंत्री और स्वास्थ्य मंत्री को धन्यवाद दे रहे हैं। यह कहते हुए कि उन्हें मेडिकल कॉलेज के उद्घाटन के बारे में जानकारी है, जग्गा रेड्डी ने कहा कि उन्हें बताया गया था कि हरीश राव अपने निर्वाचन क्षेत्र में मेडिकल कॉलेज का उद्घाटन कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि उन्होंने 2013 में मेडिकल कॉलेज की स्थापना के प्रस्ताव भेजे थे, जब उनकी पार्टी के नेता एन. किरण कुमार रेड्डी अविभाजित आंध्र प्रदेश राज्य के मुख्यमंत्री थे और उन्होंने कहा कि मेडिकल कॉलेज को बाद में जिले को स्वीकृत किया गया था, जबकि स्वीकृत मेडिकल कॉलेज को मंजूरी दी गई थी। वर्तमान राज्य सरकार द्वारा कॉलेज को संगारेड्डी के बजाय सिद्दीपेट में स्थानांतरित कर दिया गया है।

उन्होंने कहा कि उन्होंने राज्य सरकार के साथ तीन साल तक मेडिकल कॉलेज के लिए लड़ाई लड़ी और कहा कि उनकी लड़ाई और मेडिकल कॉलेज की स्थापना के सीएम के वादे को आखिरकार पूरा किया गया। उन्होंने याद दिलाया कि तीन बार इस मुद्दे को उठाने के बाद सीएम ने राज्य विधानसभा में उनके अनुरोध पर सकारात्मक प्रतिक्रिया दी।

अणुव्रत-प्रेक्षा ध्यान से जीवन निर्माण संभव : श्रीमती निर्मला बैद

हैदराबाद, 15 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। अणुव्रत अनुशास्ता, महानतपस्वी आचार्य श्रीमहा श्रमणजी की सुशिष्या त्रिशल कुमारी जी की प्रेरणा से श्रद्धा की प्रतिमूर्ति, अणुव्रत सेवी श्रीमती निर्मला बैद ने गवर्नमेंट गर्ल्स कॉलेस में अणुव्रत प्रेक्षाध्यान का कार्यक्रम किया। मंगलाचरण से कार्यक्रम शुरू हुआ। निर्मला ने बताया कि आज शिक्षा डिग्री के लिए दी जाती है। वह भी जरूरी है। लेकिन इसके साथ इमोशनल डेवलपमेन्ट के बारे में बताकर प्रयोग करवाने चाहिए इससे जीवन का बहुमुखी विकास होता है और अच्छे जीवन व चरित्र का निर्माण होता है। आज की बढती हुई समस्याओं में कमी हो सकती है। जीवन के निर्माण का और जीवन की दिशा को बदलने का एक सशक्त माध्यम है अणुव्रत, प्रेक्षा ध्यान, जीवन विज्ञान, जिसकी कल्पना हैं संतुलित विकास। कोई डिग्री हो और भावनात्मक विकास न हो तो चेतना जागृत नहीं होती और वह हितकर नहीं होती। चारों तरफ के विकास से मानसिक शांति बनी रहती है। इससे सहनशीलता सम्यक दृष्टिकोण का विकास होता है। स्मरणशक्ति बढती है। अभी सामने परीक्षाएं हैं। मन की एकाग्रता व स्मरण शक्ति का कायम रहना बहुत जरूरी है। नशामुक्ति सद्भवना आचार्य महाश्रीमणजी की पहलु है। इसके लिए प्रयोग भी जरूरी है। इस अवसर पर हनुमान बैद भी उपस्थित रहे।

ऑटो-रिक्शा ट्रॉली में पटाखों का बंडल के फटने से तीन घायल

हैदराबाद, 15 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। संगारेड्डी शहर में एक ऑटो-रिक्शा ट्रॉली में ले जा रहे अधिक पटाखों के एक बंडल के फटने से तीन लोग गंभीर रूप से झुलस गए। बताया जाता है कि मंगलवार को जिला मुख्यालय में सरकारी मेडिकल कॉलेज के उद्घाटन के उपलक्ष्य में तेलंगाना राष्ट्र समिति (टीआरएस) द्वारा निकाली गई रैली के दौरान पटाखे फोड़े गए।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, पटाखे एक ऑटो ट्रॉली में लिये जा रहे थे कि उत्सव के दौरान फटा एक पटाखा ट्रॉली में रखे पटाखों के एक बंडल पर जा गिरा। इससे टीआरएस के तीन कार्यकर्ता घायल हो गए, जबकि एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। उन्हें इलाज के लिए सरकारी अस्पताल संगारेड्डी ले जाया गया।

PUBLIC NOTICE

The General Public are hereby informed that M/s. Wiiz Realtors LLP is the absolute owner and possessor of Property in Sy. No. 1 of Satamrai village, Shamshabad Mandal, Ranga Reddy district admeasuring Ac.3.13 Gts, with house No. 1-36 (old No. 1-20), (Scheduled Property) having purchased the same under registered sale deed dated 28.07.2016, bearing Document No. 5154/2016 from Sri Vinodbhai Patel who in turn purchased the same from his predecessors in title including Golla Jangamma. M/s. Wiiz Realtors LLP then obtained mutation from the office of the Tahsildar Shamshabad Mandal, under proceedings bearing No. D/5822/2016, dated 01.04.2017. Dr. K. Lalitha Reddy obtained sale document No.575/2011 dated 14-02-2011 for the said Scheduled Property, registered at SRO Shamshabad, RR District, Hyderabad from the legal heirs of Golla Jangamma. who had no tittle. Dr. K. Lalitha Reddy entered in to compromise with M/s. Wiiz Realtors LLP accepting the absolute title exclusive possession of M/s. Wiiz Realtors LLP in respect of the aforesaid property (Scheduled Property). The said Compromise is recorded by the Honourable XIII addl. District and Sessions Judge, R.R. District, Hyderabad, on 29-04-2022. In OS No. 444/2019 and OS No. 586/2019 and dismissed the said suits in terms of the compromise. Dr. K. Lalitha Reddy has also executed Deed of Cancellation dated 29-06-2022 registered as Doc No. 6625/2022 at the office of Sub Registrar, Shamshabad cancelling my said Sale deed bearing Doc No. 575/2011 dated 14-02-2011, along with my vendors. However, Dr. K. Lalitha Reddy reports, that the original link document No. 575/2011 dated 14-02-2011, registered at SRO Shamshabad, RR District, Hyderabad, is misplaced and is not traceable.

It is, therefore, notified to the public that if anyone has any claim in respect of the original Sale deed bearing Document No.575/2011 dated 14-02-2011 in favour of Dr. K. Lalitha Reddy, the same shall be intimated with supporting documents to the undersigned within one week of the publication of this notice, otherwise I will treat that there are no objections and close the matter.

Hyderabad Dated: 11-11-2022

M.V. DURGA PRASAD, ADVOCATE
Plot No. 332-B, Phase-III, Road No.82, Jubilee Hills, Hyderabad - 500 096.
Contact: 9849043668, 8008264789

स्थानीय निवासियों द्वारा सीवरेज ओवरफ्लो की लंबे समय से लंबित शिकायतों पर पूर्व पार्षद परमेश्वरी सिंह लोध ने स्थानीय नेता माधव सिंह एवं एचएमडब्ल्यूएसएसबी प्रबंधक रमेश और अन्य अधिकारियों के साथ आसपास के क्षेत्रों की सीवरेज लाइनों का निरीक्षण किया।

Azadi Ka Amrit Mahotsav
पावरग्रिड POWERGRID

सार्वजनिक सूचना

पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड ने इलेक्ट्रिसिटी एक्ट 2003, सेंट्रल इलेक्ट्रिसिटी अथॉरिटी (सुरक्षा एवं विद्युत आपूर्ति से संबंधित उपाय) रेग्युलेशन 2010, इंडियन इलेक्ट्रिसिटी एक्ट 1910, इलेक्ट्रिसिटी सप्लाई एक्ट 1948, इंडियन इलेक्ट्रिसिटी रूल्स 1956 और उससे संबंधित अधिनियम के प्रावधानों के अंतर्गत एमओपी ऑफिस मेमोरेंडम दि. 16-07-2022 के अंतर्गत **एचटीएलएस कंडक्टर के साथ 400केवी एस/सी (ट्विन) एनपी कुंटा से कोलार ट्रांसमिशन लाइन की रि-कंडक्टरिंग** को पूर्ण किया है, यह जनसाधारण की जानकारी के लिए है कि उपरोक्त उल्लेखित लाइन **18 नवंबर 2022** या किसी अनुवर्ती तिथि से चालू हो जाएगी।

यह लाइन आन्ध्र-प्रदेश राज्य के गाँवों, तालुकों एवं ज़िलों से होते हुए गुज़रेगी जो निम्न तालिका के अनुसार है :

ज़िला	मंडल	समीपस्थ गाँव
श्री सत्य साईं अन्नामय्या	एनपी कुंटा	एनपी कुंटा
	गालीवीडु	वेलिगल्लु, इंदुकुरिवारी पल्ली, गालीवीडु, दानमरेड्डीगारीपल्ली एवं बंडोलापल्ली
	पेद्दमंड्यम	पातपालेम, मुस्सालीकुंटा, बंडारेवु, कोट्टला
	थम्बालापल्ली	गोपिदिन्ने तांडा, केबी तांडा, चेट्टीवारीपल्ली, गुंडलापल्ली
	मुलाकलाचेरेवु	देवलाचेरेवु, सिवरामपल्ली, राजुगारीपल्ली, गोल्लावारीपल्ली, पेद्दापालेम, रामनाकोटानेत्रावनपल्ली
	पेद्दाथिप्पासमुद्रम	कुर्रावरिपल्ली, कासिवरीपल्ली, रंगासमुद्रम, नारायणपल्ली, जनीपुवारीपल्ली, मल्लेला, कनुमकुलापल्ली

सभी जनसाधारण से यह निवेदन किया जाता है कि **18-11-2022** को या उसके बाद उक्त ट्रांसमिशन लाइन एवं उसके टॉवर्स से दूर रहें और इन टॉवरों पर न चढ़ें या ऐसी किसी लाइन को स्पर्श न करें। ऐसे किसी भी कृत्य से तेज़ इलेक्ट्रिक शॉक लग सकता है या दुर्घटना घट सकती है, जो जानलेवा हो सकती है।
उपरोक्ता निवेदन के उल्लंघन स्वरूप होने वाले कोई भी कृत्य से दुर्घटना या जीवन या संपत्ति का नुकसान हो सकता है। पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड या उसका कोई कर्मचारी इसके लिए ज़िम्मेदार नहीं होगा।

हस्ता/- **मुख्य प्रबंधक**
पावरग्रिड, एनपी कुंटा

पावर ग्रिड कार्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड
(भारत सरकार का एक उद्यम)
क्षेत्रीय मुख्यालय : 6-6-8/32 एवं 395ई, कवाड़ीगुड़ा,
सिकंदराबाद-500080 टेली. : 040-27546636
पंजीकृत कार्यालय : बी-9, कुतुब इंस्टीट्यूशनल एरिया, कटवारिया सराय,
नई दिल्ली - 110016 टेली. : 011-26560112, 26560121
www.powergrid.in सीआईएन : L4010DL1989GOI038121
A Maharatna PSU

SR-I/PRP/Public Notice-04/Advt-06/2022-23/OTS

मैनपुरी उपचुनाव में डिंपल यादव को परिवार का साथ मिलेगा या नहीं?

छोटे भाई राजपाल ने बताया- कहां हैं शिवपाल यादव

लखनऊ, 15 नवंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश की मैनपुरी लोकसभा सीट पर होने जा रहे उपचुनाव को लेकर राज्य में सियासी माहौल काफी गर्माया हुआ है। समाजवादी पार्टी की तरफ से उम्मीदवार अखिलेश यादव की पत्नी डिंपल यादव ने अपना नामांकन भी दाखिल कर दिया है। पूरा परिवार नामांकन के दौरान डिंपल के साथ नजर आया, लेकिन शिवपाल यादव कहीं दिखाई नहीं दिए। हालांकि, मुलायम सिंह यादव के छोटे भाई राजपाल यादव ने दावा किया है कि डिंपल यादव को पूरे परिवार का साथ मिलेगा।

नामांकन के दौरान राजपाल के अलावा, रामगोपाल यादव, तेज प्रताप यादव और अखिलेश यादव भी डिंपल के साथ नजर आए, लेकिन शिवपाल यादव इस दौरान नजर नहीं आए। ऐसे में इस बात की चर्चाएं होने लगीं कि क्या शिवपाल यादव ने मैनपुरी लोकसभा उपचुनाव को लेकर डिंपल और अखिलेश यादव से दूरी बनाई हुई। राजपाल यादव से जब यह सवाल पूछा गया तो उन्होंने कहा कि शिवपाल की तबियत खराब है और वे लखनऊ में हैं, लेकिन उनका साथ डिंपल के साथ है।

इस दौरान राजपाल यह भी दावा करते नजर आए कि बीजेपी चाहे कुछ भी कर ले, लेकिन उनकी बहू डिंपल यादव ही चुनाव जीतेंगी। उन्होंने कहा कि वे बहुत अच्छे वोटों से जीतेंगी और हम इसके लिए बिल्कुल क्लीयर हैं। वहीं, शिवपाल को लेकर राजपाल ने कहा कि सब साथ में हैं। शिवपाल की पत्नी और बेटा भी अभी हमारे साथ थे। शिवपाल का स्वास्थ्य थोड़ा गड़बड़ हो गया, लेकिन चुनाव में वे साथ आ जाएंगे। वहीं, लोकसभा उपचुनाव और विधानसभा चुनाव में सपा की हार पर उन्होंने कहा, "कुछ गलतियां हो गईं या कुछ लोगों ने ऐसी राय दे दी कि वो गलती हो गई। अभी अखिलेश उतने समझदार नहीं हुए हैं, नेताजी जैसे। थोड़े दिन में आ जाएगी समझदारी, तो फिर अच्छे से चुनाव लड़ेंगे कोई दिक्कत नहीं।"

वहीं, राजपाल यादव का भी दावा है कि शिवपाल यादव से बातचीत के बाद ही प्रत्याशी घोषित किया गया है, वे आएं ना आएं कोई फर्क नहीं पड़ता है और सब साथ ही हैं। बता दें कि चुनाव आयोग ने मैनपुरी और खतौली लोकसभा सीट पर उपचुनाव की घोषणा कर दी है। फिलहाल नामांकन प्रक्रिया चल रही है, जिसके बाद 5 दिसंबर को वोटिंग होगी और चुनाव के नतीजे 8 दिसंबर को घोषित किए जाएंगे।

शिवपाल के करीबी तीन हथियारों के मालिक

कितनी प्रॉपर्टी के मालिक हैं डिंपल के खिलाफ लड़ रहे बीजेपी उम्मीदवार रघुराज सिंह शाक्य

मैनपुरी, 15 नवंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के मैनपुरी लोकसभा सीट पर उपचुनाव होने जा रहा है। नेता जी, मुलायम सिंह यादव के निधन के बाद यह सीट खाली हुई है। समाजवादी पार्टी ने यहां से अखिलेश यादव की पत्नी डिंपल यादव को अपना उम्मीदवार बनाया है। डिंपल यादव ने अपना नामांकन भी दाखिल कर दिया है। अब भारतीय जनता पार्टी ने भी अपने प्रत्याशी का ऐलान किया है। बीजेपी ने मैनपुरी से रघुराज सिंह शाक्य को अपना उम्मीदवार बनाया है।

कौन हैं रघुराज सिंह शाक्य?

रघुराज सिंह शाक्य, शिवपाल सिंह यादव की प्रगतिशील समाजवादी पार्टी को छोड़कर इसी साल फरवरी में बीजेपी का दामन थाम लिया था। वह शिवपाल यादव के करीबी भी माने जाते हैं। समाजवादी पार्टी के टिकट पर रघुराज शाक्य तीन बार चुनाव लड़ चुके हैं, दो बार वह चुनाव जीत चुके हैं। शाक्य ने दो बार इटावा और एक बार फतेहपुर सिकरी से चुनाव लड़ा था।

कितनी संपत्ति के मालिक हैं रघुराज सिंह शाक्य?

2012 में चुनाव आयोग को दिए हलफनामे के अनुसार, रघुराज सिंह शाक्य ने आगरा से एम.काम तक की पढ़ाई की है। उनके पास 55 लाख पचहत्तर हजार नौ सौ तेरह रूपये की चल संपत्ति है जिसमें एक टाटा सफारी गाड़ी, एक लाख पच्चीस हजार रूपये की चैन और एक अंगूठी, एक रिवाल्वर, एक रायफल और एक गन भी शामिल है।

मैनपुरी उपचुनाव में डिंपल यादव को परिवार का साथ मिलेगा या नहीं? छोटे भाई राजपाल ने बताया- कहां हैं शिवपाल यादव।

बात अगर अचल संपत्ति की करें तो रघुराज सिंह शाक्य के पास 1,24,56,500 रूपये की अचल संपत्ति है। 2012 में उन्होंने यह भी बताया था कि उनके ऊपर 7,00,000 रूपये का लोन भी है। चुनाव आयोग को दिए गए हलफनामे के अनुसार, डिंपल यादव के खिलाफ चुनाव लड़ने जा रहे रघुराज सिंह शाक्य पर एक भी क्रिमिनल केस दर्ज नहीं है।

बात अगर मैनपुरी सीट की करें तो 1992 में समाजवादी पार्टी बनाने के बाद मुलायम सिंह यादव ने मैनपुरी लोकसभा सीट से ही चुनाव लड़ा था और इस पर जीत दर्ज की थी। इसके बाद से ही यह सीट समाजवादी पार्टी के खाते में ही रही। आजमगढ़ में समाजवादी पार्टी का किला ध्वस्त करने के बाद बीजेपी के हौसले बुलंद हैं तो सपा के पास अपनी इस पारंपरिक सीट को बचाने की चुनौती है।

बीजेपी के विरोधी तेजस्वी यादव ने की केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी की तारीफ

बिहार के डिप्टी सीएम ने बताया- प्रगतिशील

पटना, 15 नवंबर (एजेंसियां)। बिहार के उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने सोमवार को बिहार में एक कार्यक्रम के दौरान केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी की जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा कि बिहार को नितिन गडकरी जैसे "प्रगतिशील और सकारात्मक" केंद्रीय मंत्री के होने से बहुत फायदा हासिल हुआ है। तेजस्वी यादव ने कहा कि मुझे इस बात में कोई संदेह नहीं है कि गडकरी अपने विभाग में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हैं। सभी को उनकी तरह काम करना चाहिए। जैसा उनका काम के प्रति प्रगतिशील और सकारात्मक स्वभाव है अगर हर कोई उनके जैसा हो जाता है तो क्या कहें।

"गडकरी पार्टी नहीं, देश को आगे रखते हैं"

तेजस्वी यादव ने कहा कि उन्हें पहली बार उपमुख्यमंत्री बनाया गया था और तब उन्होने सड़क निर्माण विभाग का प्रभार संभाला था तो नितिन गडकरी के साथ उनकी बैठक "बहुत उपयोगी" थी। उन्होने नितिन गडकरी को एक प्रगतिशील नेता बताया और कहा कि विकास कार्यों में वह पार्टियों को नहीं बल्कि लोगों देश और राज्य को देखते हैं।

भाजपा अध्यक्ष ने कहा "बिहार के विकास में कोई राजनीति नहीं"

कार्यक्रम के दौरान भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और राज्य सरकार के कटु आलोचक संजय जायसवाल ने कहा कि कि बिहार के विकास में कोई राजनीति नहीं होगी। उन्होंने कहा कि आप जो चाहते हैं वह हो जाएगा। भूमि अधिग्रहण राज्य का काम है। इसे करते रहें, और मैं आपको विश्वास दिलाता हूं कि हम केंद्र में आपकी लड़ाई लड़ेंगे। सभी सड़कों और पुलों का निर्माण किया जाएगा। उन सभी परियोजनाओं के लिए धन की मंजूरी मिल जाएगी जहां भूमि का अधिग्रहण किया गया है।

इसपर तेजस्वी यादव ने कहा कि बड़े भाई संजय जायसवाल ने उम्मीद जगाई है कि वह निश्चित रूप से केंद्र से हमारी मांगों को पूरा करेंगे। हमें खुशी है कि उन्होंने ऐसा कहा है। आप कम से कम मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की राज्य को विशेष दर्जा देने की मांग को स्वीकार करें और पटना विश्वविद्यालय को केंद्रीय विश्वविद्यालय का दर्जा दिलवाएं यह लोगों के हित में होगा।

नितिन गडकरी रोहतास जिले में 210 करोड़ की लागत से रोहतास में सोन नदी पर पांडुका के पास 1.5 किमी लंबे 2-लेन एलिवेटेड रीइन्फोर्स्ड सीमेंट कंक्रीट (आरसीसी) पुल के निर्माण का उद्घाटन करने आए थे। इस पुल के बनने से एनएच-19 और एनएच-39 सीधे जुड़ जाएंगे, जिससे बिहार, झारखंड, उत्तर प्रदेश और छत्तीसगढ़ के बीच यातायात की सुविधा होगी।

सीएम योगी ने 34,500 आवासों के लाभार्थियों को प्रथम किस्त ट्रांसफर की

लखनऊ, 15 नवंबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि केंद्र और प्रदेश में भाजपा की डबल इंजन की सरकार के शासन में गरीबों के पक्के आवास का सपना साकार हो रहा है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि देश में आज हर व्यक्ति की जुबान पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का नाम है, क्योंकि आजादी के बाद प्रधानमंत्री के नेतृत्व में ही पहली बार ईमानदारी के साथ बिना भेदभाव के हर गांव, गरीब, किसान, नौजवान और महिला को योजनाओं का लाभ मिला है।

मुख्यमंत्री ने मंगलवार को इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में मुख्यमंत्री ने सीएम आवास योजना (ग्रामीण) के अंतर्गत निर्मित होने वाले 34,500 आवासों के लाभार्थियों को प्रथम किस्त के ऑनलाइन हस्तांतरण किया। उन्होंने 39,000 आवासों के लाभार्थियों को चाबी सौंपी। कार्यक्रम में उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य भी मौजूद थे।

मुख्यमंत्री ने मंगलवार को इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में मुख्यमंत्री ने सीएम आवास योजना (ग्रामीण) के अंतर्गत निर्मित होने वाले 34,500 आवासों के लाभार्थियों को प्रथम किस्त के ऑनलाइन हस्तांतरण किया। उन्होंने 39,000 आवासों के लाभार्थियों को चाबी सौंपी।

39 हजार को चाबी सौंपी

वर्चित बिल्डर फर्म के निदेशक समेत सात भू- माफिया घोषित, तीन को भेजा गया जेल

बरेली, 15 नवंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में बरेली जिला प्रशासन ने सरकारी जमीन पर कब्जा, हेराफेरी और खरीद फरोख्त के मामलों में लिप्त सात लोगों को भू-माफिया घोषित किया है। बरेली विकास प्राधिकरण (बीडीए) ने इनमें से पांच पर थाना इज्जतनगर में एफआईआर दर्ज कराई है। पुलिस ने चिह्नित तीन भूमाफिया को गिरफ्तार कर मंगलवार दोपहर कोर्ट में पेश किया, जहां से जेल भेज दिया गया है। जिलाधिकारी शिवाकांत द्विवेदी ने बीडीए, राजस्व और अन्य संबंधित विभागों की रिपोर्ट पर सात लोग भूमाफिया घोषित कर दिए थे। इसमें एलायंस बिल्डर्स फर्म निदेशक रमनदीप और अमनदीप जैसे चर्चित जमीन कारोबारी और बिल्डर शामिल हैं। बीडीए ने इन दोनों को छोड़कर बाकी पांच पर एफआईआर दर्ज कराई। पुलिस ने पांच में से तीन भू-माफिया दलविंदर सिंह, सलीम अहमद, जुल्फिकार अहमद को गिरफ्तार कर लिया है।

इन तीनों आरोपी भूमाफिया सक्षम न्यायालय में प्रस्तुत किया गया वहां से जेल भेज दिया गया।

कुरेले ग्रुप के 30 से अधिक ठिकानों पर इनकम टैक्स की छापेमारी

लखनऊ, 15 नवंबर (एजेंसियां)। एसएनके पान मसाला बनाने वाले कुरेले ग्रुप के कई ठिकानों पर इनकम टैक्स ने मंगलवार को छापा मारा। वाराणसी स्थित ठिकाने के अलावा कानपुर, दिल्ली समेत 30 स्थानों पर छापेमारी जारी है। बीते वर्ष जुलाई में इनकम टैक्स इस कम्पनी पर शिकंजा कस चुकी है। पहले भी इस कंपनी के द्वारा 100 करोड़ की टैक्स चोरी पकड़ी जा चुकी है। बताया जा रहा है कि यह रेड इसी कड़ी में डाली गई है। आयकर की वाराणसी टीम कार्रवाई कर रही है। बताया जाता है कि कुरेले ग्रुप कंस्ट्रक्शन से भी जुड़ा हुआ है।

मिजोरम में पत्थर की खदान से आठ बिहारी श्रमिकों के शव बरामद

चार मजदूर अभी भी लापता, रेस्क्यू जारी

आइजोल, 15 नवंबर (एजेंसियां)। मिजोरम के हनथियाल जिले में एक पत्थर की खदान ढहने के कारण आठ श्रमिकों की मौत हो गई। यह घटना हनथियाल जिले के मौदढ़ इलाके में सोमवार दोपहर करीब तीन बजे हुई। हनथियाल जिले के उपायुक्त ने बताया कि हनथियाल जिले में एक पत्थर की खदान ढहने से 15-20 मजदूर फंसे थे जिनमें से आठ लोगों के शव बरामद कर लिए गए हैं। पांच एक्सकेवेटर, एक स्टोन क्रशर और एक ड्रिलिंग मशीन मलबे में दबे हुए हैं। बचाव अभियान अभी भी जारी हैं। अधिकारियों के मुताबिक, हनथियाल जिले के मौदढ़ में निजी कंपनी के कर्मचारी अपने लंच ब्रेक से लौटे ही थे कि पत्थर की खदान धंस गई। उत्खनन और ड्रिलिंग मशीनों के साथ कई श्रमिक खदान के नीचे दब गए। लीट गांव और हनथियाल कस्बे के स्वयंसेवक बचाव अभियान के लिए मौके पर पहुंचे। राज्य आपदा मोचन बल, सीमा सुरक्षा बल और असम राइफल्स को खोज और बचाव कार्यों में मदद के लिए बुलाया गया है। खदान ढाई साल से चालू है।

रेस्क्यू में लगी बीएसएफ की टीम

सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) की एक टीम भी सोमवार दोपहर मिजोरम के हनहथियाल जिले में एक पत्थर की खदान गिरने के बाद फंसे मजदूरों को बचाने में लगी है, बीएसएफ द्वारा मंगलवार को जारी एक बयान में कहा गया है।

राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एनडीआरएफ) और राज्य पुलिस सोमवार दोपहर मिजोरम के हनहथियाल जिले के मौदरह गांव में घटनास्थल पर बचाव अभियान चला रही थी। अब तक आठ शव निकाले जा चुके हैं, जबकि बारह और श्रमिकों के अभी भी फंसे होने की आशंका है।

हनहथियाल के पुलिस अधीक्षक विनीत कुमार ने बताया कि घटना दोपहर तीन बजे हुई, जब एबीसीआई इंफ्रास्ट्रक्चर प्राइवेट लिमिटेड के श्रमिक जिले के मौदढ़ गांव में स्थित पत्थर की इस खदान में काम कर रहे थे। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि हादसे के वक्त इसमें दर्जनों लोग काम कर रहे थे। एक श्रमिक खदान में से निकलने में सफल हो गया, लेकिन बाकी ऐसा नहीं कर सके और वे मलबे में फंस गए। देर शाम तक मलबे से किसी को भी निकाला नहीं जा सका था।

बाके बिहारी मंदिर में दर्शन का समय बढ़ा, अब 11 घंटे भक्तों के लिए खुले रहेंगे पट

मथुरा, 15 नवंबर (एजेंसियां)। विश्व प्रसिद्ध ठाकुर बांके बिहारी मंदिर में बढ़ती श्रद्धालुओं की भीड़ को देखते हुए मंदिर में दर्शन का समय बढ़ा दिया गया है। अब मंदिर 11 घंटे खुला रहेगा। जिला प्रशासन और मंदिर प्रबंधन के अनुरोध पर मंदिर की रिसीवर सिविल जज जूनियर डिविजन ने दर्शन का समय बढ़ाने की मंजूरी दे दी है। इसको लेकर श्रद्धालुओं में हर्ष की लहर दौड़ गई है। ठाकुर बांके बिहारी मंदिर में पिछले कुछ माह से लगातार श्रद्धालुओं की संख्या में भारी इजाफा देखने को मिल रहा है। इसके कारण मंदिर दर्शनार्थ आने वाले श्रद्धालुओं को असुविधा हो रही थी। साथ ही श्रद्धालुओं की बढ़ती भीड़ को भी नियंत्रण करने के लिए जिला प्रशासन व मंदिर प्रबंधन को एड़ी चोटी का जोर लगाना पड़ रहा था।

पशुपति पारस बोले- जब तक सार्वजनिक माफी नहीं मांगते चिराग, तब तक पार्टियों का विलय संभव नहीं

पटना, 15 नवंबर (एजेंसियां)। केंद्रीय मंत्री और राष्ट्रीय लोक जनशक्ति पार्टी (आरएलजेपी) के प्रमुख पशुपति कुमार पारस ने सोमवार को चिराग पासवान की लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के साथ अपनी पार्टी के विलय की संभावना से इनकार किया। उन्होंने कहा कि जब तक चिराग पासवान 2020 के चुनाव अकेले लड़ने के लिए सार्वजनिक रूप से माफी नहीं मांगते, तब तक कोई विलय की कोई संभावना नहीं है।

पत्रकारों से बात करते हुए पारस ने कहा कि चिराग पासवान भले ही एनडीए में वापस आ गए हों, लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि मैंने उन्हें माफ कर दिया है। हमारी सलाह के बावजूद अकेले चुनाव लड़ने का फैसला गलत था। पारस, दिवंगत नेता रामविलास पासवान के छोटे भाई हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि राजनीति में सबकुछ संभव है, इसलिए मैं दोनों दोनों दलों के पुनर्मिलन के बारे में तभी सोच सकता हूं, जब वह सार्वजनिक रूप से माफी मांगें।

उन्होंने यह भी दावा किया कि भाजपा से अनुमति लेने के बाद ही चिराग एनडीए में लौटे थे। पारस ने कहा, भाजपा नेता नित्यानंद राय ने चिराग को एनडीए में वापस लेने से पहले मुझसे बात की थी। मेरी मंजूरी के बाद ही चिराग ने मोकामा और गोपालगंज उपचुनाव में भाजपा के लिए प्रचार किया। बिहार से लोकसभा में आरएलजेपी के पांच सदस्य हैं। 2019 के लोकसभा चुनाव में लोजपा ने राज्य की छह सीटों पर जीत हासिल की थी। लेकिन लोजपा के विभाजन के बाद पांच सांसद पारस के नेतृत्व वाली आरएलजेपी के साथ चले गए, जबकि रामविलास पासवान के इकलौते बेटे चिराग पासवान लोजपा (रामविलास) में अकेले सांसद रह गए।

जाति आधारित गणना में होगी देरी

नीतीश सरकार ने 3 महीने बढ़ाई अवधि, मई 2023 तक पूरा होगा काम

पटना, 15 नवंबर (एजेंसियां)। बिहार में जाति आधारित गणना की टाइमलाइन बढ़ा दी गई है। अब मई 2023 तक जातीय गणना का काम पूरा होगा। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की अध्यक्षता में मंगलवार को हुई बैठक में यह फैसला लिया गया। पहले फरवरी 2023 तक जाति आधारित गणना का काम पूरा करने का लक्ष्य रखा गया था। अब जातीय गणना में देरी होगी।नीतीश कैबिनेट की बैठक में कुल 13 प्रस्तावों पर मुहर लगाई गई।

बिहार में पिछले साल जून में सर्वदलीय बैठक के अंदर जातीय गणना कराने का फैसला लिया गया था। इसके बाद इस साल 2 जून को कैबिनेट ने जातीय गणना कराने की मंजूरी दी। यह गणना दो चरणों में पूरी की जानी है। पहले फरवरी 2023 तक जातीय गणना पूरी कराने का लक्ष्य रखा गया था, मगर अब इसकी अवधि तीन महीने आगे बढ़ाकर मई 2023 कर दिया गया है।

जाति आधारित गणना में देरी पर बीजेपी ने साधा निशाना

पिछले दिनों जातीय गणना में हो रही देरी पर विपक्षी दल बीजेपी ने भी निशाना साधा था। पूर्व डिप्टी सीएम सुशील मोदी ने आरोप लगाया कि नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली महागठबंधन सरकार जातीय गणना शुरू करने के प्रति गंभीर नहीं है। कैबिनेट की मंजूरी मिलने के 6 महीने बाद भी इस पर काम शुरू नहीं हो पाया।

सुशील मोदी ने कहा कि पहले चरण में मकानों की गिनती और नंबरिंग का काम होना है, जिसका अभी तक कोई अता-पता नहीं है। जिला, अनुमंडल और प्रखंड स्तर पर अधिकारियों को जाति आधारित गणना के लिए ट्रेनिंग भी नहीं दी गई है। साथ ही सरकार ने ऐप और पोर्टल विकसित नहीं किए हैं। ऐसे में नीतीश सरकार की नीयत पर सवाल उठ रहे हैं।

रोहतास के लोगों को बड़ी सौगात

गडकरी ने सोन नदी पर 2-लेन एलिवेटेड ब्रिज का किया शिलान्यास

रोहतास, 15 नवंबर (एजेंसियां)। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने सोमवार को 210 करोड़ रुपये की लागत से बिहार के रोहतास में सोन नदी पर पांडुका के पास 1.5 किलोमीटर लंबे 2-लेन के एलिवेटेड आरसीसी पुल का शिलान्यास किया। इस पुल का शिलान्यास उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव, बिहार भाजपा अध्यक्ष संजय जायसवाल, छेदी पासवान, विष्णु दयाल राम, बिहार सरकार के मंत्रियों और सांसदों, विधायकों और अधिकारियों की उपस्थिति में किया गया।

इस अवसर पर गडकरी ने कहा कि इस पुल के निर्माण से एनएच-19 और एनएच-39 सीधे जुड़ जाएंगे, जिससे बिहार, झारखंड, उत्तर प्रदेश और छत्तीसगढ़ के बीच यातायात सुगम होगा। उन्होंने कहा कि वर्तमान में रोहतास जिले के पांडुका और झारखंड के गढ़वा जिले से श्रीनगर पहुंचने के लिए 150 किलोमीटर की दूरी तय करनी पड़ती है, इस पुल के बनने से इस यात्रा में चार घंटे की बचत होगी। उन्होंने कहा कि डेहरी पुल पर भी ट्रैफिक का दबाव कम होगा और औरंगाबाद व सासाराम शहर को जाम की समस्या से निजात मिल सकेगी। मंत्री ने कहा कि पांडुका क्षेत्र में इस पुल के बनने से आस-पास के क्षेत्रों और राज्यों के औद्योगिक और कृषि और डेयरी उत्पादों के बाजार तक पहुंचने में आसानी होगी. उन्होंने कहा कि इससे समय और ईंधन की भी बचत होगी।

उपचुनाव से पहले ही सपा गठबंधन की मुश्किलें बढ़ीं

खतौली सीट पर रालोद प्रदेश प्रवक्ता हुए बागी

मुजफ्फरनगर, 15 नवंबर (एजेंसियां)। यूपी में होने वाले उपचुनाव से ठीक पहले सपा गठबंधन की मुश्किलें बढ़ गई हैं। मुजफ्फरनगर की खतौली सीट पर रालोद प्रत्याशी के खिलाफ पार्टी के नेताओं ने ही विरोध का बिगुल फूंक दिया है। मदन भैया को टिकट देने का रालोद के प्रदेश प्रवक्ता अभिषेक चौधरी ने ही विरोध कर दिया है। उन्होंने पार्टी प्रत्याशी बदलने के लिए शाम आठ बजे तक का अल्टीमेटम भी दिया है। अभिषेक चौथरी ने कहा कि यहां पर स्थानीय प्रत्याशी को चुनाव लड़ना चाहिए। उसे प्रत्याशी बनाया जाना चाहिए जिसने कार्यकर्ता के रूप में काम किया हो और यहां पर मेहनत कर रहा हो। पार्टी नेतृत्व को कह दिया गया है कि किसी भी लोकल को प्रत्याशी घोषित किया जाए। अभिषेक ने कहा कि मैं रालोद के कार्यकर्ता के रूप में इस समय बात कर रहा हूं। एक सवाल के जवाब में कहा कि मेरी किसी और पार्टी से बात नहीं चल रही है। कहा कि यहां से रालोद मजबूती से चुनाव लड़ेगा। 15 दिन बाद ही यहां पर चुनाव है। बाहरी व्यक्ति 15 दिन में यहां क्या करेगा। रालोद के घोषित प्रत्याशी मदन भैया को लेकर कहा कि बाहुबलियों का हमारी पार्टी हमेशा से विरोध करती आई है। उनके साथ बंदूकधारी चलते हैं। बंदूकधारी के साथ हमारे कार्यकर्ता कैसे मिलेंगे। प्रत्याशी नहीं बदलने के बाद की रणनीति के सवाल पर अभिषेक ने कहा कि आठ बजे तक इंतजार करेंगे। उसके बाद पार्टी के कार्यकर्ता आगे की रणनीति तय करेंगे।

मोबाइल छीनने का विरोध करने पर दबंगों ने मार दी गोली

प्रयागराज, 15 नवंबर (एजेंसियां)। प्रयागराज में बाइक सवारों ने एक युवक का मोबाइल छीनने की कोशिश की। जब युवक ने विरोध किया तो आरोपियों ने उसे गोली मार दी। युवक को आनन-फानन में अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां उसकी हालत सामान्य है। इस घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस जांच में जुट गयी।

ये मामला परेड का है। मंगलवार की दोपहर बाइक सवार तीन युवकों ने एक साइकिल सवार का मोबाइल छीनने की कोशिश की। विरोध करने पर दबंगों ने युवक को गोली मारकर भाग गए। पुलिस ने बताया कि झूंसी का रहने वाला 19 साल का शुभम साइकिल से परेड होते हुए घर जा रहा था। इस दौरान रास्ते में बाइक सवार युवक पहुंच गए और उसका मोबाइल छीनने लगे। आरोप है कि विरोध करने पर उसके साथ मारपीट की और पैर में गोली मार दी। इसके बाद आरोपी भाग गए।

कुढ़नी में रोचक होगी चुनावी जंग

जेडीयू के मनोज कुशवाहा को पहले हरा चुके हैं बीजेपी के केदार गुप्ता

मुजफ्फरपुर, 15 नवंबर (एजेंसियां)। बिहार के मुजफ्फरपुर जिले की कुढ़नी विधानसभा सीट पर इस बार महागठबंधन और बीजेपी के बीच रोचक मुकाबला होने जा रहा है। बीजेपी ने यहां से पूर्व विधायक केदार गुप्ता को टिकट दिया है। वहीं, महागठबंधन से यह सीट जेडीयू के खाते में गई है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की पार्टी ने कुढ़नी से पूर्व मंत्री मनोज कुशवाहा को उम्मीदवार बनाया है। दिलचस्प बात ये है कि पूर्व में बीजेपी के केदार गुप्ता जेडीयू प्रत्याशी मनोज कुशवाहा को हरा चुके हैं। जेडीयू प्रत्याशी मनोज कुशवाहा ने सोमवार को नामांकन कर दिया। वहीं, बीजेपी ने आधिकारिक तौर पर केदार गुप्ता के नाम पर मंगलवार को घोषणा की। वे इसी दिन नामांकन करने जा रहे हैं। इस सीट पर मुकेश सहनी की वीआईपी और असदुद्दीन ओवैसी की एआईएमआईएम ने भी ताल ठोकी है। मगर मुख्य मुकाबला बीजेपी और जेडीयू के बीच ही होने के आसार हैं। 2015 के विधानसभा चुनाव के दौरान बीजेपी के केदार गुप्ता और जेडीयू के मनोज कुशवाहा आमने-सामने थे।

मुंबई में बच्चों पर खतरा

बढ़ रहा खतरनाक खसरा बीमारी का प्रकोप, इस साल 126 संक्रमित

मुंबई, 15 नवंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र की राजधानी मुंबई में खसरे बीमारी का प्रकोप तेजी से बढ़ता जा रहा है जिससे बच्चों पर खतरा बढ़ गया है। इस खतरनाक बीमारी से एक साल के बच्चे की मौत हो गई है। बृहन्मुंबई महानगर पालिका (बीएमसी) के एक अधिकारी ने कहा कि नल बाजार इलाके में रहने वाला बच्चा चिंचपोकली में बीएमसी द्वारा संचालित कस्तूरबा अस्पताल में पिछले हफ्ते से भर्ती था और सोमवार को उसकी मौत हो गई।

खसरा गुर्दे पर कर रहा अटैक

अधिकारी ने बताया कि डॉक्टरों के मुताबिक खसरा ब्रांकोनिमोनिया के साथ ही गुर्दे खराब होने व सेप्टीसीमिया के कारण बच्चे की मौत हुई। नगर निकाय के एक बुलेटिन में कहा गया कि मुंबई के कुछ इलाकों में खसरे का प्रकोप देखने को मिला है। सितंबर से कम से कम 96 बच्चे इससे संक्रमित पाए जा चुके हैं जबकि इस साल जनवरी से देखें तो यह आंकड़ा 126 है।

कस्तूरबा अस्पताल में एक विशेष वार्ड स्थापित

बीएमसी ने खसरा प्रभावित बच्चों के उपचार के लिए कस्तूरबा अस्पताल में एक विशेष वार्ड स्थापित किया है। बुलेटिन के अनुसार, चार नवंबर से 14 नवंबर के बीच 61 बच्चों को खसरे जैसे लक्षणों के साथ कस्तूरबा अस्पताल में भर्ती कराया गया था। इसमें बताया गया कि उनमें से 12 को सोमवार को अस्पताल में भर्ती कराया गया था।

क्या हैं लक्षण

बीएमसी की पूर्व में जारी एक विज्ञप्ति में कहा गया कि खसरे में बच्चे को बुखार, सर्दी, खांसी और शरीर पर लाल चकत्ते पड़ जाते हैं। इस बीमारी से जटिलताएं उन बच्चों में गंभीर हो सकती हैं जिन्हें आंशिक रूप से टीका लगाया गया है या जिनका टीकाकरण नहीं हुआ है।

पापा मैं 25 की हूं, फैसले खुद ले सकती हूं

तब श्रद्धा घर छोड़कर चली गई थी; पिता बोले-बात मान लेती तो जिंदा होती

नई दिल्ली, 15 नवंबर (एजेंसियां)। श्रद्धा मर्डर केस में एक के बाद एक सनसनीखेज खुलासे हो रहे हैं। 26 साल की लड़की को उसके लिव-इन पार्टनर ने किस बेरहमी से मारा और फिर उसके शरीर के 35 टुकड़े कर दिए, यह कहानी अपने आप में दिल दहलाने वाली है। लेकिन इसमें सबसे दुखद पहलू श्रद्धा के पिता का है। उन्हें इस बात का अफसोस है कि उनकी बेटी ने प्यार में जिद के चलते उनकी बात नहीं मानी। अगर मान ली होती तो आज वह जिंदा होती।

बेटी को बहुत समझाया, पर वो नहीं मानी; जिद करती रही कि मैं अपने फैसले खुद लूंगी

श्रद्धा के पिता विकास मदन वॉकर बताते हैं, 'श्रद्धा और आफताब के रिलेशनशिप के बारे में परिवार को 18 महीने बाद पता चला। श्रद्धा ने अपनी मां से साल 2019 में कहा था कि वो आफताब के साथ लिव-इन रिलेशनशिप में है। इसका मैंने और मेरी पत्नी ने विरोध किया था। तब श्रद्धा नाराज हो गई और उसने कहा कि मैं 25 साल की हो गई हूं। मुझे अपने फैसले लेने का पूरा हक है। मुझे आफताब के साथ लिव इन में रहना है। मैं आज से आपकी बेटी नहीं।

यह कहकर वो घर से जाने लगी, तो मेरी पत्नी ने काफी मिन्नतें की। मगर, वो नहीं मानी और आफताब के साथ चली गई। हमें उसके दोस्तों से ही उनकी जानकारी मिल पाती थी। कुछ दिन बाद उसकी मां गुजर गई। मां की मौत के बाद श्रद्धा ने मुझसे एक-दो बार बातचीत की थी। तब उसने बताया था कि आफताब के साथ उसके रिश्ते में कड़वाहट आ गई है। उस दौरान वह एक बार घर भी आई और बताया कि आफताब उसके साथ मारपीट करता है। तब मैंने उसे वापस घर आने को कहा था। मगर, आफताब के मनाने पर वह उसके साथ चली गई।

श्रद्धा के दोस्त ने बताया था कि उसका फोन बंद है, तब हमने पुलिस में शिकायत की

विकास ने आगे बताया, 'श्रद्धा के जाने के बाद मुझे उसके दोस्तों शिवानी माथरे और लक्ष्मण नडार ने बताया कि श्रद्धा और आफताब के रिश्ते अच्छे नहीं हैं। आफताब उसे मारता-पीटता है। मैं उसे कई बार समझा चुका था, लेकिन उसने कभी मेरी बात नहीं मानी इसलिए मैंने उससे बात नहीं की। इसी बीच 14 सितबंर को मेरे बेटे श्रीजय को लक्ष्मण ने फोन करके बताया कि श्रद्धा का फोन दो महीने से बंद है। अगले दिन जब मैंने बेटे से बात की तो उसने मुझे श्रद्धा का फोन बंद होने की बात बताई। तब मैंने लक्ष्मण से बात की और महाराष्ट्र के मानिकपुर थाने में श्रद्धा के लापता होने की रिपोर्ट दर्ज कराई। इसके बाद पता चला कि श्रद्धा आफताब के साथ दिल्ली में रह रही है। इस पर हमने दिल्ली के महरौली थाने पहुंचकर आफताब के खिलाफ बेटी के अपहरण की एफआईआर दर्ज कराई।'

श्रद्धा के फैसले से मां को सदमा लगा

जब श्रद्धा ने आफताब के साथ लिव इन में रहने के लिए घर छोड़ दिया, तो पिता नाराज हुए। बेटी के इस फैसले से श्रद्धा की मां को गहरा सदमा लगा। वे अक्सर बीमार रहने लगीं। 2021 में उनकी मौत हो गई। उनकी मौत के बाद श्रद्धा दिल्ली से अपने घर गई। उस समय भी उसने पिता को बताया था कि आफताब के साथ उसका रिश्ता ठीक नहीं है। वो अक्सर उससे मारपीट करता है। इसके करीब छह महीने आफताब ने श्रद्धा की हत्या कर दी।

श्रद्धा का मर्डर कब : पुलिस का दावा

18 मई को हत्या हुई, दोस्त बोला-जुलाई में बात हुई

नई दिल्ली, 15 नवंबर (एजेंसियां)। श्रद्धा मर्डर केस में अब सवाल ये है कि आखिर उसका मर्डर कब हुआ? सवाल की वजह दो दावे हैं। पहला दावा पुलिस का है, जो कह रही है कि श्रद्धा का मर्डर मई में हुआ। दूसरा दावा दोस्त लक्ष्मण नडार का है, जो कह रहा है कि जुलाई में तो उसकी श्रद्धा से बातचीत हुई थी।

लक्ष्मण ने यह दावा सोमवार को एक इंटरव्यू में किया। उसने बताया कि जुलाई में श्रद्धा ने वॉट्सऐप के जरिए उससे कॉन्टैक्ट भी किया था। तब श्रद्धा काफी डरी हुई थी। तब उसने कहा था कि मुझे बचा लो, वरना आफताब मार डालेगा। मैंने यह बात उसके घरवालों को भी बताई थी। दोनों के बीच अक्सर झगड़े होते रहते थे।

श्रद्धा के शव के 10 टुकड़े मिले

आफताब हत्या के बाद फ्लैट में दूसरी लड़की लाया था, पुलिस को शक-वही हत्या की वजह

नई दिल्ली, 15 नवंबर (एजेंसियां)। दिल्ली पुलिस मंगलवार को श्रद्धा मर्डर केस के आरोपी आफताब अमीन पूनावाला को लेकर महरौली के जंगल पहुंची। 26 साल की श्रद्धा के मर्डर का आरोप उसके लिव-इन पार्टनर आफताब पर है। आफताब ने कुबूल किया था कि मर्डर के बाद उसने बॉडी के 35 टुकड़े किए और उन्हें जंगल में फेंक दिया। अब तक 10 बॉडी पार्ट्स मिलने की बात सामने आई है, लेकिन पुलिस ने अभी इस पर कोई बयान नहीं दिया है। एक चौंकाने वाली बात सामने आई है, वो यह कि आफताब ने मर्डर के बाद एक लड़की को फ्लैट पर बुलाया था। तब श्रद्धा के बॉडी पार्ट्स फ्लैट में ही थे। आफताब और दूसरी लड़की डेटिंग ऐप के जरिए मिले थे। पुलिस अब इस डेटिंग ऐप से आफताब के प्रोफाइल की जानकारी जुटाएगी। पुलिस जानेगी कि आफताब किन लड़कियों से मिला और क्या हत्या की वजह इनमें से कोई लड़की तो नहीं।

मोरबी हादसे पर गुजरात हाईकोर्ट की फटकार

नगर पालिका से कहा-ज्यादा होशियार बन रहे हैं, जवाब देने के लिए हाजिर हों

मोरबी, 15 नवंबर (एजेंसियां)। 30 अक्टूबर को गुजरात के मोरबी ब्रिज हादसे में हुई 137 मौतों पर गुजरात हाईकोर्ट ने मोरबी नगर पालिका को जमकर फटकार लगाई है। जस्टिस अरविंद कुमार और जस्टिस आशुतोष जे शास्त्री की बेंच ने मंगलवार को सुनवाई के दौरान कहा-नोटिस जारी होने के बावजूद, मोरबी नगर पालिका की तरफ से कोई भी कोर्ट में हाजिर नहीं हुआ। वे ज्यादा होशियार बन रहे हैं। पहले जवाब देने कल हाजिर हों। मोरबी हादसे पर सुनवाई की अगली तारीख 24 नवंबर है, लेकिन मोरबी नगर पालिका को कल यानी 16 नवंबर कोर्ट में पेश होने का आदेश दिया गया है।

मोरबी सिविक बॉडी से कोर्ट के 6 सवाल

> बिना टेंडर बुलाए रेनोवेशन का ठेका कैसे दे दिया?

> पुल की फिटनेस को सर्टिफाइड करने की जिम्मेदारी किसके पास थी?

> 2017 में कॉन्ट्रैक्ट खत्म होने और अगले टेन्योर के लिए टेंडर जारी करने के लिए क्या कदम उठाए?

> 2008 के बाद MOU रिन्यू नहीं हुआ तो किस आधार पर पुल को अजंता द्वारा संचालित करने की अनुमति दी जा रही थी?

> क्या हादसे के लिए जिम्मेदारों पर गुजरात नगरपालिका अधिनियम की धारा 65 का पालन हुआ था? गुजरात नगर पालिका ने अधिनियम की धारा 263 के तहत अपनी शक्तियों का उपयोग क्यों नहीं किया, जबकि प्राइमाफेसी गलती नगर पालिका की थी।

कोर्ट ने पूछा-मरने वालों के लिए क्या-क्या किया

पिछली सुनवाई में कोर्ट ने गुजरात सरकार को एक रिपोर्ट फाइल करने कहा था, जिसमें सरकार को यह बताना था कि उन्होंने हादसे के बाद से अब तक क्या कदम उठाए हैं। वहीं राज्य मानवाधिकार आयोग से भी रिपोर्ट मांगी थी। बेंच ने राज्य सरकार से यह भी पूछा कि क्या वह उन लोगों को अनुकंपा नौकरी दे सकती है जिनके परिवार का इकलौता कमाने वाला हादसे में मारा गया।

> कॉन्ट्रैक्ट सिर्फ डेढ़ पन्ने का, बिना टेंडर ठेका कैसे दिया?

सुनवाई के दौरान चीफ जस्टिस अरविंद कुमार ने पूछा कि मोरबी सिविल बॉडी और प्राइवेट कॉन्ट्रेक्टर के बीच हुआ कॉन्ट्रैक्ट महज 1.5 पन्ने का है। पुल के रेनोवेशन के लिए कोई टेंडर नहीं दिया गया था।

फिर बिना टेंडर ठेका क्यों दिया गया?

कोर्ट ने स्टेट गर्वनमेंट से कॉन्ट्रैक्ट की पहले दिन से लेकर आज तक की सभी फाइलें सीलबंद लिफाफे में जमा करने का आदेश दिया है। साथ ही यह भी पूछा है कि गुजरात नगर पालिका ने मोरबी नगर समिति के CEO एसवी जाला के खिलाफ क्या कार्रवाई की है।

पुलिस का दावा-हादसे के 5 मिनट बाद बचाव के लिए पहुंचे थे

एजी कमल त्रिवेदी ने बेंच को दिए हलफनामे में कहा कि दिवाली के कारण पुल पर लोगों की भारी भीड़ थी। रोजाना 3,165 से ज्यादा लोग पुल पर आ रहे थे, जबकि एक समय में 300 लोग पुल पर मौजूद थे। मोरबी पुलिस, जो लगभग 1.5 किमी दूर थी, पांच मिनट के भीतर साइट पर पहुंच गई और 22 कॉन्स्टेबल लोगों को बचाने के लिए नदी में कूद गए थे। एजी ने यह भी कहा कि राज्य सरकार ने मरने वालों के परिजन को दो लाख और घायलों को पांच लाख रुपए मुआवजा देने का फैसला किया है। केंद्र सरकार भी मरने वालों को 2 लाख रुपए और घायलों को 50 हजार रुपए का भुगतान करेगी।

निलंबित डीसीपी सौरभ त्रिपाठी को बॉम्बे हाई कोर्ट ने दी राहत, मिली अग्रिम जमानत

मुंबई, 15 नवंबर (एजेंसियां)। मुंबई के अंगड़िया जबरन वसूली मामले में बॉम्बे हाईकोर्ट ने मुंबई पुलिस के निलंबित डीसीपी सौरभ त्रिपाठी को राहत दी है। कोर्ट ने उनकी याचिका को मंजूर करते हुए अग्रिम जमानत दे दी है। बता दें, त्रिपाठी पिछले 6 महीने से फरार चल रहे थे।

दरअसल, कोर्ट में पेश सरकारी वकील ने बताया कि जबरन वसूली के मामले में चल रही जांच में निलंबित डीसीपी सौरभ त्रिपाठी सहयोग कर रहे हैं, जिसके बाद कोर्ट ने उन्हें अग्रिम जमानत दी। इसी साल मार्च में मुंबई क्राइम ब्रांच ने जबरन वसूली के मामले में पुलिस इंस्पेक्टर ओम वांगटे को गिरफ्तार किया था। लोकमान्य तिलक मार्ग थाने के इंस्पेक्टर वांगटे पर अंगड़िया से रंगदारी वसूलने का आरोप था। इसी के साथ वांगटे ने बॉम्बे हाई कोर्ट में दायर अग्रिम जमानत याचिका वापस ले ली थी। क्राइम इंटेलिजेंस यूनिट (सीआईयू) ने 19 फरवरी को पीआई नितिन कदम और पीएसआई समाधान जामदादे को गिरफ्तार किया था। मार्च में ही अंगड़िया वसूली मामले में मुंबई के वांछित डीसीपी सौरभ त्रिपाठी की हवाला की रकम लेने के आरोप में लखनऊ में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया था।

उद्धव ठाकरे को दिल्ली हाईकोर्ट से झटका

धनुष तीर चुनाव चिन्ह को फ्रीज करने के खिलाफ दायर याचिका खारिज

नई दिल्ली, 15 नवंबर (एजेंसियां)। दिल्ली उच्च न्यायालय ने उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाले शिवसेना गुट की याचिका को खारिज कर दिया, जिसमें चुनाव आयोग के शिवसेना पार्टी के नाम और धनुष और तीर के प्रतीक को फ्रीज करने के फैसले को चुनौती दी गई थी। हालांकि, अदालत ने भारत के चुनाव आयोग को चुनाव चिन्ह और पार्टी के नाम के आवंटन से संबंधित कार्यवाही को जल्द से जल्द तय करने का निर्देश दिया।

महाराष्ट्र में शिवसेना के दो टुकड़ों में बंट जाने के बाद भी अभी सियासी घमासान थमा नहीं है दो धड़ों में बंटी शिवसेना पुरानी शिवसेना के चुनाव चिन्ह तीर-कमान को लेकर आमने-सामने हैं। अब दिल्ली हाईकोर्ट ने इस मामले में फैसला सुना दिया है। दिल्ली हाई कोर्ट ने कहा कि अब ये चुनाव आयोग के फैसले के मुताबिक फ्रीज रहेगा। चुनाव आयोग ने महाराष्ट्र में उपचुनाव और निकाय चुनावों को देखते हुए पार्टी के दोनों धड़ों को अस्थायी रूप से नया नाम और चुनाव चिन्ह जारी किया था।

बांबे हाईकोर्ट ने कहा चुनाव आयोग के फैसले का इंतजार क्यों नहीं?

वहीं इसके पहले इस मामले पर शिवसेना के उद्धव ठाकरे गुट ने तीर-कमान वाले चुनाव निशान पर अपना दावा ठोकते हुए दिल्ली हाईकोर्ट में एक याचिका दाखिल कर रखी थी।

हालांकि इस याचिका पर सोमवार (14 नवंबर) को भी सुनवाई हुई थी लेकिन इस दौरान बॉम्बे हाईकोर्ट ने कहा था कि इस मामले में उसे चुनाव आयोग के अंतिम निर्णय का इंतजार क्यों नहीं करना चाहिए?

दिल्ली हाईकोर्ट ने सोमवार को कहा था चुनाव आयोग के फैसले का इंतजार करना चाहिए

इसके पहले सोमवार को चुनाव आयोग के अंतरिम आदेश जिसमें ये कहा गया था कि शिवसेना के नाम और चुनाव चिन्ह को फ्रीज कर दिया जाए, को लेकर दिल्ली हाईकोर्ट ने सुनवाई के दौरान उद्धव ठाकरे गुट से पूछा कि पोल पैनल के अंतिम फैसले का इंतजार क्यों नहीं करना चाहिए। कोर्ट ने कहा कि इस फैसले को चुनाव आयोग ने उपचुनाव के उद्देश्य से दिया था वो अंतिम फैसला नहीं था ऐसे में अंतरिम आदेश का कोई मतलब नहीं रह जाता है ऐसी स्थिति में कोर्ट को चुनाव आयोग के फैसले का इंतजार करना चाहिए।

पूर्वी लद्दाख में 50 हजार जवान तैनात

चीन की साजिशों को करेंगे नाकाम, बॉर्डर पर चीन ने नहीं घटाई सैनिकों की संख्या

नई दिल्ली, 15 नवंबर (एजेंसियां)। पूर्वी लद्दाख में इस बार सर्दियों के दौरान चीन की करतूतों पर नजर रखने के लिए भारतीय सेना अलर्ट मोड पर है। पूर्वी लद्दाख की लाइन ऑफ एक्चुअल कंट्रोल पर डेमचोक और देपसांग में 50 हजार सैनिकों के लिए हथियार और सभी जरुरी सामानों की व्यवस्था कर दी गई है।

भारतीय सेना ने फिर कसी कमर

एलएसी पर तैनात हर सैनिक की वर्दी के लिए एक लाख रुपए का बजट रखा गया है। गलवान में मई, 2020 में चीन के हमले के बाद ये तीसरा साल है, जब लद्दाख में भारतीय सेना सर्दियों में चीनी मंसूबे को विफल करने के लिए कमर कसे हुए है। गलवान के बाद भारत-चीन में 16 दौर की बातचीत हो चुकी है। फिर भी चीन अपने सैनिकों को गलवान पहले की स्थिति में नहीं ला रहा है।

जनरल पांडे बोले, चीन बढ़ा सकता है फौज का जमावड़ा

सेना प्रमुख जनरल मनोज पांडे ने हाल में कहा था कि चीन ने एलएसी पर फौज को कम नहीं किया है। संकेत हैं कि चीन सर्दियों में अपना फौजी जमावड़ा बढ़ा सकता है। सेना प्रमुख ने कहा कि एलएसी पर हालात अभी स्थिर हैं, लेकिन आगे का पूर्वानुमान लगाना कठिन है।

जवानों के लिए थ्री लेयर वाली वर्दी, स्पेशल टेंट भी

12 हजार फुट की ऊंचाई वाले पूर्वी लद्दाख में तैनात भारतीय जवानों के लिए स्पेशल थ्री लेयर वाली वर्दी मुहैया कराई गई है। आउटपोस्ट पर सर्दी से बचाव के लिए विशेष थर्मो टेंट लगाए हैं। खास डाइट सप्लीमेंट भी दिए जा रहे हैं। पैंगॉन्ग झील से हॉट स्प्रिंग तक बीआरओ ने 20 किमी सड़क बना दी है।

2020 में चीन ने गलवान घाटी में भारतीय सेना पर हमला किया

2020 में चीन ने ईस्टर्न लद्दाख के सीमावर्ती इलाकों में एक्सरसाइज के बहाने सैनिकों को तैनात कर दिया था। इसके बाद इस इलाके में कई जगहों पर चीनी सैनिकों ने घुसपैठ की। इसके जवाब में भारतीय सेना ने भी इस इलाके में चीन के बड़ी संख्या में सैनिकों की तैनाती कर दी थी। हालात इतने खराब हो गए थे कि 4 दशक से ज्यादा वक्त के बाद एलएसी पर गोलियां चलीं। इसी दौरान 15 जून को गलवान घाटी में चीनी सेना के साथ हुई झड़प में 20 भारतीय सैनिक शहीद हो गए थे।

पहाड़ों पर बर्फबारी से उत्तर भारत में 'कोल्ड अटैक'

मैदानी इलाकों में छाएगी धुंध; विजिबिलिटी होगी कम, 19-20 को फिर हो सकती बारिश

शिमला, 15 नवंबर (एजेंसियां)। हिमाचल समेत उत्तराखंड और कश्मीर घाटी में ताजा बर्फबारी के बाद पूरे उत्तर भारत में 'कोल्ड अटैक' बढ़ेगा। मौसम वैज्ञानिकों की मानें तो अगले एक सप्ताह में चंडीगढ़, पंजाब, हरियाणा, दिल्ली और उत्तर प्रदेश में धुंध बढ़ेगी। पहाड़ों की बर्फीली हवाओं से मैदानी इलाकों में ठंड बढ़ेगी। इससे लोगों की दुश्वारियां बढ़ेंगी।

मौसम विज्ञान केंद्र शिमला के निदेशक सुरेंद्र पाल ने बताया कि पहाड़ों पर ताजा हिमपात के बाद उत्तर भारत में धुंध छाने से विजिबिलिटी कम होगी।उन्होंने बताया कि उत्तर भारत के ज्यादातर शहरों का न्यूनतम तापमान 10 डिग्री से नीचे आ जाएगा। इससे सुबह व शाम के वक्त ठंड से बचने के लिए लोगों को आग जलाने की नौबत आएगी।

हिमाचल में इस सीजन का पहला हिमपात

हिमाचल के मनाली, नारकंडा, शिकारी देवी व बिजली महादेव में बीते 24 घंटे के दौरान इस सीजन का पहला हिमपात हुआ है। वहीं मैदानी इलाकों में विंटर सीजन की पहली बारिश हुई। इधर, उत्तराखंड और कश्मीर घाटी में भी ताजा हिमपात हुआ है।

पड़ोसी राज्यों में दिखने लगा कोल्ड का इम्पैक्ट

नवंबर के पहले पखवाड़े में ही पहाड़ों पर कड़ाके की ठंड पड़नी शुरू हो गई है। हिमाचल के कई शहरों का तापमान जमाव बिंदु से नीचे गिर गया है। कुछ शहरों का पारा 5 डिग्री तक लुढ़क गया है। सर्दी बढ़ने व पेयजल पाइपों के जमने से पहाड़ों पर अभी से दुश्वारियां भी बढ़ने लगी हैं। पहाड़ों के बाद इसका इम्पैक्ट पड़ोसी राज्यों पर दिखने को लगेगा

पर्यटन कारोबारियों के खिल उठे चेहरे

सीजन की पहली बर्फबारी होने से सैलानियों और पर्यटन कारोबारियों के चेहरे खिल उठे हैं। कोरोना के कारण पर्यटन उद्योग को बीते ढाई सालों में सबसे ज्यादा नुकसान हुआ है। ऐसे में अर्ली स्नो-फॉल ने इस बार पर्यटन उद्योग के लिए अच्छे कारोबार की आस जगा दी है।

19 और 20 को फिर बर्फबारी का पूर्वानुमान

मौसम विभाग की मानें तो आज से अगले 4 दिन तक मौसम साफ रहेगा, लेकिन 18 नवंबर की शाम से मौसम दोबारा करवट बदलेगा। 19 और 20 नवंबर को फिर से बर्फबारी होने के आसार बन रहे हैं।

केलोंग का तामम्मान -6.1 डिग्री तक गिरा

हिमाचल में ताजा बर्फबारी के बाद ऊंचे क्षेत्रों में कड़ाके की ठंड पड़ रही है। केलोंग का न्यूनतम तापमान माइनस 6.1 डिग्री सेल्सियस पहुंच गया है।

दार्जिलिंग में भारत-नेपाल सीमा 17-20 नवंबर तक रहेगी बंद

कोलकाता, 15 नवंबर (एजेंसियां)। नेपाल में आगामी आम चुनाव के मद्देनजर पश्चिम बंगाल के दार्जिलिंग जिले में भारत-नेपाल सीमा 17 से 20 नवंबर के बीच बंद रहेगी। वर्तमान में दार्जिलिंग जिले में नेपाल के साथ दो सीमा बिंदु दार्जिलिंग में पानीटंकी और मिरिक में पशुपति हैं। नेपाल में पशुपतिनाथ आने वाले पर्यटक मिरिक का अधिक इस्तेमाल करते हैं। दार्जिलिंग में भारत-नेपाल सीमा क्षेत्र लगभग 100 किलोमीटर तक फैला है। भारत-नेपाल सीमाओं की रक्षा के लिए जिम्मेदार केंद्रीय सशस्त्र बलों सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) ने सीलिंग प्रक्रिया शुरू कर दी है। नेपाल सरकार के अनुरोध के बाद केंद्र ने यह फैसला लिया है।

एसएसबी के महानिरीक्षक (उत्तर बंगाल) श्रीकुमार बंदोपाध्याय के अनुसार इस अवधि के दौरान न तो किसी को नेपाल से भारत आने की अनुमति दी जाएगी और न ही भारतीय सीमा से नेपाल जाने की अनुमति होगी। हालांकि उन्होंने कहा कि आपातकालीन चिकित्सा आवश्यकता की स्थिति में आने-जाने की अनुमति होगी। इस बीच सीमा बंद होने से निर्यातकों को नुकसान की आशंका है। इन दोनों रास्तों से दोनों देशों के बीच प्रतिदिन लगभग 600 ट्रक आते-जाते हैं। दार्जिलिंग जिले से नेपाल सब्जियां ले जाने वाले ट्रक मुख्य रूप से इसी सीमा से गुजरते हैं।

स्वतंत्र वार्ता

बुधवार, 16 नवंबर, 2022

क्या मोरबी में भी भोपाल होगा ?

श्रवण गर्ग

मोरबी से कौन जीतने वाला है ? क्या भाजपा ही जीतेगी या मतदाता उसे इस बार हराने वाले हैं ? प्रधानमंत्री अगर साहस दिखा देते कि दर्दनाक पुल हादसे की नैतिक ज़िम्मेदारी स्वीकार करते हुए भाजपा मोरबी से अपना कोई उम्मीदवार नहीं खड़ा करेगी तो मतदान के पहले ही मोदी गुजरात की जनता की सहानुभूति अपने पक्ष में कर सकते थे। उन्होंने ऐसा नहीं किया। प्रधानमंत्री भावनाओं में बहकर राजनीतिक फ़ैसले नहीं लेते। वर्तमान के क्रूर राजनीतिक माहौल में इस तरह के नैतिक साहस की उम्मीद किसी भी राजनीतिक दल से नहीं की जा सकती। स्थापित करने के लिए कि केबल पुल की देखरेख और उसका संचालन करने वाली कंपनी के प्रबंधकों के साथ पार्टी के बड़े नेताओं की कोई साँठगाँठ नहीं थी ,मोरबी सीट जीतने के लिए भाजपा अपने सारे संसाधन दाव पर लगा देगी। कंपनी का एक मैनेजर पहले ही दावा कर चुका है कि हादसा 'ईश्वर की मर्ज़ी' से हुआ है।

पार्टी की जीत का श्रेय प्रधानमंत्री के नेतृत्व को दिया जाने वाला है, ईश्वर की मर्ज़ी को नहीं। भाजपा ने मोरबी से छह बार के विधायक और पिछले (2017 के) चुनावों के पहले कांग्रेस से भाजपा में भर्ती हुए बृजेश मेरजा की जगह कांतिलाल अमृतिया को टिकिट दिया है। मोरबी का 140 साल पुराना पुल अमृतिया के सामने ही ध्वस्त हुआ था। दुर्घटना के समय के वायरल हुए एक वीडियो में एक शख़्स को ट्यूब पहनकर मच्छू नदी से लोगों की जानें बचाते हुए देखा गया था। बाद में बताया गया कि वह शख़्स अमृतिया ही थे। भाजपा ने अब अमृतिया के कंधों पर मोरबी सीट को बचाने की ज़िम्मेदारी डाल दी है। अमृतिया का वीडियो अगर वायरल नहीं हुआ होता तो मोरबी से चुनाव लड़ने के लिए भाजपा को उम्मीदवार ढूँढना मुश्किल हो जाता। लोगों की जानें बचाने वाले को तो भाजपा ने टिकट देकर पुरस्कृत कर दिया पर सरकार द्वारा उन लोगों को दंडित किया जाना अभी बाक़ी है जिनके कारण सैंकड़ों मौतें हुईं और

चित्र में गुलशन राठौड़ मोबाइल में अपने बेटों के चित्र दिखाते हुए

अनेक घायल हुए। मोरबी के भयानक हादसे में 55 बच्चों सहित 143 लोगों की जानें गईं हैं और सैंकड़ों अभी भी घायल बताए जाते हैं। (न्यूज़ पोर्टल 'द प्रिंट' ने गुलशन राठौड़ नामक एक महिला की मार्मिक कथा जारी की थी जिसमें बताया गया था कि इस ग़रीब माँ ने घटना के तुरंत बाद किस तरह बदहवास हालत में घर की रोज़ी-रोटी चलाने वाले अठारह और बीस साल की उम्र के अपने दो बेटों की हरेक जगह तलाश की थी। 'मैं जब कई घंटों तक उन्हें कहीं और नहीं ढूँढ पाई तो मोरबी सिविल अस्पताल के मुर्दाघर पहुँची जहां पाया कि दोनों बेटे लावारिस लाशों की क़तार के बीच बेसुध पड़े हुए हैं और उनकी साँसें अभी चल रहीं हैं। मैंने तुरंत दोनों को पास के एक निजी अस्पताल में इलाज के लिए पहुँचाया। दोनों की रीढ़ की हड्डियों में चोट पहुँची है। मुझे पता नहीं अब हम क्या तो खाएँगे और कैसे मकान का भाड़ा चुकाएँगे '', गुलशन ने खबर में बताया था। साल 1984 में दिसंबर 2 और 3 की दरम्यानी रात भोपाल में दुनिया की सबसे बड़ी औद्योगिक दुर्घटना यूनियन कार्बाइड के संयंत्र से ज़हरीली गैस (MIC) लीक हो जाने की हुई थी। इस दुर्घटना के कोई एक महीना पहले ही (31 अक्टूबर) प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की नई दिल्ली में हत्या हो गई थी और लोक सभा चुनावों की घोषणा कर दी गई थी। दिसंबर अंत में देश के साथ भोपाल लोक सभा सीट के लिए भी मतदान होना था। भोपाल का चुनाव स्थगित नहीं किया गया ।अर्जुनसिंह तब अविभाजित मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री थे। डॉ शंकर दयाल शर्मा निवृतमान लोक सभा में भोपाल से कांग्रेस के सांसद थे। कांग्रेस ने डॉ शर्मा के स्थान पर के एन प्रधान को भोपाल से अपना उम्मीदवार बनाया था। त्रासदी के बीच ही चुनाव प्रचार भी सम्पन्न हो गया , मतदान भी हो गया और कांग्रेस ने भोपाल सहित प्रदेश की सभी चालीस सीटें भी जीत लीं। डॉ शर्मा गैस कांड के तीन साल बाद पहले उपराष्ट्रपति और फिर राष्ट्रपति निर्वाचित हो गए। गैस कांड में जान देने वालों का सरकारी आँकड़ा 2,259 का और ग़ैर-सरकारी आठ हज़ार से ऊपर का है। अपुष्ट आँकड़े बाईस से पच्चीस हज़ार मौतों के हैं। कोई पाँच लाख से अधिक लोग घायल और हज़ारों स्थायी रूप से अपंग हो गये थे।

मानवीय चूक के कारण हुई इस त्रासदी में मारे गए हज़ारों लोगों की मौत पर इंदिरा गांधी की हत्या से उपजी सहानुभूति भारी पड़ गई थी और कांग्रेस को देशभर में ऐतिहासिक जीत हासिल हुई थी। भोपाल गैस त्रासदी के लिए अगर यूनियन कार्बाइड प्रबंधन के साथ-साथ अर्जुनसिंह सरकार भी ज़िम्मेदार थी तो मोरबी हादसे के लिए गिनाए जा रहे कारण 'भगवान की मर्ज़ी' के अलावा गुजरात सरकार और घड़ी बनाने वाली ओरेवा कंपनी के प्रबंधकों के बीच साँठगाँठ की ओर भी इशारा करते हैं। मोरबी ज़िले में विधानसभा की तीन सीटें हैं। इनमें मोरबी और वांकानेर के अलावा टंकारा की वह सीट भी है जहां आर्य समाज के संस्थापक महर्षि दयानंद सरस्वती का जन्म हुआ था। मोरबी की दुर्घटना के बाद भोपाल गैस त्रासदी का हवाला देते हुए चेताया गया था कि लोगों की याददश्त कमज़ोर होती है, वे सब कुछ भूल जाएंगे ! मोरबी में पुल टूटने की घटना और गुजरात में मतदान के बीच भी समय 1984 दिसंबर जितना ही रहने वाला है। तो क्या गुजरात में मतदान सम्पन्न होने तक भोपाल की तरह ही मोरबी का भी सब कुछ भुला दिया जाएगा ? गुलशन राठौड़ और उनके जैसी सैंकड़ों कहानियों समेत ! भोपाल गैस त्रासदी अगले महीने की दो और तीन तारीख़ को अपने आतंक के अड़तीस साल पूरे कर लेगी। त्रासदी के चार महीने बाद मार्च 1985 में जब अर्जुनसिंह के नेतृत्व में मध्य प्रदेश विधानसभा के चुनाव हुए थे तो राज्य में फिर से कांग्रेस की हुकूमत क़ायम हो गई थी।

मंत्री बादल गए थे पर दलाल वैसे ही क़ायम रहे। त्रासदी के लिए दोषी किसी भी बड़े आरोपी को सज़ा नहीं मिली । उसके कुछ गुनहगारों की आज भी तलाश की जा सकती है। हो सकता है मोरबी की कंपनी में बनने वाली घड़ियों की सुइयाँ साल बदलती रहें और भोपाल की तरह ही पुल दुर्घटना के असली गुनहगारों को भी क़ानून ढूँढता रह जाए ! राजनीति तो संवेदनहीन हो ही चुकी है, क्या मानवीय संवेदनाओं से मतदाताओं के सरोकार भी ख़त्म हो गए हैं ? अगर यही सत्य है तो फिर लोकतंत्र को भूलकर उस व्यवस्था के लिए तैयार रहना चाहिए जिसकी कि ओर मोरबी के पुल की देखरेख और संचालन करने वाली कंपनी के प्रमुख ने अपनी गुजराती पुस्तक 'समस्या अने समाधान' में इशारा किया है :' चीन की तरह ही देश में चुनाव बंद कर योग्य व्यक्ति को 15-20 साल का नेतृत्व दीजिए जो हिटलर की तरह डंडा चलाये।'

http://shravangarg1717.blogspot.com

बढ़ते मधुमेह रोगी

लगभग दो दशक से लगातार विश्व मधुमेह दिवस मनाया जा रहा है। पहली बार सन 1991 में संयुक्त राष्ट्र ने तय किया था कि 14 नवंबर को पूरी दुनिया मधुमेह के रोग से बचाव और उपचार को लेकर जागरूकता संबंधी बातें किया करेगी। चूंकि एक विश्व दिवस मधुमेह के नाम पर भी है, इसी से साबित होता है कि मधुमेह को एक वैश्विक समस्या मान लिया गया है। जहां तक भारत की बात है तो इस रोग की गंभीरता समझने के लिए यह आंकड़ा काफी है कि पिछले साल सितंबर से लेकर इस साल अक्तूबर तक देश में मधुमेह संबंधी सलाह लेने वालों की संख्या में काफी ज्यादा बढ़ोतरी हुई है। कहने को तो कह सकते हैं कि इस रोग को लेकर जागरूकता बढ़ने की वजह से ज्यादा लोगों ने विशेषज्ञ सलाह लेना शुरू कर दिया है। लेकिन इस रिपोर्ट पर भी गौर किया जाना चाहिए कि इस साल मार्च से लेकर अब तक जिन पांच लाख छत्तीस हजार लोगों की मधुमेह जांच हुई, उनमें एक तिहाई मधुमेह रोगी निकले। जाहिर है, आमतौर पर मधुमेह की आशंका वाले लोगों ने ही जांच करवाई और उसमें हर तीसरा व्यक्ति मधुमेह से ग्रस्त निकला। यह अलग बात है कि भारत जैसे देश में कितने लोग इस रोग के शुरुआती दौर में ही जांच करवा पाते होंगे? मधुमेह एक भरापूरा रोग है और ज्यादातर रोगों का कारण भी बन जाता है। चिकित्सा विज्ञान में इसके उपचार के लिए अलग से शाखा है। दूसरे और रोगों की तरह मधुमेह के इलाज के उपायों की चर्चा सामाजिक रूप से नहीं की जा सकती। इसीलिए आमतौर पर स्वयंसेवी सस्थाएं भी इस मामले में शिविर या दूसरे आयोजन करने से बचती हैं। इससे बचाव के लिए दिनचर्या और खानपान को ठीक रखने की कितनी भी सलाह दी जाती रहे, लेकिन किसी रोग को लेकर खानपान की सलाह देने वाला काम भी चिकित्सा विज्ञान की दूसरी विशिष्ट शाखा के जिम्मे है। दरअसल यह ऐसा रोग है जो अंतस्रावी ग्रंथियों में असंतुलित स्नाव के कारण होता है, लिहाजा शौकिया या गैरप्रशिक्षित डाक्टरों, वैद्य, नीम-हकीमों से सलाह लेना या इलाज करवाना खतरे से खाली नहीं होता। और यह बात कौन नहीं जानता कि देश में स्नातक स्तर के चिकित्सकों की ही भारी कमी है। ऐसे में मधुमेह के विशेषज्ञों की पर्याप्त उपलब्धता तो बहुत दूर की बात है। लेकिन चिकित्सा क्षेत्र में बढ़ते निजीकरण के दौर में आर्थिक रूप से कमजोर मरीज आसानी से विशेषज्ञ सलाह ले सके और मधुमेह के रोगी निरंतर अपनी जांच करवाते रहें, इसकी व्यवस्था बनानी ही पड़ेगी। बस सवाल यही है कि ऐसा होने में समय कितना लगेगा। इस मामले एक नई चिंता और जुड़ गई है। वह यह कि इस रोग को लेकर पच्चीस से पैंतीस साल के युवक भी चिंतित हो उठे हैं। इस रोग को लेकर सलाह लेने वाले युवकों की संख्या में छियालीस फीसद की बढ़ोतरी का आंकड़ा कम नहीं है। पैंतीस से चालीस साल की उम्र वाले लोगों ने भी तैंतीस फीसद बढ़ोतरी के साथ इस रोग के बारे में विशेषज्ञ सलाह मशविरा किया। यह कम चिंता की बात नहीं है कि नौजवान इस रोग की चपेट में तेजी से आ रहे हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक उम्र के लिहाज से कुल मरीजों में साढे बारह फीसद मरीज चौबीस से चालीस साल के हैं। गौर किया जाना चाहिए कि मानव संसाधनों के लिहाज से इस उम्र के लोगों में मधुमेह की समस्या बढ़ना देश की आर्थिकी के सामने भी किसी बड़े जोखिम से कम नहीं है।

अहंकार जीवन की बड़ी विपत्ति

संजीव ठाकुर

प्रत्येक व्यक्ति जीवन में सफलता प्राप्त करना चाहता है वह जीवन के हर सोपान में अपने आप को उत्तम स्थिति में रखना चाहता है। किंतु जीवन की सफलता मनुष्य के संघर्ष और उसके आचरण में अंतर्निहित विनम्रता पर भी निर्भर करती हैं। मनुष्य यदि सब कुछ प्राप्त करके भी वह विनम्र नहीं है तो उसका जीवन अधूरा है। रावण बहुत बड़ा विद्वान और शास्त्रों का ज्ञाता था किंतु उसके जीवन में और उसके आचरण में विनम्रता ना होकर दंभ और अहंकार समाविष्ट था, अतः वह अपने अहम और विनम्रता विहीन जीवन के कारण प्रभु श्री राम के हाथों मारा गया। विनम्रता मनुष्य का वह गुण है जो मनुष्य के निजी जीवन में समाजीकरण की प्रक्रिया में उसके द्वारा आत्मसात किया जाता है। मनुष्य मूलतः अहंकारी, स्वार्थी, लालची तथा पद प्राप्त करने वाला लोभी रूप होता है। किंतु धीरे-धीरे वह सामाजिक परिवेश में अपने आसपास के ज्ञानी ,साधु एवं सच्चे सद्गुणी नागरिकों के संपर्क में आकर अपने लोभ तथा लालच की अहंकारी गतिविधियों में सुधार लाकर सहिष्णु, सौहार्द, करुणा, सहयोग आदि गुणों को अपने में समाहित कर विनम्रता के सद्गुण को ग्रहण कर लेता है। विनम्रता सही मायने में सामाजिक अच्छाई की परिणति है। सद्गुण और विनम्रता महान लोगों के द्वारा ग्रहण किया हुआ वह अलंकार है जो उसे लोक तथा परलोक में सर्वमान्य रूप से स्थापित करता है। छोटा और तुच्छ व्यक्ति अपनी छोटी-छोटी गतिविधियों में रहकर अपने आप को सर्वशक्तिमान एवं सर्व ज्ञानी समझकर कुएं के मेंढक की तरह अधजल गगरी छलकत जावे की कहावत को सिद्ध करता है। महान तथा ज्ञानी व्यक्ति के व्यक्तित्व में विनम्रता झलकती है वह उसे प्रदर्शित करने से परहेज करते हैं क्योंकि विनम्रता उनके संपूर्ण व्यक्तित्व में समाहित होती है। विनम्रता किसी भी सज्जन व्यक्ति की जीवन की शैली होती है। महान और विनम्र व्यक्ति की प्रशंसा करने पर भी वे उसे स्वीकार न कर किसी दूसरे व्यक्ति को इसका श्रेय देते हैं।

और अज्ञानी और छोटी सोच के कारण व्यक्ति अपने मियां मिट्ठू बनने से नहीं अघाते हैं। ज्ञानी व्यक्ति अपनी उपलब्धि को समाज की बेहतरी के लिए उपयोग में लाता है, ना कि उसे केवल अपने अथवा अपने करीबी या परिवार के लिए ही सीमित नहीं रखता है। विनम्र व्यक्ति सदा ज्ञान तथा सद्गुणों की खोज में रहता है एवं उसके जीवन में नई-नई उपलब्धियां अपने आप आने लगती हैं । जिस तरह फलदार वृक्ष सदैव झुके हुए होते हैं उसी तरह विनम्र और ज्ञानी व्यक्ति भी बहुत अधिक विनम्र तथा देश समाज और राष्ट्र के प्रति निष्ठावान होता है। भारत के पूर्व राष्ट्रपति डॉ अब्दुल कलाम राष्ट्रपति के सर्वोच्च पद पर बने रहने के पश्चात भी विद्यार्थियों के साथ रहा करते थे जो उनको महानतम बनाता है और इसी महानता के लिए उन्हें भारत का सर्वोच्च भारत रत्न की उपाधि दी गई थी। ज्ञानी व्यक्ति केवल सूचनाओं का केंद्र ही नहीं होता बल्कि ज्ञान उसे विनम्र और सद्गुणी बनाता है, विनम्रता मनुष्य को उसके जीवन में अच्छे मार्ग में प्रशस्त होता है विनम्र व्यक्ति ही समाज में उचित स्थान तथा सम्मान का हकदार बनता है। विनम्रता से ही मनुष्य समाज के हर पहलू में उसका पात्र बनकर उसे ग्रहण करने का अधिकार रखता है। इसलिए विनम्र एवं ज्ञानी व्यक्ति समाज में सदैव सम्मानित एवं उच्च स्थान प्राप्त करने वाला व्यक्ति बन जाता है। विनम्र व्यक्ति में नेतृत्व गुण भी संभावित होता है क्योंकि ज्ञानी और विनय शील व्यक्ति को अपने नेतृत्व कर्ता के रूप में शहर से स्वीकार करती है। क्योंकि ऐसा व्यक्ति अपने विचारों को आमजन पर अधिरोपित नहीं करता बल्कि उनके विचारों को उनके सुझाओं को प्राप्त कर नए-नए समाधान भी निकलता है।

महात्मा गांधी जी ने सत्य और अहिंसा को अपना साधन घोषित करते हुए स्वतंत्रता के लिए इसे अपना अस्त्र तथा शस्त्र बनाया था। सत्य और अहिंसा विनम्र व्यक्ति के दो अमोघ अस्त्र की तरह थे जो विनम्रता को और प्रभावशाली बनाते हैं। विनम्र व्यक्ति सदा संतोषी एवं परम सुखी होता है क्योंकि उसकी अपनी कोई महत्वाकांक्षा इच्छा, लोभ,जलन अथवा प्रतिस्पर्धा नहीं रहती है, वह अवगुणों से दूर रहकर अपने को परिमार्जित कर लेता है और समाज के विकास के लिए समर्पित भी रहता है। महात्मा बुद्ध के संदर्भ में कहा जाता है कि जब वे ज्ञान की खोज में देशाटन कर रहे थे तब लोगों ने उन्हें अनेक प्रकार की यातनाएं दी पर महात्मा बुध ने बिना विचलित हुए अपनी खोज में लगे रहे और उनके अथक प्रयास ,विनम्रता और ज्ञान के दम पर महापरिनिर्वाण की स्थिति को प्राप्त किया। जिस तरह शक्ति को दबाया जा सकता है किंतु समाप्त नहीं किया जा सकता उसी प्रकार विनम्रता कुछ समय के लिए कमजोर प्रतीत हो सकती है अंततः उसकी अपनी क्षमता व्यापकता और पर्वत के समान कठोर तत्वों के कारण वह हर बाधा को पार कर मनुष्य को सफलता दिलाने में सक्षम होती है इसी विनम्रता और कठोर श्रम के चलते महात्मा गांधी ने ब्रिटिश सरकार की बाधा को नेस्तनाबूद कर दिया और भारतवासियों को अपनी विनम्रता से स्वाधीनता का स्वाद चखाया। यही बात हमारी भारतीय सनातन तथा वैदिक संस्कृति पर भी लागू होती है वह हजारों वर्ष से अब तक सुरक्षित बनी हुई है। विनम्रता व्यक्ति हो या संस्कृति उसे विनम्रता स्थायित्व प्रदान करती है एवं आने वाले मार्ग की बाधाओं को समाप्त कर देती है जैसा कि अहंकार का अस्थाई तथा क्षणभंगुर होता है, किसी भी राष्ट्र संस्कृति समाज के स्थायित्व के लिए उसका विनम्र तथा सहिष्णु होना आवश्यक है । इसीलिए यह माना जाता है कि मनुष्य, समाज ,देश के लिए विनम्रता सर्वश्रेष्ठ अवदान है।

आदिवासियों के हितों के संरक्षण के लिए प्रयास कर रही है शिवराज सरकार

हर्षवर्धन पाण्डे

आदिवासी समुदाय को समाज की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान की कोशिशों ने राज्य में आदिवासियों के नए दौर की शुरुआत कर दी है। आदिवासी समाज के संरक्षण और विकास के लिए केंद्र व राज्य की सरकार के प्रयास अब रंग ला रहे हैं। लंबे समय तक उपेक्षित आदिवासी अब राज्य की राजनीति में पक्ष और विपक्ष की बड़ी धुरी बन गए हैं। पिछले साल बड़ा जनजातीय सम्मेलन करके भाजपा ने जहां उनके बीच अपनी पकड़ मजबूत की है तो वहीं कांग्रेस आदिवासियों में अपनी पैठ बढ़ाने के लिए अभी भी संघर्ष करती दिखाई दे रही है। मध्य प्रदेश में आदिवासी समाज की संख्या तकरीबन एक करोड़ 53 लाख है, जो कुल आबादी का 21 फीसद से अधिक है। प्रदेश के 20 जिलों के 89 विकासखंड आदिवासी बहुल हैं। राज्य विधानसभा की 47 सीटें और लोकसभा की छह सीटें अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षित हैं। 47 विधानसभा क्षेत्रों के अलावा करीब 35 सीटें ऐसी हैं, जिनमें आदिवासी मतदाताओं की भूमिका निर्णायक है। ऐसे में भाजपा और कांग्रेस दोनों के लिए ही आदिवासी समाज को साधने की बड़ी चुनौती है। प्रदेश में जिस भी पार्टी ने इस समुदाय पर अपनी पकड़ मजबूत की वह सत्ता पाने में कामयाब रहा है। पिछले चुनाव में कांग्रेस ने आदिवासियों के बड़े वोटो को साधकर प्रदेश में अपनी वापसी की । वर्ष 2003 से 2013 तक के विधानसभा चुनावों में भाजपा की आदिवासियों पर मजबूत पकड़ रही जिसका भाजपा को लाभ मिला लेकिन 2018 में यह भाजपा के पाले से कांग्रेस के पास चला गया।

आदिवासियों का पुराना जनाधार वापस आये बिना प्रदेश में सत्ता की चाबी नहीं मिल सकती इसलिए इस बार भाजपा ने मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान की अगुवाई में अपनी पूरी ऊर्जा आदिवासी क्षेत्रों में फोकस कर लगवाई हुई है। कांग्रेस की तत्कालीन कमलनाथ सरकार ने भी आदिवासी वर्ग को साधने के लिए साहूकारों के कर्ज माफ़ी के कानों से लेकर , गोठान विकास, विश्व आदिवासी दिवस मनाने जैसे कई लोक लुभावन लुभावने कदम उठाए लेकिन आपसी गुटबाजी और अंतर्कलह के कारण राज्य में कांग्रेस की सरकार चली गई। इसके बाद सत्ता में वापस लौटे मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने जनजातियों के लिए दिल खोलकर अपनी योजनाओं की झड़ी लगा दी । जनजाति समुदाय के लिए गंभीर नजर आने वाले मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने जनजातीय कार्य विभाग के बजट में वृद्धि की है। वर्ष 2003-04 में जो जनजातीय बजट मात्र 746.60 करोड़ था , आज 2021-22 के लिए 9796 करोड़ किया गया है । मुख्यमंत्री चौहान ने प्रदेश के वन क्षेत्रों में रहने वाले आदिवासी समाज के हजारों लोगों को वनाधिकार पट्टा देकर उनके जीवन में उजाला लाने का काम किया है। मध्य प्रदेश की 230 विधानसभा सीटों में से 87 विधानसभा सीटों में 2 करोड़ से ज्यादा आदिवासी आबादी है जो राज्य के चुनावी गणित पर सीधा असर डालती है जिनमें से 47 सीटें आदिवासी वर्ग के लिए ही आरक्षित हैं। मध्य प्रदेश में आदिवासी समुदाय सियासत में अहम स्थान रखता है जो हार-जीत में अहम भूमिका निभाते हैं।

2018 के विधानसभा चुनाव में 47 में 31 सीटें कांग्रेस ने जीती थी, तो वहीं भाजपा को सिर्फ 16 सीट पर सिमट गई जबकि 35 अनुसूचित जाति वर्ग की 17 सीटों पर कांग्रेस और 18 सीटों पर बीजेपी को जीत मिली। बीते साल से राज्य सरकार ने प्रदेश में जनजातीय गौरव दिवस मनाने की बड़ी शुरुआत की है। सरकार ने इस तिथि को राजकीय अवकाश घोषित करने में भी देरी नहीं लगाई। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की भी प्रदेश के जनजातीय इलाकों में लगातार सक्रियता बनी हुई है। उन्होनें इस समाज पर पार्टी की पकड़ मजबूत करने के लिए राशन वितरण, निःशुल्क रसोई गैस सिलेंडर और चूल्हे देने के साथ ही कई न केंद्रीय योजनाओं की भी शुरुआत की है । इसे आदिवासियों को मुख्यधारा में लाने की बड़ी कोशिशों के तौर पर देखा जा रहा है। पिछले वर्ष प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा भगवान बिरसा मुंडा के जन्म दिवस 15 नवंबर को जनजातीय गौरव दिवस के रूप में राष्ट्रीय स्तर पर मनाने एवं भोपाल के हबीबगंज रेलवे स्टेशन का नाम गोंड रानी कमलापति के नाम पर करने की घोषणा जनजातीय समाज को अपने से जोड़ने की सबसे बड़ी पहल थी जिसकी गूंज राष्ट्रीय स्तर तक गई ।

भारत तय करेगा विश्व की दिशा एवं दशा

डॉ. विपिन कुमार

भारत अगले साल जी - 20 शिखर सम्मेलन की मेजबानी और अध्यक्षता करेगा। इसे लेकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जी-20 सम्मेलन के लोगो, थीम और वेबसाइट का अनावरण कर दिया है। जी-20 अंतरराष्ट्रीय सहयोग और समन्वय के सबसे बड़े एवं प्रतिष्ठित मंचों में से एक है। इसके सदस्य देशों में संपूर्ण विश्व की दो तिहाई जनसंख्या समाहित है और वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद का 85 प्रतिशत हिस्सा इन्हीं देशों से आता है। ये देश पूरे विश्व के 75 प्रतिशत व्यापार का प्रतिनिधित्व करते हैं और अब जब भारत इस समूह की अगुवाई करने जा रहा है । ऐसे में यह प्रत्येक भारतीय के लिए गर्व और स्वाभिमान का विषय है। यह वास्तव में आजादी के अमृतकाल में हमारी प्रतिबद्धता को नई मजबूती प्रदान करेगा।गौरतलब है कि भारत इस निकाय की अध्यक्षता 01 दिसंबर, 2022 से 30 नवंबर, 2023 तक करेगा और इसकी निगरानी के लिए केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा एक सचिवालय का भी गठन किया गया है। भारत ने इसके संस्थापक सदस्य के तौर पर हमेशा गंभीर वैश्विक मुद्दों को उठाने की कोशिश की है। यह निश्चित है कि वह अपनी अध्यक्षता में पर्यावरण संरक्षण, कृषि विकास , महिला सशक्तिकरण, स्वास्थ्य, भ्रष्टाचार, तकनीक, संस्कृति और पर्यटन जैसे कई मुद्दों को प्रमुखता के साथ उठाएगा। खैर, फिलहाल मैं यहां केवल आर्थिक भागीदारी और अवसरों में लैंगिक समानता के मुद्दे को रेखांकित करना चाहूंगा। आज जी-20 के सदस्य देश असमानता की इस खाई को मिटाने के प्रयास कर रहे हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने भी उज्जवला योजना, जनधन योजना, मुद्रा योजना, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना जैसी कई योजनाओं को शुरू किया है। इससे नारी शक्ति को बढ़ावा मिल रहा है। वहीं, जी-20 देश महिला उद्यमशीलता को बढ़ावा देने के लिए ऐसे प्रयास कर रहे हैं, जिससे उन्हें अधिक से अधिक वित्तीय मदद और जरूरी सूचना मिलें। उदाहरण के लिए 2020 में अमेरिका में महिलाओं को कारोबार में आगे ले जाने के लिए 100 मिलियन डॉलर से अधिक आवंटित किए गए और इटली में उच्च प्रौद्योगिकी क्षेत्रों में महिलाओं के नेतृत्व को बढ़ावा देने के लिए 47 मिलियन डॉलर उपलब्ध कराए गए। वहीं, इस मुद्दे पर भारत पूरी दुनिया की राह को आसान कर सकता है। आज भारत में करीब 1.5 करोड़ ऐसी महिलाएं हैं, जिनके स्वामित्व में सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम चल रहे हैं और ये प्रत्यक्षतः या अप्रत्यक्षतः 2.7 करोड़ लोगों को आजीविका का साधन उपलब्ध कराते हैं। उम्मीद है कि प्रधानमंत्री मोदी ने महिलाओं के नेतृत्व को मजबूत करने के लिए जिन योजनाओं को शुरू किया है, उससे साल 2030 तक करीब 3 करोड़ उद्यम महिलाओं के स्वामित्व में होंगे और इससे करीब 15 करोड़ लोगों को रोजगार मिलेगा।वित्तीय समावेशन, महिला उद्यमिता और स्थायी आजीविका के बीच एक घनिष्ठ संबंध है। समाज में व्याप्त लैंगिक असमानता के कारण आर्थिक असमानता भी बनी रहती है। दूसरी ओर इससे शिक्षा एवं स्वास्थ्य देखभाल संबंधित चुनौतियों का भी जन्म होता है। आज जब पूरी दुनिया महामारी से उबर रही है तो महिलाओं के नेतृत्व को आर्थिक सुधारों के लिए एक प्रमुख कुंजी माना जा रहा है। हालांकि, यह राह इतनी आसान नहीं है। आंकड़े बताते हैं कि दुनिया के 190 में से 86 देशों में महिलाओं के रोजगार और उद्यमिता पर लैंगिक आधार पर कानूनी प्रतिबंध लगाए गए हैं।

जब जिंदगी हैक हो जाए

डॉ. सुरेश कुमार

भजनखबरी हर औसतन पाठक की तरह समाचार का पहला पन्ना सरसरी निगाहों से पढ़ने लगा। लिखा था – फलाने का ट्विटर अकाउंट हैक। यह पढ़ते ही वह थोड़ी देर के लिए खूब हँसने लगा। उसकी हँसी और भारत की गिरती जीडीपी दोनों का गहरा संबंध है। इसे वही बता सकता था जो प्याज की जगह जीडीपी खाता हो। वह तो अच्छा हुआ कि उसने अपने राज पर से पर्दा उठाते हुए हैक होने का मतलब समझाया। उसने अपनी जिंदगी को कंप्यूटर की भाषा में बदलते हुए कहा – जिंदगी के की बोर्ड पर विंडोज का बटन एल से दब जाए तो वह तो हमेशा के लिए लॉकडाउन में चली जाती है। जो फिलहाल वही हो रहा है। यदि विंडोज के बटन के साथ डी बटन दबा दिया जाए तो हम कहीं किसी और दुनिया में चले जाते हैं। इस स्थिति की बात की जाए तो कइयों के लिए कोरोनाकाल से पहले या बाद में कोई अंतर नहीं था। जब सब यादें कंट्रोल और ए बटन के साथ मस्तिष्क में कंट्रोल एस बटन के साथ भरी पड़ी हों तो उसे कभी-कभी डिलिट कर देना चाहिए।

चूँकि सभी यादें याद बनकर रह जाएँ तो आदमी पागल हो सकता है। इसलिए कभी-कभार डिलिट बटन का छिड़काव भी कर देना चाहिए। जिंदगी और कंप्यूटर में सबसे बड़ा फर्क यही है कि जहां जिंदगी में बीते पल को फिर से प्राप्त नहीं किया जा सकता वहीं कंप्यूटर कंट्रोल के साथ जेड का बटन दबाने मौका रहता है। जिंदगी में आगे पीछे नहीं हो सकते। एक सटीक निर्णय लेने की आवश्यकता होती है, जबकि कंप्यूटर पर कंट्रोल के साथ शिफ्ट और टैब बटन दबाने से पीछे और कंट्रोल के साथ टैब बटन दबाने आगे जा सकते हैं। जिंदगी में कुछ नया करना जितना कठिन है वहीं कंप्यूटर पर कंट्रोल बटन के साथ एन बटन दबाने पर नई-नवेली दुनिया में पहुंच सकते हैं। अब जो भला बेरोजगार है उसके लिए अब क्या तब क्या? जो लोग चाहते हैं कि जिंदगी की सारी खिड़कियाँ एक साथ देखें उनके लिए विंडोज बटन के साथ टैब का बटन मिल जाता है। फिर देख लीजिए जितनी जिंदगी देख लेनी है। हाँ इतना है कि आल्ट बटन के साथ टैब का बटन दब जाए तो जिंदगी की नई खिड़की खुल जाती है। फर्क सिर्फ इतना है कि उसमें अब भी वही हवा आ रही है जो पहले आ रही थी। इसलिए अच्छा यही है कि फिर से आल्ट बटन दबाएँ लेकिन उसके साथ एफ फोर का बटन दबाएँ इससे वह खिड़की क्या जिंदगी ही बंद हो जाएगी।

लगता है भजनखबरी अपनी जिंदगी से परेशान होकर ये सारे बटन एक साथ दबा दिएँ। अब उसकी जिंदगी भी हैक हो गयी है। लेकिन क्या फर्क पड़ता है? वह प्रधान मंत्री थोड़े न है कि उसकी जिंदगी को ट्विटर हैक की तरह तवज्जो दी जाएगी। वैसे भी हैक ट्विटर फिर से वापस मिल सकता है, लेकिन जिंदगी के साथ ऐसा नहीं होता।

शिवजी के रौद्र रूप की पूजा का दिन

काल भैरव अष्टमी , इस दिन व्रत और पूजा से दूर होता है अकाल मृत्यु का भय

काल भैरव अष्टमी अगहन महीने के कृष्ण पक्ष की आठवीं तिथि पर होती है। ये शिवजी रौद्र रूप से प्रकट हुए थे। इनकी पूजा से डर और बीमारियां भी दूर होती हैं। शिव पुराण के मुताबिक काल भैरव अष्टमी पर व्रत और पूजा करने से अकाल मृत्यु का डर खत्म हो जाता है। इस बार ये पर्व 16 नवंबर, बुधवार को है।

नारद पुरण के अनुसार काल भैरव की पूजा का दिन नारद पुराण के अनुसार कालाष्टमी के दिन कालभैरव और मां दुर्गा की पूजा करनी चाहिए। इस रात देवी काली की उपासना करने वालों को अर्ध रात्रि के बाद मां की उसी प्रकार से पूजा करनी चाहिए जिस प्रकार दुर्गा पूजा में सप्तमी तिथि को देवी कालरात्रि की पूजा का विधान है। इस दिन शक्ति अनुसार रात को माता पार्वती और भगवान शिव की कथा सुन कर जागरण का आयोजन करना चाहिए। इस दिन व्रती को फलाहार ही करना चाहिए। इस दिन कुत्ते को खाना खिलाना शुभ माना जाता है।

इस व्रत से दूर होते हैं रोग

कथा के अनुसार एक दिन भगवान ब्रह्मा और विष्णु के बीच श्रेष्ठ होने का विवाद उत्पन्न हुआ। विवाद के समाधान के लिए सभी देवता और मुनि शिवजी के पास पहुंचे। सभी देवताओं और मुनि की सहमति से शिवजी को श्रेष्ठ माना गया। परंतु ब्रह्माजी इससे सहमत नहीं हुए। ब्रह्माजी, शिवजी का अपमान करने लगे। अपमानजनक बातें सुनकर शिवजी को क्रोध आ गया, जिससे काल भैरव का जन्म हुआ।

उसी दिन से कालाष्टमी का पर्व शिवजी के रुद्र अवतार कालभैरव के जन्म दिन के रूप में मनाया जाने लगा। कालाष्टमी व्रत बहुत ही फलदायी माना जाता है। इस दिन व्रत रखकर पूरे विधि-विधान से काल भैरव की पूजा करने से व्यक्ति के सारे कष्ट मिट जाते हैं और काल उससे दूर हो जाता है। इसके अलावा व्यक्ति रोगों से दूर रहता है। साथ ही उसे हर कार्य में सफलता प्राप्त होती है।

सूर्यास्त के बाद करनी चाहिए भैरव पूजा

शिव जी का ये अवतार प्रदोष काल में हुआ था, इसलिए भैरव देव की पूजा सूर्यास्त के बाद ही करनी चाहिए। शाम को स्नान के बाद भैरव मंदिर में भगवान का श्रृंगार सिंदूर, सुगंधित तेल से करना चाहिए। लाल चंदन, चावल, गुलाब के फूल, जनेऊ, नारियल चढ़ाएं। तिल-गुड़ या गुड़-चने या इमरती का भोग लगाएं।

पूजा में जलाएं सरसों के तेल का दीपक

भैरव पूजा में धूप-बत्ती के साथ ही सरसों के तेल का दीपक जलाना चाहिए। दीपक जलाकर भैरव मंत्र का जप करना चाहिए। ऊँ भैरवाय नमः मंत्र का जप करते हुए चंदन, चावल, फूल, सुपारी, दक्षिणा, भोग लगाना चाहिए।

शिव-पार्वती की भी करें पूजा

भैरव अष्टमी पर शिव जी और पार्वती जी की भी विशेष पूजा जरूर करें। शिव जी और देवी पार्वती का अभिषेक करें। ध्यान रखें पूजा की शुरुआत गणेश पूजन के साथ करनी चाहिए। शिव-पार्वती को बिल्व पत्र, फूल चढ़ाएं। चंदन से तिलक करें। देवी मां को चुनरी और शिव जी को जनेऊ चढ़ाएं। मिठाई का भोग लगाएं। धूप-दीप जलाकर आरती करें।

काल भैरव अष्टमी पर कर सकते हैं ये शुभ काम भी

भैरव महाराज का वाहन कुत्ता है। इसलिए काल भैरव अष्टमी पर कुत्तों को सावधानी के साथ रोटी खिलाएं।

किसी गौशाला में गाय की देखभाल के लिए धन का दान करें। हरी घास गायों को खिलाएं।

भैरव पूजन करते समय भगवान को अपनी बुराइयां (नशा करना, क्रोध, लालच आदि) समर्पित करें और भगवान के सामने संकल्प करें कि ये बुराइयां हम छोड़ रहे हैं।

इस दिन अधार्मिक कामों से बचना चाहिए। नशा न करें। क्रोध न करें। घर में क्लेश न करें। इस बात का भी ध्यान रखें कि हमारी वजह से किसी नुकसान नहीं होना चाहिए।

-मुकेश ऋषि

ऐसे लड़कों के पास खिंची चली आती हैं लड़कियां, हमेशा रखते हैं ख्याल!

लव लाइफ हो या मैरिड लाइफ दोनों में ही पुरुष और स्त्री के बीच भरोसा, प्यार होना जरूरी है, तभी जीवन में सुख रहता है।चाणक्य नीति में पुरुष के ऐसे गुणों के बारे में बताया गया है, जिन्हें महिलाएं बेहद पसंद करती हैं।ऐसे पुरुषों से महिलाएं कभी दूर नहीं जातीं, बल्कि वे इनके साथ हमेशा खुश और संतुष्ट रहती हैं।यही वजह है कि ऐसे पुरुषों को अपना पार्टनर बनाने के लिए हर महिला बेताब रहती है।आइए जानते हैं कि चाणक्य नीति में पुरुषों के बताए गए वो गुण कौन से हैं।

महिलाओं के बीच लोकप्रिय होते हैं ये पुरुष

गुप्त बातें किसी को नहीं बताना: जो पुरुष अपने और पार्टनर के बीच के राज किसी को नहीं बताते हैं, उन्हें महिलाएं बहुत पसंद करती हैं। ऐसे पुरुष को महिला कभी छोड़ना नहीं चाहती है, बल्कि उसके साथ हमेशा बहुत खुश रहती है।

पूरी आजादी देना: जो पुरुष अपनी पार्टनर को पूरी आजादी देते हैं, उस पर शक नहीं करते हैं या उसे पूरा स्पेस देते हैं।ऐसे पुरुषों को महिलाएं बहुत पसंद करती हैं।वे हमेशा ऐसे पुरुष के साथ रहना चाहती हैं, ताकि उन्हें अपनी पहचान के साथ जीने में कोई समस्या न हो।

सम्मान: ऐसे पुरुष जो महिलाओं का सम्मान करते हैं, उनका ख्याल रखते हैं, ऐसे पुरुषों को महिलाएं बहुत पसंद करती हैं।हर महिला चाहती है कि उसका पति या प्रेमी न केवल उसे प्यार करे, बल्कि उसका सम्मान भी करे।ऐसे पुरुष की साथी महिला हमेशा खुद को बहुत भाग्यशाली महसूस करती है।साथ ही जो पुरुष, महिलाओं के आगे खुद को सर्वश्रेष्ठ न समझें या उसे अपने आगे कमतर साबित करने की कोशिश करे। ऐसे पुरुष को महिलाएं बहुत पसंद करती हैं।

सुरक्षा: ऐसा पुरुष जो महिलाओं की सुरक्षा करते हैं।उनकी हर जरूरत का ध्यान रखते हैं।उन्हें महिलाएं बहुत पसंद करती हैं।जो पुरुष महिला के हर निर्णय में उसका साथ दें, उसे सपोर्ट करे, ऐसा पुरुष पाने की लालसा हर महिला के मन में होती है।

अंगद से सीखें अहंकारी का सामना कैसे करें ?

हमारे सामने जब भी कोई अहंकारी व्यक्ति आ जाए तो उसका सामना कैसे करना चाहिए, ये बात हम बाली पुत्र अंगद से सीख सकते हैं। रामायण में सीता की खोज करते हुए श्रीराम अपनी वानर सेना के साथ लंका पहुंच गए थे। श्रीराम रावण से युद्ध टालना चाहते थे। इसके लिए उन्होंने एक अंतिम प्रयास और किया। श्रीराम ने अंगद को दूत बनाकर रावण के पास भेजा, ताकि रावण सीता को लौटा दे और युद्ध टल सके। लंका दरबार में अंगद ही पहुंचा तो एक वानर को देखकर रावण ने कहा कि तू कौन है? अंगद ने अपना नाम बताया और कहा कि मेरे पिता का नाम बाली है। क्या आपको याद है कि आप मेरे पिता से मिल चुके हैं।

बाली का नाम सुनते ही रावण के हाव-भाव बदल गए। उसने बात करने का अंदाज बदला और कहा कि हां, हां, मुझे याद है एक बाली नाम का वानर था। रावण के हाव-भाव देखकर और उसकी बात सुनकर अंगद हैरान था। अंगद ने सोचा कि जिसे मेरे पिता बाली ने छह महीनों तक अपनी बांह में दबाए रखा था, वह रावण बाली इतने सामान्य ढंग से याद कर रहा है। दरअसल रावण अहंकारी था और वह खुद को ही सर्वश्रेष्ठ और सबसे शक्तिशाली मानता था और दूसरों को जताता भी था।

रावण ने अंगद से आगे कहा कि तू बाली जैसे शक्तिशाली वानर का बेटा है और राम की सेवा कर रहा है।

रावण ढोंग कर रहा था और झूठ पर झूठ पर बोल रहा था। रावण ने अंगद से पूछा कि बता तेरे पिता कहां हैं आजकल?

रावण जानता था कि राम ने बाली का वध कर दिया है, फिर भी वह ढोंग कर रहा था। अंगद ने रावण से कहा कि अगर तुम्हें बाली की बहुत याद आ रही है तो कुछ दिन बाद तुम भी वहीं चले जाओगे, जहां श्रीराम ने बाली को भेजा है। इसके बाद अंगद ने रावण के दरबार में घोषणा कर दी थी कि अगर किसी ने उसका पैर हिला दिया तो श्रीराम लौट जाएंगे। इस घोषणा के बाद रावण के दरबार के सभी लोगों ने उसका पैर हिलाने की कोशिश की, लेकिन किसी को सफलता नहीं मिली।

> जो लोग दूसरों के बारे में ज्यादा सोचते हैं, उनके जीवन में सुख-शांति नहीं रहती है और वे अकेले रह जाते हैं।

रावण विद्वान और विश्व विजेता था, लेकिन अंहकार की वजह से रावण नाटक कर रहा था, जैसे वह बाली को ठीक से नहीं जानता है। दूसरी ओर अंगद युवा था, लेकिन अपनी बुद्धिमानी से अंगद ने रावण का अहंकार तोड़ा।

अंगद की सीख

अगर हमारे सामने कोई अहंकारी व्यक्ति आ जाए तो हमें तर्कों के साथ उसके सवालों का सटिक जवाब देना चाहिए। जब हम तर्कों के साथ सटीक जवाब देते हैं तो अहंकारी व्यक्ति हमारे सामने कुछ बोल नहीं पाता है।

भगवान कार्तिकेय की 400 वर्ष पुरानी दिव्य प्रतिमा साल में केवल एक दिन होते हैं इनके दर्शन

भगवान शिव के पुत्र कार्तिकेय के संबंध में हर कोई जानता है, लेकिन देवताओं के सेनापति व भगवान शंकर के पुत्र कार्तिकेय का सबसे पूराना मंदिर कहां है, इस संबंध में लोगों को कम ही जानकारी है ऐसे में आज हम आपको भगवान कार्तिकेय के देश में मौजूद सबसे पूराने मंदिर के बारे में बताने जा रहे हैं। जो करीब 400 साल पुराना होने के साथ ही साल में केवल एक ही बार खोला जाता है।

दरअसल हम जिस मंदिर के विषय में बात कर रहे हैं वह देश का सबसे पुराना कार्तिकेय मंदिर1948 से 1956 तक मध्य भारत की राजधानी रहे शहर में मौजूद है। जी हां मध्यभारत की वह राजधानी थी ग्वालियर, जहां आज भी यह मंदिर मौजूद है। इस मंदिर के पट साल में केवल एक दिन कार्तिक पूर्णिमा के मौके पर खोले जाते हैं। मंदिर के गर्भगृह में भगवान कार्तिकेय की 400 वर्ष पुरानी दिव्य प्रतिमा स्थापित है।

सिर्फ 24 घंटों के लिए खुलते हैं पट

ग्वालियर के प्राचीन कार्तिकेय मंदिर के पट वर्ष में केवल एक बार सिर्फ 24 घंटों के लिए खोले जाते हैं। मंदिर में दर्शन के लिए आधी रात से ही भीड़ लगना शुरू हो जाती है। हालांकि इस साल मंदिर के पट पूर्णिमा से एक दिन पहले खोले गए हैं, क्योंकि पूर्णिमा को चंद्र ग्रहण हो रहा है।

चार सौ वर्ष पुराना है यह मंदिर

कार्तिकेय भगवान का यह प्राचीन मंदिर ग्वालियर के जीवाजी गंज में स्थित है। मंदिर के करीब 80 वर्षीय पुजारी पंडित जमुना प्रसाद शर्मा का कहना है कि यह मंदिर लगभग चार सौ वर्ष से भी ज्यादा प्राचीन है और जब ग्वालियर में सिंधिया राजाओं का शासन हुआ तो उन्होंने मंदिर का जीर्णोद्धार करवाया। तब से यहां लगातार पूजा अर्चना का दौर जारी है।

मध्यरात्रि में खुलते हैं पट

देशभर के कई मंदिरों के पट जहां सुबह ब्रह्म मुहूर्त में खोले जाते हैं वहीं, साल में केवल एक दिन खुलने वाले इस मंदिर के पट मध्यरात्रि में ठीक बारह बजे खुलते हैं और इसी के साथ दर्शन शुरू हो जाते हैं।

जगह-जगह से आते हैं श्रद्धालु

कार्तिकेय भगवान का मंदिर वैसे तो मध्यप्रदेश में स्थित है, लेकिन यहां दर्शन करने के लिए एमपी के अलावा यूपी, राजस्थान, महाराष्ट्र, गुजरात, दिल्ली के साथ ही देश के दूरस्थ राज्यों से भी भक्त ग्वालियर पहुंचते हैं और भगवान कार्तिकेय की पूजा अर्चना कर दर्शन का सुख प्राप्त करते हैं। श्रद्धालुओं का कहना है कि यहां दर्शन करने से भक्तों की हर मनोकामना पूरी होती है।

मंदिर से जुड़े एक व्यक्ति का कहना है कि वह 20 वर्षों से यहां प्रसाद का वितरण कर रहे हैं। बीस साल पहले जब उनकी मनोकामना पूरी हुई तो उन्होंने पांच किलो प्रसाद वितरित किया था, लेकिन मेरे परिवार में खुशियां आती गईं और मात्रा बढ़ती गई।

वर्ष में केवल एक बार दर्शन क्यों?

मंदिर से जुड़े लोग व पुजारी जीपी शर्मा का कहना है कि शास्त्रों के अनुसार भगवान शिव और माता पार्वती ने जब अपने पुत्र गणेश और कार्तिकेय के विवाह की सोची तो दोनों के सामने शर्त रखी कि जो ब्रह्मांड की परिक्रमा करके सबसे पहले लौटेगा, उसका विवाह सबसे पहले करेंगे। इसके बाद कार्तिकेय अपने वाहन गरुड़ पर सवार होकर ब्रह्मांड परिक्रमा करने निकल गए।

भगवान गणेश ने बुद्धिमत्ता का प्रदर्शन करते हुए अपने माता-पिता की परिक्रमा की और सामने आकर बैठ गए। उनका विवाह हो गया। यह बात नारदमुनि के जरिये कार्तिकेय को पता चली तो वे क्रोधित हो गए।

यह पता चलने पर शिव पार्वती उन्हें मनाने पहुंचे तो उन्होंने श्राप दिया कि जो भी उनके दर्शन करेगा, वह सात जन्मों तक नरक भोगेगा। लेकिन माता-पिता के बहुत मनाने पर वे अपने श्राप को थोड़ा परिवर्तन करने को राजी हुए। उन्होंने वरदान दिया कि उनके जन्मदिन कार्तिक पूर्णिमा पर जो भी भक्त उनके दर्शन करेगा, उसकी हर मनोकामना पूर्ण होगी। तभी से उनके दर्शन वर्ष में एक बार करने की प्रथा शुरू हुई।

अनमोल वचन

समस्या जिसकी होती है ,
समाधान भी उसी के पास होता है।
अकेले चलना सीख लो ,

एक दिन परछाई भी साथ छोड़ देगी।

सपना जितना बड़ा होगा ,
तकलीफ भी उतनी ही बड़ी होगी।"

समय धन-संपत्ति से अधिक मूल्यवान है

धन-संपत्ति दोबारा मिल सकती है लेकिन समय दोबारा नहीं मिल सकता।

जीवन में वह लोग ही अधिक असफल होते हैं

जो कार्य करने से पहले अधिक सोचते हैं।"

ये राशियां होती हैं सबसे धनवान, इस उम्र में चमकती है किस्मत

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार कई ऐसी राशियां जो सबसे धनवान बन रही है। जी हाँ, आज हम आपको उन्ही राशियों के बारे में बताने जा रहे हैं जो अचनाक से धनवान बनने वाली हैं। आइए बताते हैं आपको उन राशियों के बारे में।

मेष: मेष राशि के स्वामी मंगल हैं और इन राशि के जातक का भाग्य 22 से 28 की उम्र में साथ देना शुरू कर देता है। जी हाँ और इससे इनके अंदर पैसा कमाने की इच्छा जागृत होती है। जी हाँ और जब यह मेहनत से काम करना शुरू करते हैं तब पीछे मुडकर नहीं देखते, जिससे बाद में यह सुख-वैभव भरा जीवन व्यतीत करते हैं। इन राशिवालों को धन संबंधित समस्याएं नहीं होती हैं।

वृषभ: वृषभ राशि के स्वामी शुक्र हैं और इस राशि के जातक का भाग्य 28 साल के बीच देना शुरू करता है। जी हाँ और इन राशि के जातकों को लग्जीरियस चीजें खरीदने के बहुत शौक होता है। जी दरअसल किस्मत इनको कई ऐसे मौके देती है, जिससे इनको कभी किसी चीज की कमी नहीं होती है। जी हाँ और इनके मित्र और संबंधी भी काफी साथ देते हैं।

कर्क: कर्क राशि के स्वामी चंद्र हैं और इस राशि के जातक का भाग्य 16 से 22 साल के बीच देना शुरू कर देता है।

जी हाँ और इस राशि के जातक हमेशा नए अवसर की तलाश में रहते हैं और उस अवसर पर काफी मेहनत भी करते हैं। ऐसे लोग अपना और अपने परिवार के सारे सपने पूरे करते हैं। जी हाँ और इनका भाग्य भी इनका पूरा साथ देता है, जिससे अमीर बनने के इनमें सारे गुण आ जाते हैं।

सिंह: सिंह राशि का स्वामी सूर्य हैं और इस राशि के जातक का भाग्य भी 16 से 22 साल के बीच इनके अंदर पैसा कमाने की तीव्र इच्छा जागृत होती है। इससे इनका भाग्य भी इनका साथ देता है। जी हाँ और यह दूसरों से अलग दिखने की चाहत में हमेशा अपनी पहचान अलग बनाते हैं। इनके अंदर नेतृत्व की क्षमता बहुत गजब की होती है, कार्यक्षेत्र में हमेशा इस राशि के जातकों का बोलबाला रहता है। इसी के साथ इनको मंहगी से मंहगी गाड़ियां और मंहगे फोन भी खरीदने का बहुत शौक है। यह हर प्रकार की मेहनत करते हैं और सफल भी होते हैं।

शुभमन ने सारा संग अफेयर की खबरों पर तोड़ी चुप्पी:चैट शो में बोले- सारा दा सारा सच बोल दिया

बॉलीवुड एक्ट्रेस सारा अली खान इन दिनों क्रिकेटर शुभमन गिल के साथ अपने नजदीकियों की वजह से सुर्खियों में हैं। दोनों को अक्सर साथ में स्पॉट किया जाता है। अब एक चैट शो के दौरान शुभमन ने सारा संग अफेयर की खबरों पर रिएक्ट किया है।

पॉपुलर पंजाबी चैट शो 'दिल दिया गल्ला' में शुभमन से पूछा गया, 'बॉलीवुड की सबसे फिट फीमेल एक्ट्रेस कौन है?' इसके जवाब में शुभमन ने तुरंत सारा का नाम लिया। फिर उनसे पूछा गया, 'क्या वो सारा को डेट कर रहे हैं?' इस पर शुभमन ने कहा, 'शायद'। उसके बाद जब शुभमन से पूछा गया, 'सारा का सारा सच बताइए'। तो क्रिकेटर ने शरमाते हुए कहा, 'सारा दा सारा सच बोल दिया। शायद हां, शायद नहीं।'

सारा और शुभमन को अक्सर साथ में स्पॉट किया जाता है। हाल ही में दोनों का एक वीडियो सामने आया था, जिसमें सारा फ्लाइट में कुछ फैंस के साथ सेल्फी लेती हुई नजर आ रही थीं। सारा के बगल वाली सीट पर शुभमन दिख रहे थे। वहीं कुछ दिन पहले उन्हें मुंबई के एक रेस्टोरेंट में डिनर करते देखा गया था। इसके अलावा उन्हें दिल्ली के एक होटल के बाहर भी स्पॉट किया गया था।

सारा और शुभमन के फैंस अब इस इंतजार में हैं कि दोनों अपने डेटिंग की बात को कब ऑफिशियल करेंगे। सारा अली खान इससे पहले कार्तिक आर्यन को डेट कर चुकी हैं। वहीं शुभमन का नाम सचिन तेंदुलकर की बेटी सारा तेंदुलकर के साथ जुड़ चुका है। हालांकि, दोनों को कभी पब्लिक में साथ स्पॉट नहीं किया गया और न ही दोनों ने कभी भी डेटिंग की खबरों को कंफर्म नहीं किया है। दोनों केवल सोशल मीडिया पर एक-दूसरे की फोटोज पर कमेंट करते दिखते थे।

दिग्गज अभिनेता सुनील शेंडे का निधन

75 साल की उम्र में कहा दुनिया को अलविदा, बॉलीवुड और मराठी सिनेमा में शोक की लहर

बॉलीवुड और मराठी सिनेमा के दिग्गज एक्टर सुनील शेंडे का कल रात एक बजे निधन हो गया। शेंडे ने मुंबई के विले पार्ले ईस्ट में स्थित अपने घर पर आखिरी सांस ली। उनकी उम्र 75 वर्ष थी। इस घटना के सामने आने से बॉलीवुड समेत मराठी फिल्म इंडस्ट्री में शोक की लहर है। आज दोपहर को हिंदू रीति-रिवाज के साथ पारशीवाडा स्थित श्मशान घाट सुनील का अंतिम संस्कार किया गया। सुनील के परिवार में पत्नी ज्योति और दो बेटे ओमकार और ऋषिकेश हैं।

एक्टर राजेश तैलंग ने दी सुनील के निधन की जानकारी

सुनील के निधन की जानकारी उनके करीबी एक्टर राजेश तैलंग ने दी है। सोशल मीडिया पर ट्वीट करते हुए राजेश ने लिखा-' बेहतरीन एक्टर और एक बेहतरीन इंसान भी। श्री सुनील शेंडे अब हमारे बीच नहीं रहे। मैं बहुत लकी था कि मुझे अपने करियर में उनके साथ शांति टीवी सीरियल में काम करने का मौका मिला। मैंने शो में उनके बेटे का किरदार निभाया था। बाबू जी के सादर श्रद्धांजली।' सुनील शेंडे ने शाहरुख खान के टीवी सीरियल सर्कस में उनके पिता का रोल निभाया था। शाहरुख उन्हें बाबू जी कह कर बुलाया करते थे। 1982 में आई फिल्म गांधी में जज का किरदार निभाया था, जो कि बेहद छोटा मगर महत्वपूर्ण किरदार था। अपने करियर में सुनील ने कई ऐसे यादगार रोल किए जो लीड न होने के बावजूद भी बेहद यादगार रहे हैं।

मराठी सिनेमा में सुनील ने कई अहम किरदार निभाए हैं। दिवंगत एक्टर ने मधुचंद्राति राज, नरसिम्हा, कीथुंग, जस बाप ताशे पोरम और ईश्वर जैसी कई मराठी फिल्मों में अहम किरदार निभाए हैं। निश्चित ही सुनील का निधन माराठी और बॉलीवुड इंडस्ट्री के लिए किसी सदमे से कम नहीं है। सुनील के निधन से उनके फैंस को झटका लगा है। सोशल मीडिया पर फैंस एक्टर के निधन पर शोक जता रहे हैं। एक यूजर ने दिवंगत एक्टर को याद करते हुए लिखा- बहुत अच्छे एक्टर श्री सुनील शेंडे के निधन की जानकारी पा बहुत दुख हुआ, भगवान उनकी आत्मा को शांति दे। सोशल मीडिया पर इस तरह के सामने आ रहे हैं।

क्या सच में प्रेग्नेंट हैं कैटरीना कैफ?

बॉलीवुड एक्ट्रेस आलिया भट्ट और बिपाशा बासु हाल ही में बच्ची की मां बनी हैं. जिसके बाद कैटरीना कैफ की प्रेग्नेंसी की खबरों ने भी जोर पकड़ा है. दरअसल कैटरीना का एक वीडियो सामने आया है जिसमें उनका पेट निकला हुआ लग रहा है. इसके बाद लोगों ने अनुमान लगाना शुरू कर दिया कि कैटरीना प्रेग्नेंट हैं. कैटरीना का यह वीडियो फिल्म 'मेरी क्रिसमस' के सेट से सामने आया है. लेकिन क्या वाकई कैटरीना प्रेग्नेंट हैं? क्या कैटरीना-विक्की कौशल बनने जा रहे हैं माता-पिता? जानते हैं इसके पीछे की सच्चाई. कैटरीना कैफ ने पिछले साल नवंबर 2021 में विक्की कौशल से शादी की थी. जिसके कुछ दिन बाद ही वे अपने-अपने काम पर लौट आए थे. दोनों ही फिल्म 'मेरी क्रिसमस' की शूटिंग में बिजी हो गए. इस फिल्म को श्रीराम राघवन डायरेक्ट कर रहे हैं. लोगों को इस फिल्म का बेसब्री से इंतजार है. इसलिए ये भी हो सकता है कि कैटरीना की बेबी बंप वाली जो फोटो वायरल हो रही है वो इस फिल्म की शूटिंग का हिस्सा हो. शायद उनका किरदार इस तरह का हो जिसमें उनका प्रेग्नेंट दिखना जरूरी हो. क्योंकि कैटरीना के पास इस फिल्म के अलावा और भी कई प्रोजेक्ट्स हैं जिनमें वो नज़र आने वाली हैं. ऐसे में उनकी प्रेग्नेंसी की खबर जायज़ तो नहीं लगती है।

नहीं रहे तेलुगु सिनेमा के सुपरस्टार कृष्णा

79 साल की उम्र में कार्डियक अरेस्ट से हुआ निधन, महेश बाबू के पिता थे, सितंबर में ही हुआ था पत्नी का देहांत

1970 और 80 के दशक में तेलुगु सिनेमा के सुपरस्टार रहे शिवा रामा कृष्णा घट्टामनेनी का आज सुबह निधन हो गया है। वे तेलुगु स्टार महेश बाबू के पिता थे। तेलुगु सिनेमा में उन्हें सुपर स्टार कृष्णा के नाम से जाना जाता था। करीब 350 फिल्मों में अभिनय कर चुके कृष्णा इसी साल सितंबर में अपनी पत्नी इंदिरा के निधन के बाद से डिप्रेशन में थे।

आज (15 नवंबर) सुबह 4 बजे कार्डियक अरेस्ट आने की वजह से निधन हो गया। उन्हें सांस लेने में दिक्कत थी, जिसकी वजह से उनको 14 नवंबर को हैदराबाद के कॉन्टिनेंटल हॉस्पिटल में एडमिट भी कराया गया था। अब उनके न रहने की वजह से पूरी इंडस्ट्री में शोक की लहर गूंज उठी है।

महेश बाबू के पिता कृष्णा ने 350 फिल्मों में काम किया था। वो अपने समय के टॉप एक्टर्स में से एक थे। वो एक्टर, प्रोड्यूसर, डायरेक्टर होने के साथ पॉलिटिशियन भी थे। इसके साथ

ही उन्हें 2009 में पद्म भूषण से सम्मानित भी किया गया था। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक कृष्णा अपनी पत्नी के निधन के बाद से डिप्रेशन से जूझ रहे थे।

वेंटिलेटर पर चल रहा था कृष्णा का इलाज

कृष्णा के बारे में बात करते हुए हॉस्पिटल के डॉक्टर्स ने बताया, 'उन्हें 15 नवंबर की रात 1 बजे इमरजेंसी डिपार्टमेंट में लाया गया था और उसके बाद उनका कार्डियक अरेस्ट की वजह से निधन हो गया। उनकी हालत गंभीर थी और उनका इलाज वेंटिलेटर पर किया जा रहा था।'

2 महीने पहले ही महेश बाबू ने अपनी मां को खोया था। अब पिता के निधन ने महेश बाबू को बुरी तरह तोड़ दिया है। वे अपने पेरेंट्स के बहुत करीब थे। महेश बाबू के पिता कृष्णा जाने माने तेलुगु एक्टर थे। उनकी 3 बेटियां, महेश बाबू और बड़ा बेटा रमेश बाबू था। रमेश बाबू का भी इसी साल जनवरी में लीवर की लंबी बीमारी के बाद निधन हुआ था।

कृष्णा ने लगभग 350 फिल्मों में काम किया था

भूमि पेडनेकर ने स्टाइलिश ब्लाउज में दिखाया गॉर्जियस अंदाज, तस्वीर उड़ा देंगी होश

बॉलीवुड की एक्ट्रेस भूमि पेडनेकर इन दिनों अपने बोल्ड अंदाज से हर किसी का दिल जीत ले रही हैं. कुछ दिनों पहले दिवाली पार्टी में उन्होंने ऐसी ड्रेस पहनी थी जिन्होंने लोगों के होश उड़ा दिए थे. इसके साथ ही वो इन दिनों सोशल मीडिया पर भी अपनी बोल्डनेस का तड़का लगाती रहती हैं. इस बार भी भूमि ने लेटेस्ट लुक्स की तस्वीरें शेयर की हैं, जिसे देख हर कोई उनकी तारीफ कर रहा है. भूमि ने सोशल मीडिया पर बोल्ड पोज देकर लोगों के होश उड़ा दिए हैं. हर कोई उनकी तस्वीरों पर दिल हार रहा है. सोशल मीडिया पर भूमि की तस्वीरें वायरल हो चुकी हैं. फैंस उनकी तस्वीरों को लाइक करते हुए उनके पोस्ट पर दिल खोल कर उनके लुक्स की तारीफें कर रहे हैं.

हाल ही में भूमि ने ग्रे कलर की क्रॉप ड्रेस में भूमि का हॉट एंड ग्लैमरस अवतार उनके फैंस की धड़कनें बढ़ा रहा है. भूमि ने इन तस्वीरों में आइस ब्लू कलर की चमचमाती सी ड्रेस को पहन रखा है, जो कि काफी ग्लैमरस है. नई तस्वीरों में भूमि पेडनेकर को चमकिली ब्लू कलर के आउटफिट में देख सकते हैं. उन्होंने फोटोशूट के दौरान वन शोल्डर ड्रेस के साथ बॉडी कॉन स्कर्ट कैरी किया हैं. इंस्टाग्राम पर शेयर की गई तस्वीरों में भूमि लाइट शेड लहंगे में दिखाई दे रही हैं. हालांकि लोगों के नजरें उनके स्टाइलिश ब्लाउज पर टिक गई है, जिसमें वह अपना टोन्ड फिगर फ्लॉन्ट करती दिखाई दे रही हैं. इस लुक में भूमि बेहद खूबसूरत लग रही हैं. अब एक्ट्रेस की ये तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हो रही हैं. फैंस कमेंट कर अलग-अलग रिएक्शन दे रहे हैं. भूमि के वर्क फ्रंट की बात करें तो एक्ट्रेस को जल्द ही फिल्म 'गोविंदा नाम मेरा' में देखा जाने वाला है. इसके बाद वह 'भीड़', 'भक्षक', 'द लेडी किलर', 'अफवाह', 'थैंक यू फॉर कमिंग' और 'मेरी पत्नी' के रीमेक में भी देखा जाने वाला है.

सच्चे प्यार की तलाश में 'स्पिट्सविला' पहुंची उर्फी जावेद, पहले दिन ही पूल में हो गई कैटफाइट

सच्चे प्यार की तलाश में एक्ट्रेस और सोशल मीडिया सेलेब्रिटी उर्फी जावेद अब 'स्पिट्सविला' सीजन 14 में पहुंच गई हैं. एमटीवी के सबसे चर्चित रियलिटी शो में पहुंचते ही उर्फी जावेद ने कंटेस्टेंट्स से ऐसी कैट फाइट की कि सनी लियोनी भी हैरान रह गईं. 'स्पिट्सविला' के पहले एपिसोड का प्रोमो वीडियो सामने आया है, जिसमें उर्फी जावेद जुबानी जंग करती नजर आ रही हैं. इसी दौरान एक टास्क में स्विमिंग पूल में ही कंटेस्टेंट्स की फाइट हो गई. सोशल मीडिया पर 'स्पिट्सविला' का प्रोमो वीडियो खूब वायरल हो रहा है.

वायरल वीडियो में उर्फी जावेद को बाकी फीमेल कंटेस्टेंट्स की क्लास लगाते देखा जा सकता है. इसी बीच सनी लियोनी उन्हें बताती हैं कि लड़कों से मिलने के लिए कंटेस्टेंट्स को फाइट करनी होगी. इसके बाद पूल में टास्क के दौरान फुलबॉल के लिए लड़कियों के बीच जमकर फाइट हो जाती है. उनकी इस हरकत को देख सीन लियोनी और अर्जुन बिजलानी भी हैरान रह जाते हैं. सनी और अर्जुन उन्हें रोकने की कोशिश करते हैं, लेकिन उनकी सभी कोशिश बेकार रहती है. सामने आए लेटेस्ट प्रोमो से अंदाजा लगाया जा सकता है कि आने वाले एपिसोड कितने दिलचस्प होने वाले हैं.

रणवीर सिंह के पीछे जब प्रोड्यूसर ने छोड़ दिया था कुत्ता, कास्टिंग काउच का भी हुए शिकार

बॉलीवुड के बाजीराव और गुंडे रणवीर सिंह ने बॉलीवुड में 12 साल का सफर पूरा कर लिया है और उन्होंने अपनी एक खास पहचान बनाई है और वो मुकाम हासिल किया है जो हर एक्टर का सपना होता है. रणवीर सिंह ने एक्टर और विलेन हर तरह के किरदार में खुद को साबित किया है और फैंस उनकी एक्टिंग के दिवाने हैं. आज भले ही वो बॉलीवुड के सबसे बड़े स्टार के तौर पर जानें जाते हैं, लेकिन एक दौर में वो भी काम पाने के लिए धक्के खाया करते थे. रणवीर सिंह हाल ही में ऐसे मे मरकच इंटरनेशनल फिल्म फेस्टीवल में पहुंचे थे और इस दौरान उन्होंने अपनी जिंदगी के कड़वे सच का अनुभव करवाया जिसके बारे में फैंस नहीं जानते हैं।

रणवीर सिंह ने हाल ही में मरकच इंटरनेशनल फिल्म फेस्टीवल में गए थे और इस दौरान उन्हें वहां पर इटोइल डी'ओआर

अवॉर्ड से सम्मानित किया गया और इस दौरान उन्होंने बॉलीवुड में अपने अब तक के सफर के बारे में बात की और अपनी कहानी शेयर की है. रणवीर सिंह ने अपने स्ट्रगल की बात करते हुआ कहा कि 'एक बार जब मैं एक मशहूर प्रोड्यूसर से मिलने उनके घर पहुंचे तो वहां पार्टी चल रही थी. उन्होंने उनसे काम की तलाश की ख्वाइश जाहिर की. इसी दौरान उस प्रोड्यूसर ने रणवीर सिंह के पीछे अपने पालतू कुत्ते को छोड़ दिया था. रणवीर ने बताया कि ये सब उन्होंने केवल मजे के लिए किया था. रणवीर ने प्रोड्यूसर का नाम तो नहीं बताया लेकिन उन्होंने कहा कि प्रोड्यूसर ने बाद में मुझे अपने ऑफिस मीटिंग के लिए जरूर बुलाया था. '

'डार्लिंग सेक्सी और स्मार्ट बनो'

इतना ही रणवीर ने बताया कि उन्हें भी कास्टिंग काउच का दर्द देखा है उन्होंने कहा कि 'स्ट्रगलिंग दौर में एक बार एक शख्स मुझे अजीब सी जगह लेकर गया और मुझसे पूछने लगा कि तुम हार्ड वर्क में विश्वास करते हो या फिर स्मार्ट वर्क में. इसके जवाब में रणवीर ने कहा कि मुझे नहीं लगता कि मैं उतना स्मार्ट हूं लेकिन मैं ये जरूर जानता हूं कि मैं हार्डवर्किंग हूं. मेरे इस जवाब पर उस शख्स ने मुझसे कहा कि 'डार्लिंग सेक्सी और स्मार्ट बनो'।

परिवार की शादी में रखें सभ्यता और शिष्टता का ध्यान

आंखों में आने वाले कल की आशाएं संजोए वर-वधू, चारों तरफ़ दमकते चेहरे, खिलखिलाते लोग, माहौल में बिखरी ख़ुशी और उमंग... इस सारे रंग में एक वाक्य या मामूली-सी हरकत से भंग पड़ सकता है। सो, किसी प्रियजन के विवाहोत्सव में क्या करना चाहिए से इतर, अब ये भी जानिए कि क्या नहीं करना चाहिए...

'मम्मी, मैं नूपुर की शादी में कुछ ऐसा धमाल करना चाहती हूं कि उसे सारी जिंदगी अपनी शादी में मेरी भूमिका याद रहे। वह मुझसे बेहद ख़ुश रहे और हमारे रिश्ते शादी के बाद भी ऐसे ही बने रहें। आप मुझे कुछ आइडिया दो कि मुझे क्या करना चाहिए?' स्नेहा ने चहकते हुए पूछा।

स्नेहा महीनेभर से अपनी चचेरी बहन नूपुर की शादी को लेकर काफ़ी उत्साहित थी। उसने दो-तीन गानों पर डांस प्रैक्टिस भी कर ली थी। मम्मी उसकी आदतों से अच्छी तरह वाकिफ़ थीं। उन्होंने कहा, 'बेटी, तुमने नूपुर की शादी के लिए अपनी ड्रेस चुनने से लेकर डांस की तैयारी तक सबकुछ शानदार किया है। बस, मेरी एक बात याद रखना। हर बात में नुक्ताचीनी करने की अपनी आदत को कम से कम उस दिन घर पर छोड़कर चलना। जीजू की ड्रेस हो या उनकी बहनों या मां की ड्रेस या व्यवहार, उनमें तुम्हें कितनी भी कमी दिखे, चूं भी मत करना। इतना ही काफ़ी है कि तुम दोनों के सम्बंध ताउम्र मधुर बने रहेंगे और तुम्हारा शानदार डांस परफॉर्मेंस उसे हमेशा याद रहेगा। वरना सबकुछ धरा रह जाएगा! शादी के दिन को मधुर बनाने में सबसे बड़ी भूमिका मित्रों और रिश्तेदारों की होती है।'

विवाहोत्सव को शानदार, यादगार और ख़ुशगवार बनाने के लिए अक्सर वर और वधू को ही तरह-तरह की सलाह दी जाती है कि उन्हें कैसे कपड़े पहनने चाहिए, कैसा

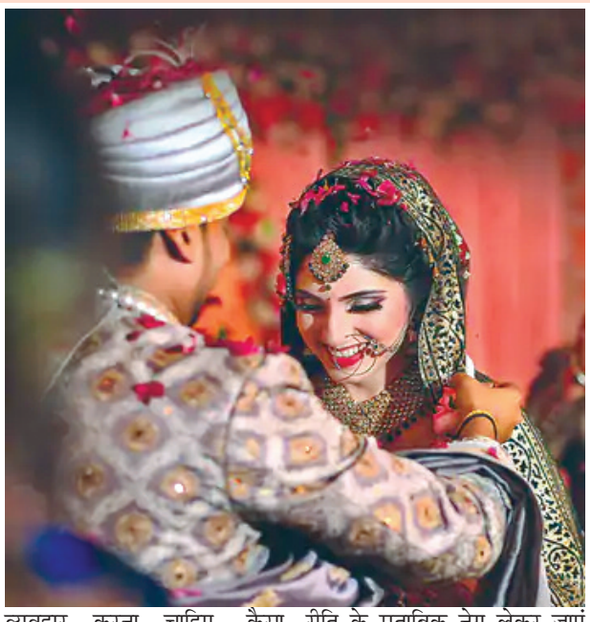

व्यवहार करना चाहिए, कैसा मेकअप करना चाहिए आदि। लेकिन इस ख़ास दिन को कभी न भूलने वाली एक मधुरिम अनुभूति बनाने में परिजनों, रिश्तेदारों और दोस्तों की भूमिका भी बेहद अहम होती है।

न करें... वर-वधू को परेशान

रिश्तेदारों और मेहमानों को समझना चाहिए कि आज का दिन वर और वधू की ज़िंदगी के लिए बेहद ख़ास है। एक ऐसा दिन, जो दुबारा उनके जीवन में कभी नहीं आएगा। इसलिए हल्की-फुल्की चुहलबाज़ी अलग बात है लेकिन वर-वधू को मज़ाक़ के नाम पर सताएं हरगिज़ नहीं। कई जगह सालियां फेरों के दौरान अपने भावी जीजा को पिन चुभाती हैं और कभी-कभी जूता चोरी का नेग मांगते वक़्त सभी सीमाएं पार करके वर को अपमानित भी कर देती हैं।

न दिखाएं... असभ्यता और अशिष्टता

रिश्तेदारों और मेहमानों को चाहिए कि विवाह समारोह में अच्छी तरह तैयार होकर जाएं ताकि ख़ुद उन्हें और मेज़बानों को शर्मिंदगी का एहसास न हो। साथ ही वर या वधू के लिए समुचित उपहार या प्रचलित रीति के मुताबिक़ नेग लेकर जाएं और अच्छी तरह बातचीत करें। खाना सर्व होते ही सबसे पहले प्लेट उठाने न दौड़ पड़ें और किसी चीज़ के लिए बेयरे से बहस तो हरगिज़ न करें। शादी से प्रस्थान करते समय मेज़बानों को मुस्कराते हुए धन्यवाद और बधाई दें। साथ ही व्यवस्था और भोजन की तारीफ़ में दो शब्द ज़रूर कहें।

दूर रहें... अभद्र हास-परिहास से

शादी के दिन कुछ लोग ज़्यादा मॉडर्न दिखने या वर अथवा वधू से अंतरंगता दिखाने के लिए फेरों के दौरान ही अश्लील चुटकुले सुनाने लगते हैं। अति उत्साह में कुछ महिलाएं भी इस खेल में शामिल हो जाती हैं। इससे न सिर्फ़ वर या वधू को असहजता और चिढ़ महसूस होती है, बल्कि उनके मन में ऐसे व्यक्ति की ग़लत छवि भी बन जाती है। हो सकता है वधू इसे अपना अपमान समझे और उसके मन में दूल्हे के ऐसे मित्रों के लिए हमेशा के लिए कड़वाहट भर जाए। कई बार ऐसी अशिष्टता के कारण दुल्हन द्वारा शादी से इंकार करने की घटनाएं भी हो चुकी हैं। इसी प्रकार कभी-कभी भद्दे चुटकुले सुनाने वाली महिला दूसरे बरातियों की छेड़छाड़ का शिकार भी हो सकती है, जिससे शादी का माहौल ख़राब हो सकता है। वर या वधू की चाची, मौसी, बुआ या चाचा, मौसा, फूफा कई बार समधी या समधन से मज़ाक़ करते हुए सीमा पार कर जाते हैं। इससे बात बिगड़ सकती है और विवाह में कलह की सृष्टि हो सकती है। ऐसे व्यक्ति को दूल्हा या दुल्हन विवाह के बाद भी सम्मान की दृष्टि से नहीं देख पाते।

न निकालें... कमियां और ख़ामियां

वह ज़माना हवा हुआ जब विवाह की व्यवस्था में कमियां निकालना बरातियों या वर पक्ष का अधिकार समझा जाता था और वधू पक्ष उनके तानों को चुपचाप सहन कर लेता था। आज के दौर में ऐसा करने वाले रिश्तेदार न केवल सबके मन से उतर जाते हैं, बल्कि बहुत संभावना है कि झिड़क दिए जाएं। इससे माहौल बिगड़ेगा और दूल्हा-दुल्हन के मन में कड़वाहट आएगी। बेहतर होगा कि छोटी-मोटी कमियों को नज़रअंदाज़ करें। इसी प्रकार हर अंचल के कुछ रीति-रिवाज़ होते हैं, अगर आप उनके बारे में ना जानते हों तो उनका मखौल ना उड़ाएं। बल्कि, बढ़-चढ़कर रुचि लें और इन पलों को एंजॉय करें।

बचें... दूल्हा-दुल्हन की तुलना से

कुछ लोगों की आदत होती है कि वे किसी भी शादी में जाएंगे तो एक-एक चीज़ का बारीकी से निरीक्षण करेंगे। दूल्हा-दुल्हन का मेकअप हो या कपड़े उन्हें देखेंगे, फिर बिना पूछे ही अपनी राय देते हुए तुलनात्मक टिप्पणियां देना शुरू कर देंगे कि हमारे अमुक रिश्तेदार ने अपनी बेटी के लिए फलां डिज़ाइनर से लहंगा बनवाया था, उसके सामने तो यह कुछ भी नहीं। अब आप ही बताइए कि कौन-से दूल्हा-दुल्हन शादी के दिन अपने कपड़ों की बुराई सुनकर ख़ुश होंगे?

बेटियों को सिखाएं ये 5 बातें, हमेशा आत्म निर्भर रहेगी आपकी लाडली

पेरेंट्स के लिए दोनों ही बच्चे एक जैसे होते हैं चाहे वह बेटा हो या बेटी। आज के बदलते युग में लड़कियां भी किसी से कम नहीं हैं। वह लड़कों को पूरी टक्कर देती हैं। लेकिन पेरेंट्स की लड़कियों के लिए थोड़ा ज्यादा सावधान होते हैं। क्योंकि हर माता-पिता चाहता है कि उसकी बेटी दूसरे समाज का निडर होकर सामना कर सके। ऐसे में पेरेंट्स की यही कोशिश होती है कि वह अपनी बेटियों को सिर उठाकर जीना सिखा सकें। आज आपको कुछ ऐसे टिप्स बताते हैं जिनके जरिए आप अपनी बेटी को आत्मनिर्भर बना सकते हैं।

सिखाएं खुद से प्यार करना

लड़कियां हर किसी की देखभाल करने के चक्कर में अपना खुद का ख्याल रखना भूल जाती हैं। ऐसे में माता-पिता बेटियों को अपने से प्यार करना सिखाएं। आप उन्हें बताएं कि किसी के साथ प्यार करने से पहले वह अपने आप से प्यार करें। अपनी इच्छाओं और जरुरतों को दूसरों से पहले अहमियत दे।

अपने फैसले लेना सिखाएं

बेटियों को आप उनके फैसले लेना खुद ही बताएं। इससे उन्हें आत्मनिर्भर रहने का साहस मिलेगा। साथ ही वह भविष्य के लिए किसी पर निर्भर नहीं रहेगी। जिंदगी के अहम फैसले लेने के लिए भी वह घबराएंगे नहीं। आप उन्हें सही गलत में फर्क भी जरुर बताएं। उन्हें बताएं कि अपने फैसले लेने के लिए उन्हें किसी पर निर्भर रहने की जरुरत नहीं है।

सिखाएं अधिकारों के लिए खड़े होना

वैसे तो आजकल लड़के और लड़की में कोई फर्क नहीं किया जाता। लेकिन समाज के कुछ पहलू ऐसे हैं यहां आज भी लड़का और लड़की के बीच बहुत ही ज्यादा भेदभाव किया जाता है। पढ़ाई हो या नौकरी लड़कियों को हर फील्ड में पीछे ही रखा जाता है। ऐसे में आप उन्हें उनके हक के लिए लड़ना सिखाएं। उन्हें बताएं कि उनके लिए क्या सही है और क्या गलत।

समय की कदर करना

आप बेटियों को समय की कदर करना जरुर सिखाएं। ताकि वह समय रहते ही अपने हक के लिए अच्छे फैसले ले सकें। उन्हें बताएं कि किसी भी फैसले को लेने से पहले उस पर अच्छे से विचार भी कर लें। ताकि उन्हें जिंदगी में किसी भी तरह की कोई परेशानी न उठानी पड़े।

निडर होकर रहना भी है जरुरी

आप अपनी बेटियों को बताएं कि उनके लिए निडर होकर रहना भी कितना जरुरी है। डरने से वह लोगों को अपने कमजोरी बता सकती हैं। इसके अलावा आप बेटियों को आजाद रहना भी जरुर सिखाएं। उन्हें बताएं कि किसी के दबाव में आकर वह कोई भी गलती न करें। वही निर्णय लें जो अपने अच्छा लगता है।

घर में रखें ये मूर्तियां, सकारात्मकता से भर जाएगा आपका आशियाना

घर में मौजूद एनर्जी आपके जीवन को भी प्रभावित करती हैं। बहुत से कम लोग इस बारे में जानते हैं कि इन एनर्जी से आपके जीवन में पॉजिटिविटी आती है। यहां कुछ चीजें घर में नेगेटिव एनर्जी का आगमन करती हैं वहीं कुछ चीजें घर में पॉजिटिविटी भी लाती हैं। वास्तु शास्त्र में ऐसी कुछ मूर्तियों के बारे में बताया गया है जो आपके घर में पॉजिटिव एनर्जी का आगमन करती हैं।

घोड़े की मूर्ति दिलवाएगी सफलता

घोड़े की मूर्ति घर में रखना बहुत ही शुभ माना जाता है। इस मूर्ति को आप घर की उत्तर दिशा में रख सकते हैं। यह मूर्ति रखने से आपको हर किसी क्षेत्र में सफलता मिलेगी। नौकरी बिजनेस में तरक्की पाने के लिए भी यह मूर्ति बहुत ही शुभ मानी जाती है। घर में भी खुशियां बनी रहती है।

हाथी की मूर्ति

घर में हाथी की मूर्ति रखना भी बहुत ही शुभ माना जाता है। क्योंकि हाथी को ऐश्वर्य का प्रतीक माना जाता है। माना जाता है कि इसे घर में रखने से पॉजिटिव एनर्जी आती है। इसके अलावा पैसे के भी नए रास्ते खुलते हैं। बेडरुम में हाथी रखने से शादीशुदा जिंदगी में भी खुशहाली आती है।

कछुआ

घर में कछुआ रखना भी बहुत ही शुभ माना जाता है। उन्नति और पैसे के लिए आप घर में कछुए की मूर्ति रख सकते हैं। इससे घर के सदस्यों की आयु भी बढ़ती है। आप घर की पूर्व उत्तर दिशा में कछुआ रख सकते हैं।

हंस की मूर्ति

हंस का जोड़ा रखना भी घर में बहुत ही शुभ माना जाता है। घर में कछुआ रखने से सुख-समृद्धि भी आती है। माना जाता है कि इससे परिवार के सदस्यों में प्यार और सद्भावना भी बढ़ती है।

गाय की मूर्ति

घर में गाय की मूर्ति रखना भी बहुत ही शुभ माना जाता है। पीतल से बनी गाय की मूर्ति आप घर में रख सकते हैं। इससे मानसिक शांति मिलेगी। इसके अलावा गाय की मूर्ति रखने से बच्चों का पढ़ाई में भी मन लगता है।

जीवन में लाना है संविधान तो पढ़ें 'जीवन में संविधान'

पुस्तक समीक्षा

बिकास कुमार राव

हमारे जीवन में हर रोज ऐसी घटनाएं घटित होती हैं जिन्हें हम रोजमर्रा की बात मानकर दरकिनार कर देते हैं। कई बार ऐसी घटनाओं को हम प्रायः समाचार पत्रों या खबरिया चैनलों की सुर्खियां बनते हुए भी देखते हैं। लेकिन ऐसा बहुत कम होता है कि हम इन घटनाओं को संवैधानिक मूल्यों की कसौटी पर कसकर देखने का प्रयास करें। हालांकि यह संवैधानिक मूल्यों के प्रति हमारी भूल और उदासीनता को ही दर्शाता है। यदि हम उन्हें लेकर सचेत रहें तो शायद ऐसा नहीं हो। वरिष्ठ पत्रकार और प्रख्यात सामाजिक चिंतक सचिन कुमार जैन की नई पुस्तक 'जीवन में संविधान' हमारे रोजमर्रा के जीवन की ऐसी ही घटनाओं का कहानी के रूप में संकलन है जो शायद हमें उद्वेलित नहीं कर पाती हैं।

पुस्तक इस बात की ओर हमारा ध्यान आकर्षित करती है कि किस तरह हमारे आसपास रोज संवैधानिक मूल्यों का घोर हनन हो रहा है लेकिन कहीं कोई आवाज नहीं उठ रही है क्योंकि आम जन इसको लेकर जागरुक ही नहीं हैं। पुस्तक में संकलित कहानियां हमें यह सोचने पर विवश करती है कि संविधान में वर्णित जिन मूल्यों- न्याय, अहिंसा, स्वतंत्रता, समानता, आपसी भाईचारा, प्रेम, करुणा, गरिमा, शांति, सहिष्णुता और बंधुता, अवसरों की समानता आदि की परिकल्पना की गई है, आखिर आम जन-जीवन में उसका अनुपालन क्यों नहीं होता है? क्या उपर्युक्त 'मूल्य' केवल संवैधानिक शब्द या किताबी बातें बनकर रह गए हैं?

सच तो यह है कि भारतीय समाज ने संविधान के मूल्यों को अब तक अपनाया ही नहीं है। अगर हमने संविधान के मूल्यों को अपनाया होता तो आजादी के 75 वर्ष बाद भी जाति, लिंग, आर्थिक, धार्मिक और रंग के आधार पर असमानता और भेदभाव नहीं होता। आज भी कुछ शक्ति संपन्न लोगों के द्वारा अपने तुच्छ स्वार्थ के आम लोगों के अधिकारों का गला घोंट नहीं दिया जाता। सबसे बड़ी विडंबना यह है सरकार भी शासन-प्रशासन या विधि व्यवस्था में संविधान के मूल्यों को ज्यादा तवज्जो नहीं देती दिखती है। सरकार की नज़र में भी संवैधानिक मूल्य महज संविधान की शब्दावली, न्यायालय की भाषा, लच्छेदार भाषण का एक अंश बनकर रह गया है। जन साधारण से लेकर हमारे जन प्रतिनिधियों के द्वारा भी इन संवैधानिक मूल्यों का हनन किया जाता है। फिर भी हमारी सरकारें, समाज, न्याय व्यवस्था और नागरिक समाज सभी मौन हैं।

दरअसल हमने ऐसी शिक्षा व्यवस्था ही नहीं अपनाई जो तर्क, विवेक और बंधुत्व सिखाती। कक्षा में पढ़ाए जाने वाले विषय और आम जन- जीवन के लिए उपयोगी पाठ परस्पर विरोधाभासी बने हुए हैं। यही कारण है कि हमने भारत के संविधान को कक्षाओं में तो खूब पढ़ा, मगर इन्हें आम जन-जीवन में उतारने की कोशिश नहीं की। या यूं कहें कि इन संवैधानिक मूल्यों को समाज में हमारे आस पास की घटनाओं के मध्यम पढ़ने की कोशिश नहीं की।

लेकिन लेखक ने इस पुस्तक के मध्यम से हमें यह बताने की कोशिश की है कि संविधान केवल विशेषज्ञों या कानूनविदों या सरकार की किताब नहीं है। संविधान का बसना और उजड़ना हमारे जीवन का एक अभिन्न हिस्सा है। संविधान कुछ और नहीं, बल्कि उन उसूलों, मूल्यों का संकलन है जिनसे हमारा देश और हमारा समाज संचालित होना चाहिए।

अगर हमारे समाज ने संवैधानिक मूल्यों को अपनाया होता, तो राह चलते सरेआम महिला अधिकारों का हनन नहीं होता। राह चलती लड़कियों पर फब्तियां नहीं कसी जातीं। उन्हें परेशान नहीं किया जाता। लड़कियों को छेड़ने वाले आवारा मनचलों के खिलाफ हमारा समाज खामोश नहीं रहता।

अगर हम सभी के जीवन में संवैधानिक मूल्य मुखर होते तो इस पुस्तक में संकलित कहानी 'मैं, भारत की लड़की' में मीनाक्षी के साथ जो हुआ, वह नहीं हुआ होता। मध्य प्रदेश के सतना जिले के बिरहा डोंगरी गांव की रहने वाली नीलम देवी को कुव्यवस्था का शिकार होकर प्रसव पीड़ा से गुजरते हुए सड़क पर ही अपने बच्चे को जन्म नहीं देना पड़ता। विचाराधीन कैदियों को दशकों का समय बिना किसी गुनाह के जेल की सलाखों के पीछे नहीं बिताना पड़ता। या फिर पंचायजी राज में महिलाओं को आरक्षण की मदद से आगे बढ़ाने के सोच को धता बताते हुए उन महिलाओं के पति प्रधानपतियों के रूप में ग्राम पंचायतों पर काबिज नहीं रह पाते।

इसी तरह जाति या धर्म के आधार पर समाज इतना असहिष्णु नहीं होता कि किसी कथित नीची जाति वाले को पानी पीने तक के लिए दुर्व्यवहार का शिकार होना पड़े या किसी को केवल इसलिए किराए का कमरा मिलने में परेशानी हो क्योंकि वह किसी अन्य मजहब से ताल्लुक रखता है।

कहने की आवश्यकता नहीं है कि हमारा समाज तभी एक सुंदर और सभ्य समाज बनेगा जब हम अपने संविधान में वर्णित मूल्यों को संविधान के शब्दकोश से या कानून की किताब से बाहर निकाल कर व्यापक समाज में स्थापित कर सकेंगे।

यह पुस्तक इन अर्थों में एक सार्थक उपक्रम है कि इसे पढ़ने वाले व्यक्ति अपने आसपास के घटनाक्रम को संविधान की दृष्टि से देखना आरंभ कर देंगे। इस पुस्तक की एक और खासियत यह है कि इसके लेखक ने अपने विचारों, तथ्यों, घटनाओं के आधार पर समाज तथा सरकार की भूमिका को उजागर करते हुए हमें सचेत करने का प्रयास किया है। हम सभी को इस गंभीर प्रयास को समझना होगा ताकि हम एक भारत और नेक भारत का निर्माण कर सकें। एक ऐसा भारत बना सकें जहां संविधान के बुनियादी मूल्यों का पालन किया जाए और लोग समानता, बंधुत्व न्याय और गरिमा जैसे मूल्यों को अपने जीवन में उतारें। यह एक आवश्यक पुस्तक है जिसे हर भारतीय के निजी पुस्तक संग्रह में होना ही चाहिए।

पुस्तक- जीवन में संविधान
लेखक- सचिन कुमार जैन
प्रकाशक- अंतिका प्रकाशन
पृष्ठ- 208
मूल्य- 250 रुपये (पेपर बैक)

बच्चे नहीं होंगे बीमार, पेरेंट्स जरुर सिखाएं पर्सनल हाइजीन से जुड़ी ये बातें

बच्चे स्वभाव से बहुत ही चंचल होते हैं। अपना ध्यान रखने में भी कई तरह के नखरे दिखाते हैं। ऐसे में माता-पिता को बच्चों का ज्यादा ध्यान रखना पड़ता है। जैसे-जैसे बच्चे बड़े होने लगते हैं स्कूल जाना शुरु करते हैं उन्हें स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं होने लगती हैं। सर्दी-जुकाम जैसी परेशानियां बच्चों को घेरने लगती हैं। ऐसे में माता-पिता को बच्चों को बाहर जाने से पहले खुद का ख्याल रखना सिखाना चाहिए। आपको बच्चे को पर्सनल हाइजीन की कुछ आदतें जरुर सिखानी चाहिए।

हाथों को साफ रखना

बच्चे के शरीर में बैक्टीरिया हाथों के जरिए ही जाता है। इसलिए बढ़ती उम्र के साथ आपको बच्चों को हाथ साफ रखना जरुर सिखाना चाहिए। टॉयलेट से आने के बाद, खेलने के बाद, जानवरों को छूने के बाद, बीमार इंसान से मिलने के बाद, खाने से पहले और बाद में, घर में आने के बाद आप बच्चों को हाथ धोने की आदते जरुर डालें।

पर्याप्त मात्रा में पानी पीना

आप बच्चे को पर्याप्त मात्रा में पानी-पीने की आदत डालें। इससे उसके मुंह में से बदबू आने भी दूर होगी और वह दिनभर हाइड्रेट भी रहेगा।

ओरल हाइजीन सिखाएं

आप बच्चे को ओरल हाइजीन करना भी जरुर सिखाएं। 3-4 साल के उम्र के बच्चे को आप उसके दांत खुद से साफ करना सिखाएं। इसके अलावा खाना खाने के बाद कुल्ला करना और दातों को साफ करने की आदत भी जरुर डालें।

शरीर को साफ रखना

बच्चों को आप उनका शरीर साफ रखने की आदत जरुर डालें। नहाने के दौरान आप बच्चों को यह बताएं की शरीर को साफ रखना कितना जरुर है। इसके अलावा पैरों, बालों को क्लीन करना भी जरुर सिखाएं।

टॉयलेट साफ रखना

बच्चों को आप छोटी उम्र में ही टॉयलेट साफ रखना भी जरुर सिखाएं। उन्हें बताएं कि कैसे वह अपना टॉयलेट साफ रख सकते हैं। टॉयलेट सीट गंदी होने से भी शरीर में कई तरह की बीमारियां हो सकती है। इसके अलावा टॉयलेट करने के बाद उन्हें अपनी सफाई रखना भी जरुर बताएं।

नाखून साफ करना

आप बच्चों को समय-समय पर नाखुन साफ करने के बाद में भी कहें। उन्हें नाखूनों को छोटा ही रखने की सलाह दें। ताकि खेलते हुए उनके नाखूनों में बैक्टीरिया न जमा हो पाए। सप्ताह में एक बार उन्हें नाखून काटने की सलाह जरुर दें।

साफ खाने की आदत

आप बच्चों को फल और सब्जियां धोकर खाने की ही आदत डालें। बच्चों को बताएं कि यदि वह कोई फल खाते हैं तो उसे पहले साफ जरुर कर लें। इसके अलावा कौन सा फल धोना है और कौन सा नहीं यह भी बच्चे को आप जरुर सिखाएं।

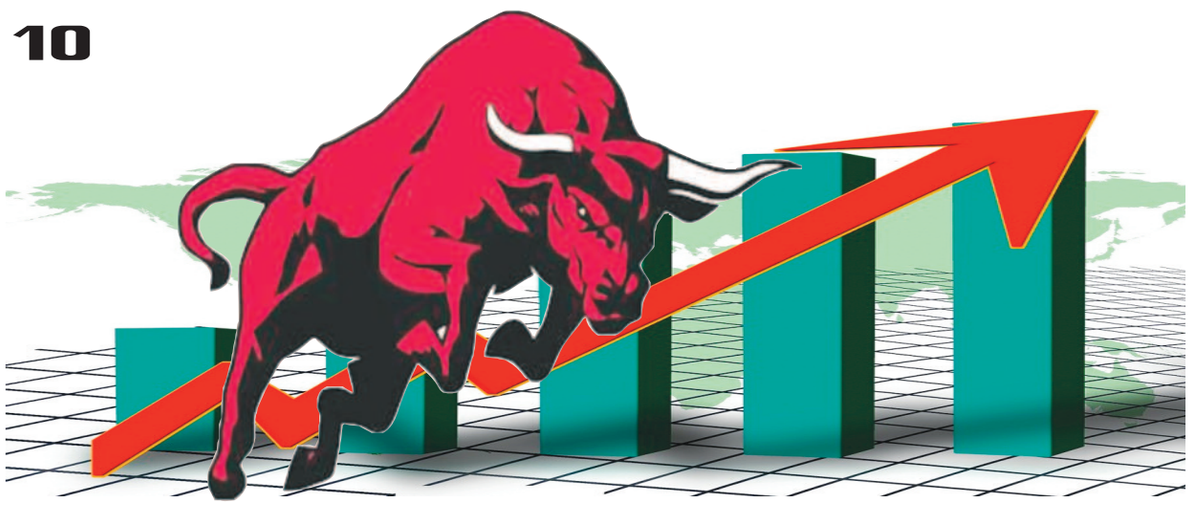

बाजार से गायब हुआ अमूल बटर, ग्राहक परेशान, कंपनी ने बताई वजह

नई दिल्ली, 15 नवंबर (एजेंसियां)। आमतौर पर ठंड के मौसम में बटर यानी कि मक्खन की डिमांड बढ़ जाती है। लेकिन हो सकता है इस साल आपको बाजार में अमूल बटर न दिखें। दरअसल, दिल्ली, अहमदाबाद और पंजाब समेत देशभर के कई हिस्सों में बाजारों में अमूल बटर की कमी की शिकायत आ रही है। यहां तक की ग्रॉसरी ऐप पर भी अमूल बटर बिक्री के लिए उपलब्ध नहीं है। कुछ ग्राहकों ने इसकी शिकायत सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्विटर पर भी की है। मार्केट में अमूल बटर की शॉर्टेज के कारण नकली अमूल मक्खन धड़ल्ले से बेचें जा रहे हैं। बता दें कि अमूल बटर की कमी की जानकारी सबसे पहले अहमदाबाद से मिली थी। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, दिल्ली में 20 से 25 दिनों से अमूल बटर बाजार में उपलब्ध नहीं है। उत्तर प्रदेश में 30-35% बटर की कमी देखी गई है। डिस्ट्रिब्यूटर्स का कहना है कि सप्लाई में कमी के कारण उन तक भी माल नहीं पहुंच पा रहा है। इतना ही नहीं इन दिनों अमूल क्रीम और घी की सप्लाई भी प्रभावित हुई हैं। एक ग्राहक ने ट्विटर पर कहा, अहमदाबाद में कहीं भी मक्खन उपलब्ध नहीं है। अमूल समेत डेयरी कंपनी प्रोडक्शन नहीं कर रहे हैं। दुकानदारों का कहना है कि शॉर्टेज एक सप्ताह तक रह सकती है। एक अन्य यूजर लिखते हैं, क्या आपको यह एहसास हुआ कि अमूल बटर किसी भी किराना प्लेटफॉर्म या सुपरमार्केट में उपलब्ध नहीं है? अमूल के अनुसार, दिवाली के दौरान बाजार में मक्खन की जबरदस्त डिमांड थी और प्रोडक्शन बड़े पैमाने पर नहीं हो सकी।

जेफ बेजोस अपनी अधिकांश संपत्ति दान करेंगे, मंदी पर दिया बड़ा बयान

नई दिल्ली, 15 नवंबर (एजेंसियां)। दुनिया के सबसे अमीर कारोबारियों की लिस्ट में शामिल और अमेजन कंपनी के मुखिया जेफ बेजोस ने अपनी संपत्ति को लेकर एक बड़ा खुलासा किया है। अमेजन संस्थापक बेजोस अपनी संपत्ति का ज्यादातर हिस्सा कल्याणकारी योजनाओं पर खर्च करने का प्लान बना रहे हैं। बता दें कि जेफ बेजोस के पास फिलहाल करीब 124 बिलियन डॉलर की संपत्ति है और फोर्ब्स के अनुसार वे दुनिया के चौथे सबसे अमीर व्यक्ति हैं। पूरी दुनिया में उनसे ज्यादा संपत्ति सिर्फ एलन मस्क, बर्नार्ड अर्नाल्ट व उनके परिवार और भारतीय उद्योगपति गौतम अदाणी के पास है। अमेजन के सीईओ पद से सेवानिवृत्त हो चुके जेफ बेजोस ने एक साक्षात्कार के

दौरान कहा है कि वह अपने धन का एक बड़ा हिस्सा जलवायु परिवर्तन से जुड़े मसलों पर काम करने वालों पर खर्च करेंगे। उन्होंने कहा कि उनके इस कदम से विविधता से भरी इस दुनिया में गहरे सामाजिक और राजनीतिक विभाजनों के बावजूद मानवता को एकजुट करने की कोशिशों में लगे लोगों को मदद मिलेगी। जेफ बेजोस के अनुसार वह अपनी ज्यादातर संपत्ति कल्याणकारी योजनाओं पर खर्च करने की योजना पर काम कर रहे हैं। इससे पहले भी दुनिया कई धनाढ्यों ने अपनी संपत्ति को दान करने का एलान किया है। बता दें कि कई बार अलोचनों ने जेफ बेजोस की गिविंज प्लेज पर हस्ताक्षर नहीं करने के लिए फटकार लगाई थी। जेफ ने एक चैनल से बातचीत में कहा है कि पत्रकार रह चुकीं उनकी पार्टनर लॉरेन सांचेज भी इस काम में उनकी मदद कर रही हैं। मालूम हो कि लॉरेल सांचेज अब एक फिलैन्थ्रॉपिस्ट के रूप में अपनी पहचान बना चुकी है। जेफ से जब यह पूछा गया कि क्या वह अपने जीवनकाल में अर्जित की गई ज्यादातर संपत्ति दान करने जा रहे हैं? तो उन्होंने सीधे जवाब दिया "हां मैं ऐसा करने जा रहा हूं, बस ये नहीं समझ पा रहा हूं कि इसे कैसे किया जाए। आगे बेजोस ने कहा कि यह फैसला उनके लिए आसान नहीं है। जैसे अमेजन को खड़ा करना आसान नहीं था उसी तरह अब तक की अर्जित संपत्ति को दान करना भी आसान नहीं है। उन्होंने कहा अमेजन को बनाने में बहुत मेहनत लगी है। उन्होंने कहा मैं और मेरी पार्टनर दोनों ही यही चाहते हैं हैं। दान और फिलैन्थ्रॉपी दोनों ही एक-दूसरे से मिलते जुलते हैं। कई बार आपको लगता है कि आप अप्रभावी चीजें भी कर सकते हैं पर इस काम के लिए आपको ध्यान लगाकर सोचना पड़ेगा। आपको अपनी टीम में शानदार लोगों को रखना पड़ेगा। अमेजन के मुखिया जेफ बेजोस ने आशंका जताई है कि अमेरिका पर मंदी का खतरा अब भी मंडरा रहा है। उन्होंने उपभोक्ताओं और कारोबार जगत को सलाह देते हुए कहा है कि विनाशकारी मंदी को देखते हुए उन्हें नकदी जमा करने के रखनी चाहिए। अमेजन के अरबपति मुखिया और एग्जीक्यूटिव चेयरमैन ने कहा है कि अर्थव्यवस्था की हालत फिलहाल अच्छी नहीं दिख रही है। चीजें मंदी के कारण धीमी पड़ रही हैं। अर्थव्यवस्था के अधिक से अधिक सेक्टर्स में लोग नौकरी से निकाले जा रहे हैं। आगे उन्होंने कहा, 'भले ही हम अभी मंदी में नहीं हैं, पर आशंका है कि बहुत जल्दी हम मंदी से जूझ रहे होंगे। बेजोस ने सलाह दी है कि अमेरिकी उपभोक्ताओं को फिलहाल बड़ी खरीदारी जैसे नया टेलीविजन, रेफ्रिजरेटर और कार आदि खरीदने से बचना चाहिए।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

ग्रह स्थिति			लग्नारंभ समय		
सूर्य-	तुला	में	कन्या..	02-11	बजे
चंद्र-	कर्क	में	तुला-	04-17	बजे
मंगल	मिथुन	में	वृश्चिक	06-27	बजे
बुध-	वृश्चिक	में	धनु---	08-40	बजे
गुरु-	मीन	में	मकर-	10-46	बजे
शुक्र-	वृश्चिक	में	कुंभ-	12-37	बजे
शनि-	मकर	में	मीन...	14-15	बजे
राहु-	मेष	में	मेष---	15-51	बजे
केतु-	तुला	में	वृष---	17-36	बजे
			मिथुन.	19-37	बजे
			कर्क...	21-48	बजे
			सिंह...	00-01	बजे

विक्रम श्री नल नाम संवत्- **2079**
शक संवत् **-1944,** कलियुग अवधि-**432000**
भोग्य कलि वर्ष-**426878**
कलियुग संवत् **-5123** वर्ष सूर्य-दक्षिणायने
कल्पारंभ संवत् **-1972949123**
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-**1955885123**
महावीर निर्वाण संवत् **-2549,**हिजरी सन् **-1443**
ऋतु-हेमन्त दिशाशूल- उत्तर -धनिया खाकर घर से निकले
तिथि- **अष्टमी - 05-49** अहोरात्र
मास -मार्गशीर्ष कृष्ण पक्ष , बुधवार **Nov 16**
नक्षत्र -आश्लेषा - **18 - 58** - तक उपरान्त मघा
योग - ब्रह्म - **01 - 06** - तक उप- ऐन्द्र
करण-बालव-**18 - 57** - तक उप- कौलव
विशेष:- श्रीकालभैरव अष्टमी
व्रत -त्योहार -सूर्य ~ वृश्चिक मे १९~ १५ से

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 12:01 से 13:25 तक

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र Hyd,Sec

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
लाभ	06:25 - 07:47	शुभ	उत्पात	17:39 - 19:14	अशुभ
अमृत	07:47 - 09:12	शुभ	शुभ	19:14 - 20:50	शुभ
काल	09:12 - 10:36	अशुभ	अमृत	20:50 - 22:26	शुभ
शुभ	10:36 - 12:01	शुभ	चंचल	22:26 - 00:01	शुभ
रोग	12:01 - 13:25	अशुभ	रोग	00:01 - 01:37	अशुभ
उत्पात	13:25 - 14:50	अशुभ	काल	01:37 - 03:12	अशुभ
चंचल	14:50 - 16:14	शुभ	लाभ	03:12 - 04:48	शुभ
लाभ	16:14 - 17:36	शुभ	उत्पात	04:48 - 06:25	अशुभ

आपका राशिफल

मेष चू चे चो ला ली लू ले लो आ

मेष राशि वाले जातकों के लिये चंद्रमा अनुकूल हैं। आत्मविश्वास उच्चकोटि का रहेगा। आप अपने करीबी लोगों को साथ लेकर चलने में यकीन रखेंगे। सामाजिक समारोह में भाग लेना पड़ सकता है। थोड़ी मेहनत से अच्छे लाभ प्राप्त होने के योग हैं। संतान के लिये दिन उत्तम है।

वृष इ उ ए ओ वा वी वू वे वो

आज प्रात: से ही आप अपनी इच्छाओं को पूर्ण करने में जुट जायेंगे परंतु कोई रास्ता नजर नहीं आयेगा तथा इसके लिये आप कोई भी खतरा या मूल्य चुकाने के लिये तैयार रहेंगे। कामकाज के क्षेत्र में गति आयेगी। शत्रु खुलकर सामने आयेंगे किन्तु आपको कोई नुकसान नहीं पहुंचा पाएंगे।

मिथुन का की कू घ ङ छ के को हा

आज किसी बात को लेकर मन अशांत रह सकता है मानों कोई बोझ मन पर बना है। यदि यात्रा करने का विचार है तो कुछ समय के लिये यात्रा टालना ठीक रहेगा। वाहन सावधानी से चलायें। खर्चे यथावत बने रहेंगे। निजी संबंध आगे बढ़ सकते हैं। छोटे बहन-भाइयों से संबंधों में वैचारिक मतभेद उत्पन्न हो सकते हैं।

कर्क डी हू डे डो डा डी डू डे डो

कर्क राशि वालों के लिये आज दिन अत्यधिक मेहनत करने का है। लाभ की यात्रा में बढ़ोत्तरी होगी। लक्ष्य प्राप्ति के लिये जूट जायेंगे। कार्यक्षेत्र में कई लोग आपको भ्रमित भी कर सकते हैं। घर-परिवार में चल रही किसी बात से मन अशांत रहेगा। संतान के लिये दिन मिला-जुला रहेगा।

सिंह मा मी मू मे मो टा टी टू टे

सिंह राशि वालों के लिये चंद्रमा अनुकूल हैं। आपकी लोकप्रियता तथा मान-सम्मान में बढ़ोत्तरी होगी। आप अपनी बुद्धि कौशल से कई लोगों को अपनी बात समझाने में सफल रहेंगे। कार्यक्षेत्र में सहकर्मी आपकी मदद करने को तैयार रहेंगे। संतान के लिये समय उत्तम है। जीवनसाथी के साथ अधिक समय व्यतीत करेंगे।

कन्या टो पा पी षू ण ठ पे यो

आज मौज-मस्ती तथा घूमने-फिरने में दिन व्यतीत करेंगे। प्रात: से ही मन खुश रहेगा। अपनी काबलियत से आप सबको आश्चर्य में डाल देंगे। यदि नौकरी पेशा हैं तो अपनी कार्य क्षमता से अपने अधिकारियों को खुश करने में सफल रहेंगे। संतान के लिये समय उत्तम है।जीवनसाथी के साथ अधिक समय व्यतीत करेंगे।

तुला रा री रु रे रो ता ती तू ते

आज जीवनसाथी को कोई नई उपलब्धि मिल सकती है तथा धर्म-कर्म में उनकी रुचि बढ़ेगी। यदि आप व्यावसायिक हैं तो छोटे-मोटे मुद्दों में कई बदलाव कर सकते हैं।माता के लिये समय थोड़ा कठिन है।संतान की किसी गलत संगत से आप परेशान रहेंगे। मित्रों से मिलने का मौका प्राप्त होगा।

वृश्चिक तो ना नी नू ने नो य यी यू

आज का दिन घटना प्रधान रहेगा। सुबह से शाम तक काफी व्यस्त रहेंगे। कुछ अच्छी और बुरी बातें मन में चलती रहेंगी। कार्यक्षेत्र में कुछ नये बदलाव के बारे में विचार कर सकते हैं तथा लोगों द्वारा आप गलत भी समझे जा सकते हैं। किसी की परवाह किये बगैर अपने काम पर ध्यान देंगे।

धनु ये यो भा भी भू धा फा ढा भे

आज दिन हल्के-फुल्के रूप में व्यतीत होगा।कार्यक्षेत्र में कुछ निर्णय आपको लेने पड़ सकते हैं जो आगे चलकर आपके लिये लाभकारी सिद्ध होंगे।घर परिवार के लोगों से आपको कोई मदद प्राप्त हो सकती है। निजी संबंध में उत्पन्न गलत फहमी के कारण आपको अपनी सफाई देनी पड़ सकती है।

मकर भे जा जी खी खू खे खो गा गी

आपके द्वारा बनायी हुई योजनाओं पर आज आप अमल करेंगे। कार्यक्षेत्र में भी आप कार्य प्रणाली में कुछ बदलाव कर सकते हैं जो लोग प्रेम संबंध में हैं वह रिश्तों को नई ऊंचाई देने में सफल रहेंगे। परिवार के लोगों के साथ अपने निजी रिश्ते के बारे में सलाह ले सकते हैं, जिसमें आपको सफलता मिल सकती है।

कुंभ गू गे गो सा शी सू से सो दा

कुंभ राशि वालों के लिये आज दिन महत्वपूर्ण है। माता से पूर्ण सहयोग प्राप्त होगा। सुख-सुविधा की वस्तु खरीद सकते हैं। कोई नया उत्तरदायित्व आपको प्राप्त हो सकता है। किसी भी निर्णय को भावुकता से न लें। जीवन साथी से कुछ बातों को लेकर कड़वाहट पैदा हो सकती है। यात्रा के लिये दिन ठीक है।

मीन दी दू थ झ ञ के दो चा ची

आज प्रात: से ही धन की व्यवस्था जुटाने में लग जायेंगे, जिस कारण कई लोगों की नाराजगी और रुखापन देखने को मिलेगा। शत्रु भी खुलकर सामने आयेंगे तथा विवाद की स्थितियाँ भी यथावत बनी रहेगी। अपनी असहमति होते हुए भी आपको कई कार्यों में सहमति देनी पड़ सकती है।

पं महेशचन्द्र शर्मा 9247132654,8309517693

सोने का भाव 53000 के करीब, चांदी की कीमत में आज भारी उछाल

नई दिल्ली, 15 नवंबर (एजेंसियां)। सोने-चांदी की उड़ान जारी है। आज भी दोनों के भाव में बड़ा बदलाव देखने को मिल रहा है। आज यानी मंगलवार को सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोने का औसत हाजिर भाव 53000 के करीब पहुंच गया है। सोना शुक्रवार के बंद भाव के मुकाबले 447 रुपये प्रति 10 ग्राम महंगा होकर खुला। वहीं, चांदी आज 884 रुपये प्रति किलो चढ़कर 62467 रुपये पर खुली। अब शुद्ध सोना अपने ऑल टाइम हाई रेट से 56254 रुपये प्रति 10 ग्राम से केवल 3377 रुपये ही सस्ता रह गया है। जबकि, चांदी अपने दो साल पहले के उच्च रेट 76008 रुपये प्रति किलो से अब केवल 13541 रुपये ही सस्ती है। दरअसल सोने की रफ्तार बढ़ने के लिए ट्रैक तैयार है। केडिया कमोडिटिज के प्रेसीडेंट अजय केडिया कहते हैं कि गोल्ड अगले साल तक एक

नया ऑल टाइम हाई पर पहुंच सकता है। क्योंकि गोल्ड के बढ़ने के लिए जो माहौल चाहिए, उसे पूरा मिल रहा है। अंतराष्ट्रीय स्तर पर रुस-यूक्रेन समेत भू-राजनैतिक तनाव, बाजार में मंदी के आसार, ईटीएफ में निवेश का बढ़ना और केंद्रीय बैंकों द्वारा लगातार सोना खरीदना, ये ऐसे कारक हैं, जो सोने की कीमतें और बढ़ाने का काम कर रहे हैं। आज सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोने का जीएसटी समेत औसत हाजिर भाव 54463 रुपये है। इसमें 99.99 पर्सेंट सोना होता है और इससे कोई जेवर नहीं बनता। आज यह 52877 रुपये पर खुला। वहीं, 23 कैरेट गोल्ड की औसत कीमत अब जीएसटी के साथ 54244 रुपये है। आज यह 52665 रुपये प्रति 10 ग्राम के रेट से खुली। इसमें 95 पर्सेंट सोना होता है। इस पर अगर ज्वेलर का मुनाफा जोड़ लें तो यह 59669 रुपये पड़ेगा। ज्वेलरी मेकिंग चार्ज के साथ यह 62500 रुपये के पार पहुंच जाएगा। 22 कैरेट गोल्ड की कीमत 48435 रुपये प्रति 10 ग्राम है। अब 3 फीसद जीएसटी के साथ इस सोने की कीमत 49888 रुपये है। इसमें 85 फीसद गोल्ड होता है। ज्वेलरी मेकिंग चार्ज और ज्वेलर का मुनाफा जोड़ने के बाद यह आपको करीब 60500 रुपये का पड़ेगा। जबकि, 18 कैरेट गोल्ड का रेट 39658 रुपये प्रति 10 ग्राम है और जीएसटी के साथ इसकी कीमत अब 40847 रुपये हो गई है। इसमें 75 प्रतिशत ही सोना होता है। ज्वेलरी मेकिंग चार्ज और मुनाफा जोड़ कर करीब यह 53000 रुपये पड़ेगा।

ट्विटर में 'बदलाव' के लिए दफ्तर में सो रहे मस्क

आशंकित कर्मियों का भी ऑफिस ही 'आशियाना'

नई दिल्ली, 15 नवंबर (एजेंसियां)। दुनिया के सबसे अमीर शख्स एलन मस्क ने अपने बारे में एक बड़ा खुलासा किया है। सोमवार को एक ट्वीट करते हुए टेस्ला, स्पेसएक्स और ट्विटर जैसी कंपनियों के कर्ताधर्ता मस्क ने बताया है कि फिलहाल वे सेन फ्रांसिस्को स्थित हेडक्वार्टर् में ही सो रहे हैं। बता दें उन्होंने यह ट्वीट उन खबरों के बीच किया है जिसमें कहा गया है कि ट्विटर के नए बॉस मस्क की डर से दफ्तर में ही सोने को मजबूर हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार ट्विटर की कमान संभालने के बाद से ही एलन मस्क इसे नया स्वरुप देना चाहते हैं। इसके लिए वे बदलावों पर काम कर रहे हैं। हालांकि, इस पूरी प्रक्रिया में उनकी ओर से प्रस्तावित कुछ बदलावों की आलोचना भी हो रही है। इन सबके बीच कई मीडिया रिपोर्ट्स में यह भी दावा किया गया है कि नौकरी जाने की डर से कई ट्विटर कर्मचारी रात को ऑफिस में सो रहे हैं। इन खबरों के बाद अब मस्क ने भी साफ किया है कि वे खुद ट्विटर हेडक्वार्टर में सो रहे हैं, और ऐसा तब तक चलेगा जब

तक ट्विटर पर सबकुछ ठीक नहीं हो जाता है। हालांकि, उनकी इस ट्वीट को बाद में डिलीट कर दिया गया। बता दें कि माइक्रोब्लॉगिंग साइट ट्विटर का अधिग्रहण करने के बाद एलन मस्क ने ट्विटर के लगभग आधे कर्मचारियों को नौकरी से निकाल दिया था, जिसमें ट्विटर के तत्कालीन सीईओ पराग अग्रवाल भी शामिल थे। जो कर्मचारी कंपनी में बचे थे उन्हें नई वर्क डेडलाइन दे दी गई थी। ट्विटर के अधिग्रहण के बाद सोशल मीडिया पर कई तस्वीरें वायरल हुई थीं जिनमें कई कर्मचारी ऑफिस में ही स्लिपिंग बैग्स में सोते दिखे थे।

आरबीआई की सख्ती: केंद्रीय बैंक ने नौ बैंकों के खिलाफ की कार्रवाई, लाखों का लगाया जुर्माना

नई दिल्ली, 15 नवंबर (एजेंसियां)। भारतीय रिजर्व बैंक बीते कुछ समय से लगातार नियमों को ठीक ढंग से अनुपानल न करने वाले बैंकों के खिलाफ सख्त रुख अपनाए हुए है। इस क्रम में अब उसके निशाने पर नौ बैंक आ गए हैं। बैंकिंग नियमों का उल्लंघन करने के मामले में सोमवार को आरबीआई ने 6 को-ऑपरेटिव बैंक और 3 सहकारी बैंकों पर लाखों का आरोप लगाया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, इन बैंकों पर आरोप है कि उन्होंने बैंकिंग नियमों का उल्लंघन किया है। आरबीआई की तरफ से इस कार्रवाई के बारे में जानकारी भी दी गई है। आरबीआई ने बताया है कि बैंकिंग नियमों का उल्लंघन करने के मामले में 11.60 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया है। इन बैंकों में बेरहमपुर को-ऑपरेटिव अर्बन बैंक (ओडिशा) पर 3.10 लाख रुपए, उस्मानाबाद जनता सहकारी बैंक (महाराष्ट्र) पर 2.5 लाख रुपए, संतराम अर्बन को-ऑपरेटिव बैंक (महिसागर, गुजरात) पर 2 लाख रुपए का जुर्माना लगाया है।

साथ ही जिला सहकारी केंद्रीय बैंक, बालाघाट (मध्य प्रदेश), जमशेदपुर अर्बन को-ऑपरेटिव बैंक (झारखंड), रेनुका नागरिक सहकारी बैंक, अंबिकापुर (छत्तीसगढ़) पर 1-1 लाख रुपए की पेनाल्टी लगाई गई है।

साथ ही कृष्णा मर्चेंटाइल को-ऑपरेटिव बैंक, भोपाल (मध्य प्रदेश) और केंद्रपारा अर्बन को-ऑपरेटिव (ओडिशा) पर 50-50 हजार रुपए का हर्जाना भरने का आदेश दिया गया है। इन बैंकों के अलावा, द नवानगर को-ऑपरेटिव बैंक, जामनगर (गुजरात) पर 25 हजार रुपए का जुर्माना लगा है।

एयर इंडिया: 988 करोड़ रिफंड के मामले में एयर इंडिया को झटका,अब 11 करोड़ का जुर्माना भी लगा

नई दिल्ली, 15 नवंबर (एजेंसियां)। अमेरिका की सरकार ने कोविड महामारी के दौरान उड़ानों के रद्द होने या उनके कार्यक्रमों में बदलाव के कारण प्रभावित यात्रियों को पैसे लौटाने में हुई देरी के मामले में एयर इंडिया पर 14 लाख डॉलर यानी करीब 11.38 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया है। अमेरिका के यातायात विभाग ने सोमवार को बताया है कि भारतीय विमान सेवा प्रदाता कंपनी एयर इंडिया उन छह एयरलाइंस में शामिल है जिन्हें यात्रियों को रिफंड के रूप में 60 करोड़ डॉलर लौटाने का आदेश दिया गया है। भारतीय विमानन कंपनी को प्रभावित यात्रियों के करीब 12.15 करोड़ डॉलर (988 करोड़ रुपये) लौटाने के निर्देश दिए गए हैं। इस मामले में अधिकारियों का कहना है कि एयर इंडिया का यात्रियों के अनुरोधध पर रिफंड करने का प्रावधान अमेरिकी परिवहन विभाग की नीतियों का विरोधाभाषी है। अमेरिका में यह नियम है कि उड़ान के

रद्द होने या उसमें बदलाव होने पर एयरलाइन को यात्रियों के टिकट के पैसे कानूनी तौर पर 100 दिन में लौटाने होंगे। एक विभागीय जांच के दौरान इस बात का खुलासा हुआ है कि एयर इंडिया ने रिफंड के आधे से अधिक आवेदनों पर कार्रवाई करने में निर्धारित 100 दिन में लौटाने होंगे। बता दें कि रिफंडे में देरी के ये मामले टाटा ग्रुप की ओर से एयर इंडिया का अधिग्रहण करने के पहले के हैं। एयर इंडिया के अलावा अमेरिकी सरकार ने फ्रंटियर, टीएपी पुर्तगाल, एयर मेक्सिको, ईआईएआई और एविएंका एयरलाइन पर जुर्माना लगाया है।

शेयर बाजार का नया रिकॉर्ड:पहली बार सेंसेक्स 61,872 पर बंद हुआ

निफ्टी 75 अंक चढ़ा; एनडीटीवी के शेयर में 5% की तेजी

नई दिल्ली, 15 नवंबर (एजेंसियां)। भारतीय शेयर बाजार में हफ्ते के दूसरे कारोबारी दिन, यानी मंगलवार (15 नवंबर) को तेजी देखने को मिली। सेंसेक्स करीब 250 अंकों की तेजी के साथ 61,872 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी 75 अंक बढ़कर 18,403 के स्तर पर पहुंच गया। इस तेजी से बाजार लाइफ टाइम हाई के करीब पहुंच गया है।इंट्राडे बेसिस पर सेंसेक्स का ऑल टाइम हाई 62245.43 और निफ्टी का ऑल टाइम हाई 18604.45 है, जो उसने 19 अक्टूबर 2021 को बनाया था। हालांकि, क्लोजिंग बेसिस पर सेंसेक्स ने आज नया ऑलटाइम हाई बनाया है। इससे पहले सेंसेक्स 11 नवंबर 2022 को 61,795 के लेवल पर बंद हुआ था। निफ्टी का क्लोजिंग बेसिस पर ऑलटाइम हाई 18,477 है, जो उसने 18 अक्टूबर 2021 को बनाया था। पावर ग्रिड, ओएनजीसी, आईसीआईसीआई बैंक, भारती एयरटेल, हीरो मोटोकॉर्प, अल्ट्राटेक सीमेंट, डॉ रेड्डी समेत 36 शेयर्स निफ्टी के टॉप गेनर रहे। एचडीएफसी

लाइफ, ग्रासिम, सिप्ला, आईटीसी, यूपीएल, रिलायंस, बजाज फिनसर्व समेत 14 शेयर्स निफ्टी के लूजर्स रहे।

एनडीटीवी के शेयर में 5% की तेजी

वहीं एनडीटीवी का शेयर 18.20 रुपए यानी 5% की तेजी के साथ 383.05 रुपए पर बंद हुआ। दरअसल, सोमवार को एसईबीआई ने गौतम अडाणी के ग्रुप को एनडीटीवी में 26% हिस्सेदारी खरीदने के लिए ओपन ऑफर लाने की मंजूरी दे दी। इस वजह से आज एनडीटीवी के शेयर में यह तेजी देखने को मिली है। वहीं एनएसई के 11 सेक्टोरल इंडेक्स में से 8 में तेजी देखने को मिली। बैंक, ऑटो, फाइनेंशियल सर्विसेज, आईटी, मेटल, फार्मा,पीएसयू बैंक और प्राइवेट बैंक सेक्टर में तेजी रही। एफएमसीजी, मीडिया और रियल्टी सेक्टर में गिरावट देखने को मिली।

सोने और चांदी में तेजी, रुपया मजबूत

वहीं सर्राफा बाजार में आज सोने और चांदी में तेजी देखने को मिली। 24 कैरेट सोना 52,823 रुपए प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ। चांदी की बात करें तो ये 62,270 रुपए प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई।

आज रुपया डॉलर के मुकाबले 17 पैसे मजबूत हुआ।

सोमवार को गिरावट में बंद हुआ था बाजार

इससे पहले बाजार में सोमवार (14 नवंबर) को गिरावट देखने को मिली थी। सेंसेक्स करीब 170 अंकों की गिरावट के साथ 61,624 के स्तर पर बंद हुआ था। निफ्टी 20 अंक गिरकर 18,329 के स्तर पर पहुंच गया था।

मिधानि ने घोषित किए सितंबर को समाप्त तिमाही के वित्तीय परिणाम

हैदराबाद, 15 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मिनी रत्न रक्षा उपक्रम मिश्र धातु निगम लिमिटेड (मिधानि) द्वारा 30 सितंबर 2022 को समाप्त तिमाही के दौरान 180.95 करोड़ का कारोबार किया है। पिछले वर्ष समान अवधि में 187.92 करोड़ रुपये का टर्नओवर हासिल किया गया था। वित्त वर्ष 2022-23 की दूसरी तिमाही के दौरान उत्पादन का मूल्य (वीओपी) पिछले वर्ष की इसी अवधि में दर्ज 219.22 करोड़ रुपये के उत्पादन मूल्य (वीओपी) के मुकाबले 14.20% की वृद्धि के साथ 250.34 करोड़ रुपये रहा। वित्त वर्ष 2022-23 की दूसरी तिमाही के दौरान पिछले वर्ष की इसी अवधि में दर्ज किए गए कर पूर्व लाभ (पीबीटी) रु. 45.34 करोड़ की तुलना में 7.79% की वृद्धि दर्ज करते हुए रु. 48.87 करोड़ रुपये के कर पूर्व लाभ (पीबीटी) दर्ज किया गया। वित्त वर्ष 2022-23 की दूसरी तिमाही के दौरान कर पश्चात लाभ (पीएटी) रु. 33.56 करोड़ रहा। पिछले वर्ष की इसी अवधि में कर पश्चात लाभ (पीएटी) 33.63 करोड़ रुपये दर्ज किया गया था। वित्त वर्ष 2022-23 में की पहली छमाही के दौरान कंपनी ने 295.88 करोड़ रुपये का टर्नओवर हासिल किया है। पिछले वर्ष की इसी अवधि में 301.98 करोड़ रुपये का टर्नओवर दर्ज किया गया था। वित्त वर्ष 2022-23 की पहली छमाही के दौरान उत्पादन का मूल्य (वीओपी) 484.01 करोड़ रुपये रहा, जो पिछले वर्ष की इसी अवधि में दर्ज 341.27 करोड़ रुपये के उत्पादन मूल्य (वीओपी) के मुकाबले 41.83% की वृद्धि है। वित्त वर्ष 2022-23 की पहली छमाही के दौरान कर पूर्व लाभ (पीबीटी) रु. 72.28 करोड़ रुपये रहा, जो पिछले वर्ष की इसी अवधि में दर्ज 70.40 करोड़ कर पूर्व लाभ (पीबीटी) के मुकाबले 2.66% की वृद्धि है। वित्त वर्ष 2022-23 की पहली छमाही के दौरान कर पश्चात लाभ (पीएटी) रु. 51.26 करोड़ रुपये दर्ज किया गया। पिछले वर्ष की इसी अवधि में कर पश्चात लाभ (पीएटी) 52.44 करोड़ दर्ज किया गया था। वित्तीय वर्ष 2021-22 के लिए 29 सितंबर 2022 को आयोजित 48 वीं वार्षिक महा सभा में शेयरधारकों ने कंपनी की के लिए 5807.54 लाख रुपये यानी 3.10 रुपये प्रति इक्विटी शेयर (30.03.2022 को पहले ही भुगतान किए गए 1.56 रुपये प्रति इक्विटी शेयर के अंतरिम लाभांश सहित) के लाभांश को मंजूरी दी है।

वित्तीय वर्ष 2021-22 के लिए प्रति इक्विटी शेयर 1.54 रुपये का अंतिम लाभांश 20.10.2022 को भुगतान किया गया था।

रुपाणी-पटेल समेत रूठे नेताओं को जिम्मेदारी देगी बीजेपी, विरोध टालने के लिए बनाया प्लान

नई दिल्ली, 15 नवंबर (एजेंसियां)। गुजरात विधानसभा चुनाव के लिए भाजपा के उम्मीदवारों की सूची जारी होने के बाद नाराज नेताओं के विरोध के स्वर तेज हो गए हैं। एक तरफ पार्टी के लोग रूठे नेताओं की मान-मनौव्वल कर रहे हैं। वहीं, दूसरी तरफ टिकट को मना कर चुके बुजुर्ग नेताओं के अनुभवों का लाभ लेने के लिए पार्टी ने 'प्लान बी' तैयार कर लिया है।

सभी बुजुर्ग नेता अभी पार्टी का काम करने में सक्षम हैं। फिलहाल राज्य में विधानसभा चुनाव चल रहे हैं। इसी लिहाज से कई अहम सीटों की जिम्मेदारी इन्हें सौंपी गई है। सभी को चुनाव संबंधित व्यवस्था का बड़ा अनुभव भी है। इसलिए भविष्य में पार्टी इन्हें दरकिनार नहीं करने वाली है। ये नेता सरकार और संगठन के कई अहम पदों पर भूमिका निभा चुके हैं। सभी बुजुर्ग नेताओं को उनकी कार्यकुशलता के हिसाब से सेट किया जाएगा।

चुनाव के बाद बुजुर्ग नेताओं को मिल सकती है ये जिम्मेदारी

गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री विजय रुपाणी ने वर्षों तक भाजपा संगठन के लिए काम किया है। उन्हें ब्लॉक स्तर से लेकर राष्ट्रीय संगठन तक व्यापक अनुभव है। बतौर सीएम उन्हें सरकार चलाने का भी अनुभव है। पार्टी ने हाल ही में उन्हें पंजाब राज्य के प्रभारी की जिम्मेदारी सौंपी है। रुपाणी जैन-बनिया सामुदाय से ताल्लुक रखते हैं, जिसकी गुजरात की आबादी में हिस्सेदारी पांच फीसदी है। आगामी भाजपा संगठन में बदलाव के बाद रुपाणी को महामंत्री या उपाध्यक्ष जैसे पद पर बिठाने की पूरी संभावना है। छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री रमण सिंह और राजस्थान की पूर्व सीएम वसुंधरा राजे और झारखंड के पूर्व सीएम रघुवर दास भी अभी पार्टी के उपाध्यक्ष हैं। उत्तर गुजरात से पूर्व उपमुख्यमंत्री नितिन पटेल पार्टी का सबसे चर्चित और प्रभावी पाटीदार चेहरा हैं। 1995 में पहली बार विधायक का चुनाव लड़ने वाले नितिन पटेल राज्य में भाजपा की हर सफल सरकार का हिस्सा रह चुके हैं। 68 वर्षीय पटेल को वित्त, स्वास्थ्य, कृषि, राजस्व, सिंचाई और शहरी विकास मंत्रालयों चलाने का अच्छा खासा अनुभव है। हालांकि वे चौथी बार राज्य के मुख्यमंत्री बनते-बनते चूक गए। अब चर्चा है कि पार्टी उन्हें 2024 के लोकसभा चुनाव में मेहसाणा सीट से उम्मीदवार बना सकती है। मेहसाणा विधानसभा सीट भी भाजपा की सबसे मजबूत सीटों में गिनी जाती है। 1990 के बाद से भाजपा इस सीट पर लगातार जीत दर्ज कर रही है। 2012 से नितिन पटेल इस सीट से विधायक चुने जा रहे हैं। पटेल पहली बार कडी क्षेत्र से विधायक चुने गए थे।

किसी बड़े निगम या फिर केंद्र में देगी संवैधानिक पद

गुजरात और भाजपा की राजनीति में जाना-पहचाना नाम आरसी फालदू का हैं। वे जामनगर विधानसभा सीट से विधायक रहे चुके हैं। फालदू गुजरात भारतीय जनता पार्टी के अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी भी संभाल चुके हैं। सरकार के साथ साथ संगठन के कामों पर भी उनकी अच्छी पकड़ है। 65 वर्षीय फालदू किसान परिवार के बैकग्राउंड से आते हैं।

प्रदेश में कृषि, मत्स्य पालन, पशुपालन और परिवहन जैसे बड़े मंत्रालय की जिम्मेदारी संभाल चुके हैं। गुजरात में भाजपा की सरकार बनने के बाद उन्हें गुजरात सरकार के किसी बड़े निगम या फिर केंद्र में संवैधानिक पद एडजस्ट किया जा सकता है। गुजरात भाजपा के वरिष्ठ नेता भूपेंद्र सिंह चुडासमा जनसंघ के जमाने से पार्टी से जुड़े हैं। उनकी गिनती कानून और संविधान के जानकार लोगों में होती है। सरकार के कामकाज और मंत्री पद पर रहने का उन्हें भी लंबा अनुभव है।

देश में लव जिहाद मिशन चल रहा है : गिरिराज सिंह

बेगूसराय, 15 नवंबर (एजेंसियां)। केंद्रीय मंत्री और बेगूसराय के सांसद गिरिराज सिंह ने दिल्ली में टुकड़े-टुकड़े कर एक हिंदू लडकी की हत्या कर देने की घटना पर चिंता प्रकट करते हुए ऐसी घटनाओं को दुर्भाग्यपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि देश में मुस्लिम युवकों द्वारा लव जिहाद एक मिशन चलाया जा रहा है। बेगूसराय में मंगलवार को पत्रकारों से चर्चा करते हुए सिंह ने दिल्ली में हिंदू लड़की की मुस्लिम युवक के द्वारा टुकड़े-टुकड़े कर हत्या करने को दुर्भाग्यपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है, जहां एक मुस्लिम युवक ने हिंदू लड़की की हत्या कर दी।

उन्होंने कहा कि देश में मुस्लिम युवक द्वारा लव जिहाद मिशन के रूप में चलाया जा रहा है। दिल्ली में हिंदू लड़की की जिस तरीके से टुकड़े-टुकड़े कर हत्या कर दी गई है, यह दुर्भाग्यपूर्ण है। भाजपा नेता ने कहा कि देश में मुस्लिम युवक हिंदू लड़की को बहला-फुसलाकर अपने साथ कर लेते हैं, उसके बाद उसे या तो छोड़ देते हैं या उसके टुकड़े-टुकड़े कर हत्या कर देते हैं।

राकांपा विधायक जितेंद्र आव्हाण को मिली जमानत

कोर्ट ने 15000 रुपये के मुचलके पर दी मंजूरी

मुंबई, 15 नवंबर (एजेंसियां)। एनसीपी विधायक जितेंद्र आव्हाड को कोर्ट ने मंगलवार को अग्रिम जमानत दे दी। कोर्ट ने आव्हाण को 15000 रुपये के मुचलके पर जमानत दी है। इससे पहले मराठी फिल्म के खिलाफ प्रदर्शन मामले में हुई गिरफ्तारी और जमानत के कुछ देर बाद ही एनसीपी नेता पर एक और मामला दर्ज हुआ था। इस बार उन पर महिला से छेड़छाड़ करने का आरोप लगा। इस बीच उन्होंने इसे राजनीतिक साजिश करार देते हुए एनसीपी के प्रदेश अध्यक्ष जयंत पाटिल को इस्तीफा सौंप दिया।

जानकारी के मुताबिक, भारतीय जनता पार्टी की नेता रिदा राशिद ने उन पर आरोप लगाया था कि मुम्ब्रा में नए पुल के उद्घाटन के दौरान जितेंद्र आव्हाड ने उन्हें गलत तरीके से छुआ था। गौरतलब है कि रिदा भाजपा महिला मोर्चा (महाराष्ट्र) की उपाध्यक्ष भी हैं। उन्होंने कहा कि उनकी शिकायत राजनीतिक रूप से प्रेरित नहीं है और उन्होंने इस मुद्दे पर राष्ट्रीय महिला आयोग की प्रतिक्रिया मांगी।

13 नवंबर की है घटना

भारतीय जनता पार्टी की नेता रिदा राशिद की ओर से की गई शिकायत के मुताबिक, घटना 13 नवंबर की है, जब मुम्ब्रा में एक पुल का उद्घाटन करने के लिए सीएम एकनाथ शिंदे पहुंचे थे। इस दौरान महिला सीएम शिंदे से मिलने के लिए आगे बढ़ रही थी। तभी विधायक जितेंद्र आव्हाड ने उसको छुआ। हालांकि, जिस समय यह घटना हुई उस समय उनके साथ कई लोग सीएम से मिलने के लिए आगे बढ़ रहे थे।

मराठी फिल्म के विरोध में हुई थी गिरफ्तारी

इससे पहले ठाणे में वर्तक नगर पुलिस ने राकांपा विधायक जितेंद्र आव्हाड को मराठी फिल्म 'हर हर महादेव' का विरोध प्रदर्शन करने के आरोप में गिरफ्तार किया था। उन पर एक स्थानीय थिएटर में फिल्म देखने आए एक शख्स के साथ मारपीट करने का आरोप लगा था। हालांकि, इस मामले में बाद में उन्हें जमानत दे दी गई थी।

झुग्गी बस्ती में रहने वाले को बीजेपी ने बनाया उम्मीदवार

केजरीवाल के कोर वोट पर हमले की रणनीति

नई दिल्ली, 15 नवंबर (एजेंसियां)। अरविंद केजरीवाल की राजनीति के केंद्र में रहे झुग्गी झोपड़ी वालों का वोट हथियाने के लिए भाजपा ने हर झुग्गी झोपड़ी में रहने वाले परिवार के लिए मकान देने की नीति की घोषणा कर रखी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तीन हजार से अधिक गरीब लोगों को मकान की चाबी सौंपकर इस योजना को आगे बढ़ाया था। अब इसी कोर वोट को अपना बनाने के लिए भाजपा ने झुग्गी-झोपड़ी में रहने वाले प्रदीप कुमार को अपना उम्मीदवार बनाकर बड़ा दांव खेला है। माना जा रहा है कि वे रमेश पार्क से भाजपा के लिए जिताऊ उम्मीदवार साबित हो सकते हैं। हालांकि, बेहद गरीब परिवार से होने के कारण आर्थिक मोर्चे पर उन्हें परेशानी भी हो सकती है।

अपने इस मुद्दे को हवा देने के लिए ही भारतीय जनता पार्टी दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष आदेश गुप्ता ने दिल्ली भाजपा का एमसीडी चुनाव प्रचार अभियान झुग्गी बस्ती में रहने वाले प्रदीप तिवारी के घर जाकर शुरू किया। आदेश गुप्ता ने कहा कि भाजपा ने गरीब लोगों के बीच रहने वाले को रमेश नगर से उम्मीदवार बनाया है। जिन्हें गरीब जनता की समस्याएं भली भांति पता है। ऐसे में वे एक बेहतरीन उम्मीदवार साबित हो सकते हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गोविंदपुरी इलाके में 3024 झुग्गीवालों को फ्लैट की चाबी थमाई थी। जानकारी के मुताबिक कठपुतली कालोनी और जेलरवाला बाग में भी इस तरह के फ्लैट तैयार हैं।

नेपाल के आम चुनाव पर मंडराया हिंसा का साया माहौल चिंताजनक

काठमांडो, 15 नवंबर (एजेंसियां)। नेपाल में बीते दिनों राजनीतिक हिंसा की कई घटनाएं होने से आम चुनाव से ठीक पहले चिंता का माहौल बन गया है। सोमवार रात ऐसी ही एक घटना हुई, जिसमें प्रमुख विपक्षी दल-कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ नेपाल (यूएमएल) के नेता हरि काफ्ले घायल हो गए।

पालुंगतार नगरपालिका में उन पर होटल में घुस कर हमला किया गया। काफ्ले वहां अपनी पार्टी के उम्मीदवार के पक्ष में प्रचार करने गए थे। उनके सिर पर गहरी चोट आई है। इसके पहले रविवार को चितवन में राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी और सत्ताधारी गठबंधन के समर्थकों के बीच हिंसक मुठभेड़ हुई थी। बताया जाता है कि झगड़े की शुरुआत सत्ताधारी गठबंधन के समर्थकों ने की।

सुप्रीम कोर्ट : संसद के भीतर आपराधिक केस में किसी सांसद या विधायक को छूट मिले या नहीं, एमिकस क्यूरी नियुक्त

नई दिल्ली, 15 नवंबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को वरिष्ठ अधिवक्ता पीएस पटवालिया को एमिकस क्यूरी के रूप में नियुक्त किया। एमिकस क्यूरी यह जांचने में सहायता करेगा कि क्या कोई सांसद या विधायक विधानसभा या संसद में भाषण देने या मतदान करने के लिए रिश्वत लेने के आपराधिक मुकदमे से छूट का दावा कर सकता है। न्यायमूर्ति एस ए नजीर की अध्यक्षता वाली पांच-न्यायाधीशों की संविधान पीठ ने अधिवक्ता गौरव अग्रवाल से भी इस मामले में पटवालिया की सहायता करने को कहा। बेंच ने कहा कि वह 6 दिसंबर, 2022 को इस मुद्दे पर सुनवाई करेगी।

झामुमो रिश्वत कांड से जुड़ा मामला

2019 में तत्कालीन मुख्य न्यायाधीश रंजन गोगोई और जस्टिस एस अब्दुल नजीर और संजीव खन्ना की अध्यक्षता वाली एक पीठ ने पांच-न्यायाधीशों की बेंच को महत्वपूर्ण प्रश्न के रूप में संदर्भित किया था। तीन-न्यायाधीशों की पीठ ने तब कहा था कि वह झारखंड में जामा निर्वाचन क्षेत्र से झामुमो विधायक सीता सोरेन द्वारा दायर अपील पर झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) रिश्वत मामले में अपने 24 साल पुराने फैसले पर फिर से विचार करेगी। शीर्ष अदालत ने 1998 में पीवी नरसिम्हा राव बनाम सीबीआई मामले में दिए गए अपने पांच-न्यायाधीशों की संविधान पीठ के फैसले में कहा था कि सांसदों को सदन के अंदर दिए गए किसी भी भाषण और वोट के लिए आपराधिक मुकदमा चलाने के खिलाफ संविधान के तहत प्रतिरक्षा मिली थी।

उन्होंने 17 फरवरी, 2014 के झारखंड उच्च न्यायालय के आदेश के खिलाफ अपील की थी, जिसमें 2012 में हुए राज्यसभा चुनाव में एक विशेष उम्मीदवार को वोट देने के लिए रिश्वत लेने के लिए उनके खिलाफ दर्ज आपराधिक मामले को खारिज करने से इनकार कर दिया गया था। सीता सोरेन पूर्व केंद्रीय मंत्री और झारखंड के मुख्यमंत्री शिबू सोरेन की बहू हैं, जो झामुमो रिश्वत मामले में मुख्य आरोपी थे। शिबू सोरेन ने अपने चार-पार्टी सांसदों के साथ जुलाई 1993 में केंद्र में तत्कालीन पीवी नरसिम्हा राव सरकार के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव के खिलाफ वोट देने के लिए कथित तौर पर रिश्वत ली थी।

यूक्रेन में रूसी सैनिकों ने जू से चुराए जानवर

खेरसॉन, 15 नवंबर (एजेंसियां)। यूक्रेन के खेरसॉन से रूसी सैनिक वापस लौट रहे हैं। रूसी सैनिकों की वापसी के दौरान का एक वीडियो खूब वायरल हो रहा है। इस वीडियो में रूसी सैनिक एक स्थानीय जू से जानवरों को चुराते नजर आ रहे हैं। इन जानवरों में सात रैकून, दो फीमेल भेड़, मोर, लामा और गधा है। खेरसॉन जू से रूसी सैनिकों के जानवर चुराने की खबर द वॉशिंगटन पोस्ट में भी प्रकाशित हुई है।

रूसी सिपाहियों के चिड़ियाघरों से जानवरों को चुराते हुए कई वीडियो वायरल हुए हैं। ऐसी ही एक क्लिप में दिख रहा है कि एक रूसी सैनिक रैकून को पूंछ से पकड़कर पिंजरे में डाल रहा है। वहीं रैकून खुद को छुड़ाने के लिए संघर्ष करता नजर आ रहा है। इस वीडियो पर यूक्रेन के लोग सोशल मीडिया पर शेयर कर रहे हैं। साथ ही तरह-तरह की टिप्पणियां भी कर रहे हैं। जिस तरह से रैकून खुद को छुड़ाने की कोशिश कर रहा है, यूक्रेन के लोग इस रैकून को स्टार बता रहे हैं। इसी तरह का एक वीडियो यूक्रेन में आंतरिक मंत्रालय मामलों के मंत्री के सलाहकार एंटन गेराशेन्को ने शेयर किया है। इसमें रूसी सिपाही एक लामा को ट्रक में लामा को चढ़ाने की कोशिश करते नजर आ रहे हैं। इन वीडियोज को देखने के बाद इंटरनेट पर लोग रूसी सैनिकों का खूब

मजाक उड़ा रहे हैं। वहीं, यह भी दावा किया गया है कि सिर्फ जानवर ही नहीं, खेरसॉन से कई आर्टवर्क और अस्पतालों से मेडिकल इक्विपमेंट्स तक चुराए गए हैं।

साइकिल चोरों से परेशान अमेरिका का शहर

लोग जीपीएस लगवा रहे; चोरी की कंप्लेन से परेशान कई पुलिस वालों ने छोड़ी नौकरी

वॉशिंगटन, 15 नवंबर (एजेंसियां)। कनाडा की सीमा के पास 45 हजार की आबादी वाला अमेरिका का एक शहर साइकिल चोरों से परेशान है। पिछले कुछ महीनों से साइकिल चोरी की घटनाएं यहां रोज की ही बात हैं। घरों, गैराज, बाजार हर कहीं से साइकिलें हों चोरी हो रही हैं। कई साइकिलें तो 6-6 बार तक चोरी हुई हैं। यूनिवर्सिटी ऑफ वरमाउंट ने अपने छात्रों को साइकिल चोरी से सावधान रहने को कहा है।

साइकिलों में लगाए जा रहे हैं जीपीएस ट्रैकर

विश्वविद्यालय के छात्रों की जून से अब तक 220 साइकिलें चोरी हुई हैं, जिनकी कीमत करीब ढाई करोड़ रुपए है। चोर को पकड़ने के लिए शहर के लोगों ने अपनी साइकिलों में जीपीएस ट्रैकर लगवा लिए हैं और घरों में सीसीटीवी कैमरे।

चोरी से परेशान पुलिसवालों ने छोड़ी नौकरी

साइकिल चोरी की वारदातें इतनी ज्यादा हैं कि पुलिस वाले भी तंग आ चुके हैं। वे अपना ट्रांसफर दूसरे विभागों में करवा रहे हैं। कुछ ने तो नौकरी ही छोड़ दी। दूसरे विभागों से पुलिसकर्मी यहां आने को तैयार नहीं हैं। जब पुलिस साइकिल चोरी की घटनाओं का खुलासा नहीं कर सकी तो शहर के लोगों ने अपने स्तर पर चोरों को पकड़ने और साइकिल बरामद करने के लिए फेसबुक ग्रुप बना लिए। शहर की 4% आबादी इस फेसबुक ग्रुप से जुड़ी हुई है। शहर की पूर्व मेयर जूली विलियम्स बेट्टी साइकिल कंपनी चलाती हैं। वे बताती हैं कि उनके पास साइकिल चोरी होने के रोज 5-6 फोन आते हैं। वे खुद सोशल मीडिया ग्रुप से जुड़ गई हैं।

अमेरिका और चीन के टकराव में पिस रहा है पाकिस्तान

संतुलन बनाना हो रहा है मुश्किल

इस्लामाबाद, 15 नवंबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान के लिए अमेरिका और चीन के बीच संतुलन बना कर चलना लगातार ज्यादा मुश्किल होता जा रहा है। अमेरिका और चीन में बढ़ते तनाव के बीच पाकिस्तान सरकार को अस्पष्ट नीति अपनानी पड़ रही है। शहबाज शरीफ सरकार इन दोनों में से किसी देश को नाराज करने की स्थिति में खुद को नहीं पा रही है।

विश्लेषकों के मुताबिक पाकिस्तान की सबसे बड़ी मुश्किल कर्ज चुकाने में बढ़ रही चुनौती है। उस पर चीन और व्यापारिक बैंकों- दोनों का कर्ज बढ़ता जा रहा है। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने पिछले साल एक रिपोर्ट में बताया था कि पाकिस्तान सरकार पर 25.7 बिलियन डॉलर का चीन का ऋण है। यह उस पर मौजूद कुल विदेशी कर्ज का 27.4 फीसदी था। तब उस पर 90 बिलियन डॉलर कर्ज था। अब कुल मिला कर पाकिस्तान पर विदेशी कर्ज 130 बिलियन डॉलर हो चुका है। प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ की हाल की बीजिंग यात्रा के दौरान चीन ने पाकिस्तान को इस वर्ष नौ बिलियन डॉलर की और वित्तीय सहायता देने का आश्वासन दिया। इससे पाकिस्तान को ऋण चुकाने में फौरी मदद मिलेगी। लेकिन साथ ही चीनी कर्ज का बोझ और बढ़ जाएगा। ऐसे में पाकिस्तान चीन को नाराज करने की स्थिति में बिल्कुल ही नहीं है। पाकिस्तान के भंडार में फिलहाल सिर्फ दो महीने के आयात का बिल चुकाने लायक विदेशी मुद्रा है। इसके अलावा अगले वित्त वर्ष में उस पर 24 बिलियन डॉलर कर्ज चुकाने पर खर्च करने होंगे।

शहबाज शरीफ सरकार बनने के बाद अमेरिका से पाकिस्तान के रिश्ते सुधरे हैं। उस वजह से उसे फाइनेंशियल एक्शन टास्क फोर्स (एफएटीएफ) के शिकंजे से मुक्ति मिली है। साथ ही उसके साथ अमेरिका ने रक्षा क्षेत्र में सहयोग भी शुरू किया है। इससे पाकिस्तान के कूटनीतिक हलकों में ये उम्मीद जगी है कि अमेरिकी सहायता का पुराना दौर लौट सकता है, जब अमेरिका खुले हाथ से पाकिस्तान को मदद देता था। लेकिन विश्लेषकों के मुताबिक इसमें सबसे बड़ी रुकावट गुजरे वर्षों में चीन की पाकिस्तान में बनी पैठ है। विश्लेषकों के मुताबिक अभी तक अमेरिका ने पाकिस्तान पर दोनों में से किसी पक्ष को चुनने का दबाव नहीं डाला है। लेकिन निकट भविष्य में ये स्थिति बदल सकती है। अमेरिका पाकिस्तान और चीन के बीच गहराते रिश्तों पर कई बार चिंता जता चुका है। अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकेन के वरिष्ठ सलाहकार डेरेक चॉलेट ने पिछले महीने पाकिस्तान के अखबार द डॉन को दिए एक इंटरव्यू में कहा था- 'चीन ऐसी भूमिका निभा रहा है, जो कई अर्थों में दक्षिण एशिया, पूर्व एशिया, दक्षिण-पूर्व एशिया और पूरी दुनिया के हित में नहीं है।'

फिलहाल, पाकिस्तानी नेतृत्व को उम्मीद है कि अमेरिका की ये राय उसके लिए मुसीबत खड़ी नहीं करेगी। पाकिस्तान के सीनेटर मुशाहिद हुसैन ने वेबसाइट द क्रैडल.को से कहा कि चीन और अमेरिका दोनों को पाकिस्तान से संबंध रखने में फायदा है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान के सामने इन दोनों देशों से रिश्ते में संतुलन बनाने की चुनौती 1960 के दशक में भी पेश आई थी।

यूएस सैनिक ने गोद ली बेटी

अब आए अफगानी रिश्तेदार, 40 दिन से 3.5 साल की होने तक 4 केस में उलझी बच्ची

नई दिल्ली, 15 नवंबर (एजेंसियां)। तीन साल पहले की बात है। रात के करीब 10 बज रहे थे, अफगानिस्तान में लड़ाकुओं के खिलाफ अमेरिकी मरीन का दस्ता कार्रवाई करने को तैयार था। इस दौरान पहाड़ी क्षेत्र में विदेशी लड़ाकुओं के ऊपर बमबारी की गई। वे लड़ाकू ऐसे क्षेत्र में छिपे हुए थे जहां कुछ कच्चे घर भी बने थे। बमबारी में वे घर पूरी तरह नेस्तनाबूद हो गए। मरीन दस्ते के अमेरिकी सैनिक जब उस क्षेत्र में नीचे उतरे तो उन्हें अकस्मात ही महज 40 दिन की बच्ची तड़पते हुए दिखाई पड़ी। बच्ची के सिर और एक टांग पर गहरी चोट के निशान थे।

एक अमेरिकी सैनिक जोशुआ मस्ट ने उसे उठाया और उसके संबंधियों को आस-पास ढूंढ़ने की कोशिश की। लेकिन, उसके सभी संबंधी संभवतः इस दुनिया से चल बसे थे। सैनिक ने उसकी हालत को देखते हुए अफगानिस्तान में मौजूद अमेरिकी सैनिक हॉस्पिटल में उसे भर्ती करा दिया।

इस दौरान सैनिक ने सभी नियमों का पालन करते हुए सभी कागजी कार्यवाही पूरी की। इस दौरान बच्ची का नाम बेबी 'एल' रख दिया गया। बच्ची के शुरुआती टेस्ट में पाया गया कि उसके सिर और पैर में फ्रैक्चर हैं। अस्पताल में इलाज हुआ और बच्ची ठीक हो गई। जोशुआ मस्ट का उस बच्ची के प्रति भावनात्मक जुड़ाव होता गया और उन्होंने उसे गोद लेने का फैसला किया। इस सिलसिले में उन्होंने व्हाइट हाउस में भी गुहार लगाई। बच्ची को अमेरिकी सैनिक जोशुआ मस्त और उनकी पत्नी स्टेफनी को अभिभावक के तौर पर सौंप दिया गया। अब साढ़े तीन साल की यह छोटी बच्ची कम से कम चार अदालती मुकदमों की उलझन में फंसी हुई है।

हाल ही में शरणार्थी के रूप में अमेरिका पहुंचे एक अफगान दंपती ने अमेरिकी मरीन और उसकी पत्नी के खिलाफ संघीय अदालत में कथित तौर पर अपनी बच्ची का अपहरण करने का मुकदमा दायर किया है। अफगान दंपती कहते हैं कि उन्हें पता नहीं था कि अमेरिकी अदालतों में क्या हो रहा था। जब वे बच्ची से मिले तो खुशी के आंसू छलक आए।

800 करोड़ लोगों में सिर्फ 45 के पास है गोल्डन-ब्लड

एक बूंद खून की कीमत सोने से ज्यादा, क्यों दुर्लभ है ये ब्लड-ग्रुप?

एक्सक्लूसिव डेस्क, 15 नवंबर। दुनिया भर में इंसानों की आबादी 800 करोड़ है। आमतौर पर ज्यादातर इंसानों के शरीर में 8 तरह के ब्लड ग्रुप्स पाए जाते हैं- ए+, ए-, बी+, बी-, ओ+, ओ-, एबी+, एबी-, लेकिन एक ऐसे ब्लड ग्रुप के बारे में पता चला है, जो दुनिया के सिर्फ 45 लोगों के शरीर में है। इस ब्लड ग्रुप का नाम है- **'गोल्डन ब्लड'**।

क्या आपने भी पहली बार इस ब्लड ग्रुप का नाम सुना है? अगर 'हां' तो 7 सवालों के जरिए इस ब्लड ग्रुप के बारे में सबकुछ जानिए।

सबसे पहले एक ग्राफिक्स में इंसानों के शरीर में पाए जाने वाले ब्लड ग्रुप्स के बारे में जानिए।

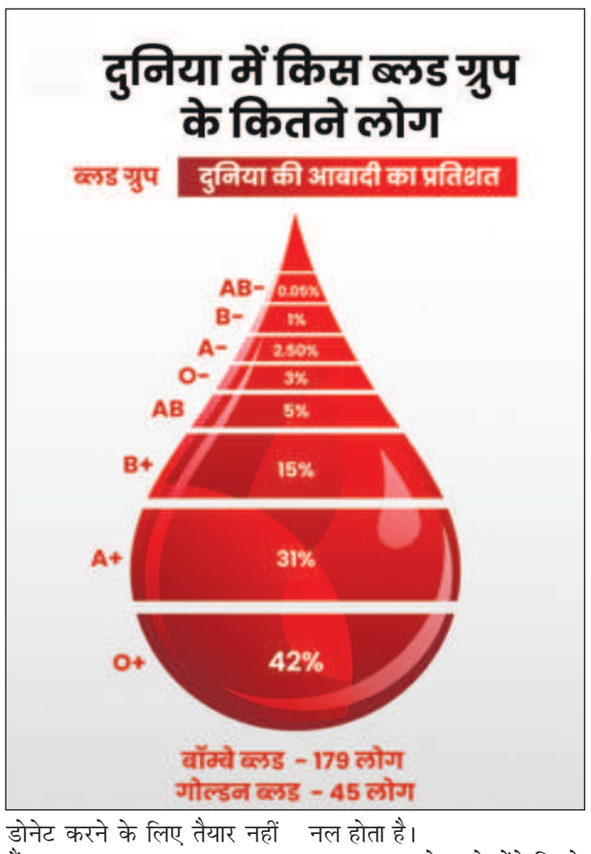

गोल्डन ब्लड ग्रुप क्या है?

गोल्डन ब्लड इंसानों के शरीर में पाए जाने वाला एक दुर्लभ यानी रेयर ब्लड ग्रुप है। इस ब्लड ग्रुप का दूसरा नाम आरएच नल है। दुनिया के महज 45 लोगों के शरीर में पाए जाने वाला यह खून किसी भी ब्लड ग्रुप वाले इंसानों के शरीर में चढ़ाया जा सकता है। इस ग्रुप का खून काफी कम लोगों में पाया जाता है, इसीलिए इस बल्ड ग्रुप को रेयर यानी दुर्लभ माना गया है।

आरएच नल को गोल्डन ब्लड ग्रुप क्यों कहा जाता है?

भले ही दुनिया के 45 लोगों के शरीर में ये ब्लड ग्रुप मिला हो, लेकिन इसके डोनर अब भी दुनिया में सिर्फ 9 लोग हैं। मतलब ये हुआ कि गोल्डन ब्लड ग्रुप वाले 36 लोग ऐसे हैं जो या तो इस स्थिति में नहीं हैं कि वे अपना ब्लड डोनेट कर सकें, या फिर वे स्वेच्छा से अपना ब्लड डोनेट करने के लिए तैयार नहीं हैं।

ऐसे में इस ब्लड ग्रुप के एक बूंद खून की कीमत एक ग्राम सोने से भी ज्यादा है। इसी वजह से इसे गोल्डन ब्लड ग्रुप का नाम दिया गया है।

गोल्डन ब्लड को आरएच नल क्यों कहा जाता है?

गोल्डन ब्लड को आरएच नल इसलिए कहा जाता है क्योंकि ये खून उसी शख्स के शरीर में पाया जाता है, जिनका आरएच फैक्टर नल होता है।

अब आप सोच रहे होंगे कि ये आरएच फैक्टर और नल क्या होता है? दरअसल, हमारे शरीर में खून 3 तरह के सेल से मिलकर बनता है- 1. रेड ब्लड सेल 2. व्हाइट ब्लड सेल 3. प्लेटलेट्स।

हमारे शरीर का ब्लड ग्रुप कौन सा है, ये दो चीजों के आधार पर पता चलता है

1.एंटीबॉडी: व्हाइट ब्लड सेल में मौजूद प्रोटीन को कहते हैं।

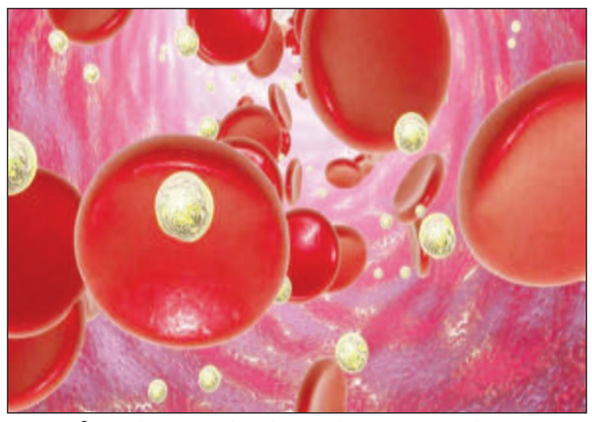

2. एंटीजन: रेड ब्लड सेल में मौजूद प्रोटीन को कहते हैं।

आरएच रेड ब्लड सेल्स की सतह पर मौजूद एक प्रोटीन होता है। आम इंसान के शरीर में ये आरएच या तो पॉजिटिव होता है या तो नेगेटिव। लेकिन, जिस इंसान की बॉडी में गोल्डन ब्लड होता है, उसकी बॉडी का आरएच न तो पॉजिटिव होता है और न ही नेगेटिव होता है। मतलब ये कि इनके शरीर में आरएच फैक्टर नल होता है।

कुछ ही लोगों के शरीर में गोल्डन ब्लड क्यों पाया जाता है?

गोल्डन ब्लड ग्रुप जेनेटिक म्युटेशन की वजह से होता है। आमतौर पर ऐसे लोगों के शरीर में आरएचएजी जीन के म्युटेशन की वजह से होता है। किसी इंसान के शरीर में इस बल्ड ग्रुप्स के पाए जाने की मुख्यतौर पर दो वजह सामने आई हैं।

जेनेटिक म्युटेशन की वजह से ये एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी के लोगों में ट्रांसफर होता है।

नेशनल लाइब्रेरी ऑफ मेडिसीन वेबसाइट के मुताबिक चचेरे भाई, भाई-बहन, या किसी निकट या दूर के रिश्तेदार के बीच शादी होने की वजह से भी उनके बच्चों में गोल्डन ब्लड पाए जाने की संभावना होती है।

पहली बार गोल्डन ब्लड कहां देखा गया था?

नेशनल लाइब्रेरी ऑफ मेडिसिन वेबसाइट के मुताबिक 1961 में पहली बार ऑस्ट्रेलियाई की एक आदिवासी महिला के शरीर में ये ब्लड ग्रुप पाया गया था।

इसके बाद ऑस्ट्रेलिया के किंग एडवर्ड मेमोरियल अस्पताल के डॉक्टर जीएच वोज और उनके साथियों ने इसके बारे में डिटेल रिपोर्ट तैयार किया था।

इस रिपोर्ट को इसी साल पाकिस्तान मेडिकल एसोसिएशन की पत्रिका में पब्लिश किया गया था। इससे पहले डॉक्टरों का मानना था कि आरएच एंटीजन के बिना बच्चे जिंदा नहीं पैदा हो सकते हैं।

गोल्डन ब्लड ग्रुप वालों के लिए क्या कोई खतरा होता है?

गोल्डन ब्लड ग्रुप वाले इंसानों के शरीर में हीमोग्लोबिन की कमी होती है। इसकी वजह से शरीर में पीलापन और रेड ब्लड सेल्स कम होने का खतरा बना रहता है। इस ब्लड ग्रुप वाले ज्यादातर लोग एनीमिया बीमारी के शिकार पाए गए हैं। एक्सपर्ट का मानना है कि अगर मां और गर्भ में पल रहे बच्चे दोनों के शरीर में गोल्डन ब्लड हो तो गर्भपात की संभावना बढ़ जाती है। इस तरह के लोगों के किडनी फेल्योर होने की संभावना भी ज्यादा होती है।

क्या गोल्डन ब्लड ग्रुप की तरह कोई और दुर्लभ ब्लड ग्रुप है?

हां, गोल्डन ब्लड ग्रुप की तरह ही एक और दुर्लभ ब्लड ग्रुप है, जिसका नाम- बॉम्बे ब्लड ग्रुप है। गंगाराम अस्पताल के ब्लड बैंक इंचार्ज डॉ. विवेक रंजन के मुताबिक, हमारे खून में मौजूद लाल रक्त कणिकाओं में कुछ शुगर मॉलिक्यूल्स होते हैं, जो ये निर्धारित करते हैं कि किस व्यक्ति का ब्लड ग्रुप क्या होगा। बॉम्बे ब्लड ग्रुप के लोगों में शुगर मॉलिक्यूल्स नहीं बन पाते हैं, इसलिए इनमें कैपिटल एच एंटीजन नहीं होता और वो किसी भी ब्लड ग्रुप में नहीं आते हैं।

इस ब्लड ग्रुप के बारे में संकल्प इंडिया फाउंडेशन में बॉम्बे ब्लड ग्रुप की इंचार्ज कुमारी अंकिता बताती हैं कि भारत में 10 हजार लोगों में एक व्यक्ति इस ब्लड ग्रुप का पाया जाता है। ऐसे में यह काफी दुर्लभ ब्लड ग्रुप माना जाता है।

राष्ट्रपति ने उलिहातू में धरती आबा बिरसा मुंडा को किया नमन

झारखंड वासियों को दी स्थापना दिवस की शुभकामना

रांची, 15 नवंबर (एजेंसियां)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू झारखंड पहुंच चुकी हैं। राष्ट्रपति वायुसेना के विशेष विमान से राजधानी रांची स्थित बिरसा मुंडा अंतरर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उतरीं। यहां गार्ड ऑफ ऑनर लेने के पश्चात धरती आबा बिरसा मुंडा के पैतृक गांव उलिहातू गईं। राष्ट्रपति ने झारखंड के लोगों को राज्य स्थापना दिवस की बधाई दी। राष्ट्रपति ने ऑफिशियल ट्विटर हैंडल पर लिखा कि जोहार झारखंड! राज्य स्थापना दिवस पर मैं झारखंड के सभी निवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं देती हूं! मैं चाहती हूं कि झारखंड के लोग अपनी संस्कृति, परम्पराओं और रीति-रिवाजों को संजोते हुए पर्यावरण अनुकूल विकास के नए आयाम स्थापित करें।

इस मौके पर राष्ट्रपति ने देशवासियों को जनजातीय गौरव दिवस की भी बधाई दी। राष्ट्रपति ने कहा कि जनजातीय गौरव दिवस पर सभी देशवासियों, विशेषकर जनजातीय समाज के भाइयों और बहनों को मैं बधाई देती हूं! जनजातीय समुदायों ने अपनी कला, शिल्प और कठिन परिश्रम से राष्ट्र के जीवन को समृद्ध किया है। उनकी जीवनशैली, विश्व समुदाय को प्रकृति के संवर्धन की शिक्षा प्रदान करती है।

राष्ट्रपति ने कहा कि जनजातीय समुदायों ने स्वाधीनता संग्राम में महान योगदान दिया। मैं सभी ज्ञात-अज्ञात जनजातीय स्वतंत्रता सेनानियों, वीरों-वीरांगनाओं को नमन करती हूं। आजादी के बाद से देश की विकास-यात्रा में जनजातीय लोगों का योगदान अत्यंत महत्वपूर्ण है। उनके विकास और समृद्धि के लिए मेरी शुभकामनाएं! गौरतलब है कि स्वतंत्रता सेनानी और उलगुलान के नायक धरती आबा बिरसा मुंडा का जन्म 15 नवंबर 1875 को झारखंड के खूंटी जिला स्थित उलिहातू गांव में हुआ था। 15 नवंबर 2000 को झारखंड का अलग राज्य के रूप में गठन हुआ। इस दिन को बिरसा मुंडा की जयंती के साथ-साथ झारखंड राज्य स्थापना दिवस के तौर पर भी मनाया जाता है।

झारखंड के 22वें स्थापना दिवस समारोह में नहीं पहुंचे राज्यपाल रमेश बैस

इन 2 वजहों से बनाई मंच से दूरी

रांची, 15 नवंबर (एजेंसियां)। झारखंड में जारी सियासी घमासान का असर राज्य के 22वें स्थापना दिवस समारोह में भी दिखा। राज्यपाल रमेश बैस को इस समारोह में बतौर मुख्य अतिथि शामिल होना था लेकिन वे नहीं पहुंचे। झारखंड गठन के 22 साल के इतिहास में पहली बार है जब किसी राज्यपाल ने राजकीय समारोह से दूरी बनाई है। उनकी जगह झामुमो सुप्रीमो और राज्यसभा सांसद शिबू सोरेन को मुख्य अतिथि बनाया गया।

हालांकि, मोरहाबादी मैदान में आयोजित स्थापना दिवस समारोह में राज्यपाल के शिरकत करने को लेकर पहले से ही संशय था। कहा जा रहा है कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से जुड़े खनन पट्टा लीज को लेकर ऑफिस ऑफ प्रॉफिट मामले में चुनाव आयोग की चिट्ठी और मनी लाउंड्रिंग तथा अवैध खनन केस में ईडी का समन दो प्रमुख कारण है जिसकी वजह से राज्यपाल ने मंच से दूरी बनाई।

उलिहातू में एक मंच पर दिखे थे सीएम-राज्यपाल

दिलचस्प बात ये भी है कि आज ही सुबह धरती आबा बिरसा मुंडा के पैतृक गांव उलिहातू में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और राज्यपाल रमेश बैस ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के साथ मंच साझा किया था। रांची एयरपोर्ट पर राष्ट्रपति का स्वागत करने भी दोनों पहुंचे थे। कहा जा रहा है कि चूंकि वो राष्ट्रपति का कार्यक्रम था और वहां राज्यपाल और सीएम की एक साथ मौजूदगी हैरानी की बात नहीं है लेकिन राजकीय समारोह में राज्यपाल का शामिल नहीं होना जरूर बड़ी बात है और इस पर सियासी गलियारों में चर्चा भी हो रही है।

चुनाव आयोग की चिट्ठी को लेकर भी है टकराव

गौरतलब है कि फिलहाल झारखंड में सियासी हलचल तेज है। चुनाव आयोग की चिट्ठी को लेकर सरकार और राज्यपाल के बीच टकराव की स्थिति भी उत्पन्न हो चुकी है। सरकार ने जहां राज्यपाल पर केंद्र सरकार के इशारे पर काम करने का आरोप लगाया है तो वहीं राज्यपाल ने रायपुर में एटम बम वाला बयान देकर बवाल खड़ा कर दिया था। इस बीच मुख्यमंत्री को ईडी ने समन किया। उनको 17 नवंबर को ईडी ऑफिस में हाजिर होना है। कयास लगाए जा रहे हैं कि मुख्यमंत्री को ईडी का समन ही वो मुख्य वजह है जिसकी वजह से राज्यपाल ने समारोह से दूरी बनाई है।

मंच पर राज्यपाल की गैर-मौजूदगी की चर्चा है

मोरहाबादी में आयोजित कार्यक्रम की बात करें तो मंच पर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के अलावा, झामुमो सुप्रीमो शिबू सोरेन, झारखंड कांग्रेस प्रभारी अविनाश पांडेय, मुख्यमंत्री की पत्नी कल्पना सोरेन, श्रम मंत्री सत्यानंद भोक्ता, ग्रामीण विकास मंत्री आलमगीर आलम, राज्यसभा सांसद महुआ माजी सहित कई अन्य गणमान्य लोग मौजूद रहे। हालांकि चर्चा राज्यपाल की गैर-मौजूदगी की रही।

भाजपा से ब्रह्मानंद नेताम उम्मीदवार, मनोज मंडावी को हराकर बन चुके हैं विधायक

रायपुर/कांकेर, 15 नवंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में कांकेर के भानुप्रतापपुर उपचुनाव के लिए भाजपा ने अपने प्रत्याशी के नाम की घोषणा कर दी है। भाजपा की केंद्रीय चुनाव समिति ने ब्रह्मानंद नेताम को उम्मीदवार बनाया है। नेताम साल 2008 में भी भानुप्रतापपुर से विधायक रह चुके हैं। उन्होंने दिवंगत नेता मनोज मंडावी को ही चुनाव हराया था।

ब्रह्मानंद नेताम की आदिवासियों में अच्छी पकड़ मानी जाती है। इस बार भाजपा आदिवासी आरक्षण के मुद्दे के साथ चुनाव मैदान में उतरी है। ऐसे में भाजपा को फायदा मिलने की उम्मीद है। पार्टी को प्रत्याशी के तौर पर 17 प्रस्तावित नाम मिले थे। इनमें से नेताम सहित पांच नामों का पैनल फाइनल कर केंद्रीय समिति को भेजा गया था। वहीं कांग्रेस की ओर से तीन नामों का पैनल पार्टी की केंद्रीय चुनाव समिति को भेजा गया है। हाईकमान की मुहर लगते ही एक-दो दिन में प्रत्याशी के नाम का ऐलान होगा। जिन नामों का पैनल प्रदेश कांग्रेस चुनाव समिति ने भेजा है, उनमें बीरेश ठाकुर और दिवंगत विधायक मनोज मंडावी की पत्नी सावित्री मंडावी का दावा मजबूत है। हालांकि सावित्री मंडावी का नाम लगभग तय माना जा रहा है। भानुप्रतापपुर से कांग्रेस विधायक और विधानसभा उपाध्यक्ष रहे मनोज मंडावी का 16 अक्तूबर की सुबह दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया था।

सीएम भूपेश ने हर्ष की मदद के लिए बढ़ाए हाथ

रायपुर के सरकारी अस्पताल में कराया भर्ती, हर्ष के लाचार माता-पिता

रायपुर, 15 नवंबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने मासूम हर्ष के इलाज के लिए हर मुमकिन मदद का ऐलान किया है। सीएम ने इसके लिए कलेक्टर को निर्देश जारी कर दिए हैं। हर्ष को रायपुर के सरकारी मॉडल अस्पताल में भर्ती किया गया है। 13 महीने का हर्ष इलाज के अभाव में परिजनों के साथ रायपुर एम्स के बाहर फुटपाथ पर रहने को मजबूर है। कवर्धा से आए 13 महीने के बच्चे को पांच महीने से मां फुटपंप से सांसें दे रही थी। बच्चे को ब्रेन ट्यूमर है और वो नाक से सांस नहीं ले सकता। अब कैंसर ने इसे घेर रखा है।

इलाज के लिए माता-पिता ने घर और जमीन बेच दी और अब एम्स के बाहर ही फुटपाथ पर रहकर बच्चे का इलाज करा रहे हैं। जिसके बाद जिम्मेदारों तक बात पहुंची। अब प्रदेश के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने इस मामले में मदद के निर्देश दिए हैं।

राज्य शासन की तरफ से आधिकारिक तौर पर जानकारी देते हुए बताया गया कि हर्ष और उसके परिवार को हर सम्भव सहायता के प्रयास किए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के निर्देश पर ब्रेन ट्यूमर के ऑपरेशन के बाद कीमोथेरेपी के लिए हर्ष को ज़िला प्रशासन की ओर से हर सम्भव मदद दी जाएगी। मीडिया के जरिए हर्ष की बीमारी और उसके माता-पिता की बदहाल स्थिति की जानकारी मिलते ही

मुख्यमंत्री ने कलेक्टर डॉ सर्वेश्वर को निर्देशित किया।

इसके बाद कलेक्टर ने सीएमएचओ डॉ मिथिलेश चौधरी और नगर निगम आयुक्त मयंक चतुर्वेदी को परिजनों से मिलने भेजा। दोनों अधिकारियों ने हर्ष के पिता बालकराम डहरे से पूरे मामले की जानकारी ली और कलेक्टर को पूरी जानकारी दी। इसके बाद कलेक्टर ने तत्काल हर्ष और उसके माता-पिता को हर सम्भव मदद देने के निर्देश अधिकारियों को दिए हैं। अब उनके रहने का उचित इंतजाम किए जा रहे हैं।

बच्चे के अभिभावक एम्स के इलाज से संतुष्ट हैं। बच्चा जल्द ठीक हो सके इसके लिए एम्स के चिकित्सक काम कर रहे हैं। अभिभावकों की आर्थिक स्थिति ठीक न होने की वजह से उन्हें कई चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है । इस संबंध में एम्स द्वारा राज्य सरकार और जनप्रतिनिधियों के साथ ही अन्य स्त्रोतों से उन्हें सहायता प्रदान करने के विकल्पों पर कार्य किया जा रहा है।

13 महीने का हर्ष अपनी बीमारियों की वजह से सांस नहीं ले पाता। गले में सर्जिकल छेद से उसे ऑक्सीजन मां फुटपंप से देती है। ऐसी मेडिकल कंडीशन के लिए कुछ खास मशीनें आती हैं जो डहरे परिवार खरीद नहीं सकता। इसलिए हवा भरने वाले पंप से बच्चे को मां सांसें देती है। पाइप जब गले के भीतर जाता है नन्हा हर्ष रोने लगता है उसका हाल देख मां भी रोती है। मगर उन्हीं आंसूओं को हौसला बनाकर कोशिश करती है बच्चे को जिंदगी दे सके।

हर्ष के पिता बालकदास ने बताया कि शुरुआत में सब कुछ ठीक था मगर जैसे-जैसे बच्चे के शरीर का विकास होने लगा दिक्कत आई। उसकी बॉडी का आधा भाग काम करना बंद कर चुका था। उसे देखने में परेशानी आ रही थी । सांस लेने में परेशानी हो रही थी । प्राइवेट अस्पतालों में इलाज भी करवाया महंगे इलाज और आर्थिक परेशानी ने अब इन्हें फुटपाथ पर ला पटका है, गुरुद्वारे का लंगर कभी मिला तो मिला वरना भूखे पेट सोने की नौबत आती है। कवर्धा के ठकुराइन टोला गांव में बच्चे के पिता का घर और खेत थे। इलाज के लिए यह सब बेचना पड़ा। कुछ पैसे थे तो किराए का मकान लेकर प्राइवेट अस्पतालों में बच्चे का इलाज कराया, जो अब खत्म हो चुका है। किसी ने रायपुर एम्स आकर बच्चे का इलाज कराने की सलाह दी।

एम्स में बच्चे का इलाज तो मुफ्त हो रहा है, मगर उसकी दवाओं के लिए पैसे और रहने के लिए जगह नहीं है। बालक दास को सरकार और समाज के लोगों से मदद की आस है। परिवार बाहर चाय का ठेला लगाकर बच्चे के लिए रोजी कमा रहा है।

आदिवासी आरक्षण में कटौती का विरोध

आदिवासियों ने रायपुर-जबलपुर हाईवे किया जाम, राज्य सरकार के खिलाफ नारेबाजी

कवर्धा/जांजगीर-चांपा, 15 नवंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में आदिवासी आरक्षण में कटौती से नाराज सर्व आदिवासी समाज मंगलवार को सड़क पर उतर आया। पूरे प्रदेश में आदिवासी प्रदर्शन कर रहे हैं। कवर्धा (कबीरधाम) और जांजगीर-चांपा में आदिवासियों ने रायपुर-जबलपुर नेशनल हाईवे (एनएच-49) जाम कर दिया है। इसके चलते दोनों ओर से वाहनों की लंबी लाइन लग गई है। लोग घंटों से जाम में परेशान हैं। आदिवासियों का यह जाम शाम 4 बजे तक चलेगा। चेतावनी दी है कि मांग पूरी नहीं होने तक आंदोलन जारी रहेगा।

जगह-जगह सड़क पर टेंट लगाकर बैठे

सर्व आदिवासी समाज आरक्षण

में कटौती के बाद से ही आंदोलनरत है। इसी के तहत मंगलवार सुबह 11 बजे से प्रदेश भर में धरना-प्रदर्शन किया जा रहा है। कवर्धा के ट्रांसपोर्ट नगर चौराहे पर रायपुर-जबलपुर हाईवे जाम है। हजारों की संख्या में आदिवासी टेंट लगाकर सड़क पर बैठे हुए हैं। वहीं जांजगीर-चांपा में के अमरताल गांव के पास भी आदिवासियों ने एनएच-49 पर जाम लगा रखा है। हनुमान मंदिर नहर के पास विशाल जनसभा की जा रही है। इसके चलते बिलासपुर-अकलतरा-जांजगीर मार्ग भी बाधित है।

आरक्षण पर राज्य सरकार नींद में

प्रदर्शनकारियों को समाज के नेताओं ने संबोधित करते हुए कहा कि, अनुसूचित जनजाति वर्ग के लिए पूर्ववर्ती सरकार ने साल 2012 में अध्यादेश लाकर 32% आरक्षण लागू किया था, जिसे घटाकर 20% किया गया है। आरक्षण को लेकर वर्तमान सरकार गहरी नींद में सोई है। आदिवासी समाज सरकार और प्रशासन को जगाने के लिए प्रदर्शन कर रहा है। हम हमारे हक की लड़ाई लड़ रहे हैं। जब तक हमारा हिस्सा नहीं मिलेगा, हमारा क्रमबद्ध आंदोलन राजधानी तक जारी रहेगा।

सर्व आदिवासी समाज के जिलाध्यक्ष प्रभाती मरकाम ने कहा कि, आदिवासियों को उनकी जनसंख्या के हिसाब से आरक्षण मिला हुआ था। उसे घटा दिया गया है। इसे हम संज्ञान में भी लेकर आए थे। इसके विरोध में हर जिले में नाकाबंदी कर रहे हैं। हमारी मांग है कि 32 फीसदी आरक्षण की बहाली हो।

अभी तो शांतिपूर्वक प्रदर्शन कर रहे हैं। अभी आर्थिक नाकेबंदी और चक्काजाम-प्रदर्शन किया जा रहा है। अगर मांगें पूरी नहीं हुईं तो आने वाले समय में जबरदस्त विरोध होगा।

चैम्फ के राष्ट्रीय चेयरमैन डॉ राजाराम त्रिपाठी को अवार्ड

नई दिल्ली, 15 नवंबर (एजेंसियां)। औषधीय तथा सुगंधित पौधों की खेती हेतु देश का पहला स्वामीनाथन 'इंडिया एग्रीबिजनेस अवार्ड्स-2022' भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) पूषा के शिंदे आगरा ऑडिटोरियम में भारतीय कृषि तथा खाद्य परिषद के तत्वावधान में आयोजित एक भव्य अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रम एग्रोवर्ल्ड -2022 में प्रदान किया गया। यह प्रतिष्ठित अवार्ड देश के कृषि राज्य मंत्री संजीव बालियान, डॉ. विलियम डार पू. कृषि-सचिव, फिलीपींस, के हाथों, डॉ.अशोक दलवई अध्यक्ष किसानों की आय दोगुनी करने हेतु गठित भारत सरकार की टास्क फोर्स, प्रोफेसर रमेश चांद सदस्य नीति आयोग, हरियाणा के कृषि मंत्री श्री दलाल, एम.मुथू अध्यक्ष

रोमन फोरम रोम इटली, डॉ एमजे ख़ान चेयरमैन इंडियन चेंबर ऑफ फूड एंड एग्रीकल्चर आदि की उपस्थिति में चैम्फ के राष्ट्रीय चेयरमैन डॉ राजाराम त्रिपाठी को प्रदान किया गया।

डॉ रमेश चंद सदस्य 'नीति आयोग' की अध्यक्षता में संपन्न 15 सदस्यीय उच्चाधिकार प्राप्त जूरी की बैठक की समाप्ति के उपरांत देश के प्रथम स्वामीनाथन इंडिया एग्रीबिजनेस अवार्ड्स 2022 के औषधीय तथा सुगंधित पौधों की कृषि तथा विकास की श्रेणी में में इस शीर्ष पुरस्कार हेतु सेंट्रल हर्बल एग्रो मार्केटिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया(चैम्फ) का चयन किया गया।

बीजेपी काट सकती है 100 दावेदारों के टिकट !

30 एमएलए के भी नाम ; गुजरात फॉर्मूला अपनाएगी पार्टी, नए चेहरों को मौका

जयपुर, 15 नवंबर (एजेंसियां)। देशभर की नजरें इन दिनों गुजरात चुनाव पर हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह का गृहक्षेत्र होने के कारण बीजेपी ने पूरा जोर गुजरात में लगा रखा है।

गुजरात में बीजेपी के प्रत्याशियों की लिस्ट सबसे ज्यादा चर्चा में है। गुजरात में पिछले चुनाव के मुकाबले बीजेपी ने 50 प्रतिशत चेहरों के टिकट काट दिए हैं। भारी एंटी इनकंबेंसी के बावजूद बीजेपी की इस स्ट्रेटेजी ने राजस्थान के लिए भी सियासी मैसेज दे दिया है।

राजस्थान में अगले साल विधानसभा चुनाव है। नेतृत्व और प्रत्याशियों को लेकर बीजेपी में अभी से लॉबिंग शुरू हो गई है। इसी बीच गुजरात में भारी संख्या में पुराने चेहरों के टिकट काटकर बीजेपी ने संगठन सर्वोपरि का मैसेज दिया है। इसके बाद राजस्थान बीजेपी के नेताओं में भी यह चर्चा छिड़ गई है। माना जा रहा है कि राजस्थान में भी अंदरूनी लड़ाई के बीच बीजेपी गुजरात फॉर्मूला अपना सकती है।

संगठन सर्वोपरि के 4 फॉर्मूले जो राजस्थान में कर सकते हैं बवाल

1. मौजूदा विधायकों सहित 100 पुराने प्रत्याशियों के टिकट कट सकते हैं।

राजस्थान में अगर यही फॉर्मूला लागू होता है तो कम से कम 100 नए चेहरों को 2023 में मौका मिल सकता है। वहीं, लगभग 25 से 30 सिटिंग विधायकों के टिकट भी कट सकते हैं। गुजरात में बीजेपी ने 99 में से 38 सिटिंग विधायकों के टिकट काटे हैं। बीजेपी के इस निर्णय के बाद गुजरात में अंदरखाने इसका विरोध भी देखने को मिला है।

टिकट तय करने से पहले कई नेताओं की ओर से पार्टी पर दबाव भी था। इसके बावजूद बीजेपी संगठन सबसे ऊपर के फॉर्मूले पर चली है। खबर में अभी और भी बहुत कुछ है, आगे बढ़ने से पहले नीचे दिए गए पोल में हिस्सा जरूर लीजिए।

2. सीनियर नेताओं के भी टिकट कट सकते हैं

गुजरात में बीजेपी ने पूर्व मुख्यमंत्री विजय रूपाणी, नितिन पटेल, सौरभ पटेल समेत छह बड़े नेताओं को मौका नहीं दिया। कहा गया कि उन्होंने चुनाव लड़ने से मना कर दिया था।

मगर सूत्रों का कहना है कि बीजेपी इन्हें टिकट नहीं देना चाहती थी। रूपाणी को सीएम पद से हटाने के बाद से यह चर्चा थी। ऐसे में राजस्थान में भी अगर यह फॉर्मूला लागू होता है तो कई सीनियर नेताओं के टिकट कट सकते हैं जो 5 से ज्यादा बार से विधायक हैं।

3. नया चेहरा भी बन सकता है सीएम

गुजरात में पहली बार विधायक बने भूपेंद्र पटेल को मुख्यमंत्री बना दिया गया। बीजेपी ने जब पटेल को चुना तो काफी सवाल खड़े हुए। उसके बाद से ही यह कहा जाने लगा कि सेंट्रल लीडरशिप बगैर किसी दबाव के अपने तरीके से निर्णय कर रही है।

राजस्थान में भी सीएम चेहरे को लेकर लड़ाई है। ऐसे में इस लड़ाई के बीच बीजेपी राजस्थान में भी कुछ ऐसा निर्णय कर सकती है, जो चौंकाने वाला हो।

4. एक भी मुस्लिम प्रत्याशी को नहीं मिलेगा टिकट

गुजरात में इस बार भी मुस्लिमों को टिकट नहीं दिया गया। लगातार बीजेपी इसी फॉर्मूले पर चलकर ही राज्यों में टिकट दे रही है। गुजरात में 30 सीटों पर मुस्लिमों का दबदबा है। इसके बावजूद विधानसभा चुनाव में एक भी टिकट नहीं दिया गया।

ऐसे में राजस्थान के इतिहास में पहली बार बीजेपी ऐसा कर सकती है कि एक भी मुस्लिम प्रत्याशी को टिकट न दे। 2018 में भी बीजेपी किसी मुस्लिम प्रत्याशी को टिकट नहीं देना चाहती थी। मगर तत्कालीन सीएम वसुंधरा राजे के दबाव के चलते टोंक से पूर्व मंत्री यूनुस खान को टिकट दिया था। खान को सचिन पायलट ने हराया था।

ये फॉर्मूले राजस्थान में खींचतान और बढ़ा सकते हैं

राजनीतिक जानकारों का मानना है कि अगर पार्टी अन्य राज्यों की तरह राजस्थान में भी इन्हीं फॉर्मूलों पर चलती है तो खींचतान बढ़ सकती है। राजस्थान में बीजेपी की स्थिति अन्य राज्यों की तुलना में अलग है।

गहलोत का खाचरियावास और दिव्या को जवाब

सीएम बोले- ब्यूरोक्रेसी कोई मनमानी नहीं करती, एक्शन हो सकता है

जयपुर, 15 नवंबर (एजेंसियां)। सीएम अशोक गहलोत ने खाद्य मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास और विधायक दिव्या मदेरणा के ब्यूरोक्रेसी को बेकाबू बताने और मनमर्जी करने के आरोपों पर 12 दिन बाद जवाब दिया है। गहलोत ने ब्यूरोक्रेसी के बचाव में उतरते हुए कहा- ब्यूरोक्रेसी कोई मनमानी नहीं करती है, ना कर सकती है। कौन करने देगा उनको मनमानी,उनके खिलाफ एक्शन हो सकता है।

ब्यूरोक्रेसी की लापरवाही से विद्या संबल योजना के तहत 93000 नौकरियों का प्रोसेस माध्यमिक शिक्षा निदेशक के आदेश से स्थगित होने पर गहलोत बोले- कई बार ऐसा हो सकता है कि कोई कमी रह जाए। मैं उनको भी कह सकता हूं।

कैल्कुलेशन में कहीं गड़बड़ हो गई है,तो ठीक हो जाएगी

विद्या संबल योजना में आरक्षण का प्रोविजन नहीं जोड़ने पर एससी-एसटी और बसपा के विरोध के चलते भर्ती प्रोसेस स्थगित करना पड़ा। इस पर गहलोत बोले- आरक्षण तो आजकल कानूनी प्रावधानहो गया है। अभी सुप्रीम कोर्ट ने और मोहर लगा दी है। आरक्षण की अगर कैल्कुलेशन में कहीं गड़बड़ हुई है, तो ठीक हो जाएगी। कोई दिक्कत नहीं है। लेकिन नौकरियां राजस्थान सरकार बड़े रूप में दे रही है। ये हमारा नीतिगत फैसला है कि नौकरियां मिलें। खाद्य मंत्री प्रतापसिंह खाचरियाचास ने राजस्थान में ब्यूरोक्रेसी के हावी होने को लेकर खुलकर नाराजगी जताई थी। खाचरियावास ने सीएम के प्रमुख सचिव कुलदीप रांका और खाद्य विभाग से ट्रांसफर किए गए सचिव को निशाने पर लेते हुए कार्रवाई की मांग उठाई थी। खाचरियावास ने सीएम गहलोत को चिट्ठी लिखकर नाराजगी जताई। उधर कांग्रेस विधायक दिव्या मदेरणा ने भी खाचरियावास की बात का समर्थन करते हुए ब्यूरोक्रेसी को निशाने पर लिया था।

प्रतापसिंह खाचरियावास ने कहा था कि- हमारा 46 हजार टन गेहूं लैप्स हो गया। यह महीने भर पहले की बात है। मैंने बैठक बुलाकर अफसरों को डांटा। मैंने सख्त आदेश दिए। जिस तरह आईएएस अफसर काम कर रहे हैं। वह सही नहीं है। जिन अफसरों ने जनता का गेहूं लैप्स करवा दिया, ऐसे अफसर के खिलाफ कार्रवाई के लिए मैंने सीएम को लिखा है। मैंने सीएम के प्रमुख सचिव कुलदीप रांका को फोन किया। सीएम के प्रमुख सचिव की जिम्मेदारी नहीं है क्या? यह सवाल बीजेपी-कांग्रेस का नहीं है।

सौम्या को फिर बर्खास्त कर सकती है सरकार

मेयर विवाद फिर से कोर्ट में जाने के आसार, 3 दिन में पेश करेंगी जवाब

जयपुर, 15 नवंबर (एजेंसियां)। हाईकोर्ट के आदेशों के बाद सौम्या गुर्जर को भले ही थोड़े दिन के लिए राहत मिल गई हो लेकिन सरकार उन्हें बर्खास्त करने के पूरे मूड में है। चुनावी प्रक्रिया बीच में रूकने के बाद सरकार की ओर से उन्हें बर्खास्तगी को लेकर नए सिरे से एक बार फिर से नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। सूत्रों के मुताबिक 18 तारीख तक जवाब मिलने के बाद सरकार उन्हें कभी भी बर्खास्त कर सकती है। सरकार के एक्शन के बाद सौम्या गुर्जर फिर से कोर्ट का दरवाजा खटखटाएगी। ऐसे में अब जयपुर ग्रेटर मेयर का विवाद अदालत में जाएगा। ये मामला सुलझने के बजाय आगे और पेचिदा होने के आसार बनते हुए दिख रहे हैं। सूत्रों के मुताबिक सौम्या के लिए इस नोटिस का जवाब कानून के विशेषज्ञों एक टीम बना रही है। इसमें उनके सीनियर एडवोकेट महेन्द्र साहरण भी मौजूद है। बताया जा रहा है कि सौम्या की तरफ से लिखित में ये जवाब 17 नवंबर तक

पेश किया जाएगा।

सौम्या गुर्जर ने हाईकोर्ट के आदेश के बाद 12 नवंबर को मेयर का पदभार संभाला था। पदभार संभालते ही पुलिस के एक कॉन्स्टेबल ने नगर निगम मुख्यालय पहुंचकर मेयर को कारण बताओ नोटिस तामील किया था। इस नोटिस का जवाब देने के लिए सौम्या को 18 नवंबर तक का समय दिया है। सूत्रों के मुताबिक इधर राज्य सरकार भी सौम्या के जवाब का कानून अध्ययन करवाकर ही आगे कोई फैसला लेगी।

विशेषज्ञों के मुताबिक राज्य सरकार अगर सौम्या के जवाब से संतुष्ट नहीं होती है तो सरकार मेयर को दोबारा मेयर पद और वार्ड 87 की सदस्यता से बर्खास्त कर सकती है। ऐसी स्थिति में राज्य निर्वाचन आयोग दोबारा उन वोटो की काउंटिंग शुरू करवाएगा, जो 10 नवंबर के दिन हाईकोर्ट के आदेश आने के बाद रुक गई थी। सरकार अगर सौम्या को दोबारा पद से बर्खास्त करती है तो सौम्या के पास एक बार दोबारा हाईकोर्ट जाने का विकल्प रहेगा। सौम्या की तरफ से इस मामले की राजस्थान हाईकोर्ट में पैरवी करने वाले अधिवक्ता महेन्द्र सारण के मुताबिक सरकार के किसी भी अंतिम निर्णय को ज्यूडिशरी रिव्यू करने का अधिकार हर किसी के पास है। फिर चाहे नगर पालिका अधिनियम में सरकार ने ये प्रावधान क्यों न कर रखा हो कि सरकार की ओर से एक बार पद से बर्खास्त करने के बाद कोर्ट में उसे चुनौती नहीं दे सकते। 10 नवंबर 2020 को जब जयपुर नगर निगम ग्रेटर में मेयर का चुनाव हुआ था।

गहलोत-पायलट-रघु गुजरात में कांग्रेस के स्टार प्रचारक

कांग्रेस ने गुजरात के लिए 40 स्टार प्रचारक बनाए, इनमें 4 राजस्थानी, पवन खेड़ा भी शामिल

जयपुर, 15 नवंबर (एजेंसियां)। कांग्रेस ने गुजरात चुनाव के लिए 40 स्टार प्रचारकों की लिस्ट जारी कर दी है। इनमें राहुल गांधी, सोनिया गांधी और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे सहित 40 नेताओं को गुजरात चुनाव के लिए स्टार प्रचारक बनाया गया है। राजस्थान से इनमें 4 नेताओं को स्टार प्रचारक बनाया गया है। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, पूर्व डिप्टी सीएम सचिन पायलट, गुजरात के प्रभारी रघु शर्मा और राष्ट्रीय प्रवक्ता पवन खेड़ा को स्टार प्रचारक बनाया गया है।

इनके अलावा राजस्थान से किसी अन्य नेता को स्टार प्रचारकों की सूची में जगह नहीं दी गई है। अशोक गहलोत, सचिन पायलट और पवन खेड़ा हिमाचल प्रदेश के चुनाव में भी कांग्रेस के स्टार प्रचारक थे। सचिन पायलट को एक बार फिर बगैर किसी पद पर होते हुए भी पार्टी ने स्टार प्रचारक का जिम्मा दिया है। पायलट को लगातार कांग्रेस प्रचार के लिए देशभर के राज्यों में भेजती रही है।

लोकसभाओं में ऑब्जर्वर भी राजस्थानी

इसके अलावा कांग्रेस ने राजस्थान से कई मंत्रियों-विधायकों को गुजरात में अलग-अलग लोकसभा के लिए ऑब्जर्वर बनाया है। ज्यादातर लोकसभा ओं में राजस्थानी नेताओं को जिम्मेदारी दी गई है।

शाले मोहम्मद को कच्छ, उदयलाल आंजना को बनासकांठा, रामलाल जाट को पाटन, नीरज डांगी को मेहसाना, रतन देवासी को साबरकांठा, सुरेश मोदी को गांधीनगर, अमीन कागजी को अहमदाबाद पश्चिम, प्रमोद जैन भाया और पानाचंद मेघवाल को राजकोट, रामपाल शर्मा को पोरबंदर, राजेंद्र सिंह को जामनगर, करण सिंह यादव और महेंद्र गहलोत को जूनागढ़, सुखराम विश्नोई को अमरेली, भंवर सिंह भाटी को भावनगर,

ताराचंद भगोरा को पंचमहल, महेंद्रजीत मालवीया को दहोद, अशोक बैरवा को वड़ोदरा, अर्जुन सिंह बामनिया को छोटा उदयपुर, गोविंदराम मेघवाल को भरूच और रामलाल मीणा को बर्डोली लोकसभा का ऑब्जर्वर बनाया गया है।

पायलट लगातार स्टार कैम्पेनर, खेड़ा का उदयपुर कनेक्शन

राजस्थान से सचिन पायलट को बाहरी राज्यों में लगातार स्टार कैम्पेनर बनाया जा रहा है। वहीं अशोक गहलोत को सीएम होने के चलते स्टार कैम्पेनर बनाया जाता है। वहीं गुजरात के प्रभारी होने के चलते रघु शर्मा भी इस लिस्ट में हैं। वहीं प्रवक्ता पवन खेड़ा को उदयपुर का मूल निवासी होने और प्रखर वक्ता होने के चलते भी जगह दी गई है।

सुरजेवाला, थरूर, तिवारी के नाम गायब

गुजरात के स्टार प्रचारकों की लिस्ट से कई बड़े नाम गायब हैं। इनमें शशि थरूर, रणदीप सुरजेवाला, आनंद शर्मा और मनीष तिवारी को इसमें जगह नहीं दी गई है। यह चर्चा का विषय है। राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे भी गुजरात में प्रचार करेंगे। कांग्रेस जल्द अपना प्रचार अभियान शुरू करेगी। राहुल गांधी 22 नवम्बर से गुजरात में सभाएं करेंगे।

गुजरात में राजस्थानी मूल के मतदाताओं की संख्या काफी

गुजरात की आबादी करीब साढ़े छह करोड़ है। जिनमें से करीब एक करोड़ लोग ऐसे हैं, जिनकी पारिवारिक जड़ें राजस्थान से हैं। इनमें भी अधिकांश लोग तो ऐसे हैं, जो विगत 40-50 वर्षों में ही राजस्थान से वहां जाकर बसे हैं।

अहमदाबाद, मेहसाणा, बनासकांठा, वड़ोदरा, आणंद, कच्छ, सुरेन्द्रनगर, राजकोट और सूरत में तो राजस्थान मूल के लोगों की आबादी करीब 25 से 50 प्रतिशत तक है। जोधपुर, बीकानेर, उदयपुर संभाग और शेखावाटी क्षेत्र से वैश्य समुदाय और किसान समुदायों के लाखों परिवार गुजरात में रहते हैं।

विधायक चौधरी बोले- सीएम ने धोखा दिया : कहा- कांग्रेस के साथ हूं, किसी व्यक्ति के साथ नहीं; साथ रहने की कीमत चुकानी पड़ी

बाड़मेर, 15 नवंबर (एजेंसियां)। हरीश चौधरी ने सीधे सीएम अशोक गहलोत से सवाल किया- ओबीसी आरक्षण में विसंगतियों के मुद्दे को डेफर कर किसको फायदा पहुंचाना चाहते हैं? पंजाब कांग्रेस प्रभारी और बायतु विधायक हरीश चौधरी ओबीसी आरक्षण में विसंगतियों को लेकर गहलोत सरकार और मंत्रियों पर लगातार तीखे तेवर दिखा रहे हैं। उन्होंने ओबीसी आरक्षण के मुद्दे पर कहा- कैबिनेट मीटिंग से पहले सीएम अशोक गहलोत के ऊपर आंख बंद करके विश्वास करता था। लेकिन यह धोखा मेरे साथ नहीं है। जिस किसी ने भी हरीश चौधरी के साथ धोखा करने की सोची है, वह हरीश चौधरी के साथ धोखा नहीं किया है। यह राजस्थान की आधी से ज्यादा आबादी ओबीसी वर्ग के साथ धोखा है।

इसके साथ उन्होंने कहा, मैं कांग्रेस के साथ हूं। किसी व्यक्ति के साथ नहीं हूं। मुझे किसी व्यक्ति के साथ रहने की कीमत चुकानी पड़ रही है। आपको जीवन में कोई एक लोटा पानी भी पिलाए को उसे नहीं भूलना चाहिए। हमने तो सरकार बचाई थी। मैं किसी व्यक्ति के पीछे नहीं, पार्टी की विचारधारा के साथ हूं। चौधरी ने कहा- सीएम अशोक गहलोत के करीबी मंत्री जो कि चुनकर तो नहीं आए हैं, लेकिन सीएम के नाक का बाल है। मुझे फोन कर धमकी दी या सलाह दी, यह तो आने वाला समय ही

बताएगा। उन्होंने कहा कि क्यों ओबीसी आरक्षण विसंगतियों को लेकर मुद्दा बना रहे हो?

मंत्री हरीश चौधरी ने कहा- मैं सरकार पर आरोप नहीं लगा रहा हूं। मेरा सवाल सीएम अशोक गहलोत से है। ओबीसी विसंगतियों के मामले को डेफर करने के पीछे क्या वजह रही है। यह मुझे समझ में नहीं आया है। मैंने पुरी रात गुजरने दी। मैं लगातार यह सोचता गया कि क्या वजह रही है। सीएम अशोक गहलोत ने मीटिंग से पहले 10 बार बातचीत की। कैबिनेट बुलाने को लेकर बात की। मीटिंग से एक दिन पहले रात को भी मुझे ऐसा महसूस नहीं करवाया कि डेफर करेंगे।

हरीश चौधरी का कहा कि डेफर करने से कांग्रेस को फायदा नहीं होने वाला है। राजस्थान को फायदा नहीं होने वाला है। किसी प्रकार से इस आंदोलन की खिलाफत नहीं की है। मांग का किसी ने विरोध नहीं किया। बहुत ही शांतिपूर्ण तरीके से बाड़मेर से जयपुर तक प्रदर्शन हुआ।

डेफर करके विवाद खड़ा करवा दिया है। इसके पीछे क्या मंशा है। यह मेरे आज तक समझ में नहीं आया है। यह लागू करते तो राजस्थान की आधी से ज्यादा आबादी को फायदा होता। रोककर किसका फायदा करवाना चाहते है। इसको रोक कांग्रेस व राजस्थान को फायदा नहीं है।

एमएलए की सरकार को धमकी

बहरोड़ को जिला नहीं बनाया तो पूरे राठ से 1 वोट नहीं मिलेगा, बैंड बजा देंगे कांग्रेस की

अलवर, 15 नवंबर (एजेंसियां)। राज्य सरकार के मंत्री राजेंद्र यादव के बाद अलवर के बहरोड़ के निर्दलीय एमएलए बलजीत यादव ने गहलोत सरकार को धमकी दी है। कहा कि बहरोड़ को जिला नहीं बनाया गया तो बहरोड़ ही नहीं आसपास की विधानसभा क्षेत्रों से राठ का एक भी वोट कांग्रेस को नहीं मिलेगा। हम बता देंगे। इस कांग्रेस सरकार की बैंड बजा देंगे। इसके बारे में सीएम अशोक गहलोत को भी बता चुका हूं। अब तक कांग्रेस सरकार के साथ रहे हैं। केवल विधानसभा क्षेत्र में विकास के काम कराने की मजबूरी थी। लेकिन बहरोड़ को जिला नहीं बनाया तब

हम बता भी देंगे। फिर हम चुप नहीं बैठेंगे। एमएलए बलजीत यादव ने मंगलवार को अलवर शहर में मीडिया से यह बात कही।

एमएलए बलजीत यादव ने कहा कि वे निर्दलीय विधायक थे। सरकार को समर्थन दिया। यह सही है। जिसके पीछे खुद के विधानसभा क्षेत्र बहरोड़ में विकास के कार्य कराने थे। राजनीति भी यही कहती है कि क्षेत्र का विकास हो। खूब विकास कराया भी है। लेकिन जिला बनाने की बहरोड़ की सबसे मजबूत मांग रही है। बहरोड़ जिला नहीं बनाया गया तो जनता चुनाव में ऐसा जवाब देगी कि एक वोट नहीं मिलेगा। उन्होंने यह भी बताया कि बहरोड़ में सरकारी जमीन की कमी का कोई इश्यू है तो सरकार उसे सुलझा सकती है। आसानी से जमीन एक्वायर की जा सकती है। बलजीत ने ये भी माना कि इससे पहले के नेताओं के समय में बहरोड़ में सरकारी जमीनों को खुर्दबुर्द किया गया है। वरना बहरोड़ में काफी जमीन होती। केंद्रीय स्कूल की जमीन को लेकर एमएलए ने कहा कि सांसद बालकनाथ केंद्रीय विद्यालय को अटकाए हुए हैं। हम स्कूल को जमीन देने को तैयार हैं। पहले जमीन दी भी गई थी।

बलजीत यादव ने कहा कि जनता की मांग पर उन्होंने कांग्रेस सरकार को विधानसभा में खूब घेरा है। सरकारी नौकरी व फैक्ट्रियों में राजस्थान के युवाओं को 100 परसेंट नौकरी देने के मुद्दे पर कोई कसर नहीं छोड़ी। आमजन के मसले पर कांग्रेस सरकार की परवाह नहीं की। अब जिला बनाने की मांग भी आमजन की है।

भीलवाड़ा में बीओबी बैंक का एटीएम उखाड़कर भागे बदमाश

पिकअप से बांधकर खींचा, 27 लाख रुपए भरे थे

भीलवाड़ा, 15 नवंबर (एजेंसियां)। भीलवाड़ा में बदमाश बीओबी बैंक का 27 लाख रुपयों से भरा एटीएम ही उखाड़कर भाग गए। लुटेरों ने पहले सीसीटीवी कैमरे पर स्प्रे किया। उसके बाद एटीएम को पिकअप से बांधकर खींचा। बैंक की बैंगलोर सिक्योरिटी एजेंसी की सूचना पर पुलिस ने नाकाबंदी की।

इस दौरान पिकअप में भाग रहे बदमाशों का करीब 30 किमी तक पीछा भी किया। लेकिन पकड़ में नहीं आ पाए। राजसमंद और अजमेर पुलिस को भी सूचना दी गई है। वारदात सोमवार रात शम्भुगढ़ की है।

शम्भुगढ़ थाना प्रभारी हनुमानाराम ने बताया कि बस स्टैंड पर बीओबी का एक एटीएम है। बैंगलोर में एटीएम को ऑपरेट करने वाली सिक्योरिटी एजेंसी से आसींद पुलिस को दौलतगढ़ में एटीएम ले जाने की सूचना मिली

थी। उन्होंने शम्भुगढ़ पुलिस को जानकारी दी। पुलिस को एटीएम के बाहर टायरों के निशान दिखे। शटर टूटा पड़ा था।

गश्ती दल के साथ पुलिस कर्मी आस-पास के इलाकों में बदमाशों की तलाश करने लगे। इस दौरान एक पिकअप में एटीएम रखा देखकर पीछा किया गया। गुलाबपुरा रोड पर करीब 30 किलोमीटर तक गाड़ी का पीछा किया। लेकिन बदमाश भाग गए। भीलवाड़ा, राजसमंद और अजमेर क्षेत्र में नाकाबंदी की गई है।

बैंक अधिकारी मंगलवार सुबह मौके पर पहुंचे। अधिकारियों ने बताया कि एटीएम में करीब 27 लाख 31 हजार रुपए थे। एटीएम में सोमवार सुबह ही 28 लाख रुपए डाले गए थे। पुलिस ने मंगलवार सुबह एटीएम व आप-पास के क्षेत्रों में जांच कर रही है। थाना प्रभारी ने बताया कि बदमाशों ने एटीएम में घुसते ही सीसीटीवी पर काला स्प्रे किया। ताकि वारदात कैद न हो। इसके बाद एटीएम मशीन को उखाड़ा गया। सीसीटीवी कैमरे पर स्प्रे किया

बदमाश ने एटीएम में घुसते ही सीसीटीवी कैमरे पर काला स्प्रे किया। इस कारण पूरी घटना का फुटेज सामने नहीं आ पाया है। शुरूआत की एक क्लिप में बदमाश स्प्रे करता नजर आ रहा है।

अग्रवाल समाज तेलंगाना ने की आईबीएस के छात्र से हुई अभद्रता की कड़ी निंदा

हैदराबाद, 15 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद के शंकरपल्ली क्षेत्र स्थित एक बिजनेस स्कूल (आईबीएस) के एक छात्र हिमांक बंसल पर रैगिंग के नाम पर कॉलेज के ही कुछ अन्य छात्रों द्वारा किए गए दुर्व्यवहार, अत्याचार और हमले की अग्रवाल समाज, तेलंगाना ने कठोर निंदा की है। राघवरत्ना टावर स्थित समाज कार्यालय में हुई केंद्रीय समिति सदस्यों की एक आपातकालीन सभा अध्यक्ष एके अग्रवाल की अनुपस्थिति में समाज उपाध्यक्ष डॉ. दिलीप पंसारी की अध्यक्षता में संपन्न हुई। उक्त आपातकालीन सभा में मानद मंत्री कपूरचंद गुप्ता के द्वारा घटना के संक्षिप्त विवरण और तत्पश्चात सभा अध्यक्ष डॉ दिलीप पंसारी के आग्रह पर उपस्थित कई सदस्यों ने इस विषय पर संबंधित जानकारी और निजी विचार प्रकट किए, जिनमें समाज के निवर्तमान अध्यक्ष गोविंद अग्रवाल, पूर्व अध्यक्ष सुभाष अग्रवाल, मुकुद लाल अग्रवाल, सीए मनोज अग्रवाल, ईश्वर बंसल, डीपी अग्रवाल, सुभाष गर्ग, आशीष दोचानिया , सुरेश अग्रवाल, उमेश अग्रवाल , महावीर प्रसाद अग्रवाल एवं अन्य है। उक्त सभी सदस्यों के साथ ही सभा में उपस्थित सभी सदस्यों ने शैक्षणिक संस्था में शिक्षा प्राप्ति के लिए जाने वाले छात्रों के द्वारा अपने सहपाठी पर जात और धर्म के नाम पर किए गए अत्याचार और हमले की कड़ी भर्त्सना और निंदा की। सभा में राज्य के मंत्री के टीआर के द्वारा उस घटना पर तुरंत आवश्यक निर्णय लेने और उनके आदेश पर पुलिस प्रशासन की तुरंत कार्यवाही पर संतोष व्यक्त करते हुए यह प्रस्ताव रखा कि समाज द्वारा संबंधित विभाग और मंत्रालय को एक ज्ञापन देकर दोषी छात्रों के खिलाफ कड़ी से कड़ी कार्यवाही, पीड़ित परिवार की सुरक्षा के साथ ही पीड़ित छात्र के सुरक्षित भविष्य हेतु उचित और आवश्यक कार्यवाही की मांग भी की जाए । इस घटना से संबंधित विभिन्न विचार विमर्श के उपरांत समूचे सदन ने इस घटना के संबंध में समाज की तरफ से उचित कार्यवाही का निर्णय लिया। सभा अध्यक्ष डॉ. दिलीप पंसारी ने सभी प्राप्त विचारों का स्वागत करते हुए यह बताया कि समाज अध्यक्ष एके अग्रवाल को उक्त सभा की जानकारी देने के पश्चात और उनके निर्देशन तथा मार्गदर्शन में समाज की तरफ से शीघ्र ही उपयुक्त कदम उठाया जायेगा। समाज के संयुक्त मंत्री सतीश अग्रवाल के धन्यवाद प्रस्ताव से उक्त सभा की समाप्ति हुई।

लोगों के साथ अधिक समय बिताएं पार्टी नेता : केसीआर

हैदराबाद, 15 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य सरकार के खिलाफ बढ़ती सत्ता विरोधी लहर को भांपते हुए टीआरएस अध्यक्ष और मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव ने पार्टी नेताओं को जनता के बीच जाने और लोगों का विश्वास जगाने के लिए अधिक समय देने का निर्देश दिया है। मंगलवार को यहां तेलंगाना भवन में पार्टी की आम सभा की बैठक करने वाले टीआरएस अध्यक्ष ने मंत्रियों, विधायकों, सांसदों, एमएलसी और अन्य निर्वाचित प्रतिनिधियों सहित नेताओं को स्पष्ट निर्देश देते हुए कहा कि अधिक खर्च करना समय की जरूरत है। अपने-अपने क्षेत्रों में लोगों के साथ समय। केसीआर ने कथित तौर पर कहा कि भारतीय जनता पार्टी टीआरएस सरकार की विफलताओं को उजागर करने और सरकार के खिलाफ दुर्भावनापूर्ण अभियान फैलाने में कोई कसर नहीं छोड़ रही है। केसीआर ने कथित तौर पर कहा कि टीआरएस नेताओं को हमेशा सतर्क रहना चाहिए और समय-समय पर भाजपा की उनकी शरारती रणनीति की निंदा करनी चाहिए।

यदि आप सतर्क नहीं हैं, तो भाजपा स्थिति का फायदा उठाएगी और सरकार को कोने में रखने की कोशिश करेगी। अगले चुनाव में पार्टी द्वारा कुछ मौजूदा विधायकों को टिकट देने से इनकार करने की अफवाहों को खारिज करते हुए, टीआरएस अध्यक्ष ने आश्वासन दिया है कि सभी विधायकों को बी-फॉर्म दिया जाएगा और हालांकि, सभी नेताओं को पार्टी को मजबूत करने के लिए कड़ी मेहनत करनी चाहिए।

केसीआर ने उन अटकलों का भी खंडन किया कि टीआरएस सरकार विधानसभा भंग करने के बाद जल्द चुनाव कराएगी और कहा कि चुनाव 2023 में निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार होगा।

केंद्र की भारतीय जनता पार्टी की सरकार पर सीबीआई और ईडी जैसी जांच एजेंसियों का दुरूपयोग करने के लिए राज्य सरकारों पर भारी पड़ते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि भाजपा नैतिक रूप से चुनाव जीतने और सत्ता में आने के लिए किसी भी स्तर तक गिर जाएगी।

पंचगव्य महासम्मेलन 18 से, प्रचार सामग्री जारी

हैदराबाद, 15 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। पंचगव्य डॉक्टर्स एसोसिएशन और पंचगव्य विद्यापीठ के तत्वावधान में शहर के एक उपनगर चेगुरु मार्ग के कान्हासंती वनम में पंचगव्य महासम्मेलन 18 से 20 तारीख तक आयोजित किया जाएगा। मीडिया को संबोधित करते हुए तमिलनाडु के पंचगव्य विश्वविद्यालय और कांचीपुरम के अध्यक्ष आचार्य निरंजन कुमार वर्मा ने कहा कि गाय के गोबर, गोबर, दूध, दही, मक्खन और घी में सबसे मूल्यवान औषधीय गुण वैज्ञानिक रूप से सिद्ध हुए हैं। गाय को भारत में माता के रूप में पूजा जाता है, हिंदू संस्कृति द्वारा सिखाया गया मार्ग दुनिया के लिए एक मार्गदर्शक है।

उन्होंने बताया कि इस महासम्मेलन के लिए मंत्री तलसानी श्रीनिवास यादव व अन्य कई प्रमुख हस्तियों को आमंत्रित किया जाएगा। इस दौरान उत्सव के निमंत्रण कार्ड का अनावरण पंचगव्य विद्या पीठम तेलंगाना और एपी के प्रदेश अध्यक्ष आचार्य लक्कराजू मुरलीधरराव, अखिल भारतीय गौसेवा फाउंडेशन के अध्यक्ष बालकृष्ण, डॉ. सुदर्शन सिंह, गौभक्त जिग्नेश दोशी, इंदुमती और चंद्रास्वामी ने किया। इस अवसर पर आचार्य निरंजन कुमार वर्मा ने

टाइगर रिजर्व के प्रबंधन प्रभावशीलता मूल्यांकन (एमईई) के लिए एनटीसीए टीम का दौरा

हैदराबाद, 15 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। प्रबंधन प्रथाओं की प्रभावशीलता का मूल्यांकन करने के लिए देश के सभी टाइगर रिजर्व में एनटीसीए द्वारा चार साल में एक बार एमईई अभ्यास आयोजित किया जाता है। एक सेवानिवृत्त पीआरएल के नेतृत्व में तीन सदस्यीय टीम ने 6 से 9 नवंबर, 2022 तक कवल टाइगर रिजर्व और 10 से 13 नवंबर, 2022 तक अमराबाद टाइगर रिजर्व का मूल्यांकन किया। क्षेत्र में मूल्यांकन पूरा करने के बाद टीम ने अरण्य भवन में वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक की। एमईई टीम के सदस्य धीरेंद्र सुमन, सेवानिवृत्त आईएफएस, नितिन काकोडकर, सेवानिवृत्त आईएफएस, पीसीसीएफ (एचओएफएफ) और मुख्य वन्यजीव वार्डन आर.एम. डोबरियाल, पीसीसीएफ लोकेश जायसवाल, फील्ड डायरेक्टर विनोद कुमार, क्षितिजा, ओएसडी (वन्यजीव) शंकरन, अन्य अधिकारियों ने बैठक में भाग लिया। इस दौरान कवल और अमराबाद टाइगर रिजर्व के संदर्भ में एनटीसीए टीम की महत्वपूर्ण टिप्पणियां करते हुए कहा कि देश में पहली बार उन्होंने कॉरिडोर क्षेत्र में जल स्रोतों और घास के मैदानों के विकास सहित आवास सुधार कार्यों जैसे अच्छे काम होते हुए देखे हैं। इससे यह आभास होता है कि तेलंगाना राज्य ने महाराष्ट्र से बाघों के पलायन के लिए रेड कार्पेट बिछा दिया है। पिछले मूल्यांकन के बाद से एफबीओ और एफएसओ के रूप में फील्ड स्तर पर मानव शक्ति की उपलब्धता में सुधार हुआ है। लेकिन अभी भी कुछ रिक्तियां हैं जिन्हें जल्द से जल्द भरने की जरूरत है। टाइगर रिजर्व के प्रबंधन में जनभागीदारी को स्थानीय समुदायों के शामिल होने और टाइगर रिजर्व के संरक्षण और विकास में जिम्मेदारी देने के तरीके से देखा जा सकता है। दोनों टाइगर रिजर्व में वर्षा जल संचयन और जंगली जानवरों के लिए जल स्रोतों के प्रबंधन में उत्कृष्ट कार्य किया गया है। इसी तरह प्राकृतिक घास के मैदानों के प्रबंधन में बहुत अच्छा काम किया गया है। टीम इस बात से खुश थी कि दो टाइगर रिजर्व में वन्यजीवों की निगरानी, जल स्रोतों की मैपिंग और घास के मैदानों के क्षेत्र में काम करने वाले जीवविज्ञानी हैं। इस दौरान एमईई टीम एक बीड़ी पत्ती इकाई को बंद करने, केंद्र प्रायोजित योजनाओं (सीएसएस) के तहत मैचिंग स्टेट शेयर फंड को समय पर जारी करना ताकि दूसरी किस्त की सुविधा का लाभ उठाया जा सके, मुख्य क्षेत्र से गांवों को स्थानांतरित करने के लिए कैम्पा के तहत धन का उपयोग करने आदि का सुझाव दिया है। पीसीसीएफ (एचओएफएफ) और सीडब्ल्यूएलडब्ल्यू ने टीम को एमईई टीम के सुझावों पर सकारात्मक प्रतिक्रिया का आश्वासन दिया कि में बीड़ी पत्ता इकाई तुरंत बंद कर दी जाएगी। मामले को राज्य सरकार के साथ उठाया जाएगा। टाइगर रिजर्व के मूल से गांवों के पुनर्वास की प्रक्रिया ने अच्छी शुरुआत की है और राज्य दो टाइगर रिजर्व में पुनर्वास के लिए और गांवों को लेने के लिए आश्वस्त है।

राज्यस्तरीय खो-खो प्रतियोगिता के संदर्भ में समीक्षा बैठक आयोजित

हैदराबाद, 15 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। छावनी खेल संघ बोइनपल्ली के सचिव आर प्रभुकुमार गौड़ ने कहा कि तेलंगाना राज्य में राज्यस्तरीय खोखो प्रतियोगिताओं के संचालन के लिए विशेष समितियों का गठन किया गया है और विभिन्न जिलों से आने वाले एथलीटों के लिए बिना किसी प्रतिबंध के सभी व्यवस्था की जा रही है। राज्यस्तरीय खो-खो प्रतियोगिताएं 9 से 11 दिसंबर तक सिकंदराबाद बोईनपल्ली पुलिस स्टेशन के छावनी खेल मैदान में पुराने दस जिलों के 10 लड़के और 10 लड़कियों की टीमें इन खेलों में भाग ले रही हैं। इन खेलों का आयोजन छावनी संघ बोईनापल्ली द्वारा छावनी बोर्ड के पूर्व उपाध्यक्ष जम्पन्ना प्रताप, अरिगे रामास्वामी मेमोरियल ट्रस्ट के अध्यक्ष अरिगे मधुसूदन के सहयोग से किया जाता है। हैदराबाद खो-खो एसोसिएशन की देखरेख में मंगलवार शाम बोइनापल्ली छावनी खेल मैदान में जम्पन्ना प्रताप और अरिगे मधुसूदन की उपस्थिति में एक समीक्षा बैठक आयोजित की गई। समिति के सदस्यों को परिसर और कई सुझाव दिए गए। इस अवसर पर सीएसएबी के सचिव प्रभुकुमार गौड़ ने बताया कि इन खेलों में 10 जिलों के 350 बालक-बालिका भाग लेंगे। इन सभी के ठहरने की व्यवस्था ताडबंद में जैन स्कूल, बोइनापल्ली बॉयज गवर्नमेंट स्कूल और वाणी कॉन्वेंट पाठशालाओं में की जा रही है। उन्होंने कहा कि इसके लिए विशेष कमेटियों का गठन किया गया है। कैंटोमेंट स्पर्स एसोसिएशन के सदस्य जयराज, मुनिराज, सत्यनारायण, जगदीश, भरत, सुधीर, खो-खो एसोसिएशन के सदस्य, पोचप्पा, कोशोर, कृष्णा, लीला कोंडारेड्डी, नवीन, सरकारी स्कूल के शिक्षक सेड्रिक, शाकिब और अन्य ने कार्यक्रम में भाग लिया।

हिल रिज स्प्रिंग्स में आमला पूजा व वन भोजनम

हैदराबाद, 15 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। हिल रिज स्प्रिंग्स गच्ची बावली में महिलाओं ने तुलसी पूजा, आमला पूजा मंत्रोचार के साथ विधिवत संपन्न की। इस अवसर पर वनभोजनम का आयोजन किया गया।

सभी महिलाओं ने प्राकृतिक सौंदर्य के बीच में प्रसादम का आनंद लिया। इस अवसर पर गीता अग्रवाल, कमलेश अग्रवाल, आशा अग्रवाल, सरस्वती भारद्वाज, मंजू शर्मा, हरणी, राज माथुर, वेदा, श्रीदेवी, हेमा, संतोष मट्टू, अनीता राव, अनु, झांसी, संध्या, ज्योत्स्ना, सपना, हेमा, मैत्री, रानी, कुमारी, नागलक्ष्मी, दिव्या, पद्मजा, सरोजी, जयश्री, झांसी, सुमन, प्रमिला आदि शामिल थीं।

पैपिलॉन डिवाइस के उपयोग में पुलिसकर्मियों को प्रशिक्षित करें : निजामाबाद सीपी

निजामाबाद, 15 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। पुलिस आयुक्त केआर नागाराजू ने वरिष्ठ अधिकारियों को अपराधियों का पता लगाने के लिए पैपिलॉन फिंगरप्रिंटिंग एप्लिकेशन के उपयोग में गश्त में शामिल कर्मियों को प्रशिक्षित करने के लिए कहा है।

कमिश्नर, जिन्होंने मंगलवार को यहां कमिश्नरेट अधिकार क्षेत्र में कानून और व्यवस्था की स्थिति की समीक्षा के लिए एक मासिक बैठक की, ने कहा कि पुलिस गश्त अपराधों को रोकने और अपराधियों को पकड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है, इसलिए, उन्हें पैपिलॉन फिंगरप्रिंटिंग में प्रशिक्षित करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि इस पहल से जिले में आपराधिक ट्रैकिंग प्रणाली को बेहतर बनाने में मदद मिलेगी। आयुक्त ने स्टेशन हाउस ऑफिसर्स (एसएचओ) को अपने-अपने अधिकार क्षेत्र में "निगरानी" प्रणाली को मजबूत करने का निर्देश दिया। उन्होंने उनसे अपने डिवीजनों में अपराधों की जांच के लिए गश्त बढ़ाने के लिए भी कहा। नागराजू ने सभी एसएचओ को अपने-अपने थाने की सीमा में सभी लंबित मामलों की जांच पूरी करने को कहा. उन्होंने कहा, 'आपको जांच में तेजी लाने की जरूरत है। पुलिस थानों में एक भी मामला लंबित नहीं होना चाहिए। उन्होंने अधिकारियों को आयुक्तालय के अधिकार क्षेत्र में सभी लंबित गैर-जमानती वारंटों को निष्पादित करने का भी निर्देश दिया।

योगिता राणा ने किया मतदाता पंजीकरण केंद्र का निरीक्षण

100% मतदाता पंजीकरण सुनिश्चित करने का आग्रह किया

कमारेड्डी, 15 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मतदाता नामावली पर्यवेक्षक डॉ. योगिता राणा ने मंगलवार को दो मतदान केंद्रों का निरीक्षण किया। उन्होंने ओल्ड राजमपेट प्राइमरी स्कूल में मतदाता पंजीकरण केंद्र का निरीक्षण करते हुए जनता में जागरूकता पैदा करने की सलाह दी, ताकि 1 जनवरी 2023 तक 18 वर्ष की आयु पूरी कर चुके युवा महिलाएं और युवा पुरुष मतदान के अधिकार के लिए आवेदन कर सकें। उन्होंने गांव में मरने वालों की जानकारी ली। बूथ स्तरीय पदाधिकारी हरिका ने बात की। इस गांव में 19 लोगों की मौत हुई है और उन्हें मतदान सूची से हटा दिया जाएगा। विकलांगों का विवरण मांगा गया। 90 साल से ऊपर के बुजुर्गों का ब्यौरा मांगा गया। यह सुझाव दिया गया है कि नए मतदाता आवेदन पत्र के साथ आधार को जोडना अनिवार्य हैं। वे युवा संगठनों के सदस्यों के बीच जागरूकता पैदा करना कर रहे हैं और 100% मतदाता पंजीकरण सुनिश्चित करने का कोशिश चल रहा है। राजनीतिक दलों के एजेंट मतदाता पंजीकरण में सहायता कर रहे हैं। बूथ स्तरीय अधिकारी शैलजा से चुनाव निगरानी अधिकारी योगिता राणा ने बूथ में मतदाताओं की संख्या के बारे में पूछा। बूथ स्तर के अधिकारी ने बताया कि कुल 1022 मतदाता है। उन्होंने कहा कि 250 मतदाताओं ने आधार को लिंक किया है, बाकी मतदाता आधार लिंक किया जा रहा है। इस समय जिला कलेक्टर जितेश वी पाटिल, जिला राजस्व अपर कलेक्टर चंद्रमोहन, कामारेड्डी आरडीओ श्रीनिवास रेड्डी, समाहरणालय चुनाव निगरानी अधिकारी साई भूजंग राव व अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

मेडिकल कॉलेज शुरू होने से खत्म हुई छात्रों की परेशानी : कलेक्टर भारती

मंचेरियल, 15 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। कलेक्टर भारती होलिकेरी ने कहा कि मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव द्वारा जिले में नए सरकारी मेडिकल कॉलेज की कक्षाओं का उद्घाटन करने से मंचेरियल के लोगों का लंबे समय से लंबित सपना साकार हो गया। उन्होंने मंगलवार को इस अवसर पर जिला परिषद अध्यक्ष नल्ला भाग्यलक्ष्मी के साथ दीप प्रज्ज्वलित किया। भारती ने कहा कि मेडिकल कॉलेज के निर्माण से छात्रों की मेडिकल शिक्षा प्राप्त करने की समस्या समाप्त हो गई है। उन्होंने कहा कि जिले के लोग काफी समय से इस सुविधा की मांग कर रहे थे।

उन्होंने जनता के सपने के साकार होने पर खुशी जाहिर की। उन्होंने इसे ऐतिहासिक क्षण करार दिया। कलेक्टर ने सरकार द्वारा निर्धारित समय सीमा के भीतर एक अस्थायी भवन का निर्माण पूरा कर कक्षाएं शुरू करने के लिए कड़ी मेहनत करने के लिए मेडिकल कॉलेज के अधिकारियों की सराहना की। उन्होंने छात्रों को अवसर का उपयोग करने और चिकित्सा क्षेत्र में उत्कृष्टता प्राप्त करने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि कॉलेज के सुचारू संचालन को सुनिश्चित करने के लिए कदम उठाए जा रहे हैं। बैठक में नगर अध्यक्ष पी राजैया, उपाध्यक्ष जी मुकेश गौड़, राजकीय मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ मोहम्मद सुलेमान, जिला चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ सुब्बारायडु, छात्र समेत कई अधिकारी मौजूद रहे।

कैंटोनमेंट बोर्ड के नये सीईओ डी. मधुकर नाइक तथा निवर्तमान सीईओ अजीत रेड्डी का सम्मान करते हुए एससीबी सदस्य जे. रामकृष्णा, बी. नर्मदा, जे. अनुराधा, बी. श्रीनिवास व अन्य कार्यकर्ता।

झुंझुनू प्रगति संघ का दिवाली स्नेह मिलन सम्पन्न

हैदराबाद, 15 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। झुंझुनू प्रगति संघ की हैदराबाद इकाई का दिवाली मिलन बजारा हिल्स स्थित प्लेटिनम बैन्कवेट में सम्पन्न हुआ। आपसी परिचय तथा मेल मिलाप के उपरान्त चांदी के ईनामों से भरपुर तम्बोका का आयोजन हुआ। पवन टिबरेवाला, योगेश सिंघनिया तथा अनुप खाडेलिया के डांस खिलाये गये। तम्बोला में नितिन तुलस्यान बबीता पसारी, दिव्यांश सिंघनिया, प्रियंका गुप्ता, नितिन पसारी और मीता पसारी विजये रहे, जिसके सभी विजेताओ को चांदी के विभिन्न सिक्के ईनाम स्वरूप दिये गये। मंचीय कार्यक्रम में संघ के अध्यक्ष एस दिलीप पसारी ने सभी उपस्थितजनों का स्वागत और अभिनंदन करते हुए दिवाली की शुभकमानाएं दी और सभी के उज्वल भविष्य की कामन की। मानद मंत्री रामकुमार पसारी ने संघ के सदस्यों को संघ से सक्रीयता से जुडने का आग्रह किया। संघ के परामर्शदाताओं ओम प्रकाश पसारी और ज्योतिप्रकाश टिबडेवाल तथा पूर्व अध्यक्ष श्रीमती मंजू टिबरेवाल ने भी अपने विचार व्यक्त किये। इस अवसर पर संघ के वरिष्ट सदस्यों, दुर्गाप्रसाद बुलहयान, ओमप्रकाश पसारी, ज्योति प्रकाश टिबरेवाल, रामेश तुलस्वाल, मदन गोपाल टिबरेवाल और सुकेशकेतु शर्मा के साथ ही पूर्व अध्यक्षों पवन टिबरेवाल तथा श्रीमती मंजू टिबरेवाल को संघ उनके द्वारा संघ को प्रदान की गयी विशिष्ट सेवाओं हेतु सम्मनित किया गया। संघ को सुचारू रूप से चलाने हेतु उपस्थित सहयोजियों शंकर लाल तुलस्यान, विजय तुलस्यान (उप्पल), गिरीस तुलस्यान, आनन्द तुलस्यान, सीताराम उदयपुरिया, अंकुर गुप्ता, पंकाल केडिया, पवन तुलस्यान, पवन पसारी के साथ ही राजकुमार अंजना पसारी के सुपुत्र की अनुराग पसारी को युनिवरसिटी आफ लेस्टू (लंदन) के चुनाव में अध्यक्ष पद पर विजयी होने पर बधाई और सम्मानित किया गया। पुनम तुलस्यान, भूमिका तुलस्यान, विभुर तुलस्यान, गौरव टिबरेवाल, ब्रजमोहन तुलस्यान और विनय पसारी को उपस्थित लोगों में से भाग्यशाली विजेताओं का पुरस्कार मिला।

तेलंगाना में जल्दी चुनाव नहीं : सीएम केसीआर

हैदराबाद, 15 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सभी अटकलों पर विराम लगाते हुए, टीआरएस (अब बीआरएस) के अध्यक्ष और मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव ने मंगलवार को घोषणा की कि पार्टी की जल्द चुनाव कराने की कोई योजना नहीं है। उन्होंने कहा कि तेलंगाना में विधानसभा चुनाव तय कार्यक्रम के अनुसार होंगे। उन्होंने यह भी आश्वासन दिया कि उनमें से कुछ को छोड़कर, सभी मौजूदा विधायकों को 2023 के विधानसभा चुनावों के लिए पार्टी के उम्मीदवारों के रूप में बनाए रखा जाएगा और विश्वास व्यक्त किया कि पार्टी 95 से अधिक सीटों के साथ तीसरी बार विजयी होगी। यहां तेलंगाना भवन में पार्टी की आम सभा को संबोधित करते हुए चंद्रशेखर राव ने सभी विधायकों को विकास के लिए कड़ी मेहनत करने और अपने-अपने निर्वाचन क्षेत्रों में लोगों तक पहुंचने का निर्देश दिया।

प्रथम पृष्ठ का शेष भाग...

एचसी ने सीबीआई ...

मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव ने 3 नवंबर को एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए मामले में सबूत जारी किए थे, जिसमें आरोपी और विधायकों के बीच बातचीत की वीडियो रिकॉर्डिंग भी शामिल थी। आरोपी ने केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह समेत भाजपा के कुछ शीर्ष नेताओं के नामों का जिक्र किया था। भाजपा नेता परमेंद्र रेड्डी ने उच्च न्यायालय में एक याचिका दायर कर सीबीआई जांच की मांग की थी क्योंकि उन्होंने आशंका जताई थी कि राज्य सरकार के तहत जांच निष्पक्ष नहीं होगी।

'सरकार कर क्या ...

वह बाद में जवाब दाखिल करेगी। उधर दिल्ली पुलिस ने एक सनसनीखोज मामले का खुलासा किया है जिसमें आफ़ताब नाम के युवक ने ही अपनी लिव इन पार्टनर श्रद्धा का छह महीने पहले बेरहमी से कत्ल कर दिया था। बेरहमी इतनी कि उसने श्रद्धा के शरीर के पैंतीस टुकड़े कर डाले। टुकड़ों को फ्रिज में रखा और रोज रात को दो- दो टुकड़े जंगल में फेंकने जाता था। दरअसल, लिव इन का जो चलन है वह पश्चिमी देशों से आया है जहां 18-19 साल का होते ही बच्चे माता-पिता से अलग रहने लगते हैं। हमारे देश में ऐसा नहीं है। यहां तो ज्वाइंट फैमिली होती है और माता-पिता चाहते हैं कि बच्चे उनके साथ उम्रभर रहें। ठीक है बालिग होते ही बच्चे हमारे देश में भी अपनी मनमर्जी करने को स्वतंत्र होते हैं, लेकिन दिल्ली जैसे मामले जब खुलते हैं तो मान कांप जाता है। दरअसल, कम उम्र में हमारे बच्चों में जीवन की वो समझ नहीं होती जो परिपक्वता के बाद ही आती है। सही-गलत का अंदाजा उन्हें नहीं हो पाता। तभी इस तरह के मामले होते हैं।

जब ये खुलते हैं तो आफ़त उन बच्चों की हो जाती है जो परिवार के साथ रहते हैं और सब कुछ जानते-समझते हैं।

धोनी को अहम जिम्मेदारी सौंप सकता है बीसीसीआई

टी-20 और ओडीआई फॉर्मेट के लिए अलग टीमें होंगी, द्रविड़ का वर्कलोड कम होगा

खेल डेस्क, 15 नवंबर (एजेंसियां)। 2007 में टीम इंडिया को एकमात्र टी-20 वर्ल्ड कप जिताने वाले महेंद्र सिंह धोनी को बीसीसीआई बड़ी जिम्मेदारी सौंप सकता है। माना जा रहा है कि धोनी को लिमिटेड ओवर (टी-20 और वनडे) के लिए कोच या डायरेक्टर बनाया जा सकता है।

एक मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक- बीसीसीआई इंग्लैंड की तर्ज पर लिमिटेड ओवर और टेस्ट की अलग-अलग टीम बनाने पर विचार कर रहा है। इतना ही नहीं, इन टीमें के लिए अलग-अलग कोचिंग स्टाफ भी अपॉइंट किया जा सकता है।

दरअसल, इस साल टी-20 वर्ल्ड कप जीतने वाले इंग्लैंड ने टी-20, वनडे और टेस्ट के लिए अलग-अलग कप्तान और कोच अपॉइंट किए हैं। जोस बटलर टी-20, वनडे कप्तान हैं। मैथ्यू मोट कोच हैं। बेन स्टोक्स टेस्ट टीम के कैप्टन हैं और ब्रेंडन मैकुलम कोच हैं।

द टेलीग्राफ की एक रिपोर्ट के मुताबिक- BCCI को लगता है कि कुछ साल से वनडे और टी 20 सीरीज काफी ज्यादा खेली जा रही हैं। इन तीनों ही फॉर्मेट में फिलहाल, राहुल द्रविड़ कोच हैं। जाहिर, है उन पर वर्कलोड काफी ज्यादा है। इससे फोकस पर भी असर पड़ता है।

बोर्ड द्रविड़ पर वर्कलोड कम करने के लिए कोचिंग रोल बांटने पर विचार कर रहा है। माना जा रहा है कि टी-20 फॉर्मेट में धोनी को शामिल करने पर विचार किया जा रहा है। इससे टीम इंडिया के इस फॉर्मेट में स्टैंडर्ड को ऊंचा किया जा सकता है। इस महीने के आखिर में बोर्ड की एपेक्स काउंसिल की मीटिंग होगी और इसमें धोनी के मुद्दे पर चर्चा हो सकती है। इसके पहले धोनी से बातचीत की जाएगी।

1983 के बाद धोनी ने दिलाया था वनडे वर्ल्ड कप

टीम इंडिया ने 1983 में कपिल देव की कप्तानी में पहली बार वनडे वर्ल्ड कप जीता था। इसके बाद धोनी की कप्तानी में 2011 में यह खिताब हमारे देश के पास आया। इसके अलावा पहला टी-20 वर्ल्ड कप भी धोनी की कप्तानी में ही जीता गया था। एमएस ने 15 अगस्त 2020 को वनडे और टी-20 से संन्यास ले लिया था। उन्होंने 30 दिसंबर 2014 को ऑस्ट्रेलिया में आखिरी टेस्ट खेलकर इस फॉर्मेट से भी संन्यास का ऐलान किया था।

2023 में वनडे वर्ल्ड कप और 2024 टी-20 वर्ल्ड कप

2023 में वनडे वर्ल्ड कप भारत में ही खेला जाना है। इसके बाद 2024 में टी-20 वर्ल्डकप अमेरिका और वेस्टइंडीज में होना है। ऐसे में वनडे के लिए करीब 1 साल और टी-20 वर्ल्ड कप के लिए 2 साल बचे हैं।

टीम मैनेजमेंट चाहता है कि इन दोनों वर्ल्ड कप के लिए नए सिरे से टीम तैयार की जाए। इसके लिए अभी से तैयारियां की जा रही हैं।

टीम इंडिया में कई कमियां नजर आई

टी-20 वर्ल्ड कप में टीम इंडिया में कई खामियां नजर आई। टीम के पास जहां ऑलराउंडर्स की कमी थी, वहीं हमारी ओपनिंग पेयर काफी कमजोर दिखी। खिताब जीतने वाले इंग्लैंड के पास आखिरी तक बल्लेबाजी करने वाले खिलाड़ी थे।

अब बदलेगी इंडिया की टी-20 टीम...

इंग्लैंड से सेमीफाइनल में शर्मनाक हार के बाद इंडिया की टी-20 स्क्वॉड में बदलाव होगा। सीनियर खिलाड़ी टी-20 टीम से बाहर हो सकते हैं। BCCI के सोर्स ने कहा- अगले एक साल में टी-20 टीम में काफी बदलाव देखने को मिलेंगे। रोहित शर्मा, विराट कोहली, दिनेश कार्तिक और आर अश्विन जैसे खिलाड़ी धीरे-धीरे बाहर हो जाएंगे।

लिमिटेड ओवर्स और टेस्ट की टीमें अलग-अलग हों

अनिल कुंबले बोले- टी-20 क्रिकेट में ज्यादा से ज्यादा ऑलराउंडर की जरूरत

खेल डेस्क, 15 नवंबर (एजेंसियां)। इंग्लैंड ने रविवार को टी-20 वर्ल्ड कप के फाइनल में पाकिस्तान को हराकर दूसरी बार खिताब अपने नाम किया। इंग्लैंड की जीत के बाद क्रिकेट वर्ल्ड में नई बहस छिड़ गई है। अब दुनिया भर के क्रिकेट एक्सपर्ट वाइट बॉल (टी-20 और वनडे) और रेड बॉल (टेस्ट) के लिए अलग-अलग टीम और कोचिंग स्टाफ की तरफदारी कर रहे हैं। इंग्लैंड ने पिछले कुछ सालों से वाइट और रेड बॉल के लिए अलग-अलग कप्तान और कोच नियुक्त किए हैं। जोस बटलर टी-20 और वनडे कप्तान हैं। जबकि मैथ्यू मोट कोच हैं। वहीं बेन स्टोक्स टेस्ट टीम के कैप्टन हैं और ब्रेंडन मैकुलम कोच हैं।

टीम इंडिया के पूर्व कोच अनिल कुंबले भी भारत में टेस्ट और लिमिटेड ओवर (टी-20 और वनडे)) के लिए अलग-अलग टीमों के फेवर में हैं। उन्होंने एक क्रिकेट वेबसाइट को दिए इंटरव्यू में कहा है कि अब समय आ गया है कि भारत में भी टेस्ट और लिमिटेड ओवर की टीमें पूरी तरह से अलग-अलग हों। अब समय आ गया है कि टी-20 में टी-20 स्पेशलिस्ट हों और आपकी टीम में ज्यादा से ज्यादा ऑलराउंडर हों।

कुंबले ने कहा- टी-20 वर्ल्ड कप की इस बार की विजेता और पिछले बार की विजेता ऑस्ट्रेलिया टीम को देखें तो दोनों ही टीमों में ऑलराउंडर की भरमार है। इंग्लैंड टीम में 7वें नंबर पर लियाम लिविंगस्टोन बल्लेबजी करने आते हैं तो ऑस्ट्रेलिया में मार्कस स्टोनिस छठे नंबर पर बल्लेबाजी करते के लिए आते हैं।

उन्होंने आगे कहा- मैं निश्चित तौर पर तो यह नहीं कह सकता कि टीम के लिए अलग कैप्टन और कोच का होना जरूरी है या नहीं। यह चयनकर्ताओं और टीम मैनेजमेंट पर डिपेंड करता है कि वह किस तरह की टीम चुनते हैं और किस तरह से तैयार करना चाहते हैं।

वहीं ऑस्ट्रेलिया के पूर्व ऑलराउंडर टॉम मूडी ने कहा कि इंग्लैंड से सभी को सीखने की जरूरत है। इंग्लैंड की टेस्ट टीम और लिमिटेड ओवर की टीम में काफी अंतर है।

भारत की मेजबानी के लिए न्यूजीलैंड टीम का ऐलान

गुप्टिल-बोल्ट को जगह नहीं

वेलिंग्टन, 15 नवंबर (एजेंसियां)। भारत के खिलाफ टी-20 और वनडे सीरीज के लिए न्यूजीलैंड टीम का ऐलान हो गया है। बड़ी बात यह कि इस टीम में ओपनर मार्टिन गुप्टिल और तेज गेंदबाज ट्रेंट बोल्ट को जगह नहीं मिली है। तीन मुकाबलों की टी-20 सीरीज का पहला मुकाबला 18 नवंबर को खेला जाएगा।

टीम के कोच गैरी स्टीड ने कहा है- 'बोल्ट-गुप्टिल जैसे एक्सपीरियंस खिलाड़ियों को छोड़ना आसान नहीं था, लेकिन हमें आगे देखना है। कुछ माह पहले जब बोल्ट ने कीवी क्रिकेट के अनुबंध से बाहर निकलने का विकल्प चुना था, तभी हमने संकेत दिया कि केंद्रीय या घरेलू अनुबंध वाले खिलाड़ियों को प्राथमिकता दी जाएगी। हमने वही किया है। व्हाइट-बॉल के टॉप आर्डर में फिन एलेन की सफलता का मतलब है कि गुप्टिल को बाहर होना होगा।'

न्यूजीलैंड बोर्ड ने इस पोस्ट के साथ टीम का ऐलान किया...

वर्ल्ड कप सेमीफाइनल हारी दोनों टीमें

ये दोनों टीमें ऑस्ट्रेलिया में खेले गए टी-20 वर्ल्ड कप के सेमीफाइनल राउंड से हारकर बाहर हो गई थीं। न्यूजीलैंड को पाकिस्तान ने 7 विकेट, तो भारत को इंग्लैंड ने 10 विकेट से हराकर बाहर का रास्ता दिया था। फाइनल में इंग्लैंड ने पाकिस्तान को 5 विकेट की शिकस्त की।

5 साल बाद वनडे में मिल्ने की वापसी

केन विलियम्सन की कप्तानी वाली टीम से बोल्ट का बाहर होना थोड़ा चौंकाता है, क्योंकि बोल्ट वहां की पिचों में अपनी गति और स्विंग से भारतियों को परेशान कर सकते हैं। टिम साउदी दोनों टीमों में जगह बनाने में कामयाब रहे। मिल्ने 2017 के बाद पहली बार वनडे खेलते दिखेंगे। हालांकि, वे टी20 खेलते रहे हैं। वे ट्राइ सीरीज और टी20 वर्ल्ड कप में टीम का हिस्सा थे।

देखें न्यूजीलैंड की टीम

टी-20: केन विलियमसन (कप्तान), फिन ऐलन, माइकल ब्रेसवेल, डेवोन कॉनवे, लॉकी फर्ग्यूसन, डेरिल मिशेल, एडम मिल्ने, जिमी नीशम, ग्लेन फिलिप्स, मिशेल सेंटनर, ईश सोढ़ी, टिम साउदी और ब्लेयर टिकर।

वनडे : केन विलियमसन (कप्तान), फिन ऐलन, माइकल ब्रेसवेल, डेवोन कॉनवे, लॉकी फर्ग्यूसन, मैट हेनरी, टॉम लैथम, डेरिल मिशेल, एडम मिल्ने, जिमी नीशम, ग्लेन फिलिप्स, मिशेल सेंटनर और टिम साउदी।

दिग्गज महिला मुक्केबाज मैरीकॉम एथलीट कमिशन की अध्यक्ष बनीं, शरत कमल उपाध्यक्ष

नई दिल्ली, 15 नवंबर (एजेंसियां)। मैरीकॉम आठ बार की वर्ल्ड चैंपियनशिप मेडलिस्ट रह चुकी हैं। वह वर्ल्ड चैंपियनशिप में छह बार (2002, 2005, 2006, 2008, 2010, 2018) स्वर्ण पदक जीत चुकी हैं। वहीं, 2012 लंदन ओलंपिक में मैरीकॉम ने कांस्य पदक जीता था। भारतीय ओलंपिक संघ ने दिग्गज महिला मुक्केबाज मैरीकॉम को आईओए की एथलीट्स कमिशन का अध्यक्ष चुना है। सर्वसम्मति से इस पद के लिए चुनी गईं। वहीं, राष्ट्रमंडल खेलों के स्वर्ण पदक विजेता टेबल टेनिस खिलाड़ी अचंत शरत कमल उपाध्यक्ष चुने गए।

मैरीकॉम आठ बार की वर्ल्ड चैंपियनशिप मेडलिस्ट रह चुकी हैं। वह वर्ल्ड चैंपियनशिप में छह बार (2002, 2005, 2006, 2008, 2010, 2018) स्वर्ण पदक जीत चुकी हैं। वहीं, 2012 लंदन ओलंपिक में मैरीकॉम ने कांस्य पदक जीता था। मैरीकॉम दो बार की एशियन गेम्स मेडलिस्ट भी रह चुकी हैं। 2014 इंचियोन एशियन गेम्स में मैरीकॉम ने स्वर्ण और 2010 ग्वांग्झू एशियन गेम्स में कांस्य जीता था। वह 2018 कॉमनवेल्थ गेम्स में स्वर्ण पदक भी जीत चुकी हैं।

वहीं, शरत राष्ट्रमंडल खेलों में भारत के सबसे सफल एथलीट्स के मामले में तीसरे स्थान पर हैं। उनसे ज्यादा सिर्फ जसपाल राणा (शूटिंग) और समरेश जंग (शूटिंग) ने पदक जीते हैं। जसपाल के नाम राष्ट्रमंडल खेलों में 15 पदक (9 स्वर्ण) और समरेश के नाम 14 पदक (7 स्वर्ण) हैं। शरत राष्ट्रमंडल खेलों में कुल सात स्वर्ण पदक जीत चुके हैं। 2022 बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों में तीन स्वर्ण के अलावा शरत ने 2006 में मेन्स सिंगल्स और मेन्स टीम इवेंट में स्वर्ण, 2010 में मेन्स डबल्स में स्वर्ण और 2018 में मेन्स टीम इवेंट में स्वर्ण जीता था।

इसके अलावा वह 2010 में दो कांस्य, 2014 और 2018 में एक-एक रजत और 2022 में एक रजत जीत चुके हैं। शरत ने राष्ट्रमंडल खेलों में कुल 13 पदक जीते हैं। राष्ट्रमंडल खेलों के अलावा शरत एशियन गेम्स में दो पदक जीत चुके हैं।

2018 में जकार्ता एशियन गेम्स में मेन्स टीम और मिक्स्ड डबल्स इवेंट में शरत कमल ने कांस्य जीता था। इसके अलावा वह एशियन चैंपियनशिप्स में दो कांस्य भी जीत चुके हैं। 2021 दोहा एशियन चैंपियनशिप्स में कांस्य जीता था।

अचंता शरत को मिलेगा खेल रत्न, लक्ष्य सेन को अर्जुन पुरस्कार देखिए पूरी लिस्ट

खेल डेस्क, 15 नवंबर (एजेंसियां)। खेल मंत्रालय ने इस साल के खेल पुरस्कारों की घोषणा कर दी है और 30 नवंबर को राष्ट्रपति भवन में ये पुरस्कार बांटे जाएंगे. अपने प्रदर्शन से लगातार भारत के हिस्से में सफलता डालने वाले पुरुष टेबल टेनिस खिलाड़ी अचंता शरत कमल को उनकी मेहनत का ईनाम मिला है. भारतीय सरकार ने इस साल का मेजर ध्यान चंद अवॉर्ड शरत को देने का फैसला किया है. खेल मंत्रालय ने सोमवार को खेल पुरस्कारों की सूची जारी है और बताया है कि किसके हिस्से कौनसा अवॉर्ड आया है. इस सूची में खेल रत्न हासिल करने वाले अचंता इकलौते खिलाड़ी हैं.30 नवंबर को राष्ट्रपति भवन में आयोजित समारोह में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू वर्ष 2022 के लिये मेजर ध्यानचंद राजीव गांधी खेल रत्न पुरस्कार प्रदान करेंगी.

25 खिलाड़ियों को अर्जुन पुरस्कार दिया जाएगा जिनमें बैडमिंटन खिलाड़ी लक्ष्य सेन, एच एस प्रणय , महिला मुक्केबाज निकहत जरीन, एथलीट एल्डौस पॉल, अविनाश साबले शामिल हैं, लक्ष्य सेन और निकहत ने विश्व चैंपियनशिप में अपना जलवा दिखाया था और उनकी ये मेहनत रंग लाई है. लक्ष्य ने 2021 में विश्व चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीता था. उन्होंने इसी साल बर्मिंघम में खेले गए राष्ट्रमंडल खेलों में गोल्ड जीता था. निकहत ने इसी साल विश्व चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीता था.

शरत ने कॉमनवेल्थ में किया कमाल

शरत ने इस साल बर्मिंघम में खेले गए राष्ट्रमंडल खेलों में तीन स्वर्ण पदक अपने नाम किए थे. उन्होंने पुरुष एकल वर्ग, पुरुष टीम, मिश्रित युगल वर्ग में सोने का तमगा जीता था. वह 2006 से लगातार राष्ट्रमंडल खेलों में पदक जीतते आ रहे हैं. पिछले साल ओलिंपिक खेलों

में भी उन्होंने अच्छा किया था. एशियाई खेलों में शरत दो पदक जीत चुके हैं. ये दोनों पदक उन्होंने 2018 में पुरुष टीम और मिश्रित टीम के साथ जीते हैं.

क्रिकेट में सिर्फ एक अवॉर्ड

इन पुरस्कारों में हालांकि क्रिकेट के नाम पर सिर्फ एक अवॉर्ड है और ये अवॉर्ड मिला है भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा के बचपन के कोच दिनेश लाड को. उन्हें लाइफ टाइम अचीवमेंट अवॉर्ड कैटेगरी में ये पुरस्कार मिला है.

जीवनजोत सिंह तेजा (तीरंदाजी), मोहम्मद अली कमर (मुक्केबाजी), सुमा शिरूर (पैरा निशानेबाजी) और सुजीत मान (कुश्ती) को द्रोणाचार्य पुरस्कार दिया जायेगा जबकि बिमल घोष (फुटबॉल) और राज सिंह कुश्ती) को लाइफ टाइम अचीवमेंट अवॉर्ड कैटेगरी में पुरस्कार मिलेगा. अश्विनी अकुंजी (एथलेटिक्स), धरमवीर सिंह (हॉकी), बी सी सुरेश (कबड्डी) और नीर महादुर गुरंग (पैरा एथलेटिक्स) को ध्यानचंद लाइफटाइम अचीवमेंट पुरस्कार मिलेगा.

विजेताओं की सूची :

मेजर ध्यानचंद खेल रत्न पुरस्कार : अचंता शरत कमल

अर्जुन पुरस्कार : सीमा पूनिया (एथलेटिक्स), एल्डौस पॉल (एथलेटिक्स), अविनाश साबले (एथलेटिक्स), लक्ष्य सेन (बैडमिंटन), एच एस प्रणय (बैडमिंटन), अमित (मुक्केबाजी), निकहत जरीन (मुक्केबाजी), भक्ति कुलकर्णी (शतरंज), आर प्रज्ञानानंदा (शतरंज), दीप ग्रेस इक्का (हॉकी), सुशीला देवी (जूडो), साक्षी कुमारी (कबड्डी), नयन मोनी सैकिया (लॉनबॉल), सागर ओव्हालकर (मलखम्ब), इलावेनिल वालारिवान (निशानेबाजी), ओमप्रकाश मिठारवाल (निशानेबाजी), श्रीजा अकुला (टेबल टेनिस), विकास ठाकुर (भारोत्तोलन), अंशु (कुश्ती), सरिता (कुश्ती), परवीन (वुशू), मानसी जोशी (पैरा बैडमिंटन), तरूण ढिल्लो (पैरा बैडमिंटन), स्वप्निल पाटिल (पैरा तैराकी), जर्लिन अनिका जे (बधिर बैडमिंटन)

द्रोणाचार्य पुरस्कार (नियमित श्रेणी में कोचों के लिये) : जीवनजोत सिंह तेजा (तीरंदाजी), मोहम्मद अली कमर (मुक्केबाजी), सुमा शिरूर (पैरा निशानेबाजी) और सुजीत मान (कुश्ती)

लाइफटाइम श्रेणी : दिनेश लाड (क्रिकेट), बिमल घोष (फुटबॉल), राज सिंह (कुश्ती)

ध्यानचंद लाइफटाइम अचीवमेंट पुरस्कार : अश्विनी अकुंजी (एथलेटिक्स), धरमवीर सिंह (हॉकी), बी सी सुरेश (कबड्डी), नीर बहादुर गुरंग (पैरा एथलेटिक्स)

राष्ट्रीय खेल प्रोत्साहन पुरस्कार : ट्रांस स्टेडिया इंटरप्राइजेस प्राइवेट लिमिटेड, कलिंगा सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान, लद्दाख स्की और स्नोबोर्ड संघ

जॉस बटलर हैं अगले एमएस धोनी

टी20 वर्ल्ड कप जीतने के बाद बड़ी भविष्यवाणी

खेल डेस्क, 15 नवंबर (एजेंसियां)। महेंद्र सिंह धोनी की गिनती दुनिया के बेहतरीन और सफलतम कप्तानों में की जाती है और हर कोई उनसे सीखने की बात कहता है. क्रिकेट इतिहास के सबसे सफल कप्तानों की फेहरिस्त में भारत के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी का नाम आएगा ही. जब भी बेहतरीन कप्तानी की बात की जाती है तो धोनी का उदाहरण दिया जाता है. कई पूर्व क्रिकेटर अपने देश के खिलाड़ियों और कप्तानों से धोनी से सीखने की सलाह देते हैं. धोनी लंबे समय तक टीम इंडिया के कप्तान रहे और इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वॉन को लगता है कि उनके देश को दूसरा टी20 विश्वकप दिलाने वाले जॉस बटलर भी धोनी की राह पर चल सकते हैं.

बटलर पहली बार आईसीसी टूर्नामेंट में इंग्लैंड की कप्तानी कर रहे थे. ऑयन मॉर्गन के कप्तानी छोड़ने के बाद उन्हें टीम की कमान सौंपी गई थी. बटलर ने उम्मीदों को पूरा किया. सुपर-12 में आयरलैंड से मिली हार के बाद टीम को संभाला. सेमीफाइनल में उन्होंने भारत के खिलाफ कप्तानी पारी खेली और फाइनल में पहुंचाया. नतीजा ये रहा कि फाइनल में इंग्लैंड ने पाकिस्तान को हरा विश्व कप जीता. वॉन का मानना है कि बटलर लंबे समय तक इंग्लैंड की कप्तानी कर सकते हैं, ठीक उसी तरह जिस तरह से धोनी ने भारत की कप्तानी की थी. वॉन ने अंग्रेजी अखबार द टेलीग्राफ में अपने कॉलम में लिखा. "बटलर ने पहली बार विश्व कप पर कब्जा जमाया है. 32 साल की उम्र में उनके पास अपनी विरासत खड़ी करने का अच्छा मौका है.

आईपीएल नहीं खेलेंगे पोलार्ड : मुंबई इंडियंस ने बल्लेबाजी कोच बनाया

13 साल तक फ्रेंचाइजी का हिस्सा रहे

मुंबई, 15 नवंबर (एजेंसियां)। वेस्टइंडीज के धाकड़ बल्लेबाज कीरोन पोलार्ड अब आईपीएल-2023 खेलते नजर नहीं आएंगे। मंगलवार को पूर्व कैरेबियाई कप्तान पोलार्ड ने भारतीय लीग से संन्यास की घोषणा कर दी है। अब वे मुंबई के बल्लेबाजों को ट्रेनिंग देंगे। मुंबई इंडियन ने उन्हें बैटिंग को बनाया है। 35 साल के पोलार्ड ने मुंबई इंडियंस के लिए 5 टाइटल जीते हैं। वे सबसे ज्यादा आईपीएल ट्रॉफी जीतने वाले खिलाड़ी हैं। पोलार्ड ने 7 महीने पहले इंटरनेशनल क्रिकेट के सभी फॉर्मेट से संन्यास ले लिया था। लेकिन, उन्होंने आईपीएल खेलते रहने की बात कही थी।

सबसे लंबे समय तक टीम से जुड़े रहे

पोलर्ड ने आईपीएल में एक टीम के साथ सबसे लंबे समय तक जुड़े रहने का रिकॉर्ड बनाया। वे 2010 में टीम के साथ जुड़े थे। हालांकि, वे अब भी फ्रेंचाइजी से अलग नहीं हुए हैं। वे अब बतौर कोच टीम के साथ जुड़े हैं।

3 हजार से ज्यादा रन बनाए

पोलार्ड ने पिछले 13 साल में मुंबई इंडियन के लिए 3412 रन बनाए हैं। उन्होंने फ्रेंचाइजी के लिए 189 विकेट चटकाए थे। पोलार्ड के नाम 69 विकेट भी दर्ज हैं।

101 टी-20 इंटरनेशनल और 123 वनडे खेल चुके

पोलार्ड ने अपने करियर में 101 टी-20 इंटरनेशनल और 123 वनडे मैचों में वेस्टइंडीज को रिप्रजेंट किया। वनडे में उन्होंने 26.01 की औसत से 2706 रन बनाए। इसमें 3 शतक और 13 अर्धशतक शामिल हैं। टी-20 इंटरनेशनल में उन्होंने 25.30 की औसत से 1569 रन बनाए। इसमें 6 शतक शामिल हैं। पोलार्ड ने वनडे में 55 और टी-20 इंटरनेशनल में 42 विकेट भी लिए हैं।

2019 में मिली थी कप्तानी

पोलार्ड को 2019 में वेस्टइंडीज की वनडे और टी-20 टीम का कप्तान बनाया गया। 2021 टी-20 वर्ल्ड कप में वे कैरेबियन टीम के कप्तान भी थी। हालांकि, टीम सेमीफाइनल में नहीं पहुंच सकी।

ऑस्ट्रेलियन ओपन खेलेंगे जोकोविच, पहले 2025 तक ऑस्ट्रेलिया में घुसने पर थी पाबंदी

मेलबर्न,15 नवंबर (एजेंसियां)। सबसे ज्यादा ग्रैंड स्लैम जीतने का रिकॉर्ड स्पेन के दिग्गज राफेल नडाल के नाम है। उन्होंने 22 ग्रैंड स्लैम जीते हैं। वहीं, दूसरे नंबर पर जोकोविच हैं। जोकोविच ऑस्ट्रेलियन ओपन के बादशाह हैं और उनके नाम सबसे ज्यादा बार ऑस्ट्रेलियन ओपन खिताब (9) जीतने का रिकॉर्ड है।

सर्बिया के दिग्गज टेनिस खिलाड़ी नोवाक जोकोविच अगला ऑस्ट्रेलियन ओपन खेलेंगे। इसका दावा स्थानीय न्यूज पोर्टल्स गार्जियन ऑस्ट्रेलिया और स्टेट ब्रॉडकास्टर एबीसी ने मंगलवार को किया है। दरअसल, जोकोविच को इस साल ऑस्ट्रेलियन ओपन नहीं खेलने दिया गया था, क्योंकि उन्होंने कोरोना वैक्सीन लगवाने से इनकार कर दिया था। साथ ही जोकोविच के ऑस्ट्रेलिया में एंट्री पर भी रोक लगा

दी थी। जोकोविच को 2025 तक ऑस्ट्रेलिया में घुसने की इजाजत नहीं थी। हालांकि, ऑस्ट्रेलियाई मीडिया में छपी रिपोर्ट के मुताबिक जोकोविच जनवरी में होने वाले अगले ऑस्ट्रेलियन ओपन में खेल सकते हैं।

स्टेट ब्रॉडकास्टर एबीसी ने कहा कि इमिग्रेशन मिनिस्टर एंड्रयू जाइल्स ने बैन के अपने फैसले को बदल दिया है और अब जोकोविच खेल सकेंगे। हालांकि, इस रिपोर्ट पर इमिग्रेशन मिनिस्ट्री के एक और मंत्री ने कुछ कहने से इनकार कर दिया। ऑस्ट्रेलियन ओपन टूर्नामेंट के डायरेक्टर क्रेग टिले ने इस रिपोर्ट पर कहा कि अगर जोकोविच को वीजा मिलता है तो जनवरी में उनका स्वागत किया जाएगा।

टिले ने कहा- टेनिस ऑस्ट्रेलिया अपनी ओर से इस मुद्दे पर कुछ नहीं कह सकता। ऑस्ट्रेलिया ने पिछले साल अपनी धरती पर कदम रखने वाले यात्रियों के लिए कोरोना वैक्सीन जरूरी कर दी थी। हालांकि, जोकोविच ने वैक्सीन लगाने से इनकार कर दिया था। इसके बाद वह ऑस्ट्रेलिया पहुंचे भी थे। वहां उनका वीजा रद्द कर दिया गया था और दो तीन बाद उन्हें वापस लौटने को कहा गया था।

इस वजह से जोकोविच ऑस्ट्रेलियन ओपन नहीं खेल पाए थे। हालांकि, इस साल जुलाई में कोविड वैक्सीन वाले नियम को ऑस्ट्रेलियाई सरकार ने हटा लिया। इसके बाद अक्तूबर में जोकोविच ने कहा था कि उन्हें अपने बैन पर कुछ सकारात्मक खबरें मिली हैं और उन्हें उम्मीद है कि बैन हटा लिया जाएगा। स्थानीय मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, यह चैंपियन अगले साल इस बड़े ग्रैंड स्लैम में खेलते दिखेंगे। सबसे ज्यादा ग्रैंड स्लैम जीतने का रिकॉर्ड स्पेन के दिग्गज राफेल नडाल के नाम है। उन्होंने 22 ग्रैंड स्लैम जीते हैं। वहीं, दूसरे नंबर पर जोकोविच हैं। जोकोविच ऑस्ट्रेलियन ओपन के बादशाह हैं और उनके नाम सबसे ज्यादा बार ऑस्ट्रेलियन ओपन खिताब (9) जीतने का रिकॉर्ड है। अगर जोकोविच फिर से यह खिताब जीतते हैं तो नडाल के रिकॉर्ड की बराबरी कर लेंगे।

राज्य में बेहतर चिकित्सा सेवा उपलब्ध कराने को प्राथमिकता : केसीआर

सीएम केसीआर ने नए मेडिकल कॉलेजों की कक्षाएं शुरू कीं

हैदराबाद, 15 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव ने मंगलवार को तेलंगाना राज्य के आठ जिलों में नवनिर्मित आठ सरकारी मेडिकल कॉलेजों की शैक्षणिक कक्षाओं का उद्घाटन किया। मंचेरियल, रामागुंडम, जगित्याल, भद्राद्री कोत्तेगुडेम, वनपर्ती, नागरकुर्नूल, महबूबाबाद और संगारेड्डी में आठ मेडिकल कॉलेजों की कक्षाओं का शुभारंभ मुख्यमंत्री ने यहां प्रगति भवन से किया। आठ नए कॉलेजों के शुभारंभ के साथ, तेलंगाना में मेडिकल कॉलेजों की संख्या 17 तक पहुंच गई। 4,080 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित आठ नए कॉलेजों में एमबीबीएस की 1,150 अतिरिक्त सीटें शामिल होंगी। इसके साथ ही तेलंगाना में एमबीबीएस की कुल सीटों की संख्या 2790 हो गई है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने राज्य में मेडिकल कॉलेजों की शीघ्र स्थापना, अधिक मेडिकल सीटों की आवश्यकता और बेहतर चिकित्सा सेवाओं की पूर्ति सुनिश्चित कर आकांक्षी डॉक्टरों के सपनों को साकार करने के लिए अधिकारियों और कर्मचारियों को बधाई दी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यह तेलंगाना राज्य के इतिहास का एक स्वर्णिम अध्याय है और अविस्मरणीय दिन है। "एक बार, तेलंगाना को पीने के पानी, सिंचाई के पानी, बिजली, मेडिकल सीट और इंजीनियरिंग सीटों के लिए बहुत सारी समस्याओं का सामना करना पड़ा। आज, तेलंगाना राज्य हासिल कर लिया गया है और हमने एक भूमिका निभाते हुए बड़े आत्मसम्मान के साथ अभिनव कार्यक्रम शुरू किए हैं। 2014 तक तेलंगाना में केवल तीन सरकारी मेडिकल कॉलेज थे। अब, राज्य सरकार हर जिले में एक मेडिकल कॉलेज सुनिश्चित करके, सरकारी मेडिकल कॉलेजों की कुल संख्या को 33 तक बढ़ाने के उद्देश्य से काम कर रही है। नए कॉलेजों के शुरू होने से पीजी और सुपर स्पेशियलिटी सीटों में भी काफी वृद्धि हुई है। पहले केवल 531 पीजी सीटें थीं। अब कुल 1,180 पीजी सीटें उपलब्ध कराई जाती हैं। पूर्व में सुपर स्पेशियलिटी सीटों की सख्या 70 होती थी।

आज तेलंगाना में 152 सीटें हैं। इस बीच, आईटी और उद्योग मंत्री केटी रामा राव ने नए मेडिकल कॉलेज शुरू करने के सरकार के कदम का स्वागत किया और स्वास्थ्य मंत्री हरीश राव को अपनी शुभकामनाएं दीं, जो तेलंगाना के हर जिले में एक मेडिकल कॉलेज की स्थापना की वास्तविकता बनाने के लिए काम कर रहे हैं।

अमृत भारत रथ यात्रा में शामिल हुए राज्यपाल

विजयवाड़ा, 15 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। आंध्र प्रदेश के राज्यपाल विश्वभूषण हरिचंदन मंगलवार को यहां ब्राह्मण वेधी में श्री वेंकटेश्वर स्वामी वारी मंदिर के पास विप्र फाउंडेशन द्वारा आयोजित अमृत भारत रथ यात्रा में शामिल हुए। अमृत भारत रथ यात्रा अरुणाचल प्रदेश में परशुराम कुंड की तीर्थयात्रा को बढ़ावा देने के लिए एक गैर-लाभकारी गैर सरकारी संगठन विप्र फाउंडेशन द्वारा आयोजित परशुराम कुंड अमंत्रण यात्रा का हिस्सा है, जहां 51 फीट की भव्य मूर्ति स्थापित करने के लिए निर्माण कार्य चल रहा है। भगवान परशुराम उस पवित्र स्थल पर जहां भगवान परशुराम ने अपना प्रायश्चित किया था। मकर संक्रांति के शुभ अवसर पर हर साल जनवरी में पवित्र स्थल पर एक भव्य मेला आयोजित किया जाता है। मल्लादी विष्णु, विधायक और उपाध्यक्ष, आंध्र प्रदेश योजना बोर्ड, वेलमपल्ली श्रीनिवास, विधायक और अन्य गणमान्य व्यक्ति भी इस अवसर पर उपस्थित थे।

सीएम ने मेडिकल कॉलेज स्थापित करने का अपना चुनावी वादा पूरा किया : प्रभाकर

हैदराबाद, 15 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलगाना राज्य हथकरघा विकास निगम के अध्यक्ष चिंता प्रभाकर ने कहा कि मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव ने संगारेड्डी में एक मेडिकल कॉलेज की स्थापना के अपने 2018 के चुनावी वादे को पूरा किया। यह याद करते हुए कि मुख्यमंत्री ने 2018 के विधानसभा चुनावों से पहले एक जनसभा के दौरान संगारेड्डी में घोषणा की थी, प्रभाकर ने कहा कि मेडिकल कॉलेज से जुड़े अस्पताल में क्षेत्र में सबसे अच्छी सुविधाएं हैं। मुख्यमंत्री द्वारा सरकारी मेडिकल कॉलेज के आभासी उद्घाटन के बाद बोलते हुए, प्रभाकर ने मुख्यमंत्री को अपना वादा निभाने के लिए धन्यवाद दिया।

एंडोले के विधायक चंटी क्रांति किरण ने कहा कि राज्य सरकार ने 1,150 मेडिकल सीटें जोड़ी हैं, जो अंततः कई लोगों को तेलंगाना में चिकित्सा शिक्षा हासिल करने का अवसर प्रदान करेगी। मेडिकल कॉलेज के उद्घाटन के उपलक्ष्य में मंगलवार सुबह टीआरएस नेताओं द्वारा संगारेड्डी कस्बे में 600 बाइकों के साथ एक विशाल रैली निकाली गई। जिला परिषद अध्यक्ष पी. मंजुश्री, कलेक्टर ए. शरत, एसपी एम. रमण कुमार, अपर कलेक्टर राजर्षि शा, मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. एन. वाणी, डीएमएचओ डॉ गायत्रीदेवी, जिला अस्पताल अधीक्षक डॉ अनिल आदि मौजूद थे।

सरकार ने ट्रांसजेंडर समुदाय को कल्याणकारी योजनाओं के लिए पंजीकरण करने को कहा

हैदराबाद, 15 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य सरकार ने विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं का लाभ उठाने के लिए ट्रांसजेंडर समुदाय के सदस्यों को वेब पोर्टल https://transgender.dosje.gov.in/ पर अपना नाम दर्ज करने के लिए कहा है। विकलांग और वरिष्ठ नागरिकों के कल्याण विभाग द्वारा मंगलवार को यहां जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, वेबसाइटों के माध्यम से अपना नाम दर्ज करके, समुदाय के सदस्य छात्रवृत्ति, कौशल विकास, रोजगार, समग्र चिकित्सा स्वास्थ्य बीमा, ट्रांसजेंडर प्रमाण पत्र, पहचान पत्र और यहां तक कि अपनी शिकायतों को दर्ज करने जैसे कल्याणकारी उपायों का लाभ उठा सकते हैं। विज्ञप्ति में कहा गया है कि पोर्टल के साथ पंजीकरण करने पर प्रत्येक आवेदक को योजना का लाभ उठाने के लिए आवश्यक परिणामी चरणों का पालन करने के लिए एक अद्वितीय पंजीकरण संख्या और अन्य लॉगिन क्रेडेंशियल प्रदान किए जाएंगे।

दमरे ने मनाया 'जनजातीय गौरव दिवस'

हैदराबाद, 15 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे ने आदिवासी स्वतंत्रता सेनानी को श्रद्धांजलि देने और उनके योगदान को याद करने के लिए 'भगवान बिरसा मुंडा की जयंती 'जनजातीय गौरव दिवस' के रूप में मनाई। मुख्यालय और दक्षिण मध्य रेलवे के छह मंडलों यानी हैदराबाद, सिकंदराबाद, विजयवाड़ा, गुंटूर, गुंतकल और नांदेड़ के अधिकारियों और कर्मचारियों ने समारोह में भाग लिया और श्रद्धांजलि दी। प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने बहादुर आदिवासी स्वतंत्रता सेनानियों की स्मृति में 15 नवंबर को 'जनजातीय गौरव दिवस' के रूप में मनाने की घोषणा की, ताकि आने वाली पीढ़ियों को देश के लिए उनके बलिदानों के बारे में पता चल सके।

जनजातीय स्वतंत्रता सेनानियों की स्मृति का जश्न मनाने के लिए, दमरे ने लोगों में जागरूकता फैलाने के लिए बैनर/पोस्टर और डिजिटल डिस्प्ले प्रदर्शित करके रेलवे स्टेशनों और कार्यालय परिसरों में एक व्यापक अभियान चलाया। दक्षिण मध्य रेलवे ने जनजातीय गौरव दिवस 2022 के अवसर पर प्रमुख जनजातीय आंदोलनों, स्वतंत्रता संग्रामों और जनजातीय समुदाय के लिए भारत सरकार द्वारा की गई कई पहलों को याद करने के लिए क्रिएटिव पोस्ट करके एक व्यापक सोशल मीडिया अभियान भी चलाया। बिरसा मुंडा (15 नवंबर 1875-9 जून 1900) एक भारतीय आदिवासी स्वतंत्रता सेनानी और लोक नायक थे, जो मुंडा जनजाति के थे। उन्होंने ब्रिटिश राज के दौरान 19वीं शताब्दी के अंत में बंगाल प्रेसीडेंसी (अब झारखंड) में पैदा हुए एक आदिवासी धार्मिक सहस्राब्दी आंदोलन का नेतृत्व किया, जिससे वह भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन के इतिहास में एक महत्वपूर्ण व्यक्ति बन गए। दमरे के महाप्रबंधक अरुण कुमार जैन ने सभी से देश के प्रतिष्ठित स्वतंत्रता सेनानी और आदिवासी नेता बिरसा मुंडा को याद करने की अपील की। उन्होंने कहा कि 'जनजातीय गौरव दिवस' आने वाली पीढ़ियों के लिए महान आदिवासी विरासत के बारे में जानने का माध्यम बनेगा।

हत्याकांड में महिला समेत पांच को उम्रकैद की सजा

सिद्दीपेट, 15 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। प्रथम अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायालय ने हत्या के एक मामले में एक महिला समेत पांच लोगों को उम्रकैद की सजा के अलावा 25 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया है।

गजवेल एसीपी रमेश के अनुसार, पांचों आरोपी चेट्टाबोइना कनककैया, तिरुपति, परशुराम, मल्लैया और मयदलव्वा ने 16 जुलाई, 2017 को अपने रिश्तेदार चेट्टाबोयना यदैया, उनके बेटे मुरली और पत्नी कंथवा पर हमला किया था, जब वह कुकुनुरपल्ली पुलिस थाना क्षेत्र के बदरम गांव में एक कृषि क्षेत्र में काम कर रहे थे। चूंकि दोनों परिवारों के बीच एक ही जमीन को लेकर विवाद चल रहा था, इसलिए पांचों दोषियों ने उन पर हमला कर दिया। इलाज के दौरान यादव की मौत हो गई। न्यायाधीश ने दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद मंगलवार को फैसला सुनाया।

अब भारतीय रेलवे के खानपान मेनू का हिस्सा होंगे क्षेत्रीय व मौसमी व्यंजन

हैदराबाद, 15 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय रेलवे देश के सभी क्षेत्रों के अपने विविध यात्रियों के स्वाद को पूरा करने के लिए कई उपाय कर रहा है। इस दिशा में, भारतीय रेलवे खानपान और पर्यटन निगम (आईआरसीटीसी) को क्षेत्रीय व्यंजनों/मौसमी व्यंजनों आदि की वस्तुओं को शामिल करने के लिए लचीलापन देने के लिए रेलवे द्वारा एक और महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। आईआरसीटीसी के पास खानपान जैसे विभिन्न मेनू की सेवा करने की लचीलापन भी होगी। यात्रियों के विभिन्न समूहों (मधुमेह भोजन, शिशु आहार, स्वस्थ भोजन विकल्प जैसे कि बाजरा आदि पर आधारित) और त्योहारों के दौरान भोजन की आवश्यकताओं के अनुसार पर मिलेगा। यह देश भर में यात्रा करने वाली विभिन्न ट्रेनों में क्षेत्रीय व्यंजनों को समायोजित करने के साथ-साथ बढ़ावा देने के लिए महत्वपूर्ण लचीलापन प्रदान करेगा। महत्वपूर्ण रूप से, इस लचीलेपन को न केवल प्रीपेड ट्रेनों (जैसे राजधानी, शताब्दी, आदि) और मेल / एक्सप्रेस ट्रेनों में बल्कि यात्रियों के लाभ के लिए मानक के साथ-साथ खानपान विकल्पों के लिए भी बढ़ाया गया है। इस पूरी प्रक्रिया में उचित सावधानी बरती जाएगी ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि भोजन और सेवा की गुणवत्ता और मानकों में उन्नयन बनाए रखा जाएगा, जबकि बार-बार और अनुचित परिवर्तनों से बचने के साथ-साथ घटिया ब्रांडों के उपयोग से बचने के लिए आवश्यक सुरक्षा उपाय किए जाएंगे। मेन्यू टैरिफ के अनुरूप होगा और यात्रियों की जानकारी के लिए पूर्व-अधिसूचित किया जाएगा। दमरे के महाप्रबंधक अरुण कुमार जैन ने कहा कि यह एक और महत्वपूर्ण उपाय है जो न केवल क्षेत्रीय व्यंजनों को महत्वपूर्ण प्रोत्साहन दे सकता है बल्कि रेल यात्रियों की विविध खाद्य प्राथमिकताओं को पूरा करने में भी मदद कर सकता है। उन्होंने आईआरसीटीसी के अधिकारियों को खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता में शीर्ष मानक बनाए रखने की भी सलाह दी ताकि रेल उपयोगकर्ताओं की अपेक्षाओं पर खरा उतरा जा सके।

लोगों की समस्याओं को हल करने का हरसंभव प्रयास : तलसानी

मंत्री ने कई विकास कार्यों का शुभारम्भ किया

हैदराबाद, 15 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। पशुपालन, मत्स्य पालन, डेयरी विकास और छायांकन मंत्री तलसानी श्रीनिवास यादव ने कहा कि लोगों की जरूरतों को पहचानकर उनकी समस्याओं को हल करने का प्रयास किया जा रहा है। मंत्री ने मंगलवार को सनतनगर निर्वाचन क्षेत्र के बंसीलाल पेट और पद्मराव नगर में 3.69 करोड़ रुपये के कई विकास कार्यों का शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि करोड़ों रुपये की लागत से लोगों को बुनियादी ढांचा और सुविधाएं मुहैया कराई जा रही हैं। उन्होंने कहा कि जल निकासी और पेयजल जैसी समस्याओं के बिना पूरा उपाय किया गया है। उन्होंने भोईगुडा में 19.70 लाख रुपये की लागत से किए जाने वाले सीसी सड़क निर्माण कार्य का शुभारंभ कर कालोनीवासियों की समस्याओं के बारे में जानकारी ली।

महिलाओं ने मंत्री को अपनी समस्याओं से अवगत कराया। उन्होंने कहा कि कॉलोनी में स्ट्रीट लाइट ठीक से नहीं जलाई जाती और कई खंभों की हालत खस्ता हो गई है। मंत्री ने बिजली अधिकारियों को समस्या के समाधान के लिए कदम उठाने का आदेश दिया। इस अवसर पर पार्षद हेमलता, पद्मराव नगर टीआरएस प्रभारी गुरराम पवन कुमार गौड़, जोनल कमिश्नर श्रीनिवास रेड्डी, डीसी मुकुंद रेड्डी, ईई सुदर्शन, वाटर वर्क्स जीएम रमना रेड्डी, टाउन प्लानिंग एसीपी क्रिस्टोफर, सेनेटरी डीई श्रीनिवास, बागवानी डीडी राघवेंद्र आदि उपस्थित रहे।

पासपोर्ट सत्यापन की समयसीमा में तेलंगाना पुलिस सर्वश्रेष्ठ : विदेश मंत्रालय

हैदराबाद, 15 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। विदेश मंत्रालय द्वारा पासपोर्ट सत्यापन की समय-सीमा बनाए रखने के मामले में तेलंगाना पुलिस को सर्वश्रेष्ठ में से एक माना गया है।

तेलंगाना के डीजीपी, एम. महेंद्र रेड्डी ने कहा कि तेलंगाना राज्य पुलिस के निरंतर प्रयासों के कारण, इसे पासपोर्ट सत्यापन समयसीमा के रखरखाव के मामले में वर्ष 2021-22 के लिए देश में सर्वश्रेष्ठ में से एक के रूप में मान्यता दी गई है। यह पुरस्कार विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर द्वारा क्षेत्रीय पासपोर्ट अधिकारी सम्मेलन 2022 में प्रदान किया जाएगा, जो 18-19 नवंबर, 2022 को दिल्ली में आयोजित किया जाएगा।

डीजीपी ने सभी तेलंगाना पुलिस अधिकारियों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि हम राज्य के लिए कई और उत्कृष्ट सम्मानों की उम्मीद करते हैं।

निजी बस में लगी आग 29 यात्री बाल-बाल बचे

निर्मल, 15 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मंगलवार की सुबह सोन मंडल के गंजल गांव के पास एक टोल प्लाजा पर आग की लपटों में घिरी एक निजी बस से नीचे उतरने में 29 यात्री चमत्कारिक रूप से बाल-बाल बचे। शॉर्ट सर्किट से बस में आग लग गई, जिससे बस में धुआं भर गया। परेशानी को भांपते हुए यात्री तुरंत वाहन से उतर गए। उनके नीचे उतरने के कुछ मिनट बाद ही बस में आग लग गई। प्रत्यक्षदर्शियों ने कहा कि यात्रियों की सतर्कता ने उनकी जान बचाई और एक बड़ा हादसा होने से टल गया। हादसे के वक्त बस महाराष्ट्र के नागपुर से हैदराबाद जा रही थी। यह नागपुर के पूजा ट्रेवल्स का है। इस बीच सोन पुलिस मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाया। मामला दर्ज किया गया था। जांच-पड़ताल की गई।

जंगली जानवर द्वारा किसान की हत्या

जानवर की पहचान करने में जुटे जंगल अधिकारी

कुमरमभीम आसिफाबाद, 15 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। वांकिडी मंडल के चौपांगुडा गांव के खानापुर गांव में मंगलवार को एक बुजुर्ग आदिवासी किसान की कथित तौर पर बाघ ने हत्या कर दी। वन अधिकारियों ने अभी इस बात की पुष्टि नहीं की है कि यह बाघ था या तेंदुआ। खानापुर के मूल निवासी किसान सिदाम भीम (69) की मौके पर ही मौत हो गई, जब बड़ी बिल्ली ने उस पर हमला किया, जब वह जंगल के किनारे और खानापुर के बाहरी इलाके में एक खेत में कपास की फसल काट रहा था। भीम की आवाज सुनकर आसपास के कुछ किसान मौके पर पहुंचे। उन्होंने उसके परिवार के सदस्यों को सूचित किया जिन्होंने बदले में वन अधिकारियों को सतर्क किया। प्रभारी जिला वन अधिकारी दिनेश कुमार मौके पर पहुंचे और घटना की जांच की। उन्होंने कहा कि अभी यह पता नहीं चल पाया है कि किसान को मारने वाला बाघ था या तेंदुआ। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में बाघों की आवाजाही दर्ज नहीं की जा रही है। घटना स्थल पर बाघ के पगमार्क नहीं मिले हैं। हालांकि, पीड़ित के परिजनों को मुआवजा दिया जाएगा। हालांकि इस घटना से जिले के ग्रामीण लोगों में दहशत का माहौल है। यह 2022 में दर्ज किया गया पहला मानव-पशु संघर्ष है। दो अलग-अलग घटनाओं में, नवंबर 2020 में दहेगांव और पेंचिकलपेट मंडलों में ए2 नामक एक बाघ द्वारा दो आदिवासियों को मार दिया गया था।

चेन स्नेचर गिरफ्तार, दो लाख रुपये के जेवरात बरामद

यादाद्री-भोंगिर, 15 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। भोंगिर पुलिस ने सोमवार को सूर्यापेट के तुगतुर्ती से एक कथित चेन स्नेचर 37 वर्षीय पोइलपाका रमेश को गिरफ्तार किया और उसके पास से दो लाख रुपये मूल्य के 3.5 तोला सोने के गहने बरामद किए। भोंगिर के डीसीपी के नारायण रेड्डी ने कहा कि रमेश ने 1 नवंबर को भोंगीर के रामनगर में चेन स्नैचिंग की। भोंगीर में एक वाहन की जांच के दौरान, पुलिस ने बिना नंबर प्लेट वाली मोटरसाइकिल पर यात्रा कर रहे रमेश को संदेह के आधार पर हिरासत में ले लिया। रमेश ने बाद में भोंगीर में स्नैचिंग करने की बात कबूल की। पुलिस ने कहा कि उसने पहले कोडाकंडला, चौटुप्पल और सूर्यापेट में अपराध किए थे।

हार्वेस्टर चालक की करंट लगने से मौत

हैदराबाद, 15 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मिरुडोद्दी मंडल मुख्यालय में मंगलवार को एक कृषि क्षेत्र में धान की कटाई में लगे एक कटाई मशीन के चालक की करंट लगने से मौत हो गई। उसी गांव के पी सुमन (22) हार्वेस्टर के ऊपर बैठे थे, जो गलती से बिजली के तारों के संपर्क में आ गया, जिससे उन्हें करंट लग गया। भुमपल्ली पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है।

सड़क दुर्घटना में तीन साल के बच्चे की मौत

संगारेड्डी, 15 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। संगारेड्डी जिले के हतनूरा मंडल के दौलताबाद में मंगलवार को ट्रैक्टर की चपेट में आने से एक दुखद घटना में एक तीन वर्षीय बच्चे की मौत हो गयी। नवीन और मालती का छोटा बेटा बंजे श्रीहन अपने घर के सामने खेल रहा था, तभी कथित रूप से तेज रफ्तार ट्रैक्टर उसके ऊपर चढ़ गया। शव को पोस्टमॉर्टम के लिए क्षेत्रीय अस्पताल संगारेड्डी भेज दिया गया है। मामला दर्ज किया गया है।

अगले सीजन से हज खर्च में हो सकती एक लाख रुपये की कटौती !

हैदराबाद, 15 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। अगले सीजन से मक्का की हज यात्रा पर जाने के इच्छुक लोगों के लिए बड़ी राहत के रूप में, सभी राज्यों की हज समितियों ने केंद्रीय हज समिति से खर्च कम से कम 1 लाख रुपये कम करने का आग्रह किया है, बाद वाले ने अनुरोध पर सकारात्मक प्रतिक्रिया दी। इसी तरह, तेलंगाना राज्य हज समिति ने केंद्रीय हज समिति से अपना वार्षिक हज कोटा बढ़ाकर 7,000 और आंध्र प्रदेश का 3,000 करने का अनुरोध किया।

मंगलवार को यहां एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए तेलंगाना राज्य हज समिति के अध्यक्ष मोहम्मद सलीम ने कहा कि 12 नवंबर को नई दिल्ली में केंद्रीय हज समिति की बैठक के दौरान, राज्य हज समितियों के सभी प्रतिनिधियों ने अल्पसंख्यक मामलों की मंत्री स्मृति ईरानी से हज यात्रा को 4 लाख रुपये से घटाकर 2.5 लाख रुपये से 3 लाख रुपये के बीच खर्च कम करने का अनुरोध किया। ईरानी अनुरोध पर विचार करने के लिए सहमत हैं। उन्होंने कहा कि पहले हर हाजी 1 लाख रुपये से 1.25 लाख रुपये खर्च करके हज कर सकता था, लेकिन पिछले कुछ सालों से यह बढ़कर 4 लाख रुपये हो गया है। सलीम ने कहा कि खर्च में बढ़ोतरी का बोझ गरीब और मध्यम वर्ग पर पड़ रहा है। इसलिए, हमने केंद्र से इसे कम से कम 1 लाख रुपये कम करने का अनुरोध किया। यह कहते हुए कि निजी ऑपरेटरों को भी अगले साल से तीर्थयात्रा के लिए शुल्क कम करने के लिए कहा जाएगा, सलीम ने कहा कि हज समितियां निजी ऑपरेटरों द्वारा एकत्र किए गए शुल्क की निगरानी करेंगी। उन्होंने कहा कि अगर वे सरकार के दिशा-निर्देशों का पालन नहीं करते हैं तो उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। केंद्रीय हज समिति वार्षिक हज कोटा को मौजूदा वर्ष के 75,000 के कोटे से बढ़ाकर 2 लाख करने की योजना बना रही थी, इसलिए, राज्य हज समिति ने केंद्र से तेलंगाना के कोटा को 2171 के मौजूदा कोटे से बढ़ाकर 7,000 करने और आंध्र प्रदेश कोटा से 900 से 3,000 करने का अनुरोध किया। केंद्र ने कोविड अवधि के दौरान लागू हाजियों के लिए आयु प्रतिबंध को हटाने पर भी सहमति व्यक्त की है। कोविड के दौरान केवल 60 वर्ष से कम उम्र के लोगों को ही हज करने की अनुमति थी। अब सरकार ने अगले साल से सभी उम्र के लोगों को हज करने की अनुमति देने का फैसला किया है। सलीम ने बताया कि अगले सत्र के लिए हज करने के लिए आवेदन दिसंबर के पहले सप्ताह से शुरू होंगे। उन्होंने आगे कहा कि सेंट्रल हज कमेटी दिसंबर में हज यात्रा के लिए नए दिशा-निर्देश जारी करेगी। उन्होंने कहा कि केंद्रीय हज समिति एक ऐप लॉन्च करेगी जिसके माध्यम से हज यात्रा प्रक्रिया शुरू की जाएगी। तेलंगाना राज्य हज समिति ने वर्ष 2022-23 के लिए सर्वश्रेष्ठ 'आरोहण बिंदु पुरस्कार' प्राप्त किया है। उन्होंने मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव को हज समिति को सभी समर्थन देने के लिए धन्यवाद दिया।

प्रसिद्ध फिल्म अभिनेता और निर्माता घट्टामनेनी शिवराम कृष्णमूर्ति के निधन पर आंप्र के सीएम व तेदेपा प्रमुख चंद्रबाबू नायुडू उन्हें श्रद्धांजलि देने पहुंचे। इस अवसर पर चंद्रबाबू ने उनके पुत्र फिल्मी अभिनेता महेश बाबू को सांत्वना दी।

स्वतंत्र वार्ता

Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.